



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 20, 1997/भाद्र 29, 1919

No. 38]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 20, 1997/BHADRA 29, 1919

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
Separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

गृह मंत्रालय
(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 28th August, 1997

का० आ० 2289.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 की 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री फूलसिंह, निदेशक, गृह मंत्रालय, पुनर्वास प्रभाग को उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अंतर्गत संयुक्त मुख्य बंदोबस्त आयुक्त को प्रदान किए गए कार्यों के निष्पादन के उद्देश्य से संयुक्त मुख्य बंदोबस्त आयुक्त के रूप में तत्काल प्रभाव से नियुक्त करती है।

2. इसके द्वारा दिनांक 4-9-96 को अधिसूचना सं 1(5) 93-बंदोबस्त (क) का अधिक्रमण किया जाता है।

[सं० 1(5)/93-बंदोबस्त (क)]
सुरजीत सिंह, अवर सचिव

S.O. 2289.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954) the Central Government hereby appoint Shri Phool Singh, Director in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division as Joint Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Joint Chief Settlement Commissioner by or under the said Act with immediate effect.

2. This supersedes notification No. 1(5)/93-Settlement (A) dated 4-9-1996.

[No. 1(5)/93-Settlement(A)]
SURJIT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

New Delhi, the 28th August, 1997

का० आ० 2290.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 की 14) की धारा 34 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 33 के अधीन इसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियाँ, श्री फूलसिंह, निदेशक, गृह मंत्रालय, पुनर्वास प्रभाग द्वारा प्रयोग की जाएंगी।

2. इसके द्वारा पुनर्वास प्रभाग की दिनांक 4-9-96 की अधिसूचना सं० 1 (5)/93-बंदोबस्त (ख) का अधि-क्रमण किया जाता है।

[सं० 1(5)/93-बंदोबस्त (ख)]

सुरजीत सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 28th August, 1997

S.O. 2190.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby direct that the powers exercisable by it under Section 33 of the said Act shall be exercisable by Shri Phool Singh, Director, Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division.

2. This supersedes, Rehabilitation Division's Notification No. 1(5)/93-Settlement (B) dated 4-9-1996.

[No. 1(5)/93-Settlement(B)]

SURJIT SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

का० आ० 2291.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 की 44) की धारा 34 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (4) के तहत इसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियाँ श्री फूलसिंह, निदेशक, गृह मंत्रालय, पुनर्वास प्रभाग द्वारा प्रयोग की जाएंगी।

2. इसके द्वारा पुनर्वास प्रभाग की दिनांक 4-9-96 की अधिसूचना सं० 1(5)/93-बंदोबस्त (ग) का अधि-क्रमण किया जाता है।

[सं० 1(5)/93-बंदोबस्त (ग)]

सुरजीत सिंह, अवर सचिव

S.O. 2291.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954) the Central Government hereby direct that the powers exercisable by it under Sub-Section (4) of Section 24 of the said Act shall be exercisable by Shri Phool Singh, Director in the Ministry of Home Affairs, Rehabilitation Division.

2. This supersedes Rehabilitation Division's Notification No. 1(5)/93-Settlement (C) date 4-9-1996.

[No. 1(5)/93-Settlement (C)]

SURJIT SINGH, Under Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1997

का० आ० 2292.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं० 2) की धारा 24 कं. उपधारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित लोक अभियोजकों को, ऐसे किसी राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र जिन पर पूर्वोक्त धारा के उपबंध लागू होते हैं, विचारण न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा संस्थित मामलों तथा विधि द्वारा स्थापित पुनरीक्षण अथवा अपील न्यायालयों में इन मामलों में उद्भूत अपील/पुनरीक्षणों अथवा अन्य विषयों का संचालन करने के लिए विशेष लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है :—

1. श्री बी के खन्ना
2. श्री डी आर शंखवार
3. श्री टी बी रमणा
4. श्री चन्द्र प्रकाश पांडेय
5. श्री एस डी बी चेतनी

[सं० 225/1/97-ए बी डी-II]

हरि सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSION

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 3rd September, 1997

S.O. 2292.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints the following public prosecutors of the Central Bureau of Investigation as Special Public Prosecutor for the conduct of cases instituted by Delhi Special Police Establish-

ment in the trial courts and appeals/revisions or other matters arising out of these cases in revisional or appellate courts established by Law in any State or Union Territory to which the provision of the aforesaid section apply.

- (1) Shri V. K. Khanna,
- (2) Shri D. R. Sankhwar,
- (3) Shri T. V. Ramana,
- (4) Shri Chandra Prakash Pandey,
- (5) Shri S. D. B. Chenji

[No. 225/1/97-AVD. II]
HARI SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1997

का. आ. 2293.—केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का अधिनियम सं. 2) की धारा 25 की उपधारा (1-ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित अभिजाजका को ऐसे किसी राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र में जिन पर पूर्वोक्त धारा के उपबंध लागू होते हैं, मजिस्ट्रेट न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना द्वारा संस्थित किसी मामले अथवा मामलों के वर्ग का संचालन करने के लिए सहायक लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करती है :—

1. श्री एच. एस. धालीवाल
2. श्री ए. ए. अंसारी
3. श्री ए. एस. नागदेव
4. श्री वी. एस. वेकटेश

[सं. 225/6/97-ए वी डी-II]
हरि सिंह, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd September, 1997

S.O. 2293.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1-A) of section 25 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (Act No. 2 of 1974), the Central Government hereby appoints the following prosecutors of the Central Bureau of Investigation, as Special Public Prosecutors, for the conduct of Cases instituted by Delhi Special Police Establishment in the courts of Magistrates in any State or Union Territory to which the provisions of the aforesaid section apply.

1. Sh. H. S. Dhaliwal,
2. Sh. A. A. Ansari,
3. Sh. A. S. Nagdeve,
4. Sh. V. S. Venketesh

[No. 225/6/97-AVD. II]
HARI SINGH, Under Secy.

विन मन्त्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

स्टाम्प

का. आ. 2294.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो कि स्टेट बैंक ऑफ बिकानेर एंड जयपुर द्वारा 6 मार्च, 1997 को आयोजित किए गए मात्र चालिस करोड़ रु. के समग्र मूल्य के 8001 से 16000 तक की विशिष्ट संख्या वाले 16% असुरक्षित विमोच्य अपरिवर्तनीय एस वी बी जे बंधपत्रों (11 शृंखला) के रूप में वर्णित प्रोमिसरी नोटों के रूप के बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभावी है।

[सं. 42/97-स्टा. फा. सं. 14/11/97-वि. क.]
एस. कुमार, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 28th August, 1997

STAMPS

S.O. 2294.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as 16% Unsecured Redeemable Non-Convertible SBBJ Bonds (II Series) bearing distinctive numbers from 8001 to 16000 of the aggregate value of rupees forty crores only allotted on 6th March, 1997 by the State Bank of Bikaner and Jaipur are chargeable under the said Act.

[No. 42/97-Stamp-F.No. 14/11/97-ST]
S. KUMAR, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(वैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1997

का. आ. 2295.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 9 के उपबंध बैंक ऑफ

मदुरा लि. पर 12 मार्च, 1998 की अवधि तक के लिए ग्राम वन्दनामुरी, ताल्लुक अम्बालपुजहा जिन्ना अलेप्पी, केरल राज्य में स्थित 4.51 एकड़ की अचल सम्पत्ति के संबंध में लागू नहीं होंगे।

[सं. 15/5/97-बी ओ ए]
के. के. मंगल, अवर सचिव

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 2nd September, 1997

S.O.2295.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendation of Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 9 of the said Act shall not apply to Bank of Madras Ltd., for a period upto 12th March, 1998 in respect of immovable property of 4.51 acres situated at Vandanamuri Village, Ambalapuzha Taluka Alleppey District, Kerala State.

[No. 15/5/97-BOA]
K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1997

का. प्रा. 2296.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) के

माथ परित बैंककारी कंपनो (उपग्रहों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9 की उप-धारा 3 के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री के. शिवरामन, प्रधानाचार्य, भारतीय रिजर्व बैंक स्टाफ कालेज चेन्नई को श्री आर. रामानुजम के स्थान पर सिंडिकेट बैंक का निदेशक नामित करता है।

[एफ. सं. 9/18/96-बी. ओ. I]

सुधीर श्रीवास्तव, निदेशक

New Delhi the 5th September, 1997.

S.O.2296.—In exercise of the powers conferred by clause (C) of sub-section 3 of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 read with sub-clause (1) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby nominates Shri K. Sivaraman, Principal, Reserve Bank Staff College, Chennai as a Director of Syndicate Bank vice Shri R. Ramanujam.

[F. No. 9/18/95-B.O.I.]

SUDHIR SHRIVASTAVA, Director

शहरी कार्य और रोजगार मंत्रालय

(शहरी विकास विभाग)

(दिल्ली प्रभाग)

सार्वजनिक सचना

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1997]

का. प्रा. 2297.—केन्द्र सरकार का दिल्ली बृहद योजना/क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित निम्नलिखित संशोधन एतद्वारा सार्वजनिक सूचना के लिये प्रकाशित किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति अथवा सुझाव हों तो इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 30 दिन के अंदर सचिव, शहरी विकास मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली को लिखा जा सकता है। आपत्ति अथवा सुझाव देने वाले व्यक्ति अपना नाम और पता भी लिखें।

संशोधन

“विदेश संचार निगम लिमिटेड की 158 एकड़ भूमि, जिनके उत्तर में मांडी गांव की ओर जाने वाली सड़क है का भूउपयोग “ग्रामीण उपयोग” से “सार्वजनिक अथवा अर्ध सार्वजनिक (संस्थानिक) उपयोग” में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।

उपर्युक्त संशोधन निम्नलिखित शर्तों के अधीन है :—

- (1) भू-उपयोग में इस प्रकार के परिवर्तन से उक्त भूमि पर प्रस्तावित परिसर को सुविधाएँ उपलब्ध कराना नगर निगम इत्यादि के लिये अनिवार्य नहीं होगा।
- (2) विदेश संचार निगम लिमिटेड संबंधित स्थानीय निकायों द्वारा ग्राम क्षेत्र को पालिका सेवाएँ तथा सुविधाएँ उपलब्ध कराये जाने पर इन सेवाओं का उपयोग कर सकता है।
- (3) इस क्षेत्र का विकास दिल्ली बृहद योजना 2001 की विकास संहिता के प्रावधानों द्वारा विधानिर्देशित होगा। तथापि, ग्राम ग्रामीण क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए आविकास आस-पास के ग्रामीण वातावरण के अनुरूप कम ऊँचाई एवं कम घनत्व का होगा।
- (4) भवनों का निर्माण अंतर्गष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण, इत्यादि के इसी प्रकार के अन्य विनियमों, का भी लागू हों, के अनुसार किया जाये; तथा
- (5) परिसर का विकास करते समय सम्पर्क मार्ग (ग्रामीण सड़क) के मध्य से या बराबर दूरी पर आवश्यक मार्गाधिकार छोड़ा जाये।

2. प्रस्तावित संशोधन दर्शाने वाला नक्शा देखने के लिये अवर सचिव (Iबी) का कार्यालय, दिल्ली प्रभाग, शहरी विकास मंत्रालय, कमरा नं. 312-“सी”, निर्माण भवन, नई दिल्ली में ऊपर उल्लिखित अवधि के दौरान भी कार्य दिवसों पर उपलब्ध होगा।

[मं. के-13011/8/97-डी डी Iबी]

के.के. गुप्ता, अवर सचिव

MINISTRY OF URBAN AFFAIRS AND EMPLOYMENT

(Department of Urban Development)

(Delhi Division)

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 2nd September, 1997

S.O. 2297.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan/Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion may please write to the Secretary, Ministry of Urban Development, Nirman Bhawan, New Delhi, within a period of thirty days from the date of issue of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address.

MODIFICATION

“The land use of 158 acres of land belonging to Videsh Sanchar Nigam Limited, bound on the northern side by the road going towards Mandi Village, is proposed to be changed from “rural use” to “public and semi-public (institutional) use”.

The above modification is subject to the following conditions :—

- (i) Such a change in land use shall not make it obligatory to the Municipal Corporation etc. to provide utilities to the proposed complex on the said land.
- (ii) VSNL can avail of such services as and when municipal services and utilities are extended by the local concerned bodies to the general area.
- (iii) The development of the area will be guided by the provisions of the development code of Master Plan of Delhi-2001. However, in view of the general rural areas, development should be low rise and low density, blending with the surrounding rural environment.
- (iv) Building as and when constructed, shall be according to such other regulations of the International Airports Authority, etc. which may apply; and
- (v) Necessary right of way equi-distant from from the centre of the approach road (rural road) shall be left whole developing the campus.

2. The Plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Under Secretary (IB), Delhi Division, Ministry of Urban Development, Room No. 312-C, Nirman Bhawan, New Delhi, on all working days within the period referred to above.

[No. K-13011/8/97-DDIB]

K. K. GUPTA, Under Secy.

कोयला मंत्रालय

नई दिल्ली 5 सितम्बर, 1997

का.आ. 2298.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 2939 तारीख 19 अक्टूबर, 1996 जो भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 19 अक्टूबर, 1996 में प्रकाशित अधिसूचना द्वारा उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि और उस पर के अधिकारों के अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी,

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है,

और केन्द्रीय सरकार, का. पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और उड़ीसा सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 1701.110 एकड़ (लगभग) 688.430 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि अर्जित किये जाने चाहिये।

अतः केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त अनुसूची में वर्णित 170.110 एकड़ (लगभग) या 688.430 हैक्टर (लगभग) माप वाली भूमि को उक्त भूमि में या उन पर के सभी अधिकारों के साथ अर्जित को जाती है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एम.सी.एल./एस.ए.एम.बी.सी.जी.एम.(सी.पी.एण्ड.पी.)/96/07 तारीख 3 दिसम्बर, 1996 का निरीक्षण कलक्टर अंगुल (उड़ीसा) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या महानदी कोलफील्ड्स लि. (निगमित योजना विभाग) आनन्द विहार, डाकघर ए.सी.ई. बरला, जिला सम्बलपुर (उड़ीसा) के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

भुवनेश्वरी खड

तलचर कोलफील्ड (हिगुसा क्षेत्र)

जिला अंगुल (उड़ीसा)

सभी अधिकार

(रेखांक सं. एम.सी.एल./एस.ए.एम.बी.सी.जी.एम.) (सी.पी.)/97/07 तारीख 3 दिसम्बर, 1996

क्रम सं.	ग्राम का नाम	पुलिस थाना सं.	तहसील/	जिला सब डिविजन	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	हेंसामुला	तलचर 85	तलचर	अंगुल	511.850	भाग
2.	जिलिदा	तलचर 86	तलचर	अंगुल	643.970	भाग
3.	नरहरिपुर	तलचर 116	तलचर	अंगुल	330.430	भाग
4.	लंगीजोदा	तलचर 119	तलचर	अंगुल	33.750	भाग
5.	खदोलबहाल	तलचर 87	तलचर	अंगुल	92.680	भाग
6.	मदनमोहनपुर	तलचर 124	तलचर	अंगुल	17.970	भाग
7.	अनादिपुर	तलचर 120	तलचर	अंगुल	21.680	भाग
8.	कांघल	तलचर 125	तलचर	अंगुल	48.780	भाग

कुल 1701.110 एकड़ (लगभग)

या

688.430 हैक्टर (लगभग)

1. ग्राम हँसमुला में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) : —2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160 (P), 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 268, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449 (P), 450 (P), 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 383, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 577, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 781, 782, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 845, 846, 852, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1999, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1186, 1187, 1188, 1189 (P), 1190 (P), 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 13340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1352, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1427, 1428, 1429, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1721, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1688, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 696, 1697, 1698, 1699, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1717, 1723(P),

1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 3126, 3127(P), 3129, 3130, 3131, 3132, 3133, 3134, 1590/5899, 1590/5900, 1590/5901, 699/5902, 698/5903, 714/5904, 505/5905, 549/5906, 550/5907, 561/5908, 556/5909, 505/5910, 452/5911, 452/5912, 452/5913, 1260/5919, 275/5921, 275/5922, 621/5927, 1406/5928, 456/5929, 455/5930, 454/5931, 452/5932, 453/5933, 452/5934, 481/5935, 569/5936, 473/5937, 473/5938, 466/5939, 466/5940, 462/5941, 481/5942, 1336/5944, 1336/5945, 1066/5948, 1059/5949, 1059/5950, 1159/5951, 599/5952, 599/5953, 1418/5954, 817/5964, 343/5965, 324/5966, 524/5967, 1312/5968, 1330/5969, 1330/5970, 387/5988, 783/5993, 783/5994, 783/5995, 783/5996, 783/5997, 783/5998, 783/5999, 783/6000, 783/6001, 783/6006, 1606/6010, 775/6025, 775/6026, 775/6027, 382/6031, 382/6032, 630/6034, 400/6036, 544/6037, 1595/6042, 730/6045, 730/6046, 730/6047, 358/6048, 442/6049, 443/6050, 331/6054, 1339/6055, 1267/6069, 1267/6070, 634/6074, 1295/6085, 1295/6086, 1316/6087, 3132/6088, 846/6089, 846/6090, 171/6091, 175/6092, 176/6093, 184/6094, 185/6095, 18C/6096, 187/6097, 190/6098, 191/6099, 192/6100, 1705/6110, 329/6126, 24/6128, 151/6129, 151/6130, 141/6131, 3/6132, 3/6133, 7/6136, 1702/6142, 3131/6143, 350/6144, 1618/6154, 1590/6155, 549/6164, 1415/6165, 1415/6166, 1415/6167, 287/6172, 290/6173, 766/6174, 1590/6177, 612/6181, 1276/6191, 1276/6192, 1274/6193, 597/6197, 598/6198, 1207/6204, 520/6207, 1347/6208, 1627/6209, 1629/6210, 160/6213, 1620/6215, 1602/6231, 1639/6232, 1412/6233, 1407/6234, 199/6241, 167/6242, 1899/6243, 1898/6244, 651/6245, 1189/6246(P), 641/6278, 640/6279, 640/6280, 244/6292, 5120/6300, 512/6301, 512/6302, 114/6303, 1349/6304, 1349/6305, 562/6314, 813/6318, 1712/6323, 520/6349, 1620/6350, 1651/6353, 1627/6363, 1415/6370, 1415/6371, 1415/6372, 1329/6385, 562/6422, 562/6423, 773/6441, 199/6444, 439/6446, 773/6449, 439/6453 and 439/6454.

2. ग्राम त्रिजिदा में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) :—

2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735,

736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147, 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163, 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179, 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211, 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227, 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243, 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259, 1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679,

1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716,
1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734
1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751
1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769,
1770, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788,
1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806,
1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825,
1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843,
1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862,
1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881,
1882, 1883, 1884, 1885, 1886, 1887, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899,
1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917, 1918,
1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933, 1934, 1935, 1936,
1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1944, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954 1555,
1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 1961, 1962, 1963, 1964, 1965, 1966, 1967, 1968, 1969, 1970, 1971, 1972, 1973,
1974, 1975, 1976, 1977, 1978, 1979, 1980, 1981, 1982, 1983, 1984, 1985, 1986, 1987, 1988, 1989, 1990, 1991, 1992,
1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009,
2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028,
2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047,
2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066,
2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084,
2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102,
2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120,
2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138,
2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157,
2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177
2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197,
2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216,
2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235
2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254,
2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269,
2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288,
2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307,
2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326,
2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344,
2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 23

2708, 2709, 2710, 2711, 2712, 2713, 2714, 2715, 2716, 2717, 2718, 2719, 2720, 2721, 2722, 2723, 2724, 2725, 2726, 2727, 2728, 2729, 2730, 2731, 2732, 2733, 2734, 2735, 2736, 2737, 2738, 2739, 2740, 2741, 2742, 2743, 2744, 2745, 2746, 2747, 2748, 2749, 2750, 2751, 2752, 2753, 2754, 2755, 2756, 2757, 2758, 2759, 2760, 2761, 2762, 2763, 2764, 2765, 2766, 2767, 2768, 2769, 2770, 2771, 2772, 2773, 2774, 2775, 2776, 2777, 2778, 2779, 2780, 2781, 2782, 2783, 2784, 2785, 2786, 2787, 2788, 2789, 2790, 2791, 2792, 2793, 2794, 2795, 2796, 2797, 2698, 2799, 2800, 2801, 2802, 2803, 2804, 2805, 2806, 2807, 2808, 2809, 2810, 2811, 2812, 2813, 2814, 2815, 2816, 2817, 2818, 2819, 2820, 2821, 2822, 2823, 2824, 2825, 2826, 2827, 2828, 2829, 2830, 2831, 2832, 2833, 2834, 2835, 2836, 2837, 2838, 2839, 2840, 2841, 2842, 2843, 2844, 2845, 2846, 2847, 2848, 2849, 2850, 2851, 2852, 2853, 2854, 2855, 2856, 2857, 2858, 2859, 2860, 2861, 2862, 2863, 2864, 2865, 2866, 2867, 2868, 2869, 2870, 2871, 2872, 2873, 2874, 2875, 2876, 2877, 2878, 2879, 2880, 2881, 2882, 2883, 2884, 2885, 2886, 2887, 2888, 2889, 2890, 2891, 2892, 2893, 2894, 2895, 2896, 2897, 2898, 2899, 2900, 2901, 2902, 2903, 2904, 2905, 2906, 2907, 2908, 2909, 2910, 2911, 2912, 2913, 2914, 2915, 2916, 2917, 2918, 2919, 2920, 2921, 2922, 2923, 2924, 2925, 2926, 2927, 2928, 2929, 2930, 2931, 2932, 2933, 2934, 2935, 2936, 2937, 2938, 2939, 2940, 2941, 2942, 2943, 2944, 2945, 2946, 2947, 2948, 2949, 2950, 2951, 2952, 2953, 2954, 2955, 2956, 2957, 2958, 2959, 2960, 2961, 2862, 2963, 2964, 2965, 2966, 2967, 2968, 2969, 2970, 2971, 2972, 2973, 2974, 2975, 2976, 2977, 2978, 2979, 2980, 2981, 2982, 2983, 2984, 2985, 2986, 2987, 2988, 2989, 2990, 2991, 2992, 2993, 2994, 2995, 2996, 2997, 2998, 2999, 3000, 3001, 3002, 3003, 3004, 3005, 3006, 3007, 3008, 3009, 3010, 3011, 3012, 3013, 3014, 3015, 3016, 3017, 3018, 3019, 3020, 3021, 3022, 3023, 3024, 3025, 3026, 3027, 3028, 3029, 3030, 3031, 3032, 3033, 3034, 3035, 3036, 3037, 3038, 3039, 3040, 3041, 3042, 3043, 3044, 3045, 3046, 3047, 3048, 3049, 3050, 3051, 3052, 3053, 3054, 3055, 3056, 3057, 3058, 3059, 3060, 3061, 3062, 3063, 3064, 3065, 3066, 3067, 3068, 3069, 3070, 3071, 3072, 3073, 3074, 3075, 3076, 3077, 3078, 3079, 3080, 3081, 3082, 3083, 3084, 3085, 3086, 3087, 3088, 3089, 3090, 3091, 3092, 3093, 3094, 3095, 3096, 3097, 3098, 3099, 3100, 3101, 3102, 3103, 3104, 3105, 3106, 3107, 3108, 3109, 3110, 3111, 3112, 3113, 3114, 3115, 3116, 3117, 3118, 3119, 3120, 3121, 3122, 3123, 3124, 3125, 3126, 3127, 3128, 3129, 3130, 3131, 3132, 3133, 3134, 3135, 3136, 3137, 3138, 3139, 3140, 3141, 3142, 3143, 3144, 3145, 3146, 3147, 3148, 3149, 3150, 3151, 3152, 3153, 3154, 3155, 3156, 3157, 3158, 3159, 3160, 3161, 3162, 3163, 3164, 3165, 3166, 3167, 3168, 3169, 3170, 3171, 3172, 3173, 3174, 3175, 3176, 3177, 3178, 3179, 3180, 3181, 3182, 3183, 3184, 3185, 3186, 3187, 3188, 3189, 3190, 3191, 3192, 3193, 3194, 3195, 3196, 3197, 3198, 3199, 3200, 3201, 3202, 3203, 3204, 3205, 3206, 3207, 3208, 3209, 3210, 3211, 3212, 3213, 3214, 3215, 3216, 3217, 3218, 3219, 3220, 3221, 3222, 3223, 3224, 3225, 3226, 3227, 3228, 3229, 3230, 3231, 3232, 3233, 3234, 3235, 3236, 3237, 3238, 3239, 3240, 3241, 3242, 3243, 3244, 3245, 3246, 3247, 3248, 3249, 3250, 3251, 3252, 3253, 3254, 3255, 3256, 3257, 3258, 3259, 3260, 3261, 3262, 3263, 3264, 3265, 3266, 3267, 3268, 3269, 3270, 3271, 3272, 3273, 3274, 3275, 3276, 3277, 3278, 3279, 3280, 3281, 3282, 3283, 3284, 3285, 3286, 3287, 3288, 3289, 3290, 3291, 3292, 3293, 3294, 3295, 3296, 3297, 3298, 3299, 3300, 3301, 3302, 3303, 3304, 3305, 3306, 3307, 3308, 3309, 3310, 3311, 3312, 3313, 3314, 3315, 3316, 3317, 3318, 3319, 2858/3320, 2599/3321, 3134/3322, 358/3323, 1357/3324, 1142/3325, 418/3326, 1205/3327, 1035/3328, 1034/3329, 1726/3330, 2540/3331, 1212/3332, 837/3333, 1395/3334, 2425/3335, 2425/3336, 2456/3337, 2920/3338, 500/3339, 21/3340, 21/3341, 314/3342, 1161/3343, 1581/3344, 1214/3345, 875/3346, 884/3347, 885/3348, 18/3349, 295/3350, 1113/3351, 1115/3352, 1313/3353, 472/3354, 24/3355, 75/3356, 75/3357, 1011/3358, 1061/3359, 501/3360, 501/3361, 501/3362, 501/3363, 659/3364, 2179/3365, 756/3366, 498/3367, 498/3368, 498/3369, 506/3370, 506/3371, 506/3372, 506/3373, 506/3374, 508/3375, 529/3376, 525/3377, 548/3378, 548/3379, 3055/3380, 3057/3381, 3057/3382, 3057/3383, 3139/3384, 3177/3385, 654/3386, 3316/3387, 418/3388, 839/3389, 2695/3390, 397/3391, 1078/3392, 1091/3393, 2516/3394, 333/3395, 333/3396, 281/3397, 281/3398, 281/3399, 281/3400, 281/3401, 281/3402, 281/3403, 281/3404, 224/3405, 224/3406, 646/3407, 1082/3408, 1084/3409, 650/3410, 3086/3411, 3086/3412, 1345/3413, 106/3414, 1208/3415, 403/3416, 403/3417, 1339/3418, 1339/3419, 1339/3420, 1344/3421, 3235/3422, 3235/3423, 3235/3424, 3235/3425, 3274/3426, 3274/3427, 3277/3428, 3295/3430, 1410/3431, 1410/3432, 1250/3433, 1249/3434, 1250/3435, 1193/3436, 1194/3437, 2503/3438, 182/3439, 2802/3440, 2809/3441, 1770/3442, 2252/3443, 2497/3444, 2497/3445, 2497/3446, 2497/3447, 1770/3448, 560/3449, 29/3450, 1209/3451, 3241/3452, 1156/3453, 1156/3454, 1158/3455, 1215/3456, 2508/3457, 2512/3458, 2512/3459, 286/3460, 358/3461, 1498/3462, 242/3463, 480/3464, 1346/3465, 1346/3466, 1312/3467, 1357/3468, 1357/3469, 1347/3470, 1347/3471, 1348/3472, 1351/3473, 3229/3474, 335/3475, 690/3476, 3117/3477, 3230/3478, 1143/3479, 1142/3480, 1141/3481, 1142/3482, 1700/3483, 1700/3484, 1701/3485, 399/3486, 1213/3487, 2275/3488, 2966/3489, 2966/3490, 340/3491, 662/3492, 1715/3493, 3232/3494, 2192/3495, 3018/3496, 3023/3497, 1010/3498, 294/3499, 307/3500, 274/3501, 398/3502, 398/3503, 407/3504, 407/3505, 407/3506, 407/3507, 2061/3508, 910/3509, 464/3510, 654/3511, 286/3512, 253/3513, 323/3514, 3214, 3515, 3296/3516, 3302/3517, 3303/3518, 2292/3519, 2292/3520, 1339/3512, 1339/3522, 1342/3523, 1344/3524, 2732/3525, 23/3526, 23/3527, 23/3528, 756/3529, 2772/3539, 2772/3531, 2772/3532, 2772/3533, 2772/3534, 2772/3535, 2773/3536, 2773/3537, 2773/3538, 2773/3539, 1089/3540, 1097/3441, 1/3542, 1251/3543, 2498/3544, 1101/3545, 16/3546, 3480/3547, 3159/3548, 2673/3549, 2159/3550, 2497/3531, 1139/3552, 1139/3553, 1140/3553, 1137/3555, 1213/3556, 1213/3557, 1547/3558, 1490/3559, 671/3560, 674/3561, 2175/3562,

812/3563, 878/3564, 895/3565, 902/3566, 902/3567, 824/3568, 824/3569, 824/3570, 824/3571, 824/3572, 824/3573, 824/3574, 840/3575, 1201/3576, 1201/3577, 3057/3578, 3057/3579, 2787/3580, 400/3581, 400/3582, 1115/3583, 1115/3584, 2802/3585, 2802/3586, 2964/3587, 2964/3588, 2206/3589, 2258/3590, 1333/3591, 1140/3592, 644/3593, 996/3594, 692/3595, 670/3596, 672/3597, 1638/3598, 129/3599, 181/3600, 132/3601, 132/3602, 149/3603, 181/3604, 181/3605, 1062/3606, 1062/3607, 1064/3608, 1074/3609, 1487/3610, 1633/3611, 1636/3612, 160/3613, 2885/3614 and 238/3615.

3. ग्राम नरहरिपुर में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) :—

1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30(P), 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126(P), 127(P'), 139(P), 219(P), 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 202, 303, 304, 305(P), 307, 308, 309, 310, 314(P), 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 581(P), 582(P), 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078,

1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1991, 1992, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105(P), 1106(P), 1110, 1111, 1112, (P) 1120(P), 1131(P), 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1148(P), 1171(P), 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178(P), 1216, 1217, 1218, 1219, (P), 1018/1267, 1018/1268, 408/1269, 407/127, 1177/1272, 461/1273, 20/1276, 581/1279, 836/1282, 1139/1283, 1111/1284, 75/1285, 575/1286, 825/1288, 824/1289, 461/1290, 823/1291, 823/1292, 823/1293, 823/1295, 260/1310, 366/1311, 366/1312, 366/1313, 366/1314, 366/1315, 366/1316, 246/1318, 332/1320, 489/1321, 926/1324, 931/1325, 708/1326, 470/1327, 455/1329, 807/1330, 110/1334, 471/1336, 452/1338, 1179/1340, 599/1341, 581/1342, 4/1343, 32/1344, 39/1345, 497/1346, 699/1347, 11/1348, 11/1349, 857/1350, 1102/1351, 363/1353, 437/1354, 437/1355, 387/1357, 699/1358, 18/1363, 270/1364, 833/1367, 1103/1369, 468/1370, 469/1371, 27/1372, 237/1373, 237/1374, 316/1375, 22/1377, 1177/1378, 40/1379, 575/1380, 1040/1381, 1015/1382, 248/1384, 401/1386, 30/1387, 51/1388, 47/1389, 802/1391, 809/1392, 1138/1393, 713/1394, 1061/1395, 240/1398, 242/1399, 735/1400, 736/1401, 376/1402, 462/1403, 463/1404, 464/1405, 465/1406, 467/1407, 46/1409, 791/1411, 613/1416, 1417, 710/1418, 726/1419, 779/1420, 797/1421 और 1101/1422.

4. ग्राम लांगीजोदा में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) :—

1,5(P), 13(P), 18(P), 19(P), 1/1810, 1/1811, 2/1812, (P), 2/1909, 2/1910, 2/1911, 2/1912, 2/1950, 2/1951, 2/1952, 2/1953, 2/2111, 1952/2117, 1909/2119, 1952/2126, 1953/2152, और 1953/2155.

5. ग्राम खंदोलबहाल में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) :—

2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 43/83, 1/84, 1/85, 1/86, 1/87, 2/87, 2/88, 2/89, 2/90, 2/91, 1/92, 2/93, 2/94, 2/95, 6/96, 3/97, 3/98, 14/99, 14/100, 14/101 और 14/102.

6. ग्राम भवन्मोहनपुर में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) :—

328(P), 339(P), 340(P), 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 356, /534, 343/535, 361/543, 377/561, 543/569, 343/570, 441/582 और 343/593.

7. ग्राम अनादिपुर में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) :—

122(P), 131, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 148/163, 148/170, 154/207, 154/208, 148/209(P), 148/210, 149/211, 149/212, 209/224, और 209/227.

8. ग्राम कांथल में अर्जित प्लॉट संख्यांक (भाग) :—

2207(P), 2208(P), 2225(P), 2226, 2227, 2228, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, (P), 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 234, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342(P), 2343(P), 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371(P), 2372, 2373, 2374, 2383, (P), 2278/2410, 2254/2454, 2260/2495, 2371/2496(P), 2371/2500(P), 2277/2501, 2286/2548, 2286/2560, 2286/2561, 2292/2562, 2299/2648, 2306/-2649, 2303/2650, 2328/2685, 2270/2700, 2272/2706, 2278/2718, 2278/2719, 2278/2720, 2328/2730, 2336/2748, 2310/-2751, 2279/2755, 2318/2760, 2318/2761, 2278/2834, और 2278/2837.

सीमा वर्णन :

- क-ख : रेखा "क" बिन्दु से आरम्भ होती है जो कि ग्राम एकदल, अजानिपुर और हेंसामुला का तिराहा बिन्दु है फिर यह ग्राम हेंसामुला के प्लॉट सं. 1 और 2 की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और तब अल्लाह हंगारा, हेंसामुला की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ख" पर मिलती है।
- ख-ग : रेखा, ग्राम हेंसामुला के प्लॉट सं. 160, 449, 450 और 1723 से होकर जाती है और प्लॉट संख्या 1718 के उत्तरी पूर्व कोन के "ग" बिन्दु पर मिलती है।

ग-घ : रेखा, प्लाट संख्या 1723 की भागतः दक्षिणी सीमा और प्लाट संख्यांक 1717 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है तब यह प्लाट संख्यांक 1715 की पश्चिमी सीमा के भाग, प्लाट संख्यांक 1713, 6323 और 1706 की पश्चिमी सीमा, प्लाट संख्या 6110 की पश्चिमी दक्षिणी सीमा, प्लाट संख्या 1705 की दक्षिणी सीमा के भाग, प्लाट सं. 1703 की पश्चिमी सीमा और प्लाट संख्या 6142 की पश्चिमी तथा दक्षिणी सीमा और प्लाट संख्या 1699 की भागतः पश्चिमी सीमा से होकर जाती है। तब यह प्लाट सं. 1688 की पश्चिमी और दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1691 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट सं. 1692 की भाग दक्षिणी सीमा प्लाट सं. 1660, 1661 और 1892 की दक्षिणी सीमा और प्लाट सं. 1893, 1911, 1945 और 1960 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है। तब यह प्लाट सं. 1589 से होकर जाती है और प्लाट संख्या 1588 के दक्षिणी तथा भागतः पूर्वी सीमा से होकर जाती है। प्लाट सं. 1582 और 1584 के दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट संख्या 1585 की पूर्वी सीमा, प्लाट संख्या 1419, 1420 की दक्षिणी सीमा और प्लाट सं. 1427 की दक्षिणी तथा भागतः पूर्वी सीमा और प्लाट सं. 1429, 1384 और 1383 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है। तब यह दक्षिणी और प्लाट सं. 1382 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा प्लाट संख्या 6208 की भागतः दक्षिणी सीमा, प्लाट सं. 1350 की दक्षिणी सीमा 6305, 6304 और 1342 की दक्षिणी सीमा, प्लाट संख्या 1352 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा और प्लाट सं. 1320 की दक्षिणी सीमा के भाग के साथ-साथ जाती है तब रेखा प्लाट सं. 1319 की दक्षिणी और भागतः पूर्वी सीमा और प्लाट संख्यांक 1318 और 1317 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है। तब यह प्लाट संख्यांक 3126 की भागतः पश्चिमी और दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है प्लाट संख्यांक 3127 से होकर जाती है तब प्लाट संख्यांक 3129 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है और प्लाट सं. 3134 से होकर जाती है और "घ" बिन्दु पर मिलती है।

घ-ङ-च : रेखा प्लाट संख्यांक 3134, 5919 और 670 की भागतः पूर्वी सीमा से जाती है और "ङ" बिन्दु पर मिलती है। तब यह प्लाट संख्यांक 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1124, 1126, 1127 और 1130 की भागतः दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है। तब यह प्लाट संख्यांक 1131 और 1134 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा, प्लाट संख्यांक 1133, 1115, 1114, 1013 और 776 की पूर्वी सीमा और प्लाट सं. 772 की भागतः दक्षिणी पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है। तब यह प्लाट संख्यांक 781 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा प्लाट संख्यांक 6001, 6000 और 6006 की दक्षिणी सीमा, प्लाट संख्यांक 791 की दक्षिणी तथा भागतः पूर्वी सीमा, प्लाट संख्यांक 796, 6318, 814, 5964, 817, 818 और 819 की दक्षिणी सीमा, प्लाट संख्यांक 820 की दक्षिणी तथा भागतः पूर्वी सीमा और प्लाट संख्यांक 845, 6089 और 847 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ जाती है। रेखा प्लाट सं. 852 के भागतः पश्चिमी दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है और "च" बिन्दु पर मिलती है।

च-छ-ज : रेखा ग्राम जिनिदा और हेंसामुला की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और ग्राम हेंसामुला के प्लाट सं. 1186 के दक्षिण पश्चिमी कोण के "छ" बिन्दु पर मिलती है तब यह प्लाट सं. 1186 की दक्षिणी सीमा और प्लाट सं. 6246 की भागतः पश्चिमी सीमा के साथ साथ बढ़ती है और यह प्लाट संख्यांक 6246 1189 और 1190 से होते हुए जाती है और ग्राम हेंसामुला के प्लाट संख्यांक 6204 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है और "ज" बिन्दु पर मिलती है जो ग्राम हेंसामुला और नरहरिपुर को दोराहा बिन्दु है।

ज-झ : रेखा ग्राम हेंसामुला और नरहरिपुर की सम्मिलित सीमा के "ज" बिन्दु को पार करती है तब यह प्लाट संख्या 1186 और 1105 से होते हुए जाती है और प्लाट संख्यांक 1110 की भागतः दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है तब यह प्लाट संख्यांक 1112, 1120 और 1131 से होते हुए जाती है और प्लाट संख्यांक 1131 की पूर्वी सीमा के भाग और प्लाट सं. 1134 की भागतः दक्षिणी सीमा और प्लाट संख्यांक 1137, 1139 और 1149 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है फिर यह प्लाट सं. 1148 से होते हुए जाती है प्लाट सं. 1172 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है तब प्लाट सं. 1171 से होते हुए जाती है और प्लाट संख्यांक 1174 और 1175 की दक्षिणी सीमा तथा प्लाट संख्यांक 1176 की भागतः दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है फिर रेखा प्लाट संख्यांक 1340 की दक्षिणी सीमा फिर प्लाट संख्यांक 1216 के भागतः पश्चिमी दक्षिणी और भागतः पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और तब प्लाट संख्यांक 1219 और 1178 से होते हुए जाती है। तब यह प्लाट संख्यांक 846 के भागतः दक्षिणी और पूर्वी

सीमा के साथ साथ जाती है और प्लाट सं. 837 की भागत: पूर्वी सीमा के साथ जाती है। फिर यह प्लाट सं. 1281 की दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा प्लाट संख्या 834 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा फिर प्लाट संख्या 833 और 826 की भागत: दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा साथ साथ जाती है और फिर प्लाट संख्यांक 826 की दक्षिणी और पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है फिर यह प्लाट संख्यांक 827 की भागत: दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा, फिर प्लाट सं. 1288 की भागत: दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा, फिर प्लाट संख्यांक 1295 की दक्षिणी तथा पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है फिर प्लाट सं. 1293 की भागत: दक्षिणी सीमा और ग्राम नरहरिपुर के प्लाट सं. 823 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है और "अ" बिन्दु पर मिलती है जो कि ग्राम नरहरिपुर और लांगीजोदा की सम्मिलित सीमा पर है।

झ-अ-ट : रेखा ग्राम नरहरिपुर और लांगीजोदा की सम्मिलित सीमा को पार करती है और यह ग्राम लांगीजोदा प्लाट सं. 1812 से होकर जाती है, फिर प्लाट संख्यांक 1912 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ बढ़ती है और प्लाट संख्यांक 513, 18 और 19 से होकर जाती है और ग्राम लांगीजोदा और कांधल की सम्मिलित सीमा के "अ" बिन्दु पर मिलती है फिर ग्राम कांधल और लांगीजोदा की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है जो ग्राम कांधल के प्लाट सं. 2338 की दक्षिणी सीमा भी है फिर यह प्लाट संख्यांक 2348 और 2342 से होते हुए ग्राम कांधल को पार करती है फिर प्लाट संख्यांक 2341 की भागत: दक्षिणी सीमा और प्लाट संख्यांक 2351 2352 2374 और 2373 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ जाती है फिर यह प्लाट संख्यांक 2371 2496 2500 और 2383 से होते हुए जाती है और "ट" बिन्दु पर मिलती है जो कि ग्राम कांधल और मदनमोहनपुर का दोराहा बिन्दु है।

ट-ठ-ड-ड : रेखा प्लाट संख्यांक 404, 405 और 406 और 406 की दक्षिणी सीमा के साथ साथ ग्राम मदनमोहनपुर से होकर जाती है फिर यह प्लाट सं. 436 के भागत: पश्चिमी दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा प्लाट सं. 428 की दक्षिणी सीमा और प्लाट सं. 444 की दक्षिणी और भागत: पूर्वी सीमा के साथ साथ बढ़ती है फिर यह प्लाट संख्यांक 448 और 449 की दक्षिणी सीमा प्लाट संख्यांक 449, 450 452 और 453 की पूर्वी सीमा के साथ साथ बढ़ती है फिर प्लाट संख्यांक 339, 340 और 328 और प्लाट संख्यांक 342 की उत्तरी सीमा से होते हुए जाती है और ग्राम मदनमोहनपुर और कांधल के दोराहे बिन्दु "ड" पर मिलती है फिर यह ग्राम मदनमोहनपुर और कांधल की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और ग्राम कांधल से होकर प्लाट संख्यांक 2252 की उत्तरी सीमा के साथ जाती है। फिर यह प्लाट सं. 2225 से होकर जाती है तथा प्लाट संख्यांक 2276 की उत्तरी सीमा के साथ जाती है। फिर यह प्लाट संख्यांक 2237 की भागत: उत्तरी सीमा के साथ साथ जाती है और प्लाट संख्यांक 2208 2278 और 2207 से होते हुए जाती है और ग्राम कांधल और अनादिपुर के दोराहे बिन्दु "ड" पर मिलती है।

ड-ण-त-थ : रेखा ग्राम अनादिपुर से होकर जाती है और प्लाट सं. 122 की भागत: पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ किये प्लाट सं. 131 और 137 की उत्तरी सीमा और प्लाट संख्या 136 की उत्तरी और पश्चिमी सीमा और प्लाट सं. 138 की पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है फिर यह प्लाट सं. 209 से होते हुए जाती है और प्लाट सं. 224 की भागत: पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ जाती है, और "ण" बिन्दु पर मिलती है जो कि ग्राम अनादिपुर और नरहरिपुर का दोराहा बिन्दु है और अनादिपुर और नरहरिपुर की सम्मिलित सीमा को पार करती है फिर यह ग्राम नरहरिपुर के प्लाट संख्या 581 से होकर जाती है और प्लाट संख्यांक 705, 704, 703 की उत्तरी सीमा के साथ साथ जाती है फिर रेखा प्लाट सं. 609 की उत्तरी पश्चिमी सीमा और प्लाट सं. 600 की भागत: उत्तरी सीमा के साथ साथ जाती है फिर प्लाट सं. 599 की पूर्वी उत्तरी और पश्चिमी सीमा और प्लाट सं. मना 598 की उत्तरी सीमा के साथ साथ जाती है। फिर रेखा, थोड़ी ऊपरी तरफ आगे बढ़ती है और प्लाट सं. 582 से होकर जाती है और प्लाट सं. 582 और 577 की सम्मिलित सीमा के "त" बिन्दु पर मिलती है। फिर रेखा प्लाट सं. 577 की दक्षिणी पूर्वी कोण तक नीचे की ओर जाती है और प्लाट सं. 575 की उत्तरी सीमा के साथ साथ फिर प्लाट सं. 1380 की भागत: पूर्वी सीमा और प्लाट संख्या 1380, 1286

और 326 की उत्तरी सीमा के साथ साथ जाती है। फिर यह प्लॉट सं. 314 और प्लॉट संख्या 315 की भागतः पूर्वी सीमा और प्लॉट संख्यांक 310, 309, 308 और 307 की उत्तरी सीमा फिर प्लॉट सं. 305 की भागतः पूर्वी सीमा से होकर जाती है। फिर यह प्लॉट सं. 305 से होते हुए जाती है प्लॉट सं. 233 की पूर्वी और उत्तरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है फिर प्लॉट सं. 219 से होते हुए और प्लॉट सं. 117 की भागतः पूर्वी सीमा के साथ जाती है और प्लॉट सं. 126 और 127 से होते हुए जाती है और फिर प्लॉट सं. 67 की पूर्वी सीमा के साथ साथ जाती है और ग्राम नरहरिपुर के प्लॉट सं. 30 और 139 से होते हुए जाती है और ग्राम नरहरिपुर और जदुनाथपुर की सम्मिलित सीमा के "घ" बिन्दु पर मिलती है।

थ-द-ध-न-प-क : रेखा नरहरिपुर जदुनाथपुर और नरहरिपुर-अरखालपाल की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ साथ ग्राम नरहरिपुर-अरखालपाल जिल्ला के तिराहे तक आगे बढ़ती है और बिन्दु "द" पर मिलती है। फिर यह ग्राम जिल्ला-अरखालपाल की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ जाती है और ग्राम जिल्ला-अरखालपाल-रघुनाथपुर के तिराहे बिन्दु पर "ध" बिन्दु पर मिलती है फिर यह ग्राम जिल्ला-रघुनाथपुर की सम्मिलित सीमा साथ जाती है और "न" बिन्दु पर मिलती है जो कि ग्राम खादुलबाहेल और जिल्ला की सम्मिलित सीमा पर है। फिर रेखा, ग्राम खादुलबाहेल और बी रामचन्द्रपुर की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और ग्राम हेंसामुला और खादुलबाहेल की सम्मिलित सीमा पर "प" बिन्दु पर मिलती है। फिर यह ग्राम हेंसामुला बी रामचन्द्रपुर और हेंसामुला-एकदल की सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है जो कि ग्राम हेंसामुला, एकदल, अजानिपुर का तिराहा बिन्दु है।

[फा.सं. 43015/3/96-एल.एम.डब्ल्यू.]

श्रीमती पी.एल. सेनी, अवर सचिव

MINISTRY OF COAL

New Delhi, the 5th September, 1997

S. O. 2298.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S. O. 2939 dated the 9th October, 1996 issued under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in Part-II Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India dated the 19th October, 1996, the Central Government gave notice of its intention to acquire lands and rights in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority, in pursuance of section 8 of the said Act has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Orissa is satisfied that the lands measuring 1701.110 acres (approximately) or 688.430 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby declares that the land measuring 1701.110 acres (approximately) or 688.430 hectares (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired with all rights in or over the said land.

The plan No. MCL/SAMB/CGM (CD & P)/96/07 dated the 3rd December, 1996 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Angul (Orissa) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the Mahanadi Coalfields Limited (Corporate Planning Department), Anand Vihar, P.O. UCE, Burla, Distt. Sambalpur (Orissa).

SCHEDULE
BHUBANESWARI BLOCK
TALCHER COALFIELD (HINGULA AREA)
DISTRICT ANGUL (ORISSA)

ALL RIGHTS

(Plan No. MCL/SAMB/CGM (CP)/96/07 dated the 03rd Dec., 1996)

Sl. No. Number	Village	Police Station & No.	Tahsil/Sub Div.	District	Area in acres.	Remarks
1.	Hensamula	Talcher 85	Talcher	Angul	511.850	Part
2.	Jilinda	Talcher 86	Talcher	Angul	643.970	Part
3.	Naraharipur	Talcher 116	Talcher	Angul	330.430	Part
4.	Langijoda	Talcher 119	Talcher	Angul	33.750	Part
5.	Khandual-bahal	Talcher 87	Talcher	Angul	92.680	Part
6.	Madanmohampur	Talcher 124	Talcher	Angul	17.970	Part
7.	Anadipur	Talcher 120	Talcher	Angul	21.680	Part
8.	Kandhal	Talcher 123	Talcher	Angul	48.780	Part
Total					1701.110 Acres (approximately) or 688.430 hectares (approximately)	

1. Plot numbers acquired in village Hensamula (Part) :—2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160 (P), 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 263, 364, 365, 366, 367, 268, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449 (P), 450 (P), 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652,

653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 781, 782, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 845, 846, 852, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115, 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131, 1132, 1133, 1134, 1186, 1187, 1188, 1189 (P), 1190 (P), 1191, 1192, 1193, 1194, 1195, 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1260, 1261, 2162, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1352, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1427, 1428, 1429, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1688, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1717, 1723(P), 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1945, 1946, 1947, 1948, 1949, 1950, 1951, 1952, 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958, 1959, 1960, 3126, 3127 (P), 3129, 3130, 3131, 3132, 3133, 3134, 1590/5899, 1590/5900, 1590/5901, 699/5902, 698/5903, 714/5904, 505/5905, 549/5906, 550/5907, 561/5908, 556/5909, 505/5910, 452/5911, 452/5912, 452/5913, 1260/5819, 275/5921, 275/5922, 621/5927, 1406/5928, 456/5929, 455/5930, 454/5931, 453/5932, 452/5933, 452/5934, 481/5935, 569/5936, 473/5937, 473/5938, 466/5939, 466/5940, 462/5941, 481/5942, 1336/5944, 1336/5945, 1066/5948, 1059/5949, 1059/5950, 1159/5951, 599/5952, 599/5953, 1418/5954, 817/5964, 343/5965, 324/5966, 524/5967, 1312/5968, 1330/5969, 1230/5970, 387/5988, 783/5993, 783/5994, 783/5995, 783/5996, 783/5997, 783/5998, 783/5999, 783/6000, 783/6001, 783/6006, 1606/6010, 775/6025, 775/6026, 775/6027, 382/6031, 382/6032, 630/6034, 400/6036, 544/6037, 1595/6042, 730/6045, 730/6046, 730/6047, 358/6048, 442/6049, 443/6050, 331/6054, 1339/6055, 1267/6069, 1267/6070, 634/6074, 1295/6085, 1295/6086, 1316/6087, 3132/6088, 846/6089, 846/6090, 171/6091, 175/6092, 176/6093, 184/6094, 185/6095, 186/6096, 187/6097, 190/6098, 191/6099, 192/6100, 1705/6110, 329/6126, 24/6128, 151/6129, 151/6130, 141/6131, 3/6132, 3/6133, 7/6136, 1702/6142, 3131/6143, 350/6144, 1618/6154, 1590/6155, 549/6164, 1415/6165, 1415/6166, 1415/6167, 287/6172, 290/6173, 766/6174, 1590/6177, 612/6181, 1276/6191, 1276/6192, 1274/6193, 597/6197, 598/6198, 1207/6204, 520/6207, 1347/6208, 1627/6209, 1629/6210, 160/6213, 1620/6215, 1602/6231, 1639/6232, 1412/6233, 1407/6234, 199/6241, 167/6242, 1899/6243, 1898/6244, 651/6245, 1189/6246(P), 641/6278, 640/6279, 640/6280, 244/6292, 5120/6300, 512/6301, 512/6302, 114/6303, 1349/6304, 1349/6305, 562/6314, 813/6318, 1712/6323, 520/6349, 1620/6350, 1651/6353, 1627/6363, 1415/6370, 1415/6371, 1415/6372, 1329/6385, 562/6422, 562/6423, 773/6441, 199/6444, 439/6446, 773/6449, 439/6453 and 439/6454.

2. Plot numbers acquired in village Jilinda (Part) :--

1 2, 3 4, 5 6, 7, 8, 9, 10 11, 12 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 45, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122 123, 124, 125, 126, 127 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217,

218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236,
 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256,
 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275,
 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294,
 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313,
 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332,
 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352,
 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371,
 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390,
 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409,
 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429,
 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448,
 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466,
 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485,
 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504,
 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524,
 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543,
 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562,
 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581,
 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601,
 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620,
 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639,
 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658,
 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677,
 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696,
 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715,
 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735,
 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754,
 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773,
 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793,
 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812,
 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832,
 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851,
 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870,
 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889,
 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909,
 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928,
 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947,
 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967,
 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986,
 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004,
 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020,
 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036,
 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051,
 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067,
 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084,
 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099,
 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105, 1106, 1107, 1108, 1109, 1110, 1111, 1112, 1113, 1114, 1115,
 1116, 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1123, 1124, 1125, 1126, 1127, 1128, 1129, 1130, 1131,
 1132, 1133, 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1145, 1146, 1147,
 1148, 1149, 1150, 1151, 1152, 1153, 1154, 1155, 1156, 1157, 1158, 1159, 1160, 1161, 1162, 1163,
 1164, 1165, 1166, 1167, 1168, 1169, 1170, 1171, 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178, 1179,
 1180, 1181, 1182, 1183, 1184, 1185, 1186, 1187, 1188, 1189, 1190, 1191, 1192, 1193, 1194, 1195,
 1196, 1197, 1198, 1199, 1200, 1201, 1202, 1203, 1204, 1205, 1206, 1207, 1208, 1209, 1210, 1211,
 1212, 1213, 1214, 1215, 1216, 1217, 1218, 1219, 1220, 1221, 1222, 1223, 1224, 1225, 1226, 1227,
 1228, 1229, 1230, 1231, 1232, 1233, 1234, 1235, 1236, 1237, 1238, 1239, 1240, 1241, 1242, 1243,
 1244, 1245, 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1251, 1252, 1253, 1254, 1255, 1256, 1257, 1258, 1259,

1260, 1261, 1262, 1263, 1264, 1265, 1266, 1267, 1268, 1269, 1270, 1271, 1272, 1273, 1274, 1275, 1276, 1277, 1278, 1279, 1280, 1281, 1282, 1283, 1284, 1285, 1286, 1287, 1288, 1289, 1290, 1291, 1292, 1293, 1294, 1295, 1296, 1297, 1298, 1299, 1300, 1301, 1302, 1303, 1304, 1305, 1306, 1307, 1308, 1309, 1310, 1311, 1312, 1313, 1314, 1315, 1316, 1317, 1318, 1319, 1320, 1321, 1322, 1323, 1324, 1325, 1326, 1327, 1328, 1329, 1330, 1331, 1332, 1333, 1334, 1335, 1336, 1337, 1338, 1339, 1340, 1341, 1342, 1343, 1344, 1345, 1346, 1347, 1348, 1349, 1350, 1351, 1352, 1353, 1354, 1355, 1356, 1357, 1358, 1359, 1360, 1361, 1362, 1363, 1364, 1365, 1366, 1367, 1368, 1369, 1370, 1371, 1372, 1373, 1374, 1375, 1376, 1377, 1378, 1379, 1380, 1381, 1382, 1383, 1384, 1385, 1386, 1387, 1388, 1389, 1390, 1391, 1392, 1393, 1394, 1395, 1396, 1397, 1398, 1399, 1400, 1401, 1402, 1403, 1404, 1405, 1406, 1407, 1408, 1409, 1410, 1411, 1412, 1413, 1414, 1415, 1416, 1417, 1418, 1419, 1420, 1421, 1422, 1423, 1424, 1425, 1426, 1427, 1428, 1429, 1430, 1431, 1432, 1433, 1434, 1435, 1436, 1437, 1438, 1439, 1440, 1441, 1442, 1443, 1444, 1445, 1446, 1447, 1448, 1449, 1450, 1451, 1452, 1453, 1454, 1455, 1456, 1457, 1458, 1459, 1460, 1461, 1462, 1463, 1464, 1465, 1466, 1467, 1468, 1469, 1470, 1471, 1472, 1473, 1474, 1475, 1476, 1477, 1478, 1479, 1480, 1481, 1482, 1483, 1484, 1485, 1486, 1487, 1488, 1489, 1490, 1491, 1492, 1493, 1494, 1495, 1496, 1497, 1498, 1499, 1500, 1501, 1502, 1503, 1504, 1505, 1506, 1507, 1508, 1509, 1510, 1511, 1512, 1513, 1514, 1515, 1516, 1517, 1518, 1519, 1520, 1521, 1522, 1523, 1524, 1525, 1526, 1527, 1528, 1529, 1530, 1531, 1532, 1533, 1534, 1535, 1536, 1537, 1538, 1539, 1540, 1541, 1542, 1543, 1544, 1545, 1546, 1547, 1548, 1549, 1550, 1551, 1552, 1553, 1554, 1555, 1556, 1557, 1558, 1559, 1560, 1561, 1562, 1563, 1564, 1565, 1566, 1567, 1568, 1569, 1570, 1571, 1572, 1573, 1574, 1575, 1576, 1577, 1578, 1579, 1580, 1581, 1582, 1583, 1584, 1585, 1586, 1587, 1588, 1589, 1590, 1591, 1592, 1593, 1594, 1595, 1596, 1597, 1598, 1599, 1600, 1601, 1602, 1603, 1604, 1605, 1606, 1607, 1608, 1609, 1610, 1611, 1612, 1613, 1614, 1615, 1616, 1617, 1618, 1619, 1620, 1621, 1622, 1623, 1624, 1625, 1626, 1627, 1628, 1629, 1630, 1631, 1632, 1633, 1634, 1635, 1636, 1637, 1638, 1639, 1640, 1641, 1642, 1643, 1644, 1645, 1646, 1647, 1648, 1649, 1650, 1651, 1652, 1653, 1654, 1655, 1656, 1657, 1658, 1659, 1660, 1661, 1662, 1663, 1664, 1665, 1666, 1667, 1668, 1669, 1670, 1671, 1672, 1673, 1674, 1675, 1676, 1677, 1678, 1679, 1680, 1681, 1682, 1683, 1684, 1685, 1686, 1687, 1688, 1689, 1690, 1691, 1692, 1693, 1694, 1695, 1696, 1697, 1698, 1699, 1700, 1701, 1702, 1703, 1704, 1705, 1706, 1707, 1708, 1709, 1710, 1711, 1712, 1713, 1714, 1715, 1716, 1717, 1718, 1719, 1720, 1721, 1722, 1723, 1724, 1725, 1726, 1727, 1728, 1729, 1730, 1731, 1732, 1733, 1734, 1735, 1736, 1737, 1738, 1739, 1740, 1741, 1742, 1743, 1744, 1745, 1746, 1747, 1748, 1749, 1750, 1751, 1752, 1753, 1754, 1755, 1756, 1757, 1758, 1759, 1760, 1761, 1762, 1763, 1764, 1765, 1766, 1767, 1768, 1769, 1770, 1771, 1772, 1773, 1774, 1775, 1776, 1777, 1778, 1779, 1780, 1781, 1782, 1783, 1784, 1785, 1786, 1787, 1788, 1789, 1790, 1791, 1792, 1793, 1794, 1795, 1796, 1797, 1798, 1799, 1800, 1801, 1802, 1803, 1804, 1805, 1806, 1807, 1808, 1809, 1810, 1811, 1812, 1813, 1814, 1815, 1816, 1817, 1818, 1819, 1820, 1821, 1822, 1823, 1824, 1825, 1826, 1827, 1828, 1829, 1830, 1831, 1832, 1833, 1834, 1835, 1836, 1837, 1838, 1839, 1840, 1841, 1842, 1843, 1844, 1845, 1846, 1847, 1848, 1849, 1850, 1851, 1852, 1853, 1854, 1855, 1856, 1857, 1858, 1859, 1860, 1861, 1862, 1863, 1864, 1865, 1866, 1867, 1868, 1869, 1870, 1871, 1872, 1873, 1874, 1875, 1876, 1877, 1878, 1879, 1880, 1881, 1882, 1883, 1884, 1885, 1886, 1888, 1889, 1890, 1891, 1892, 1893, 1894, 1895, 1896, 1897, 1898, 1899, 1900, 1901, 1902, 1903, 1904, 1905, 1906, 1907, 1908, 1909, 1910, 1911, 1912, 1913, 1914, 1915, 1916, 1917, 1918, 1919, 1920, 1921, 1922, 1923, 1924, 1925, 1926, 1927, 1928, 1929, 1930, 1931, 1932, 1933, 1934, 1935, 1936, 1937, 1938, 1939, 1940, 1941, 1942, 19

2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288,
2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307,
2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326,
2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345,
2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2457, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363,
2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381,
2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400
2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418
2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2333, 2434, 2435, 2436,
2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454,
2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472,
2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2497, 2488, 2489,
2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506,
2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524,
2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542,
2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561,
2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579,
2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598
2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616,
2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635,
2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653,
2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671,
2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 2681, 2682, 2683, 2684, 2685, 2686, 2587, 2688, 2689,
2690, 2691, 2692, 2693, 2694, 2695, 2696, 2697, 2698, 2699, 2700, 2701, 2702, 2703, 2704, 2705, 2706, 2707,
2708, 2709, 2710, 2711, 2712, 2713, 2714, 2715, 2716, 2717, 2718, 2719, 2720, 2721, 2722, 2723, 2724, 2725,
2726, 2727, 2728, 2729, 2730, 2731, 2732, 2733, 2734, 2735, 2736, 2737, 2738, 2739, 2740, 2741, 2742, 2743,
2744, 2745, 2746, 2747, 2748, 2749, 2750, 2751, 2752, 2753, 2754, 2755, 2756, 2757, 2758, 2759, 2760, 2761, 2762
2763, 2764, 2765, 2766, 2767, 2768, 2769, 2770, 2771, 2772, 2773, 2774, 2775, 2776, 2777, 2778, 2779, 2780, 2781,
2782, 2783, 2784, 2785, 2786, 2787, 2788, 2789, 2790, 2791, 2792, 2793, 2794, 2795, 2796, 2697, 2798,
2799, 2800, 2801, 2802, 2803, 2804, 2805, 2806, 2807, 2808, 2809, 2810, 2811, 2812, 2813, 2814, 2815, 2816, 2817,
2818, 2819, 2820, 2821, 2822, 2823, 2824, 2825, 2926, 2827, 2828, 2829, 2830, 2831, 2832, 2833, 2834,
2835, 2836, 2837, 2838, 2839, 2840, 2841, 2842, 2843, 2844, 2845, 2846, 2847, 2848, 2849, 2850, 2851, 2852, 2853,
2854, 2855, 2856, 2857, 2858, 2859, 2860, 2861, 2862, 2863, 2864, 2865, 2866, 2867, 2868, 2869, 2870, 2871, 2872,
2873, 2874, 2875, 2876, 2877, 2878, 2879, 2880, 2881, 2882, 2883, 2884, 2885, 2886, 2887, 2888, 2889,
2890, 2891, 2892, 2893, 2894, 2895, 2896, 2897, 2898, 2899, 2900, 2901, 2902, 2903, 2904, 2905, 2906, 2907
2908, 2909, 2910, 2911, 2912, 2913, 2914, 2915, 2916, 2917, 2918, 2919, 2920, 2931, 2922, 2923, 2924, 2925
2926, 2927, 2928, 2929, 2930, 2931, 2932, 2933, 2934, 2935, 2936, 2937, 2938, 2939, 2940, 2941, 2942, 2943, 2944,
2945, 2946, 2947, 2

3297, 3298, 3299, 3300, 3301, 3302, 3303, 3304, 3305, 3306, 3307, 3308, 3309, 3310, 3311, 3312, 3313, 3314, 3315, 3316, 3317, 3318, 756/3319, 2858/3320, 2599/3321, 3134/3322, 358/3323, 1357/3324, 1142/3325, 418/3326, 1205/3327, 1035/3328, 1034/3329, 1726/3330, 2540/3331, 1212/3332, 837/3333, 1395/3334, 2425/3335, 2425/3336, 2456/3338, 2920/3338, 500/3339, 21/3340, 21/3341, 314/3342, 1161/3343, 1581/3344, 1214/3345, 875/3346, 884/3347, 885/334, 183/3349, 295/3350, 1113/3351, 1115/3352, 1313/3352, 472/3354, 24/3355, 75/3356, 75/3357, 1011/3358, 1061/3359, 501/3360, 501/3361, 501/3362, 501/3363, 659/3364, 2179/3365, 756/3366, 498/3367, 498/3368, 498/3369, 506/3370, 506/3371, 506/3372, 506/3373, 506/3374, 508/3375, 529/3376, 525/3377, 548/3378, 548/3379, 3055/3380, 3057/3381, 3057/3382, 3057/3383, 3119/3384, 3177/3385, 654/3386, 3316/3387, 418/3388, 839/3389, 2695/3390, 397/3391, 1078/3392, 1091/3393, 2516/3394, 333/3395, 333/3396, 281/3337, 281/3398, 281/3399, 281/3400, 281/3401, 281/3402, 281/3403, 281/3404, 224/3405, 224/3406, 646/3407, 1082/3408, 1083/3409, 650/3410, 3086/3411, 3086/3412, 1345/3413, 106/3414, 1208/3415, 403/3416, 403/3417, 1339/3418, 1339/3419, 1339/3420, 1344/3421, 3235/3422, 3235/3423, 3235/3424, 3235/3425, 3274/3426, 3274/3427, 3277/3428, 3595/3429, 3295/3430, 1510/3431, 1510/3432, 1250/3433, 1249/3434, 1250/3435, 1193/3436, 1194/3437, 2503/3438, 182/3439, 2802/3440, 2809/3441, 1770/3442, 2252/3443, 2497/3444, 2497/3445, 2497/3446, 2497/3447, 1770/3448, 560/3449, 29/3450, 1209/3451, 3241/3452, 1156/3453, 1156/3454, 1158/3455, 1215/3456, 2508/3457, 2512/3458, 2512/3459, 286/3460, 358/3461, 1498/3462, 242/3463, 480/3464, 1346/3465, 1346/3466, 1352/3467, 1357/3468, 1357/3469, 1347/3470, 1345/3471, 1348/3472, 1351/3473, 3229/3474, 335/3475, 690/3476, 3117/3477, 3230/3478, 1143/3479, 1142/3480, 1141/3481, 1142/3482, 1700/3483, 1700/3484, 1701/3485, 399/3486, 1213/3487, 2275/3488, 2966/3489, 2966/3490, 340/3491, 662/3492, 1715/3493, 3232/3494, 2192/3495, 3018/3496, 3023/3497, 1010/3498, 294/3499, 307/3500, 274/3501, 398/3502, 398/3503, 407/3504, 407/3505, 407/3506, 407/3507, 2061/3508, 910/3509, 464/3510, 654/3511, 286/3512, 2/3513, 323/3514, 3234/3515, 3296/3516, 3302/3517, 3303/3518, 2292/3519, 2292/3520, 1339/3521, 1339/3522, 1342/3523, 1344/3524, 2732/3525, 23/3526, 23/3527, 23/3528, 756/3529, 2772/3530, 2772/3531, 2772/3532, 2772/3533, 2772/3534, 2772/3535, 2773/3536, 2373/3537, 2773/3538, 2773/3539, 1089/3540, 1097/3441, 1/3542, 1251/3543, 2498/3544, 1101/3545, 16/3546, 3480/3547, 3159/3548, 2673/3549, 2159/3550, 2497/3531, 1139/3552, 1139/3553, 1140/3554, 1137/3555, 1213/3556, 1213/3557, 1547/3558, 1490/3559, 671/3560, 674/3561, 2175/3562, 812/3563, 878/3564, 895/3556, 902/3566, 902/3567, 824/3568, 824/3569, 824/3570, 824/3571, 824/3572, 824/3573, 824/3574, 840/3575, 1201/3576, 1201/3577, 3057/3578, 3057/3579, 2787/3580, 400/3581, 400/3582, 1115/3583, 1115/3584, 2802/3585, 2802/3586, 2964/3587, 2964/3588, 2206/3589, 2258/3590, 1333/3591, 1140/3592, 644/3593, 996/3594, 692/3595, 670/3596, 672/3597, 1638/3598, 129/3599, 181/3600, 132/3601, 132/3602, 149/3603, 181/3604, 181/3605, 1062/3606, 1062/3607, 1064/3608, 1074/3609, 1487/3610, 1633/3611, 1636/3612, 160/3613, 2885/3614, and 238/3615,

3. Plot numbers acquired in village Naraharipur (Part) :—

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 83. 84. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126(P). 127(P). 139(P). 219(P). 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305(P). 307. 308. 309. 310. 314(P). 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 362. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 401. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 554. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 460. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 581(P). 582(P). 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612.

613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 833, 834, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000, 1001, 1002, 1003, 1004, 1005, 1006, 1007, 1008, 1009, 1010, 1011, 1012, 1013, 1014, 1015, 1016, 1017, 1018, 1019, 1020, 1021, 1022, 1023, 1024, 1025, 1026, 1027, 1028, 1029, 1030, 1031, 1032, 1033, 1034, 1035, 1036, 1037, 1038, 1039, 1040, 1041, 1042, 1043, 1044, 1045, 1046, 1047, 1048, 1049, 1050, 1051, 1052, 1053, 1054, 1055, 1056, 1057, 1058, 1059, 1060, 1061, 1062, 1063, 1064, 1065, 1066, 1067, 1068, 1069, 1070, 1071, 1072, 1073, 1074, 1075, 1076, 1077, 1078, 1079, 1080, 1081, 1082, 1083, 1084, 1085, 1086, 1087, 1088, 1089, 1090, 1091, 1092, 1093, 1094, 1095, 1096, 1097, 1098, 1099, 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1105(P), 1106(P), 1110, 1111, 1112(P), 1120(P), 1131(P), 1134, 1135, 1136, 1137, 1138, 1139, 1140, 1141, 1142, 1143, 1144, 1148(P), 1171(P), 1172, 1173, 1174, 1175, 1176, 1177, 1178(P), 1216, 1217, 1218, 1219(P), 1018/1267, 10118/1268, 408/1269, 407/1270, 1177/1272, 461/1273, 20/1276, 581/1279, 836/1282, 1139/1283, 1111/1284, 75/1285, 575/1286, 825/1288, 825/1289, 461/1290, 823/1291, 823/1292, 823/1293, 823/1295, 260/1310, 366/1211, 366/1312, 366/1313, 366/1314, 366/1315, 366/1316, 246/1318, 332/1320, 489/1321, 926/1324, 931/1325, 708/1326, 470/1327, 455/1329, 807/1330, 110/1334, 471/1336, 452/1338, 1179/1340, 599/1341, 581/1342, 4/1343, 32/1344, 39/1345, 497/1346, 699/1347, 11/1348, 11/1349, 857/1350, 1102/1351, 363/1353, 437/1354, 437/1355, 387/1357, 699/1358, 18/1363, 270/1364, 833/1367, 1103/1369, 468/1370, 469/1371, 27/1372, 237/1373, 237/1374, 316/1375, 22/1377, 1177/1378, 40/1379, 575/1380, 1040/1381, 1015/1382, 248/1384, 401/1386, 30/1387, 51/1388, 47/1389, 802/1391, 809/1392, 1138/1393, 713/1394, 1061/1395, 240/1398, 242/1399, 735/1400, 736/1401, 376/1402, 462/1403, 463/1404, 464/1405, 465/1406, 467/1407, 46/1409, 791/1411, 613/1416, 1417, 710/1418, 726/1419, 779/1420, 797/1421 and 1101/1422,

4. Plot numbers acquired in village Langijoda (Part):—

1,5(P), 13(P), 18(P), 19(P), 1/1810, 1/1811, 2/1812, (P), 2/1909, 2/1910, 2/1911, 2/1912, 2/1950, 2/1951, 2/1952, 2/1953, 2/2111, 1952/2117, 1909/2119, 1952/2126, 1953/2152, and 1953/2155.

5. Plot numbers acquired in village Khandualbahal (Part):—

2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 43/83, 1/84, 1/85, 1/86, 2/87, 2/88, 2/89, 2/90, 2/91, 1/92, 2/93, 2/94, 2/95, 6/96, 3/97, 3/98, 14/99, 14/100, 14/101 and 14/102.

6. Plot numbers acquired in village Madanmohanpur (Part) :—

328(P), 339(P), 340(P), 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 350, 351, 352, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 356/534, 343/535, 361/543, 377/561, 543/569, 343/570, 441/582 and 343/593.

7. Plot numbers acquired in village Anadipur (Part) :—

122 (P), 131, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 148/163, 148/170, 154/207, 154/208, 148/209(P), 148/210, 149/211, 149/212, 209/224, and 209/227.

8. Plot numbers acquired in village Kandhal (Part);—

2207(P), 2208(P), 2225(P), 2226, 2227, 2228, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, (P), 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342(P), 2343(P), 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371(P), 2372, 2373, 2374, 2383, (P), 2278/2410, 2254/2454, 2260, 2495, 2371/2496(P), 2371/2500(P), 2277/2501, 2286/2548, 2286/2560, 2286/2561, 2292/2562, 2299/2648, 2306/2649, 2303/2650, 2328/2685, 2270/2700, 2272/2706, 2278/2718, 2278/2719, 2278/2720, 2328/2730, 2336/2748, 2310/2751, 2279/2755, 2318/2760, 2318/2761, 2278/2834, and 2278/2837.

Boundary Description

A-B Line starts from point "A" which is the trijunction point of village Ekdal, Ajatipur and Hensamula. Then it passes along the common boundary of plot No. 1 and 2v of village Hensamula and then passes along the common boundaries of villages Allahadnagra, Hensamula and meets at point "B".

B-C Line passess through plot Nos. 160, 449, 450 and 1723 of village Hensamula and meets at point "C" at the north-west corner of plot No. 1718.

C-D Line passes along partly southern boundary of plot No. 1723 and southern boundary of plot No. 1717. Then it passess along the part of Western boundary of plot No. 1715, western boundary of plot numbers 1713, 6323 and 1706. West southern boundary of plot No. 6110, part of southern boundary of plot No. 1705, western boundary of plot No. 1703 and western and southern boundary of plot No. 6142 and partly western boundary of plot No. 1699. Then it passess along the western and southern boundary of plot No. 1688, southern and eastern boundary of plot No. 1691, part southern boundary of plot No. 1692, southern boundary of plot numbers 1660, 1661 and 1892, southern and eastern boundaries of plot numbers 1893, 1911, 1945 and 1960. Then it passess through plot No. 1589 and passess along southern and part eastern boundary of plot No. 1588, southern and eastern boundary of plot numbers 1582 and 1584, eastern boundary of plot No. 1585, southern boundary of plot numbers 1419, 1420 and southern and part eastern boundary of plot No. 1427 and southern boundary of plot Nos. 1429, 1384 and 1383. Then it passes along the southern and eastern boundary of plot No. 1382, part southern boundary of plot No. 6208, southern boundary of plot numbers 1350, 6305, 6304 and 1349, southern and eastern boundary of plot No. 1352 and part of southern boundary of plot No. 1320. Then line passess along the southern and partly eastern boundary of plot No. 1319 and southern boundary of plot numbers 1318 and 1317.

Then it passess along the partly western and southern boundary of plot No. 3126, passess through plot No. 3127, then passess along the southern boundary of plot No. 3129 and passess through plot No. 3134 and meets at point "D".

D-E-F Line passes along the part eastern boundary of plot numbers 3134, 5919 and 670 and meets at point "E". Then it passess along the southern boundary of plot numbers 1117, 1118, 1119, 1120, 1121, 1122, 1124, 1126, 1127 and 1130. Then it passess along the southern and eastern boundary of plot numbers 1131 and 1134, eastern boundary of plot numbers 1133, 1115, 1114, 1013 and 776 and partly south eastern boundary of plot No. 772. Then it passess along the southern and eastern boundary of plot No. 781, southern boundary of plot numbers 6001, 6000 and 6006, southern and part eastern boundary of plot No. 791, southern boundary of plot numbers 196, 6318, 814, 5964, 817, 818 and 819, southern and partly eastern boundary of plot No. 820 and southern boundary of plot numbers 845, 6089 and 847. The line passess alongwith part western, southern and eastern boundary of plot No. 852 and meets at point "F".

F-G-H Line passes along the common boundary of village Jillinda and Hensamula and meets at point "G". On the south western corner of plot No. 1186 of village Hensamula. Then it proceeds along the southern boundary of plot No. 1186 and partly western boundary of plot No. 6246 and then passess through plot numbers 6246, 1189 and 1190, and passess along the southern boundary of plot No. 6204 of village Hensamula and meets at point "H". Which is the bi-junction point of village Hensamula and Naraharipur.

H-1 Line crosses the common boundary of village Hensamula and Naraharipur at point "H". Then it passess through plot numbers 1106 and 1105 and passess along the part southern boundary of plot No. 1110. Then it passes through plot numbers 1112, 1120 and 1131 and passess

along part of eastern boundary of plot No. 1131 and the partly southern boundary of plot No. 1134 and southern boundary of plot numbers 1137, 1139 and 1149. Then it passess through plot No. 1148, passess along the southern boundary of plot No. 1172, then passess through plot No. 1171 and passess along the southern boundary of plot numbers 1174 and 1175 and partly southern boundary of plot No. 1176. Then line passess along the southern boundary of plot No. 1340. Then partly western, southern and partly eastern boundary of plot No. 1216 and then passess through plot numbers 1219 and 1178. Then it passess along the part southern and eastern boundary of plot No. 846 and part eastern boundary of plot No. 837. Then it passess along southern and part eastern boundary of plot No. 1281, southern and eastern boundary of plot No. 834, then part southern and part eastern boundary of plot numbers 833 and 826 and then southern and eastern boundary of plot No. 826. Then it passess along the partly southern and part eastern boundary of plot No. 827 that partly southern and partly eastern boundary of plot No. 1288 and then southern and eastern boundary of plot No. 1295. Then it passess along the partly southern boundary of plot No. 1293 and southern boundary of plot No. 823 of village Naraharipur and meets at point "I" which is on the common boundary of village Naraharipur and Langijoda.

I-J-K Line crossess the common boundary of village Naraharipur and Langijoda. Then it passess through village Langijoda plot No. 1812, then proceeds along the southern boundary of plot number 1912 and passess through plot numbers 5, 13, 18 and 19 and meets at point "J", on the common boundary of village Langijoda and Kandhal. Then it passess along the partly common boundary of village Kandhal and Langijoda which is also the southern boundary of plot No. 2338 of village Kandhal. Then it crossess village Kandhal through plot numbers 2348 and 2342 then passess along the part southern boundary of plot No. 2341 and southern boundary of plot numbers 2351, 2352, 2374 and 2373. Then it passess through the plot numbers 2371, 2496, 2500 and 2383 and meets at point "K" which is the bi-junction point of village Kandhal and Madanmohanpur.

K-L-M-N Line passess through village Madanmohanpur along the southern boundary of plot Nos. 404, 405 and 406. Then it proceeds along the part western, southern and part eastern boundary of plot No. 436, southern boundary of plot No. 428 and southern and part eastern boundary of plot No. 444. Then it proceeds along the southern boundary of plot numbers 448 and 449, eastern boundary of plot numbers 449, 450, 452 and 453, then passess through plot numbers 339, 340 and 328 and northern boundary of plot No. 342 and meets at point "M" at the bi-junction point of village Madanmohanpur and Khandhal. Then it passess along

the partly common boundary of village Madanmohanpur and Kandhal and passess through village Kandhal along the northern boundary of plot No. 2252, then it passess through plot No. 2225 and passess along the northern boundary of plot No. 2276. Then it passess along the partly northern boundary of plot No. 2237 and passess through plot numbers 2208, 2278 and 2207 and meets at point "N" on the bi-junction point of village Kandhal and Anandipur.

N-O-P-Q Line passess through village Anadipur and passess along the partly eastern and northern boundary of plot No. 122, then northern boundary of plot numbers 131 and 137 and northern and western boundary of plot No. 136 and western boundary of plot No. 138. Then it passess through plot No. 209 and passess along the part eastern and northern boundary of plot No. 224 and meets at point "O" which is the bi-junction point of village Anadipur and Naraharipur and crosses the common boundary of village Anadipur and Naraharipur. Then it passess through village Naraharipur plot No. 581 and passess along the northern boundary of plot numbers 705, 704 and 703. Then line passess along the northwest boundary of plot No. 609 and part northern boundary of plot No. 600, then eastern, northern and western boundary of plot No. 599, and northern boundary of plot No. 598. Then line proceeds slightly upward and passess through plot No. 582 and meets at point "P" on the common boundary of plot numbers 582 and 577. Then line passess downward till the southeastern corner of plot No. 577 and passess along the northern boundary of plot No. 575, then along the partly eastern boundary of plot No. 1380 and northern boundary of plot numbers 1380, 1286 and 576. Then it passess through plot No. 314 and partly eastern boundary of plot No. 315 and northern boundary of plot numbers 310, 309, 308 and 307, then partly eastern boundary of plot No. 305. Then it passess through plot No. 305, proceeds along the eastern and northern boundary of plot No. 233, then passess through plot No. 219 and along the partly eastern boundary of plot No. 117 and passess through plot numbers 126 and 127 and then passess along the eastern boundary of plot No. 67 and passess through plot numbers 30 and 139 of village Naraharipur and meets at point "Q", on the common boundary of village Naraharipur and Jadunathpur.

Q-R-S-T-U-A—Line proceeds along the common village boundary of Naraharipur-Jadunathpur and Naraharipur-Arakhapal till the tri-junction point of village Naraharipur-Arakhapal-Jilinda and meets at point "R". Then it passess along the common village boundary of village Jilinda-Arakhapal and meets at point "S" on the tri-junction point of village Jilinda-Arakhapal-Raghunathpur. Then it passess along the common boundary of village Jilinda-Raghunathpur and meets at point "T" which is on the common boundary of village Khandualbhal

and Jilinda. Then line passess along the common boundary of village Khandualbahal and Biraramachandrapur and meets at point "U" on the common boundry of village Hensamula and Khandualbahal. Then it passess along the common boundary of village Hensamula-Biraramachandrapur and Hensa-

mula-Ekdal and meets at the starting point "A" which is the tri-junction point of the village Hensamula, Ekdal and Ajatipur.

[No. 43015/3/96-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1997

का.आ. 2299.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में उल्लिखित भूमि में कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी. I (ई) III/एफ.आर./577-0695, तारीख 7 जून, 1995 का निरीक्षण वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व विभाग) कोल इस्टेट सिविल लाइन्स नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कलक्टर नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1 काउन्सिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शों, चार्टों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर भारसाधक अधिकारी/विभागाध्यक्ष (राजस्व) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोल इस्टेट सिविल लाइन्स, नागपुर 440001 (महाराष्ट्र) को भेजेगे।

अनुसूची

बोखारा ब्लॉक

नागपुर क्षेत्र

जिला नागपुर—(महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-/ (ई) III/एफ.आर./577-0695 तारीख, 7 जून, 1995

| क्रम सं. | ग्राम का नाम | पटवारी मकिल सं. | तहसील | जिला | क्षेत्र हैक्टर में | टिप्पणियां |
|----------|--------------|-----------------|--------|-------------|--------------------|------------|
| 1. | गोधी | 12 | नागपुर | नागपुर | 876.02 | संपूर्ण |
| 2. | सोन्हारा | 12क | नागपुर | नागपुर | 204.00 | भाग |
| 3 | बोखारा | 12क | नागपुर | नागपुर | 525.18 | भाग |
| | | | | कुल क्षेत्र | 1305.20 | हैक्टर |
| | | | | | (लगभग) | |
| | | | | या | 3225.27 | एकड़ |
| | | | | | (लगभग) | |

सीमावर्णन

- क—ख रेखा बिन्दु 'क' से प्रारम्भ होती है और लौहारा तथा बोखारा ग्रामों से होकर जाती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।
- ख—ग रेखा बोखारा और महादुल्य ग्रामों की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है फिर ग्राम बोखारा से होकर आगे बढ़ती है और बोखारा तथा नारा ग्रामों की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।
- ग—घ रेखा बोखारा और ताकील गोधनी और ताकील गोधनी और गोरबारा ग्रामों की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु 'घ' पर मिलती है।

घ-क

रेखा गोधनी और बोखरा गोधनी और पितडशर गोधनी और चक्कीखापा महोदरा और चक्कीखापा ग्रामों की सम्मिलित ग्राम सीमा के साथ-साथ जाती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 43015/10/97-एल.डब्ल्यू.]

श्रीमती पी.एल. सैनी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th September, 1997

S.O. 2299.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. C-1(E)III/FR/577-0695 dated the 7th June, 1995 of the area covered by this notification can be inspected in the Office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines Nagpur-440001 (Maharashtra) or in the Office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue), Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE
BOKHARA BLOCK

NAGPUR AREA

DISTRICT NAGPUR (MAHARASHTRA)

Plan No. C-1(E)III/FR/577-0695 dated the 7th June, 1995.

| Sl. No. | Name of village | Patwari circle number | Tahsil | District | Area in hectares | Remarks |
|--------------|-----------------|-----------------------|--------|----------------------------------|------------------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. | Godhani | 12 | Nagpur | Nagpur | 576.02 | Full |
| 2. | Lonhara | 12A | Nagpur | Nagpur | 204.00 | Part |
| 3. | Bokhara | 12A | Nagpur | Nagpur | 525.18 | Part |
| Total area : | | | | 1305.20 hectares (approximately) | | |
| | | | | or 3225.27 acres (approximately) | | |

Boundary description :

A—B : Line starts from point 'A' and passes through villages Lonhara and Bokhara and meets at point 'B'.

B—C : Line passes along the common village boundary of villages Bokhara and Mahadula, then proceeds through village Bokhara, and passes along the common village boundary of villages Bokhara and Nara and meets at point 'C'.

C—D : Line passes along the common village boundary of villages Bokhara and Takli, Godhani and Takli, Godhani and Gorewara and meets at point 'D'.

D—A : Line passes along the common village boundary of villages Godhani and Gorewara; Godhani and Pitaishur; Godhani and Chakkikhapa; Lonhara and Chakkikhapa; and meets and starting point 'A'.

[No. 43015/10/97-LW]

Mrs. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1997

क्र.आ. 2300.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि इससे उपाय्य अनुसूची में उल्लिखित भूमि कोयला अभिप्राप्त किए जाने की संभावना है,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 30) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उस क्षेत्र में कोयले का पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. सी-1(ई)/III जे.आर. 625-0497 तारीख 7 अप्रैल, 1997 का निरीक्षण बैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (राजस्व विभाग) कोल इस्टेट सिविल लाइन्स नागपुर 440001 (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कलक्टर चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रणक, 1, कान्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी तर्कों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन के भीतर भारसाधक विभागाध्यक्ष (राजस्व) बैस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड कोल इस्टेट सिविल लाइन्स नागपुर-440001 (महाराष्ट्र) को भेजेंगे।

अनुसूची

दुर्गापुर डिप साइड ब्लॉक

चन्द्रपुर क्षेत्र

जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)

रेखांक सं. सी-1(ई)/III जे.आर. 625-0497 तारीख 7-4-97

| क्रम सं. | ग्राम/वन का नाम | पटवारी
सफिल सं. | कम्पार्टमेंट
सं. | तहसील | जिला | क्षेत्र हैक्टर | टिप्पणियां |
|----------|------------------|--------------------|---------------------|-----------|-----------|----------------|------------|
| 1. | बारबत | 12 | — | चन्द्रपुर | चन्द्रपुर | 350.11 | भाग |
| 2. | सिनाला | 12 | — | चन्द्रपुर | चन्द्रपुर | 256.29 | भाग |
| 3. | मसाला तुकुम | 12 | — | चन्द्रपुर | चन्द्रपुर | 61.27 | भाग |
| 4. | आरक्षित वन | — | 348 | चन्द्रपुर | चन्द्रपुर | 42.27 | भाग |
| 5. | चन्द्रपुर प्रभाग | — | 399 | चन्द्रपुर | चन्द्रपुर | 46.23 | भाग |
| 6. | चन्द्रपुर रेंग | — | 400 | चन्द्रपुर | चन्द्रपुर | 132.95 | भाग |

कुल क्षेत्र 889.50

हैक्टर

(लगभग) या

2198.05 एकड़

(लगभग)

सीमा वर्णन

क—ख

रेखा बिन्दु 'क' से आरम्भ होती है और ग्राम बारबत की बाहरी सीमा के साथ-साथ जाती है तथा बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

- ख---ग रेखा ग्राम वारवत से होकर जाती है फिर ग्राम सिनाला से बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और आरक्षित वन कम्पार्टमेंट सं. 388, 399, 400 से होकर जाती है तथा बिन्दु 'ग' पर मिलती है।
- ग---घ---ङ रेखा आरक्षित कम्पार्टमेंट सं. 400 से होकर जाती है फिर ग्राम सिनाला से होकर आगे बढ़ती है और बिन्दु 'ङ' पर मिलती है।
- ङ---क रेखा ग्राम सिनाला से होकर जाती है फिर ग्राम मसाला को बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और ग्राम मसाला तुकुम से होकर जाती है फिर ग्राम वारवत की बाहरी सीमा के साथ-साथ आगे बढ़ती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं. 43015/11/97-एन.डब्ल्यू.]

श्रीमती पी.एल. सैनी, अवर सचिव

New Delhi, the 9th September, 1997

S.O. 2300.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the schedule annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan bearing No. C-1(E)III/JR/625-0497 dated the 7th April, 1997 of the area covered by this notification can be inspected in the office of the Western Coalfields Limited (Revenue Department), Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 (Maharashtra) or in the office of the Collector, Chandrapur (Maharashtra) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the lands covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of Section 13 of the said Act to the Officer-in-Charge/Head of the Department (Revenue), Western Coalfields Limited, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur-440 001 (Maharashtra) within ninety days from the date of publication of this notification.

SCHEDULE

DURGAPUR DIP SIDE BLOCK

CHANDRAPUR AREA

DISTRICT CHANDRAPUR (MAHARASHTRA)

Plan No. C-1(E)III/JR/625-0497 dated the 7th April, 1997

| Sl. No. | Name of Village/Forest | Patwari circle numbers | Compartment numbers | Tahsil | District | Area in hectares | Remarks |
|---------|------------------------|------------------------|---------------------|------------|------------|------------------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | Warwat | 12 | — | Chandrapur | Chandrapur | 350.11 | Part |
| 2. | Sinala | 12 | — | Chandrapur | Chandrapur | 256.29 | Part |
| 3. | Masala Tukum | 12 | — | Chandrapur | Chandrapur | 61.27 | Part |
| 4. | Reserve Forest | — | 388 | Chandrapur | Chandrapur | 42.65 | Part |
| | Chandrapur Division | — | 399 | Chandrapur | Chandrapur | 46.23 | Part |
| | Chandrapur Range | — | 400 | Chandrapur | Chandrapur | 132.95 | Part |

Total Area :
889.50
hectares
(approximately)
or
2198.05 acres
(approximately)

Boundary description :

- A—B : Line starts from point 'A' and passes along the outer boundary of village Warwat and meets at point 'B'.
- B—C : Line passes through village Warwat, then proceeds along the outer boundary of village Sinala and passes through Reserve Forest Compartment Numbers 388, 399, 400 and meets at point 'C'.
- C—D—E : Line passes through Reserve Forest Compartment number 400 then proceeds through village Sinala and meets at point 'E'.
- E—A : Line passes through village Sinala then proceeds along the outer boundary of village Masala Tukum and passes through village Masala Tukum, then proceeds along the outer boundary of village Warwat and meets at starting point 'A'.

[No. 43015/11/97-LW]
MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1997

कांआ० 2301.--केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के कोयला संयंत्रों की अधिसूचना सं० कांआ० 3455, तारीख 5 दिसम्बर, 1996 द्वारा उस अधिसूचना से उपाखंड अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 2349.51 हेक्टेयर (लगभग) या 5805.64 एकड़ (लगभग) है, कोयले का पर्वक्षण करने के अपने आणय की सूचना दी थी।

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के भाग में कोयला अभिप्राप्त है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित भूमि का अर्जन करने के अपने आणय की सूचना देती है :-

- (क) इससे संलग्न अनुसूची "क" में वर्णित 105 हेक्टेयर (लगभग) या 260.11 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि;
- (ख) इससे संलग्न अनुसूची "ख" में वर्णित 1648.397 हेक्टेयर (लगभग) या 4073.19 एकड़ (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, खुदान, बोर करने, उनकी खुदाई और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और उन्हें ले जाने के अधिकारों;

टिप्पण 1 : इस अधिसूचना के अन्तर्गत जाने वाले क्षेत्र के रेखाक सं० एस ई सी एल बी एस पी जी एम (पी ए एल जी) लैंड 180, तारीख 7 जुलाई, 1997 का निरीक्षण क्लकटर, मरगूजा (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1. कॉन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० (राजस्व प्रभाग)

सीपत रोड, विलासपुर-495000 (म०प्र०) के कार्यालय में किया जा सकता है

टिप्पण 2 : उपरोक्त अधिनियम की धारा 8 के उपबंधों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उल्लेख है :-
अर्जन के प्रति आक्षेप :-

8. (1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिनकी वास्तव धारा 7 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितवन्त है, अधिसूचना के निकाले जाने से तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इस धारा के अन्तर्गत यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं खनन संक्रियाएं करना चाहता है और ऐसी संक्रियाएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में की जाएगी और सक्षम प्राधिकारी आपत्तिकर्ता को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देना और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात् और ऐसी अतिरिक्त जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझता है वह या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के सम्बन्ध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारिशों और उसके द्वारा की गई कार्यवाही के अभिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए देगा।

(3) इस धारा के प्रयोजनों के लिए यह व्यक्ति किसी भी में हितवश समझा जाएगा जो परिवार में हित का दावा करने का हकदार होगा यदि वह या किसी ऐसी शक्ति में आ जाए जो के संविचार इस अधिनियम के अधीन प्रकृत कर लिए जाने हैं ।

टिप्पण 3 : केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउन्सिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-700001 को उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया है । देखिए भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 4 अप्रैल, 1987 के पृष्ठ 1397 में 1400 पर प्रकाशित अधिसूचना कां०शा० सं० 905, तारीख 20 मार्च, 1987 ।

अनुसूची "क"

जीवगा भूमिगत परियोजना

लबनपुर कोनफील्ड

विश्रामपुर क्षेत्र

जिला - सरगुजा (मध्य प्रदेश)

(रेखांक सं० : एम ई सी एल/जी एम (पी एल जी), नैड/86

तारीख 7 जुलाई, 1997)

सभी अधिकार

| क्रम सं० | ग्राम का नाम | ग्राम सं० | पटवारी हत्का सं० | तहसील | जिला | क्षेत्र हेक्टेयर में | टिप्पणियां |
|---|--------------|-----------|------------------|-------------|--------|----------------------|------------|
| 1. | गेतरा | 138 | 50 | अंत्रिकापुर | सरगुजा | 105.267 | भाग |
| योग : 105 267 हेक्टेयर (लगभग) या 260.11 एकड़ (लगभग) | | | | | | | |

ग्राम गेतरा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं० (भाग)

1 (भाग), 269 (भाग), 272(भाग), 274(भाग), 275(भाग), 278(भाग), 279(भाग), 280, 281(भाग), 282 से 294, 295(भाग), 296, 297(भाग), 305 (भाग), 306(भाग), 307(भाग), 314 (भाग), 317(भाग), 318, 319(भाग), 320 से 341, 342(भाग), 343(भाग), 344 से 346, 347(भाग), 348(भाग), 349, 350(भाग), 351(भाग), 352, 353(भाग), 358(भाग), 391(भाग), 401(भाग), 402(भाग), 403(भाग), 404, 405(भाग), 408(भाग), 412(भाग), 413(भाग), 414(भाग), 415(भाग), 457(भाग), 459 (भाग), 460(भाग), 461(भाग), 462, 463 (भाग), 464(भाग), 465(भाग), 466 से 494, 495(भाग), 825(भाग), 839(भाग), 841(भाग), 842(भाग), 856(भाग), 862(भाग), 863(भाग), 864(भाग), 865, 866, 867(भाग), 868(भाग) 869(भाग), 870 से 882, 883(भाग), 884(भाग), 885(भाग), 888(भाग), 889(भाग), 890(भाग), 891(भाग), 994(भाग), 995(भाग), 998(भाग), 999, 1000, 1001(भाग), 1002(भाग), 1004(भाग), 1005 (भाग), 1006 से 1009, 1010(भाग), 1011(भाग), 1012(भाग), 1014(भाग), 1015(भाग), 1016, 1017(भाग), 1018(भाग), 1019(भाग), 1020(भाग), 1022(भाग), 1025(भाग), 1026(भाग), 1027(भाग), 1028 से 1031 1032(भाग), 1033 से 1035, 1036(भाग), 1037 से 1039, 1040(भाग), 1044(भाग), 1046(भाग), 1047(भाग), 1048, 1949, 1050(भाग), 1051(भाग), 1056(भाग), 1057(भाग), 1058 से 1062, 1063(भाग), 1064 से 1068, 1069(भाग), 1070, 1071(भाग), 1072(भाग), 1073(भाग), 1076(भाग), 1079(भाग), और 1231(भाग).

सीमा वर्णन :

क-ख-ग रेखा ग्राम गेतरा में बिन्दु "क" से आरंभ होती है और प्लॉट सं० 1036, 994, 995, 998, 1001, 1002, 1004, 1005, 891, 890, 889, 888, 884, 883, 885, 856, 864, 863, 862, 867 से होकर जाती है तथा बिन्दु "ग" पर मिलती है ।

ग-घ-ड० रेखा प्लॉट नं० 867, 868, 869, 842, 841, 1010, 1011, 1012, 1014, 1015, 1017, 839, 1019, 1018, 1020, 1022, 1032, 1026, 1027, 1025, 1050, 1051, 1069, 1057, 1056, 825, 1231, 495, 281, 278, 279, 274, 272, 295, 269, 297, 305, 306, 307, 314, 319, 317, 312, 313, 1 में होकर ग्राम गेतरा में जाती है और बिन्दु "ड." पर मिलती है ।

ड.ड.1ड.2-ड.3-च रेखा आरक्षित वन और गेतरा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है ।

च-च1 रेखा आरक्षित वन और गेतरा ग्राम की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है ।

च. 1-क रेखा प्लॉट सं० 1, 347, 358, 348, 353, 391, 351, 350, 351, 401, 402, 403, 408, 405, 413, 412, 415, 414, 457, 465, 464, 463, 457, 459, 460, 461, 1079, 1063, 1076, 1071, 1073, 1072, 1046, 1047, 1044, 1040 में होकर ग्राम गेतरा में जाती है और भागतः जोबगा नाम के उत्तरी किनारे के साथ-साथ तथा आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है ।

अनुसूची "ख"

जोबगा भूमिगत परियोजना

लखनपुर कोलफील्ड

विश्रामपुर क्षेत्र

जिला - सरगुजा (मध्य प्रदेश)

खनन अधिकार

| क्रम सं० | ग्राम का नाम | ग्राम सं० | पटवारी हल्का सं० | तहसील | जिला | क्षेत्र हैक्टर में | टिप्पणियां |
|----------|--------------|-----------|------------------|-----------|--------|--------------------|------------|
| 1. | मपकरा | 418 | 43 | मुरजपुर | सरगुजा | 83.599 | भाग |
| 2. | पोंडी | 270 | 45 | मुरजपुर | सरगुजा | 176.520 | भाग |
| 3. | मानी | 659 | 45 | मुरजपुर | सरगुजा | 472.360 | भाग |
| 4. | जोबगा | 275 | 45 | मुरजपुर | सरगुजा | 117.280 | भाग |
| 5. | गेतरा | 138 | 50 | अंबिकापुर | सरगुजा | 251.635 | भाग |

योग 1101.385 हैक्टर

वन भूमि

| क्रम सं० | वन का नाम | डिवीजन | कम्पार्टमेंट सं० | क्षेत्र हैक्टर में | टिप्पणियां |
|----------|------------|---------------|------------------|--------------------|------------|
| अ | | | | | |
| 1. | आरक्षित वन | दक्षिण सरगुजा | 307 | 134.390 | संपूर्ण |
| 2. | आरक्षित वन | दक्षिण सरगुजा | 306 | 91.780 | संपूर्ण |
| 3. | आरक्षित वन | दक्षिण सरगुजा | 305 | 77.810 | संपूर्ण |
| 4. | आरक्षित वन | दक्षिण सरगुजा | 313 | 67.340 | संपूर्ण |
| 5. | आरक्षित वन | दक्षिण सरगुजा | 136 | 25.550 | भाग |
| 6. | आरक्षित वन | दक्षिण सरगुजा | 137 | 150.142 | संपूर्ण |
| योग : | | | | 547.012 हैक्टर | |

कुल योग: 1648 397 हैक्टेयर (लगभग) या 4073.19 एकड़ (लगभग)

1. ग्राम मणकरा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. (भाग)

321 (भाग), 682, (भाग), 683 से 745, 746 (भाग), 747 (भाग), 767 (भाग), 774 (भाग), 775, 776 (भाग), 777 (भाग), 779 (भाग), 780, 781 (भाग), 782, से 786, 787 (भाग), 788 (भाग), 789 से 806, 80 से 825, (826 (भाग), 827, 828 (भाग), 830 (भाग), 831 (भाग), 832 (भाग), 833 (भाग), 859 (भाग), 867 (भाग),

2. ग्राम पौडी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. (भाग)

188 (भाग), 189 (भाग), 190, 191, 192 (भाग), 193 (भाग), 194, 195 (भाग), 196 (भाग), 271 (भाग), 272 (भाग), 273 (भाग), 274 (भाग), 288 (भाग), 291 (भाग), 292 (भाग), 293 से 304, 305 (भाग), 306, से 363, 364 (भाग), 365 (भाग), 366 (भाग), 369 (भाग), 370 (भाग), 372 (भाग), 374 (भाग), 375 (भाग), 376 (भाग), 377 से 386, 387 (भाग), 389 (भाग), 391, (भाग), 392, (भाग), 393 से 551, 552 (भाग), 553 (भाग), 554, 555 (भाग), 556 से 574, 575 (भाग), 576, 577 (भाग), 581 (भाग), 605 (भाग), 606 (भाग), 607, 608, 609 (भाग), 793 (भाग), 794 (भाग), 806, (भाग), 887 (भाग), 890 (भाग), 891 (भाग), 897 (भाग), 898 (भाग), 899 (भाग), 900, 901 (भाग) 902 से 928, 929 (भाग), 930 (भाग), 931, 932 (भाग), 933 (भाग), 934 (भाग), 936 (भाग), 937 (भाग), 938, से 1094.

3. ग्राम मानी में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. (भाग)

22 (भाग), 23 (भाग), 24 (भाग), 25 (भाग), 26 (भाग), 27 (भाग), 28 (भाग), 29 (भाग), 30 (भाग), 104 (भाग), 108 (भाग), 111 (भाग), 112 (भाग), 113 (भाग), 114 से 176, 177 (भाग), 178 (भाग), 179 से 860, 862 से 1183, 1679

4. ग्राम जोबगा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. (भाग)

77 (भाग), 78, 79 (भाग), 80, 81 (भाग), 82 (भाग), 83 (भाग), 84 (भाग), 85 से 92, 93 (भाग), 94 (भाग), 95 (भाग), 96 (भाग), 110 (भाग), 125 (भाग), 126 से 133, 134 (भाग), 135, 136 (भाग), 137, 138, 139, 140, (भाग), 441 (भाग) 442 (भाग), 443, 444 (भाग), 445 (भाग), 446, 447 (भाग), 448 से 485, 486 (भाग), 487 (भाग) 610 (भाग), 611 (भाग), 613 (भाग), 614, 615, 616 (भाग), 617 से 836, 837 (भाग), 644 (भाग), 645 (भाग), 647 से 709, 710 (भाग), 711, 712 (भाग), 713 (भाग), 719, (भाग), 724 (भाग), 833 (भाग), 834 से 836, 837 (भाग), 838 (भाग), 839 (भाग), 923 (भाग), 1021 (भाग), 1022 (भाग), 1023 (भाग), 1024 (भाग), 1027 (भाग), 1028 (भाग), 1029 (भाग), 1030, 1031, 1032 (भाग), 1036 (भाग), 1037 से 1040, 1041 (भाग), 1042 (भाग), 1044 (भाग), 1045 से 1076, 1077 (भाग), 1078 से 1152

5. ग्राम गोलरा में अर्जित किए जाने वाले प्लॉट सं. (भाग)

1 (भाग), 4 से 268, 269 (भाग), 270, 271, 272 (भाग), 273, 274 (भाग), 275 (भाग), 276, 277, 278 (भाग), 279 (भाग), 281 (भाग), 295 (भाग), 297 (भाग), 298 से 304, 305 (भाग), 306 (भाग), 307 (भाग), 308 से 313, 314 (भाग), 315, 316, 317 (भाग), 319 (भाग), 342 (भाग), 343 (भाग), 495 (भाग), 496 से 824, 825 (भाग), 826 से 838, 839 (भाग), 840, 841 (भाग), 842 (भाग), 843 से 855, 856 (भाग), 857 से 861, 862 (भाग), 863 (भाग), 864 (भाग), 867 (भाग), 868 (भाग), 869 (भाग), 883 (भाग), 884 (भाग), 885 (भाग), 886, 887, 888 (भाग), 889, (भाग), 890 (भाग), 891 (भाग), 892 से 970, 972 से 993, 994 (भाग), 995 (भाग), 996, 997, 998 (भाग), 1001 (भाग), 1002 (भाग), 1003, 1004 (भाग), 1005 (भाग), 1010 (भाग), 1011 (भाग), 1012 (भाग), 1013, 1014 (भाग), 1015 (भाग), 1017 (भाग), 1018 (भाग), 1019 (भाग), 1020 (भाग), 1021, 1022, (भाग), 1023, 1024, 1025 (भाग), 1026 (भाग), 1027 (भाग), 1032 (भाग), 1036 (भाग), 1050 (भाग), 1051 (भाग), 1052 से 1055, 1056 (भाग), 1057 (भाग), 1213, 1222, 1227, 1228, 1229 और 1231 (भाग),

6. अर्जित किए जाने वाले आरक्षित वन कम्पारमेंट (भाग) .

307, 306, 305 (भाग), 313, 136 (भाग), 137.

सीमा वर्णन :

- क-ख-ग : रेखा ग्राम गेतरा में बिन्दु "क" से आरंभ होती है और सभी अधिकारों के अधीन अर्जित किये जाने वाले सम्मिलित सीमा क्षेत्र के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।
- ग-घ-ङ : रेखा सभी अधिकारों के अधीन अर्जित किये जाने वाले सम्मिलित सीमा क्षेत्र के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है।
- ङ-ड-1-ड-2- : रेखा सभी अधिकारों के अधीन अर्जित किये जाने वाले सम्मिलित सीमा क्षेत्र के साथ-साथ जाती है
- ड-3-च- : और बिन्दु "च" पर मिलती है।
- च-छ : रेखा आरक्षित वन कम्पाटमेंट सं. 305, 136 से होकर जाती है, और आरक्षित वन तथा बिन्दु "छ" पर जोबगा ग्राम की सम्मिलित सीमा पर मिलती है।
- छ-ज : रेखा प्लॉट सं. 1022, 1023, 1024, 1077, 1027, 1028, 1029, 1021, 923, 1021, 1032, 1036, 1041, 1042, 1044, 1021, 839, 838, 837, 833, 710, 724, 712, 713, 719, 644, 645, 637, 613, 611, 610, 616, 487, 486, 442, 441, 444, 445, 140, 447, 140, 136, 140, 134, 125, 110, 95, 94, 93, 96, 84, 96, 82, 83, 81, 82, 77, 79 से होकर ग्राम जोबगा में जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है।
- ज-झ : रेखा ग्राम जोबगा-आरक्षित वन, ग्राम पोंडी-आरक्षित वन की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ भागतः जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।
- झ-ञ : रेखा प्लॉट सं. 189, 188, 192, 193, 195, 196, 391, 392, 388, 387, 375, 374, 370, 376, 369, 365, 366, 364, 366, 372, 271, 272, 274, 305, 292, 288, 291, 552, 553, 581, 555, 577, 575, 605, 606, 609, 793, 794, 806, 901, 897, 899, 898, 891, 929, 890, 930, 887, 932, 933, 934, 936, 937, से होकर ग्राम पोंडी में जाती है और बिन्दु "ञ" पर मिलती है।
- ञ-ट : रेखा प्लॉट सं. 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 108, 111, 112, 104, 113, 177, 178 से होकर ग्राम मानी में जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।
- ट-ठ : रेखा प्लॉट सं. 682, 321, 747, 746, 788, 787, 774, 776, 777, 779, 781, 767, 826, 828, 830, 831, 832, 859, 867 से होकर ग्राम सपकाग में जाती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है।
- ठ-ड-ड : रेखा रेह्वर नदी के पश्चिमी किनारे के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ड" पर मिलती है।
- ड-क : रेखा जोबगा नाले के उत्तरी सीमा के साथ-साथ भागतः जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[सं. 43015/16/96-एल.एस. डब्ल्यू.]

श्रीमती प्रेमलता सेनी, अवर सचिव

New Delhi, the 10th September, 1997

S. O. 2301.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 3455 dated the 5th December, 1996 issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii) dated 21st December, 1996, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 2349.51 hectares (approximately) or 5805.64 acres (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification.

And, whereas, the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the following lands :—

- (a) The lands measuring 105.267 hectares (approximately) or 260.11 acres (approximately) described in Schedule 'A' appended hereto;

- (b) The rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 1648.397 hectares (approximately) or 4073.19 acres (approximately) described in the Schedule 'B' appended hereto;

Note : 1 The Plan bearing No. : SECL/BSP/GM/PLG/LAND/186 dated the 7th July, 1997 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector Surguja (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700 001 or in the Office of the South Eastern Coalfields Ltd, (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495006 (MP)

Note : 2 Attention is hereby invited to the provisions section 8 of the aforesaid Act which provide as follows :

Objection to acquisition :

"8(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation: It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section-7 or of rights in or over such and or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such and to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in the land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act".

Note 3 : The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta 700 001 has been appointed by the Central Government as the competent authority under section 3 of the said Act, Vide notification under S.O. No. : 905, dated the 20th March' 1987, published in Part-II, Section-3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 4th April, 1987, at pages 1397 to 1400.

SCHEDULE—'A'

JOBGA UNDERGROUND PROJECT

LAKHANPUR COALFIELDS

BISRAMPUR AREA

DISTRICT—SURGUJA (MADHYA PRADESH)

(Plan No. : SECL/BSPGM(PLG/Land/186
dated 7th July, 1997)

ALL RIGHTS

| Sl. No. | Name of Village | Village Number | Patwari Halka Number | Tahsil | District | Area in hectares | Remarks |
|---------|-----------------|----------------|----------------------|-----------|----------|------------------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | Getra | 138 | 50 | Ambikapur | Surguja | 105.267 | Part |

TOTAL : 105.267 hectares (approximately) OR 260.11 Acres (approximately)

Plot numbers to be acquired in Village Getra (Part).

1(Part), 269(Part), 272(Part), 274(Part), 275(Part), 278(Part), 279(Part), 280, 281(Part), 282 to 294, 295(Part), 296, 297(Part), 305(Part), 306(Part), 307(Part), 314(Part), 317(Part), 318, 319(Part), 320 to 341, 342(Part), 343(Part), 344 to 346, 347(Part), 348(Part), 349, 350(Part), 351(Part), 352, 353(Part), 358(Part), 391(Part), 401(Part), 402(Part), 403(Part), 404, 405(Part), 408(Part), 412(Part), 413(Part), 414(Part), 415(Part), 457(Part), 459(Part), 460(Part), 461(Part), 462, 463(Part), 464(Part), 465(Part), 466 to 494, 495(Part), 825(Part), 839(Part), 841(Part), 842(Part), 856(Part), 862(Part), 863(Part), 864(Part), 865, 866, 867(Part), 868(Part), 869(Part), 870 to 882, 883(Part), 884(Part), 885(Part), 888(Part), 889(Part), 890(Part), 891(Part), 994(Part), 995(Part), 998(Part), 999, 1000, 1001(Part), 1002(Part), 1004(Part), 1005(Part), 1006 to 1009, 1010(Part), 1011(Part), 1012(Part), 1014(Part), 1015(Part), 1016, 1017(Part), 1018(Part), 1019(Part), 1020(Part), 1022(Part), 1025(Part), 1026(Part), 1027(Part), 1028 to 1031, 1032(Part), 1033 to 1035, 1036(Part), 1037 to 1039, 1040(Part), 1044(Part), 1046(Part), 1047(Part), 1048, 1049, 1050(Part), 1051(Part), 1056(Part), 1057(Part), 1058 to 1062, 1063(Part), 1064 to 1068, 1069(Part), 1070, 1071(Part), 1072(Part), 1073(Part), 1076(Part), 1079(Part) and 1231(Part).

BOUNDARY DESCRIPTION.

- A—B—C** Line starts from point 'A' in village Getra and passes through plot numbers 1036, 994, 995, 998, 1001, 1002, 1004, 1005, 891, 890, 889, 888, 884, 883, 885, 856, 864, 863, 862, 867 and meets point 'C'.
- C—D—E** Line passes in Village Getra through plot numbers 867, 868, 869, 842, 841, 1010, 1011, 1012, 1014, 1015, 1017, 839, 1019, 1018, 1019, 1020, 1022, 1032, 1026, 1027, 1025, 1050, 1051, 1069, 1057, 1056, 825, 1231, 495, 281, 278, 279, 275, 274, 272, 295, 269, 297, 305, 306, 307, 314, 319, 317, 342, 343, 1 and meets at point 'E'.
- E—E1—E2—E3—F.** Line passes along the common boundary of reserved forest and Getra village and meets at point 'F'.
- F—F1.** Line passes along the common boundary of reserved forest and Getra village and meets at point 'F1'.
- F1—A** Line passes in village Getra through plot numbers 1, 347, 358, 348, 353, 391, 351, 350, 351, 401, 402, 403, 408, 405, 413, 412, 415, 414, 457, 465, 464, 463, 457, 459, 460, 461, 1079, 1063, 1076, 1071, 1073, 1072, 1046, 1047, 1044, 1040 and partially along northern bank of Jobga Nalla and meets at starting point 'A'.

SCHEDULE—'B'

JOBGA UNDERGROUND PROJECT LAKHANPUR COALFIELDS BISRAMPUR AREA

DISTRICT—SURGUJA (MADHYA PRADESH)

MINING RIGHTS

| Sl. No. | Name of Village | Village Number | Patwari Halka Number | Tahsil | District | Area in Hectares | Remarks |
|----------------|-----------------|----------------|----------------------|-----------|----------|------------------|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | Sarkara | 418 | 43 | Surajpur | Surguja | 83.590 | Part |
| 2. | Pondi | 270 | 45 | Surajpur | Surguja | 176.520 | Part |
| 3. | Mani | 659 | 45 | Surajpur | Surguja | 472.360 | Part |
| 4. | Jobga | 275 | 45 | Surajpur | Surguja | 117.280 | Part |
| 5. | Getra | 138 | 50 | Ambikapur | Surguja | 251.635 | Part |
| TOTAL : | | 1101.385 | Hectares | | | | |

FOREST LAND

| Sl. No. | Name of Forest | Division | Compartment Number | Area in hectares | Remarks |
|-------------|-----------------|--|--------------------|------------------|---------|
| 1. | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | Reserved Forest | South Surguja | 307 | 134.390 | Full |
| 2. | Reserved Forest | South Surguja | 306 | 91.780 | Full |
| 3. | Reserved Forest | South Surguja | 305 | 77.810 | Part |
| 4. | Reserved Forest | South Surguja | 313 | 67.340 | Full |
| 5. | Reserved Forest | South Surguja | 136 | 25.550 | Part |
| 6. | Reserved Forest | South Surguja | 137 | 150.142 | Full |
| TOTAL : | | | | 547.012 Hectares | |
| GRAND TOTAL | | 1648.397 hectares (approximately)
4073.19 Acres (approximately) | | OR | |

1. Plot numbers to be acquired in village Sapkara (Part).

321(Part), 682(Part), 683 to 745, 746(Part), 747(Part), 767(Part), 774(Part), 775, 776(Part), 777(Part), 779 (Part), 780, 781(Part), 782 to 786, 787(Part), 788(Part), 789 to 806, 808 to 825, 826(Part), 827, 828(Part), 830(Part), 831(Part), 832(Part), 833(Part), 859(Part), 867(Part).

2. Plot numbers to be acquired in village Pondi (Part).

188(Part), 189(Part), 190, 191, 192(Part), 193(Part), 194, 195(Part), 196(Part), 271(Part), 272(Part), 273(Part), 274(Part), 288(Part), 291(Part), 292(Part), 293 to 304, 305(Part), 306 to 363, 364(Part), 365(Part), 366(Part), 369(Part), 370(Part), 372(Part), 374(Part), 375(Part), 376(Part), 377 to 386, 387(Part), 388(Part), 391(Part), 392(Part), 393 to 551, 552(Part), 553(Part), 554, 555(Part), 556 to 574, 575(Part), 576, 577(Part), 581(Part), 605(Part), 606(Part), 607, 608, 609(Part), 793(Part), 794(Part), 806(Part), 887(Part), 890(Part), 891(Part), 897(Part), 898(Part), 899(Part), 900, 901(Part), 902 to 928, 929(Part), 930(Part), 931, 932(Part), 933(Part), 934(Part), 936(Part), 937(Part), 938 to 1094.

3. Plot numbers to be acquired in village Mani (Part)

22(Part), 23(Part), 24(Part), 25(Part), 26(Part), 27(Part), 28(Part), 29(Part), 30(Part), 104(Part), 108(Part), 111(Part), 112(Part), 113(Part), 114 to 176, 177(Part), 178(Part), 179 to 860, 862 to 1183, 1679.

4. Plot numbers to be acquired in village Jobga (Part)

77(Part), 78, 79(Part), 80, 81(Part), 82(Part), 83(Part), 84(Part), 85 to 92, 93(Part), 94(Part), 95(Part), 96(Part), 110(Part), 125(Part), 126 to 133, 134(Part), 135, 136(Part), 137, 138, 139, 140(Part), 414(Part), 442(Part), 443, 444(Part), 445 (Part), 446, 447(Part), 448 to 485, 486(Part), 487(Part), 610(Part), 611(Part), 613(Part), 614, 615, 616(Part), 617 to 636, 637(Part), 644(Part), 645(Part), 476 to 709, 710(Part), 711, 712(Part), 713 (Part), 719(Part), 724(Part), 833(Part), 834 to 836, 837(Part), 838(Part), 839(Part), 923(Part), 1021(Part), 1022(Part), 1023(Part), 1024(Part), 1027(Part), 1028(Part), 1029(Part), 1030, 1031, 1032(Part), 1036(Part), 1037 to 1040, 1041(Part), 1042(Part), 1044(Part), 1045 to 1076, 1077(Part), 1078 to 1152.

5. Plot numbers to be acquired in village Getra (Part).

1(Part), 4 to 268, 269(Part), 270, 271, 272(Part), 273, 274(Part), 275(Part), 276, 277, 278(Part), 279(Part), 281(Part), 295(Part), 297(Part), 298 to 304, 305(Part), 306(Part), 307(Part), 308 to 313, 314(Part), 315, 316, 317 (Part) 319(Part), 342(Part), 343(Part), 495(Part), 496 to 824, 825(Part), 826 to 838, 839(Part), 840, 841(Part), 842(Part), 843 to 855, 856(Part), 857 to 861, 862(Part), 863(Part), 864(Part), 867(Part), 868(Part), 869(Part), 883(Part), 884(Part), 885(Part), 886, 887, 888(Part), 889(Part), 890(Part), 891(Part), 892 to 970, 972 to 993, 994(Part), 995(Part), 996, 997, 998(Part), 1001(Part), 1002(Part), 1003, 1004(Part), 1005(Part), 1010(Part), 1011(Part), 1012(Part), 1013, 1014 (Part), 1015(Part), 1017(Part), 1018(Part), 1019(Part), 1020(Part), 1021, 1022(Part), 1023, 1024, 1025(Part) 1026 (Part), 1027(Part), 1032(Part), 1036(Part), 1050(Part), 1051(Part), 1052 to 1055, 1056(Part), 1057 (Part), 1213, 1222, 1227, 1228, 1229, and 1231(Part).

Reserved Forest Compartment numbers to be acquired. (Part),

307, 306, 305(Part), 313, 136(Part), 137.

BOUNDARY DESCRIPTION.

| | |
|----------------|--|
| A—B—C | Line starts from point 'A' in village Getra and passes along the common boundary area to be acquired under all rights and meets at point 'C'. |
| C—D—E | Line passes along the common boundary area to be acquired under all right and meets at point 'E'. |
| E—E1—E 2—E 3—F | Line passes along the common boundary area to be acquired under all rights and meets at point 'F'. |
| F—G | Line passes through reserve forest compartment numbers 305, 136 and meets on the common boundary of reserved forest and Jobga village at point 'G'. |
| G—H | Line passes in Jobga village through plot numbers, 1077, 1022, 1023, 1024, 1077, 1027, 1028, 1029, 1021, 923, 1021, 1032, 1036, 1041, 1042, 1044, 1021, 839, 838, 837, 833, 710, 724, 712, 713, 719, 644, 645, 637, 613, 611, 610, 616, 487, 486, 442, 441, 444, 445, 140, 447, 140, 136, 140, 134, 125, 110, 95, 94, 93, 96, 84, 96, 82, 83, 81, 82, 77, 79 and meets at point 'H'. |
| H—I | Line passes partly along the common boundary of village Jobga—Reserved Forest, village Pondi—reserved forest and meets at point 'I'. |
| I—J | Line passes in village Pondi through plot numbers 189, 188, 192, 193, 195, 196, 391, 392, 388, 387, 375, 374, 370, 376, 369, 365, 366, 364, 366, 372, 271, 272, 273, 274, 305, 292, 288, 291, 552, 553, 581, 555, 577, 575, 605, 606, 609, 793, 794, 806, 901, 897, 899, 898, 891, 928, 929, 890, 930, 887, 932, 933, 934, 936, 937, and meets at point 'J'. |
| J—K | Line passes in village Mani through plot numbers 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 108, 111, 112, 104, 113, 177, 178, and meets at point 'K'. |
| K—L | Line passes in village Sapkara through plot numbers 682, 321, 747, 746, 788, 787, 774, 776, 777, 779, 781, 767, 826, 828, 830, 831, 832, 833, 859, 867 and meets at point 'L'. |
| L—M—N | Line passes along Western Bank of Rehar River and meets at point 'N'. |
| N—A | Line passes partly along Northern boundary of Jobga Nalla and meets at the starting point 'A'. |

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस अधिनियम

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1997

कां०आ० 2302.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना कां० आ० 223 तारीख 1-2-97 द्वारा भारत सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाइन बिछाने के लिए अर्जित करने का प्राणय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्णय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगी।

अनुसूची

कानावाडा ई०पी०एम० से जी०ई०अपार लीम्बासी तक पाइपलाइन
राज्य : गुजरात तालुका : कम्बे जिला : खेडा
गांव क्रम सं० ग्राम सं० का एरिया
ब्लॉक सं०

| | | हेक्टे-
यर | ग्राम | सेंटी-
मीटर |
|----------|-----|---------------|-------|----------------|
| कानावाडा | 142 | 0 | 00 | 32 |
| | 154 | 0 | 00 | 39 |

[सं० एल०-14016/3/95/जी०पी०]

आई०एम०एन० प्रभाव, उप सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND
NATURAL GAS

New Delhi, the 5th September, 1997

S.O. 2302.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 223 dated 1-2-97 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.

BARODA

SCHEDULE

Kanawada EPS to GE Apar at Limbasi.

State : Gujarat Tal : Matar Dist. : Kheda

| Village | Survey No./
Block No. | Area of R.O.U. | | |
|----------|--------------------------|----------------|-----|----------|
| | | Hectare | Are | Certiare |
| Kanawada | 142 | 00 | 00 | 32 |
| | 154 | 00 | 00 | 39 |

[No. L-14016/3/95-GP]

I. S. N. PRASAD, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1997

कां०आ० 2303.—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना कां० आ० 224 तारीख 1-2-97 द्वारा भारत सरकार ने उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाइन बिछाने के लिए अर्जित करने का प्राणय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्णय किया है।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगी।

अनुसूची

| कानवाडा ई.पी.एस. से जी.ई. अपार. लिम्वामी तक पाइप लाइन | | | |
|---|-------------|-------------------|------------|
| राज्य: गुजरात | तालुका: माल | जिला: खेडा | |
| गांव | वस. सं. | आर.ओ.यू. का एरिया | |
| | ब्लॉक सं. | हेक्टेयर | घर सेंटीआर |
| वास्ताना | 563 | 0 | 00 4 |
| लीम्वामी | 1606 | 0 | 16 77 |
| | 1610 | 0 | 13 52 |
| | 1612 | 0 | 06 89 |
| | 1616 | 0 | 11 70 |
| | 2634 | 0 | 01 30 |
| | 1618 | 0 | 07 02 |
| | 1590/1 | 0 | 35 68 |
| | 1534 | 0 | 06 50 |
| | 1533 | 0 | 08 91 |
| | 1455 | 0 | 13 00 |
| | 1449 | 0 | 01 11 |
| | 1447 | 0 | 04 09 |
| | 1426 | 0 | 01 72 |
| | 1427 | 0 | 07 90 |
| | 571 | 0 | 09 78 |
| | 572 | 0 | 04 10 |
| | 573 | 0 | 05 59 |
| | 594 | 0 | 04 64 |
| | 593 | 0 | 03 55 |
| | 595 | 0 | 08 59 |
| | 602 | 0 | 01 95 |
| | 605 | 0 | 04 55 |
| | नाला | 0 | 00 65 |
| | 603 | 0 | 01 82 |
| | 604 | 0 | 05 85 |
| | 609 | 0 | 03 90 |
| | 634 | 0 | 10 14 |
| | 633 | 0 | 07 67 |
| | 645 | 0 | 06 37 |
| | 644 | 0 | 06 05 |
| | 2577 | 0 | 05 07 |
| | 347 | 0 | 07 02 |
| | 346 | 0 | 06 76 |
| | 319 | 0 | 05 40 |
| | 300 | 0 | 05 46 |
| | 271 | 0 | 03 38 |
| | 266 | 0 | 07 67 |
| | 260 | 0 | 05 58 |
| | 259 | 0 | 07 47 |
| | 258 | 0 | 01 76 |

[सं. एन-14016/3/95 जी पी]

आई.एस.एन. प्रसाद, उपसचिव

New Delhi, the 5th September, 1997

S.O. 2303.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S. O. 224 dated 1-2-97 under sub-section (1) of section 3 of the petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land), Act 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has, after Considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification.

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this appended notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this Declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances.

GAS AUTHORITY OF INDIA LTD.
BARODA

SCHEDULE

Kanawada EPS to GE Apar at Limbasi

| State : Gujarat | Tal : Hatar | Dist. : Kheda |
|-----------------|--------------------------|----------------------|
| Village | Survey No./
Block No. | Area of R.O.U. |
| | | Hectare Arc Centiare |
| Vastana | 563 | 00 00 42 |
| Limbasi | 1606 | —00 16 77 |
| | 1610 | —00 13 52 |
| | 1612 | —00 06 89 |
| | 1616 | —00 11 70 |
| | 2634 | —00 01 30 |
| | 1618 | —00 07 02 |
| | 1590/1 | —00 35 68 |
| | 1534 | —00 06 50 |
| | 1533 | —00 08 91 |
| | 1455 | —00 13 00 |
| | 1449 | 00 01 11 |
| | 1447 | 00 04 09 |
| | 1426 | 00 01 72 |
| | 1427 | 00 07 90 |
| | 571 | 00 09 78 |
| | 572 | 00 04 10 |
| | 573 | 00 05 59 |
| | 574 | 00 04 64 |
| | 593 | 00 03 55 |
| | 595 | 00 08 59 |
| | 602 | 00 01 95 |
| | 605 | 00 04 55 |
| | NALLA | 00 00 65 |
| | 603 | 00 01 82 |
| | 604 | 00 05 85 |
| | 609 | 00 03 90 |
| | 634 | 00 10 14 |
| | 633 | 00 07 67 |
| | 645 | 00 06 37 |
| | 644 | 00 06 05 |
| | 2577 | 00 05 07 |
| | 347 | 00 07 02 |
| | 346 | 00 06 76 |
| | 319 | 00 05 40 |
| | 300 | 00 05 46 |
| | 271 | 00 03 38 |
| | 266 | 00 07 67 |
| | 260 | 00 05 58 |
| | 259 | 00 07 47 |
| | 258 | 00 01 76 |

[No. L-14016/3/95-GP]

I.S.N. PRASAD, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

का. आ. 2304.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जीएनएलएच से जीएनवायएफ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

जीएनएलएच से जीएनवायएफ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : वागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|---------|
| गाँव | सर्वे सं. | हे. | आर. | सेन्टी. |
| जोलवा | 19 | 0 | 02 | 60 |
| | 20 | 0 | 19 | 20 |
| | 22 | 0 | 14 | 95 |
| | 23 | 0 | 32 | 50 |
| | 14 | 0 | 06 | 50 |
| | 25 | 0 | 14 | 95 |
| | 26 | 0 | 16 | 25 |
| | 13 | 0 | 08 | 45 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 02 | 60 |
| | 55 | 0 | 13 | 00 |
| | 128 | 0 | 14 | 30 |

[सं. ओ.-12016/108/96-ओएनजी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th August, 1997

S. O. 2304.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from GNLH to GNYF in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNLH TO GNYF

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| JOLWA | 19 | 0 | 02 | 60 |
| | 20 | 0 | 19 | 20 |
| | 22 | 0 | 14 | 95 |
| | 23 | 0 | 32 | 50 |
| | 14 | 0 | 06 | 50 |
| | 25 | 0 | 14 | 95 |
| | 26 | 0 | 16 | 25 |
| | 13 | 0 | 08 | 45 |
| | Cart track | 0 | 02 | 60 |
| | 55 | 0 | 13 | 00 |
| | 128 | 0 | 14 | 30 |

[No. O-12016/108/96-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

का. आ. 2305.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला व तालुका : बड़ौदरा

| गाँव | ब्लाक नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|---------|-----------|----------|------|----------|
| रायपुरा | 593 | 0 | 05 | 00 |
| | 592 | 0 | 06 | 82 |
| | 591 | 0 | 02 | 99 |

[सं. ओ-12016/109/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th August, 1997

S. O. 2305.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PDAR to PADRA EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in persons or by legal practitioner.

SCHEDULE**PIPELINE FROM PDAR TP PADRA EPS****STATE : GUJARAT****DISTRICT & TALUKA : VADODARA**

| Village | Block No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|-----------|---------|-----|----------|
| RAYPURA | 593 | 0 | 05 | 00 |
| | 592 | 0 | 06 | 82 |
| | 591 | 0 | 02 | 99 |

[No. O-12016/109/96-ONG.D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

क्रा. आ. 2306.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला व तालुका : बड़ोदरा

| गाँव | ब्लॉक नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|----------|-----------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| गोकलपुरा | 215 | 0 | 07 | 41 |
| | 219 | 0 | 06 | 11 |
| | 210 | 0 | 12 | 48 |
| | 211 | 0 | 10 | 50 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 06 | 75 |
| | 206 | 0 | 15 | 86 |
| | 204 | 0 | 05 | 85 |
| | 122 | 0 | 16 | 00 |
| | 123 | 0 | 06 | 68 |
| | 116 | 0 | 10 | 20 |
| | 124 | 0 | 05 | 15 |
| | 126 | 0 | 14 | 30 |
| | 127 | 0 | 00 | 26 |
| | 128 | 0 | 09 | 49 |
| | 129 | 0 | 05 | 00 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 30 |
| | 131 | 0 | 04 | 56 |
| | 132 | 0 | 00 | 06 |
| | 133 | 0 | 07 | 02 |

[सं. ओ-12016/110/96-ओ एन जी डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th August, 1997

S. O. 2306.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PDAR to PADRA EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal practitioner.

SCHEDULE**PIPELINE FROM PDAR TP PADRA EPS.****STATE : GUJARAT****DISTRICT & TALUKA : VADODARA**

| Village | Block No. | Hectare | Are | Centiare |
|------------|-----------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| GOKULPURA | 215 | 0 | 07 | 41 |
| | 219 | 0 | 06 | 11 |
| | 210 | 0 | 12 | 48 |
| | 211 | 0 | 10 | 50 |
| Cart track | | 0 | 06 | 75 |
| | 206 | 0 | 15 | 86 |
| | 204 | 0 | 05 | 85 |
| | 122 | 0 | 16 | 00 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 123 | 0 | 06 | 68 |
| | 116 | 0 | 10 | 20 |
| | 124 | 0 | 05 | 15 |
| | 126 | 0 | 14 | 30 |
| | 127 | 0 | 00 | 26 |
| | 128 | 0 | 09 | 49 |
| | 129 | 0 | 05 | 00 |
| | Cart track | 0 | 01 | 30 |
| | 131 | 0 | 04 | 56 |
| | 132 | 0 | 00 | 06 |
| | 133 | 0 | 07 | 02 |

[No. O-12016/110/96-ONG.D IV]
M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

का. आ. 2307.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा I द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

| राज्य : गुजरात | | जिला : बड़ोदरा | | तालुका : पादरा | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------------|--|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| पादरा | कार्ट ट्रेक | 0 | 04 | 90 | |
| | 1243/1 | 0 | 14 | 05 | |
| | 1243/2 | | | | |
| | 1245 | 0 | 08 | 97 | |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 01 | 43 | |
| | 1256/पी | 0 | 03 | 00 | |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 01 | 69 | |
| | 1255 | 0 | 14 | 17 | |
| | 1253 | 0 | 05 | 85 | |
| | 1251 | 0 | 04 | 17 | |
| | 1252 | 0 | 08 | 10 | |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 01 | 70 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | 1166 | 0 | 16 | 64 |
| | 1118 | 0 | 17 | 64 |
| | 1119 | 0 | 13 | 39 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 80 |
| | 1120 | 0 | 12 | 10 |
| | 1032/1 | 0 | 13 | 65 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 04 | 86 |
| | 1032/2 | 0 | 02 | 91 |
| | 1039/1 | 0 | 01 | 85 |
| | 1028 | 0 | 02 | 45 |
| | 1027/1-2 | 0 | 10 | 40 |
| | 1041/1-2 | 0 | 09 | 62 |
| | 975 | 0 | 22 | 10 |
| | 974 | 0 | 10 | 66 |
| | 963 | 0 | 04 | 10 |
| | 962 | 0 | 04 | 08 |
| | 961 | 0 | 10 | 66 |

[सं. ओ-12016/111/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th August, 1997

S. O. 2307. —Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PDAR to PADRA EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE**PIPELINE FROM PDAR TO PADRA EPS.**

STATE : GUJARAT DISTRICT : VADODARA TALUKA : PADRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|-------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| PADARA | Cart track} | 0 | 04 | 90 |
| | 1243/1 } | 0 | 14 | 05 |
| | 1243/2 } | | | |
| | 1245 | 0 | 08 | 97 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | Cart track | 0 | 01 | 43 |
| | 1256/P | 0 | 03 | 00 |
| | Cart track | 0 | 01 | 69 |
| | 1255 | 0 | 14 | 17 |
| | 1253 | 0 | 05 | 85 |
| | 1251 | 0 | 04 | 17 |
| | 1252 | 0 | 08 | 10 |
| | Cart track | 0 | 01 | 70 |
| | 1166 | 0 | 16 | 64 |
| | 1118 | 0 | 17 | 64 |
| | 1119 | 0 | 13 | 39 |
| | Cart track | 0 | 00 | 80 |
| | 1120 | 0 | 12 | 10 |
| | 1032/1 | 0 | 13 | 65 |
| | Cart track | 0 | 04 | 86 |
| | 1032/2 | 0 | 02 | 91 |
| | 1039/1 | 0 | 01 | 85 |
| | 1028 | 0 | 02 | 45 |
| | 1027/1-2 | 0 | 10 | 40 |
| | 1041/1-2 | 0 | 09 | 62 |
| | 975 | 0 | 22 | 10 |
| | 974 | 0 | 10 | 66 |
| | 963 | 0 | 04 | 10 |
| | 962 | 0 | 04 | 08 |
| | 961 | 0 | 10 | 66 |

[No. O-12016/111/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

का. आ. 2308. — यतः कन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ;

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा के क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

पी. डी. ए. आर. से पादरा ई. पी. एस. तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात

जिला : वडोदरा

तालुका : पादरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
|-------|-------------|----------|----|----------|
| सोगमा | कार्ट ट्रेक | 0 | 02 | 08 |
| | 258 | 0 | 08 | 43 |
| | 259 | 0 | 00 | 80 |
| | 257 | 0 | 10 | 27 |
| | 255 | 0 | 01 | 26 |
| | 254 | 0 | 09 | 53 |
| | 253 | 0 | 07 | 67 |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 00 | 90 |
| | 234 | 0 | 01 | 20 |
| | 245 | 0 | 19 | 78 |
| | 246 | 0 | 03 | 64 |
| | 243 | 0 | 05 | 00 |
| | 242 | 0 | 09 | 04 |
| | 241 | 0 | 06 | 50 |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 02 | 08 |
| | 278/A.B | 0 | 16 | 82 |
| | 284 | 0 | 13 | 26 |
| | 291 | 0 | 01 | 10 |
| | 292 | 0 | 13 | 26 |
| | 290 | 0 | 01 | 10 |
| | 296 | 0 | 11 | 42 |
| | 293 | 0 | 00 | 09 |
| | 295 | 0 | 26 | 23 |

[सं. ओ-12016/112/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th August, 1997

S. O. 2308.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from PDAR to PADRA EPS in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Corporation Ltd.;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Corporation Ltd., Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390009 ;

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM PDAR TO PADRA EPS.

STATE : GUJARAT DISTRICT : VADODARA TALUKA : PADARA

| Village | Survey No. | Hectare | Acre | Centiare |
|---------|------------|---------|------|----------|
| SANGAMA | Cart track | 0 | 02 | 08 |
| | 258 | 0 | 08 | 43 |
| | 259 | 0 | 00 | 80 |
| | 257 | 0 | 10 | 27 |
| | 255 | 0 | 01 | 26 |
| | 254 | 0 | 09 | 53 |
| | 253 | 0 | 07 | 67 |
| | Cart track | 0 | 00 | 90 |
| | 234 | 0 | 01 | 20 |
| | 245 | 0 | 19 | 78 |
| | 246 | 0 | 03 | 64 |
| | 243 | 0 | 05 | 00 |
| | 242 | 0 | 09 | 04 |
| | 241 | 0 | 06 | 50 |
| | Cart track | 0 | 02 | 08 |
| | 278/A.B | 0 | 16 | 82 |
| | 284 | 0 | 13 | 26 |
| | 291 | 0 | 01 | 10 |
| | 292 | 0 | 13 | 26 |
| | 290 | 0 | 01 | 10 |
| | 296 | 0 | 11 | 42 |
| | 293 | 0 | 00 | 09 |
| | 295 | 0 | 26 | 23 |

[No. O-12016/112/96-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

का. आ. 2509.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी जी एस I से जी जी एस III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा के क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जी जी एस I से जी जी एस II तक पाइपलाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तालुका : पादरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------|-----------|----------|------|----------|
| गंधार | 418 | 0 | 10 | 00 |
| | 419 | 0 | 26 | 00 |
| | 336 | 0 | 08 | 00 |

[सं. ओ-12016/113/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th August, 1997

S. O. 2309.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G. G. S. I to G. G. S. III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra-390 009.

And every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GGS I TO GGS III.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| GANDHAR | 418 | 0 | 10 | 00 |
| | 419 | 0 | 26 | 00 |
| | 336 | 0 | 08 | 00 |

[No. O-12016/113/96-ONG.D IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1997

का. आ.2310.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में जी जी एस I से जी जी एस III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और अतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा के क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

जी जी एस I से जी जी एस III तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : पागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|------|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
| मूलेर | 63 | 0 | 84 | 80 |
| | 59 | 0 | 27 | 60 |
| | 43/A.B. | 0 | 10 | 40 |
| | 40 | 0 | 14 | 60 |
| | 63 B | 0 | 31 | 60 |
| | 58 | 0 | 40 | 40 |
| | 57 | 0 | 20 | 80 |
| | 44 | 0 | 08 | 00 |
| | 39 | 0 | 14 | 00 |
| | 37 | 0 | 20 | 60 |
| | 31.A/B | 0 | 14 | 00 |
| | 526 | 0 | 01 | 00 |

[सं. ओ-12016/114/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 28th August, 1997

S. O. 2310.—WHEREAS it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G. G. S. I to G. G. S. III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Corporation Ltd.

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :—

NOW THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares it's intention to acquire the right of user therein :

PROVIDED THAT ANY person interested in the said land may object within 21 days from the date of this notification, to laying the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Corporation Ltd. Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara-390 009.

AND every person making such an objections shall also state specifically whether he wished to be heard in persons or by legal Practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM G G S I TO G G S III.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| MULLER | 63 | 0 | 84 | 80 |
| | 59 | 0 | 27 | 60 |
| | 43/A.B. | 0 | 10 | 40 |
| | 40 | 0 | 14 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|--------|---|----|----|
| | 63 B | 0 | 31 | 60 |
| | 58 | 0 | 40 | 40 |
| | 57 | 0 | 20 | 80 |
| | 44 | 0 | 08 | 00 |
| | 39 | 0 | 14 | 00 |
| | 37 | 0 | 20 | 60 |
| | 31.A/B | 0 | 14 | 00 |
| | 526 | 0 | 01 | 00 |

[No. O-12016/114/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ.2311.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3035 तारीख 15-10-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अतः, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एन एन डी डी-16 से नान इ पी एस तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : महेसाना | तालुका : कडी | | |
|----------------|----------------|--------------|------|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
| कैथल | 549 | 0 | 08 | 40 |
| | 550 | 0 | 13 | 20 |
| | 825/P | 0 | 05 | 40 |
| | 825/P | 0 | 12 | 72 |

[सं. ओ-12016/21/95-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2311.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 3035 dated 15-10-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM NNDD(16) TO NAN. EPS.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KADI

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| KAIYAL | 549 | 0 | 08 | 40 |
| | 550 | 0 | 13 | 20 |
| | 825/P | 0 | 05 | 40 |
| | 825/P | 0 | 12 | 72 |

[No. O-12016/21/95-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2312.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 3038 तारीख 15-10-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने को बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

एल डब्ल्यू एफ एन-21 से लनवा इ पी एस II तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : महेसाना तालुका : चाणस्मा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|--------|-----------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| ककासना | 197 | 0 | 02 | 76 |
| | 196 | 0 | 05 | 52 |
| | 195 | 0 | 05 | 16 |
| | 194 | 0 | 04 | 44 |
| | 193 | 0 | 10 | 68 |

[सं. ओ-12016/23/95 एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2312.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 3038 dated 15-10-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM LWFN (21) TO LANWA EPS II.**

STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA TALUKA : CHANASMA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| KAKASNA | 197 | 0 | 02 | 76 |
| | 196 | 0 | 05 | 52 |
| | 195 | 0 | 05 | 16 |
| | 194 | 0 | 04 | 44 |
| | 193 | 0 | 10 | 68 |

[No. O-12016/23/95-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2313.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 942 तारीख 29-2-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

सनन्द जी. जी. एस. I से ई. टी. पी. झालोरा तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : महेसाना | तालुका : कड़ी | | |
|----------------|----------------|---------------|------|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
| आद्रज | 860 | 0 | 06 | 70 |
| | 861/1 | 0 | 02 | 10 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 45 |
| | 1074 | 0 | 04 | 65 |
| | 1073/2 | 0 | 01 | 90 |
| | 1075/1 | 0 | 05 | 65 |
| | 1079/p | 0 | 10 | 10 |
| | 1077/1 | 0 | 02 | 75 |
| | 1081/1/2 | 0 | 05 | 64 |
| | 1083 (1082) | 0 | 12 | 35 |
| | 1088 | 0 | 05 | 70 |
| | 1099/1/p | 0 | 05 | 35 |
| | 1098 | 0 | 06 | 45 |
| | 1103/2 | 0 | 04 | 05 |
| | 1103/1 | 0 | 07 | 35 |

[सं. ओ-12016/42/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. —Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 942 dated 29-2-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SANAND GGS I TO ETP JHALORA.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KADI

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| ADARAJ | 860 | 0 | 06 | 70 |
| | 861/1 | 0 | 02 | 10 |
| | Cart track | 0 | 00 | 45 |
| | 1074 | 0 | 04 | 65 |
| | 1073/2 | 0 | 01 | 90 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------|-------------|---|----|----|
| ADARAJ | 1075/1 | 0 | 05 | 65 |
| | 1079/P | 0 | 10 | 10 |
| | 1077/1 | 0 | 02 | 75 |
| | 1081/1/2 | 0 | 05 | 64 |
| | 1083 (1082) | 0 | 12 | 35 |
| | 1088 | 0 | 05 | 70 |
| | 1099/1/P | 0 | 05 | 35 |
| | 1098 | 0 | 06 | 45 |
| | 1103/2 | 0 | 04 | 05 |
| | 1103/1 | 0 | 07 | 35 |

[No. O-12016/42/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2314.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1838 तारीख 21-5-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

नंदासन ई पी एस से नोर्थ कड़ी सी टी एफ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कड़ी

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-----------|-------------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| गणेश पुरा | 194 | 0 | 17 | 65 |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 00 | 75 |
| | 195/1 | 0 | 14 | 10 |
| | 195/2 | 0 | 03 | 45 |
| | 195/3 | 0 | 04 | 95 |
| | 186 | 0 | 15 | 55 |
| | 187 | 0 | 15 | 45 |
| | 178 | 0 | 06 | 15 |
| | 177 | 0 | 16 | 80 |
| | 156 | 0 | 16 | 65 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | 157 | 0 | 13 | 95 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 60 |
| | 153 | 0 | 17 | 40 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 04 |
| | 134 | 0 | 08 | 10 |
| | 135 | 0 | 10 | 05 |
| | 136 | 0 | 13 | 20 |
| | 122/2 | 0 | 14 | 40 |
| | 122/1 | 0 | 03 | 38 |
| | 121 | 0 | 00 | 20 |
| | 120 | 0 | 09 | 33 |
| | 112 | 0 | 16 | 05 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 20 |
| | 107 | 0 | 14 | 48 |
| | 108 | 0 | 14 | 54 |
| | 106/1 | 0 | 16 | 05 |
| | 105 | 0 | 12 | 31 |

[सं. ओ-12016/50/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2314.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 1838 dated 21-5-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM NANDASAN EPS TO NORTH KADI CTF.**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KADI

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|------------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| GANESHPURA | 194 | 0 | 17 | 65 |
| | Cart track | 0 | 00 | 75 |
| | 195/1 | 0 | 14 | 10 |
| | 195/2 | 0 | 03 | 45 |
| | 195/3 | 0 | 04 | 95 |
| | 186 | 0 | 15 | 55 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 187 | 0 | 15 | 45 |
| | 178 | 0 | 06 | 15 |
| | 177 | 0 | 16 | 80 |
| | 156 | 0 | 16 | 65 |
| | 157 | 0 | 13 | 95 |
| | Cart track | 0 | 00 | 60 |
| | 153 | 0 | 17 | 40 |
| | Cart track | 0 | 01 | 04 |
| | 134 | 0 | 08 | 10 |
| | 135 | 0 | 10 | 05 |
| | 136 | 0 | 13 | 20 |
| | 122/2 | 0 | 14 | 40 |
| | 122/1 | 0 | 03 | 38 |
| | 121 | 0 | 00 | 20 |
| | 120 | 0 | 09 | 33 |
| | 112 | 0 | 16 | 05 |
| | Cart track | 0 | 01 | 20 |
| | 107 | 0 | 14 | 48 |
| | 108 | 0 | 14 | 54 |
| | 106/1 | 0 | 16 | 05 |
| | 105 | 0 | 12 | 31 |

[No. O-12016/50/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2315.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1837 तारीख 21-5-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयस एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

नंदासम ई पी एस से नोर्थ कड़ी सी टी एफ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : मेहसाणा

तालुका : कड़ी

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|---------|-------------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| मुंदरडा | 306/2 | 0 | 09 | 30 |
| | 306/1 | 0 | 09 | 60 |
| | 307 | 0 | 07 | 57 |
| | 309 | 0 | 22 | 42 |
| | 319 | 0 | 28 | 65 |
| | 317 | 0 | 12 | 00 |
| | 316 | 0 | 05 | 32 |
| | 323 | 0 | 22 | 46 |
| | 343 | 0 | 09 | 22 |
| | 342 | 0 | 01 | 08 |
| | 345 | 0 | 21 | 30 |
| | 346 | 0 | 06 | 00 |
| | 347 | 0 | 06 | 15 |
| | 368 | 0 | 11 | 70 |
| | 367 | 0 | 20 | 41 |
| | 379 | 0 | 02 | 44 |
| | 380 | 0 | 12 | 35 |
| | 380/p | 0 | 02 | 60 |
| | 382 | 0 | 08 | 55 |
| | 383 | 0 | 02 | 78 |
| | 384 | 0 | 11 | 45 |
| | 385 | 0 | 04 | 05 |
| | 358 | 0 | 01 | 70 |
| | 392 | 0 | 32 | 94 |
| | 391 | 0 | 16 | 57 |
| | 393 | 0 | 18 | 45 |
| | 394 | 0 | 16 | 87 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 90 |
| | 395 | 0 | 29 | 32 |
| | 396/p | 0 | 40 | 35 |
| | 397 | 0 | 06 | 00 |
| | 398 | 0 | 06 | 30 |
| | 399 | 0 | 02 | 65 |
| | 400 | 0 | 25 | 80 |
| | 419 | 0 | 18 | 00 |
| | 422 | 0 | 16 | 65 |
| | 423 | 0 | 07 | 20 |
| | 425 | 0 | 12 | 90 |
| | 429 | 0 | 11 | 80 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 90 |
| | 438 | 0 | 32 | 10 |
| | 443 | 0 | 36 | 60 |
| | 454 | 0 | 22 | 65 |
| | 461 | 0 | 31 | 35 |
| | 464 | 0 | 17 | 85 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 60 |
| | 465 | 0 | 20 | 85 |

[सं. ओ-12016/49/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2315.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 1837 dated 21-5-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM NANDASAN EPS TO NORTH KADI CTF.**

STATE : GUJARAT

DISTRICT & TALUKA : MEHSANA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| MUDARDA | 306/2 | 0 | 09 | 30 |
| | 306/1 | 0 | 09 | 60 |
| | 307 | 0 | 07 | 57 |
| | 309 | 0 | 22 | 42 |
| | 319 | 0 | 28 | 65 |
| | 317 | 0 | 12 | 00 |
| | 316 | 0 | 05 | 32 |
| | 323 | 0 | 22 | 46 |
| | 343 | 0 | 09 | 22 |
| | 342 | 0 | 01 | 08 |
| | 345 | 0 | 21 | 30 |
| | 346 | 0 | 06 | 00 |
| | 347 | 0 | 06 | 15 |
| | 368 | 0 | 11 | 70 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|-------|---|----|----|
| MUDARDA—Contd. | 367 | 0 | 20 | 41 |
| | 379 | 0 | 02 | 44 |
| | 380 | 0 | 12 | 35 |
| | 380/p | 0 | 02 | 60 |
| | 382 | 0 | 08 | 55 |
| | 383 | 0 | 02 | 78 |
| | 384 | 0 | 11 | 45 |
| | 385 | 0 | 04 | 05 |
| | 358 | 0 | 01 | 70 |
| | 392 | 0 | 32 | 94 |
| | 391 | 0 | 16 | 57 |
| | 393 | 0 | 18 | 45 |
| | 394 | 0 | 16 | 87 |
| Cart track | | 0 | 00 | 90 |
| | 395 | 0 | 29 | 32 |
| | 396/p | 0 | 40 | 35 |
| | 397 | 0 | 06 | 00 |
| | 398 | 0 | 06 | 30 |
| | 399 | 0 | 02 | 65 |
| | 400 | 0 | 25 | 80 |
| | 419 | 0 | 18 | 00 |
| | 422 | 0 | 16 | 65 |
| | 423 | 0 | 07 | 20 |
| | 425 | 0 | 12 | 90 |
| | 429 | 0 | 11 | 80 |
| Cart track | | 0 | 00 | 90 |
| | 438 | 0 | 32 | 10 |
| | 443 | 0 | 36 | 60 |
| | 454 | 0 | 22 | 65 |
| | 461 | 0 | 31 | 35 |
| | 464 | 0 | 17 | 85 |
| Cart track | | 0 | 01 | 60 |
| | 465 | 0 | 20 | 85 |

[No. O-12016/49/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2316.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1836 तारीख 21-5-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार का पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में खोपणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

नंदासन ई पी एस से जोरथ कडी सी टी एफ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : मेहसाना | तालुका : कडी | | |
|----------------|----------------|--------------|------|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
| पनाली | 13/4 | 0 | 18 | 45 |
| | 13/p | 0 | 08 | 60 |
| | 13/2 | 0 | 18 | 68 |
| | 13/1 | 0 | 17 | 93 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 05 |
| | 254/1 to 5 | 0 | 11 | 25 |
| | 255 | 0 | 03 | 68 |
| | 257/1 to 8 | 0 | 13 | 58 |
| | 258/1 to 4 | 0 | 17 | 48 |
| | 259 | 0 | 04 | 21 |
| | 252 | 0 | 12 | 31 |
| | 263/p | 0 | 09 | 01 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 75 |
| | 249 | 0 | 15 | 93 |
| | 248 | 0 | 17 | 28 |
| | 245 | 0 | 13 | 65 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 20 |
| | 246 | 0 | 10 | 80 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 45 |
| | 241 | 0 | 19 | 90 |
| | 240 | 0 | 12 | 38 |
| | 239 | 0 | 06 | 90 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 20 |

[सं. ओ-12016/48/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2316.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 1836 dated 21-5-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM NANDASAN EPS TO NORTH KADI CTF.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KADI

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| DHANALI | 13/4 | 0 | 18 | 45 |
| | 13/P | 0 | 08 | 60 |
| | 13/2 | 0 | 18 | 68 |
| | 13/1 | 0 | 17 | 93 |
| | Cart track | 0 | 01 | 05 |
| | 254/1 to 5 | 0 | 11 | 25 |
| | 255 | 0 | 03 | 68 |
| | 257/1 to 8 | 0 | 13 | 58 |
| | 258/1 to 4 | 0 | 17 | 48 |
| | 259 | 0 | 04 | 21 |
| | 252 | 0 | 12 | 31 |
| | 263/P | 0 | 09 | 01 |
| | Cart track | 0 | 00 | 75 |
| | 249 | 0 | 15 | 93 |
| | 248 | 0 | 17 | 28 |
| | 245 | 0 | 13 | 65 |
| | Cart track | 0 | 01 | 20 |
| | 246 | 0 | 10 | 80 |
| | Cart track | 0 | 00 | 45 |
| | 241 | 0 | 19 | 90 |
| | 240 | 0 | 12 | 38 |
| | 239 | 0 | 06 | 90 |
| | Cart track | 0 | 01 | 20 |

[No. O-12016/48/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2317.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1835 तारीख 21-5-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

नंदासन ई पी एस से नोर्थ कडी सी टी एफ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : मेहसाना | तालुका : कडी | | |
|----------------|----------------|--------------|------|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
| टुंडाली | 303 | 0 | 16 | 50 |
| | 304 | 0 | 08 | 10 |
| | 306 | 0 | 06 | 98 |
| | 306p | 0 | 04 | 78 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 20 |
| | 309 | 0 | 27 | 37 |
| | 315 | 0 | 21 | 90 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 05 |

[सं. ओ-12016/47/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2317.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 1835 dated 21-5-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government :

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM NANDASAN EPS TO NORTH KADI CTF.

| STATE : GUJARAT | | DISTRICT : MEHSANA | | TALUKA : KADI | |
|-----------------|------------|--------------------|-----|---------------|--|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | |
| Tundali | 303 | 0 | 16 | 50 | |
| | 304 | 0 | 08 | 10 | |
| | 306 | 0 | 06 | 98 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 306-P. | 0 | 04 | 78 |
| | Cart track | 0 | 01 | 20 |
| | 309 | 0 | 27 | 37 |
| | 315 | 0 | 21 | 90 |
| | Cart track | 0 | 01 | 05 |

[No. O-12016/47/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2318.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1834 तारीख 21-5-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

नंदासन ई पी एस से मोर्थ कडी सी टी एफ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : मेहसाना | तालुका : कडी | | |
|----------------|----------------|--------------|------|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| कैयल | 825/पी | 0 | 16 | 57 |
| | 552 | 0 | 04 | 37 |
| | 553 | 0 | 12 | 40 |
| | 558 | 0 | 10 | 05 |
| | 561/2 | 0 | 09 | 15 |
| | 562/4 | 0 | 06 | 45 |
| | 565/2 | 0 | 09 | 15 |
| | 565/1 | 0 | 09 | 45 |
| | 593 | 0 | 13 | 97 |
| | 569/पी | 0 | 01 | 04 |
| | 592 | 0 | 10 | 95 |
| | 591 | 0 | 18 | 45 |
| | 590 | 0 | 08 | 10 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | 588 | 0 | 10 | 73 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 75 |
| | 586/पो | 0 | 21 | 75 |
| | 584/2 | 0 | 09 | 00 |
| | 584/1 | 0 | 10 | 58 |
| | 583 | 0 | 09 | 90 |
| | 581/2 | 0 | 09 | 95 |
| | 580 | 0 | 01 | 90 |
| | 579/3 | 0 | 13 | 65 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 90 |
| | 619 | 0 | 23 | 55 |
| | 620/1 | 0 | 00 | 95 |
| | 626 | 0 | 06 | 23 |
| | 625/पी | 0 | 13 | 35 |
| | 525/पी | | | |
| | 650 | 0 | 30 | 30 |
| | 652/3 | 0 | 00 | 10 |
| | 649/2 | 0 | 16 | 20 |

[सं. ओ-12016/46/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2318.—Whereas by Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 1834 dated 21-5-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM NANDASAN EPS TO NORTH KADI CTF.**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KADI

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| KIYOL | 825/P | 0 | 16 | 57 |
| | 552 | 0 | 04 | 37 |
| | 553 | 0 | 12 | 40 |
| | 558 | 0 | 10 | 05 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 561/2 | 0 | 09 | 15 |
| | 562/4 | 0 | 06 | 45 |
| | 565/2 | 0 | 09 | 15 |
| | 565/1 | 0 | 09 | 45 |
| | 593 | 0 | 13 | 97 |
| | 569/P | 0 | 01 | 04 |
| | 592 | 0 | 10 | 95 |
| | 591 | 0 | 18 | 45 |
| | 590 | 0 | 08 | 10 |
| | 588 | 0 | 10 | 73 |
| | Cart track | 0 | 00 | 75 |
| | 586/P | 0 | 21 | 75 |
| | 584/2 | 0 | 09 | 00 |
| | 584/1 | 0 | 10 | 58 |
| | 583 | 0 | 09 | 90 |
| | 581/2 | 0 | 09 | 95 |
| | 580 | 0 | 01 | 90 |
| | 579/3 | 0 | 13 | 65 |
| | Cart track | 0 | 00 | 90 |
| | 619 | 0 | 23 | 55 |
| | 620/1 | 0 | 00 | 95 |
| | 626 | 0 | 06 | 23 |
| | 625/P | 0 | 13 | 35 |
| | 525/P | | | |
| | 650 | 0 | 30 | 30 |
| | 652/3 | 0 | 00 | 10 |
| | 649/2 | 0 | 16 | 20 |

[No. O-12016/46/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2319.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1833 तारीख 21-5-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

नंदासन ई पी एस से नोर्थ कडी सी टी एफ तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

ज़िला : मेहसना

तालुका : कडी

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| बालासन | 262 | 0 | 08 | 10 |
| | 260 | 0 | 28 | 35 |
| | 259 | 0 | 04 | 20 |
| कार्ट ट्रैक | | 0 | 00 | 90 |
| | 258/3 | 0 | 08 | 02 |
| | 258/2/1 | 0 | 07 | 28 |
| | 258/1/2 | 0 | 10 | 80 |
| | 251 | 0 | 15 | 90 |
| कार्ट ट्रैक | | 0 | 00 | 45 |
| | 252 | 0 | 16 | 50 |
| | 247 | 0 | 17 | 25 |
| | 246/1/P | 0 | 07 | 40 |
| | 225 | 0 | 01 | 30 |
| | 240/P | 0 | 01 | 40 |
| | 226 | 0 | 31 | 93 |
| 227/3/1 | } | 0 | 11 | 55 |
| 227/2 | | | | |
| 227/1/3 | | | | |
| 218 | | 0 | 17 | 10 |
| 217/P | | 0 | 22 | 23 |
| कार्ट ट्रैक | | 0 | 02 | 40 |
| | 178 | 0 | 17 | 65 |
| | 180 | 0 | 11 | 10 |
| | 181 | 0 | 09 | 98 |
| कार्ट ट्रैक | | 0 | 01 | 80 |
| | 197/2 | 0 | 15 | 75 |
| | 196/2 | 0 | 05 | 02 |
| | 198/1 | 0 | 03 | 45 |
| | 148/1 | 0 | 02 | 90 |
| | 148/2 | 0 | 05 | 90 |
| | 148/3 | 0 | 06 | 30 |
| | 148/4 | 0 | 05 | 17 |
| | 147 | 0 | 00 | 35 |
| | 152 | 0 | 04 | 73 |
| | 144/1 | 0 | 03 | 45 |
| | 142/1 | 0 | 09 | 23 |
| | 141 | 0 | 20 | 55 |
| | 105/3 | 0 | 12 | 30 |
| | 105/4 | 0 | 06 | 75 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | 106 | 0 | 07 | 65 |
| | 107/1 | 0 | 02 | 40 |
| | 107/2 | 0 | 11 | 70 |
| | 108/2 | 0 | 02 | 25 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 45 |
| | 96 | 0 | 07 | 20 |
| | 95 | 0 | 01 | 92 |

[सं. ओ-12016/45/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2319.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 1833 dated 21-5-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM NANDASAN EPS TO NORTH KADI CTF**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KADI

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|----------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| CHALASAN | 262 | 0 | 08 | 10 |
| | 260 | 0 | 28 | 35 |
| | 259 | 0 | 04 | 20 |
| | Cart track | 0 | 00 | 90 |
| | 258/3 | 0 | 08 | 02 |
| | 258/2/1 | 0 | 07 | 28 |
| | 258/1/2 | 0 | 10 | 80 |
| | 251 | 0 | 15 | 90 |
| | Cart track | 0 | 00 | 45 |
| | 252 | 0 | 16 | 50 |
| | 247 | 0 | 17 | 25 |
| | 246/1/P | 0 | 07 | 40 |
| | 225 | 0 | 01 | 30 |
| | 240/P | 0 | 01 | 40 |
| | 226 | 0 | 31 | 93 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----------------------------------|---|----|----|
| | 227/3/1 }
227/2 }
227/1/3 } | 0 | 11 | 55 |
| | 218 | 0 | 17 | 10 |
| | 217/P | 0 | 22 | 23 |
| | Cart track | 0 | 02 | 40 |
| | 178 | 0 | 17 | 65 |
| | 180 | 0 | 11 | 10 |
| | 181 | 0 | 09 | 98 |
| | Cart track | 0 | 01 | 80 |
| | 197/2 | 0 | 15 | 75 |
| | 196/2 | 0 | 05 | 02 |
| | 198/1 | 0 | 03 | 45 |
| | 148/1 | 0 | 02 | 90 |
| | 148/2 | 0 | 05 | 90 |
| | 148/3 | 0 | 06 | 30 |
| | 148/4 | 0 | 05 | 17 |
| | 147 | 0 | 00 | 35 |
| | 152 | 0 | 04 | 73 |
| | 144/1 | 0 | 03 | 45 |
| | 142/1 | 0 | 09 | 23 |
| | 141 | 0 | 20 | 55 |
| | 105/3 | 0 | 12 | 30 |
| | 105/4 | 0 | 06 | 75 |
| | 106 | 0 | 07 | 65 |
| | 107/1 | 0 | 02 | 40 |
| | 107/2 | 0 | 11 | 70 |
| | 108/2 | 0 | 02 | 25 |
| | Cart track | 0 | 00 | 45 |
| | 96 | 0 | 07 | 20 |
| | 95 | 0 | 01 | 92 |

[No. O-12016/45/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2320.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 1832 तारीख 22-6-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी जी एस IV से दहेज जी जी एस तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तालुका : वागरा

| गाँव | प्लॉक नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------|-----------|----------|------|----------|
| अटाली | 85 | 0 | 12 | 00 |
| | 86 | 0 | 24 | 00 |
| | 117 | 0 | 36 | 00 |
| | 118 | 0 | 13 | 20 |
| | 119 | 0 | 02 | 40 |
| | 121 | 0 | 13 | 26 |
| | 128 | 0 | 25 | 20 |
| | 127 | 0 | 15 | 00 |
| | 133 | 0 | 25 | 20 |
| | 134 | 0 | 24 | 00 |
| | 132 | 0 | 06 | 60 |
| | 126 | 0 | 16 | 20 |

[सं. ओ-12016/44/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2320.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 1832 dated 22-6-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GGS IV TO DAHEJ GGS

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| ATALI | 85 | 0 | 12 | 00 |
| | 86 | 0 | 24 | 00 |
| | 117 | 0 | 36 | 00 |
| | 118 | 0 | 13 | 20 |
| | 119 | 0 | 02 | 40 |
| | 121 | 0 | 13 | 26 |
| | 128 | 0 | 25 | 20 |
| | 127 | 0 | 15 | 00 |
| | 133 | 0 | 25 | 20 |
| | 134 | 0 | 24 | 00 |
| | 132 | 0 | 06 | 60 |
| | 126 | 0 | 16 | 20 |

[No. O-12016/44/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2321.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 941 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जीएनएलई से जीएनएफवाई तक पाईपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : वागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| भलेन्डा | 158 | 0 | 16 | 90 |
| | 198 | 0 | 33 | 80 |
| | 200 | 0 | 18 | 20 |
| | 206 | 0 | 04 | 55 |

[सं. ओ-12016/76/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2321.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 941 dated 30-3-96 under Sub section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNLE TO GNFY.****STATE : GUJARAT****DISTRICT : BHARUCH****TALUKA : VAGRA**

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|----------|------------|---------|-----|----------|
| GALEND A | 158 | 0 | 16 | 90 |
| | 198 | 0 | 33 | 80 |
| | 200 | 0 | 18 | 20 |
| | 206 | 0 | 04 | 55 |

[No. O-12016/76/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2322.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 943 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जीएनबीओ से जीजीएस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|----------|-----------|----------|-----|----------|
| पणीयादरा | 573 | 0 | 06 | 50 |
| | 484 | 0 | 08 | 45 |
| | 483 | 0 | 12 | 74 |
| | 482 | 0 | 13 | 70 |
| | 477 | 0 | 01 | 30 |
| | 478 | 0 | 08 | 45 |
| | 480 | 0 | 04 | 94 |
| | 481 | 0 | 09 | 75 |
| | 396 | 0 | 03 | 90 |
| | 407 | 0 | 09 | 75 |
| | 406 | 0 | 05 | 85 |
| | 405 | 0 | 14 | 17 |
| | 413 | 0 | 02 | 47 |
| | 414 | 0 | 02 | 86 |
| | 415 | 0 | 04 | 55 |
| | 416 | 0 | 03 | 25 |
| | 417 | 0 | 05 | 33 |
| | 378 | 0 | 03 | 90 |
| | 372/A/B | 0 | 08 | 71 |
| | 370/A/B | 0 | 04 | 55 |
| | | 0 | 04 | 16 |
| | 371 | 0 | 06 | 37 |

[सं. ओ-12016/41/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2322.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 943 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNBO TO GGS IV.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|-----------|------------|---------|-----|----------|
| PANIYADRA | 573 | 0 | 06 | 50 |
| | 484 | 0 | 08 | 45 |
| | 483 | 0 | 12 | 74 |
| | 482 | 0 | 13 | 70 |
| | 477 | 0 | 01 | 30 |
| | 478 | 0 | 08 | 45 |
| | 480 | 0 | 04 | 94 |
| | 481 | 0 | 09 | 75 |
| | 396 | 0 | 03 | 90 |
| | 407 | 0 | 09 | 75 |
| | 406 | 0 | 05 | 85 |
| | 405 | 0 | 14 | 17 |
| | 413 | 0 | 02 | 47 |
| | 414 | 0 | 02 | 86 |
| | 415 | 0 | 04 | 55 |
| | 416 | 0 | 03 | 25 |
| | 417 | 0 | 05 | 33 |
| | 378 | 0 | 03 | 90 |
| | 372/A/B | 0 | 08 | 71 |
| | 370/A/B | 0 | 04 | 55 |
| | | 0 | 04 | 16 |
| | 371 | 0 | 06 | 37 |

[No. O-12016/41/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2323.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 944 तारीख द्वारा 30-3-96 केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जीएनएलटी से जीजीएस III तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : वागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
| गंधार | 321 | 0 | 92 | 30 |
| | 390 | 0 | 12 | 48 |
| | 391 | 0 | 03 | 25 |
| | 381 | 0 | 13 | 52 |
| | 388 | 0 | 02 | 10 |
| | 387 | 0 | 04 | 23 |
| | 382 | 0 | 10 | 83 |
| | 378 | 0 | 01 | 56 |
| | 377 | 0 | 05 | 20 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 91 |
| | 369 | 0 | 92 | 86 |
| | 370 | 0 | 03 | 90 |
| | 370 | 0 | 05 | 85 |
| | 349 | 0 | 10 | 66 |
| | 349 | 0 | 10 | 73 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 78 |
| | 357 | 0 | 06 | 65 |
| | 356 | 0 | 03 | 90 |
| | 355 | 0 | 07 | 35 |
| | 413 | 0 | 08 | 75 |

[सं. ओ-12016/40/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2323.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 944 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNLT TO GGS. III.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|------------|------------|---------|-----|----------|
| GANDHAR | 321 | 0 | 92 | 30 |
| | 390 | 0 | 12 | 48 |
| | 391 | 0 | 03 | 25 |
| | 381 | 0 | 13 | 52 |
| | 388 | 0 | 02 | 10 |
| | 387 | 0 | 04 | 23 |
| | 382 | 0 | 10 | 83 |
| | 378 | 0 | 01 | 56 |
| | 377 | 0 | 05 | 20 |
| Cart track | | 0 | 00 | 91 |
| | 369 | 0 | 02 | 86 |
| | 370 | 0 | 03 | 90 |
| | 370 | 0 | 05 | 85 |
| | 349 | 0 | 10 | 66 |
| | 349 | 0 | 10 | 73 |
| Cart track | | 0 | 00 | 78 |
| | 357 | 0 | 06 | 65 |
| | 356 | 0 | 03 | 90 |
| | 355 | 0 | 07 | 35 |
| | 413 | 0 | 08 | 75 |

[No. O-12016/40/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2324.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 945 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जीजीएस III जीजीएस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : पागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
| गंधार | 418 | 0 | 40 | 60 |
| | 417 | 0 | 07 | 04 |
| | 422 | 0 | 05 | 60 |
| | 423 | 0 | 15 | 20 |
| | 427 | 0 | 16 | 40 |
| | 430 | 0 | 14 | 40 |
| | 431 | 0 | 07 | 60 |
| | 435 | 0 | 06 | 00 |
| | 447 | 0 | 14 | 00 |
| | 446, 445 | 0 | 03 | 20 |
| | 444 | 0 | 06 | 20 |
| | 442 | 0 | 16 | 00 |
| | 441/A/B | 0 | 28 | 60 |
| | 453 | 0 | 40 | 20 |
| | 156 | 0 | 38 | 00 |
| | 157 | 0 | 24 | 60 |
| | 158 | 0 | 30 | 00 |
| | 159 | 0 | 18 | 00 |
| | 160/A/B | 0 | 33 | 00 |
| | 161 | 0 | 08 | 20 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 07 | 40 |
| | 200 | 0 | 19 | 40 |
| | 201 | 0 | 20 | 60 |
| | 206 | 0 | 06 | 40 |
| | 208 | 0 | 08 | 60 |
| | 212 | 0 | 18 | 60 |
| | 209 | 0 | 03 | 00 |
| | 211 | 0 | 15 | 40 |
| | 210 | 0 | 06 | 00 |
| | 273 | 0 | 11 | 40 |
| | 270 | 0 | 15 | 80 |
| | 268 | 0 | 02 | 40 |
| | 264 | 0 | 12 | 00 |
| | 266 | 0 | 42 | 00 |
| | 255 | 0 | 11 | 30 |
| | 255/P | 0 | 25 | 50 |
| | 256 | 0 | 32 | 00 |
| | 257 | 0 | 03 | 00 |
| | 260 | 0 | 18 | 00 |
| | 230 | 0 | 32 | 00 |

[सं. ओ-12016/39/96-ओ.एन.जी.-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2324.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 945 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GGS III TO GGS IV.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| GANDHAR | 418 | 0 | 40 | 60 |
| | 417 | 0 | 07 | 04 |
| | 422 | 0 | 05 | 60 |
| | 423 | 0 | 15 | 20 |
| | 427 | 0 | 16 | 40 |
| | 430 | 0 | 14 | 40 |
| | 431 | 0 | 07 | 60 |
| | 435 | 0 | 06 | 00 |
| | 447 | 0 | 14 | 00 |
| | 446, 445 | 0 | 03 | 20 |
| | 444 | 0 | 06 | 20 |
| | 442 | 0 | 16 | 00 |
| | 441/A/B | 0 | 28 | 60 |
| | 453 | 0 | 40 | 20 |
| | 156 | 0 | 38 | 00 |
| | 157 | 0 | 24 | 60 |
| | 158 | 0 | 30 | 00 |
| | 159 | 0 | 18 | 00 |
| | 160/A/B | 0 | 33 | 00 |
| | 161 | 0 | 08 | 20 |
| | Cart track | 0 | 07 | 40 |
| | 200 | 0 | 19 | 40 |
| | 201 | 0 | 20 | 60 |
| | 206 | 0 | 06 | 40 |
| | 208 | 0 | 08 | 60 |
| | 212 | 0 | 18 | 60 |
| | 209 | 0 | 03 | 00 |
| | 211 | 0 | 15 | 40 |
| | 210 | 0 | 06 | 00 |
| | 273 | 0 | 11 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|
| | 270 | 0 | 15 | 80 |
| | 268 | 0 | 02 | 40 |
| | 264 | 0 | 12 | 00 |
| | 266 | 0 | 42 | 00 |
| | 255 | 0 | 11 | 30 |
| | 255/P | 0 | 25 | 50 |
| | 256 | 0 | 32 | 00 |
| | 257 | 0 | 03 | 00 |
| | 260 | 0 | 18 | 00 |
| | 230 | 0 | 32 | 00 |

[No. O-12016/39/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2325.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 946 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन इ डी से जी जी एस III तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : पागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|----|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
| गंधार | 321 | 0 | 70 | 72 |
| | 390 | 0 | 24 | 96 |
| | 381 | 0 | 27 | 17 |
| | 388 | 0 | 03 | 90 |
| | 387 | 0 | 08 | 45 |
| | 382 | 0 | 21 | 45 |
| | 378 | 0 | 03 | 12 |
| | 377 | 0 | 12 | 98 |
| | 369 | 0 | 00 | 78 |
| | 370 | 0 | 07 | 80 |
| | 370 | 0 | 11 | 70 |
| | 349 | 0 | 21 | 19 |
| | 349 | 0 | 21 | 32 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 91 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------|-----|---|----|----|
| गंधार (जारी) | 357 | 0 | 12 | 35 |
| | 356 | 0 | 06 | 63 |
| | 355 | 0 | 13 | 65 |
| | 413 | 0 | 16 | 25 |

[सं. ओ-12016/38/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2325.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 946 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNED TO GGS. III**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|------------|------------|---------|-----|----------|
| GANDHAR | 321 | 0 | 70 | 72 |
| | 390 | 0 | 24 | 96 |
| | 381 | 0 | 27 | 17 |
| | 388 | 0 | 03 | 90 |
| | 387 | 0 | 08 | 45 |
| | 382 | 0 | 21 | 45 |
| | 378 | 0 | 03 | 12 |
| | 377 | 0 | 12 | 98 |
| | 369 | 0 | 00 | 78 |
| | 370 | 0 | 07 | 80 |
| | 370 | 0 | 11 | 70 |
| | 349 | 0 | 21 | 19 |
| | 349 | 0 | 21 | 32 |
| Cart track | | 0 | 00 | 91 |
| | 357 | 0 | 12 | 35 |
| | 356 | 0 | 06 | 63 |
| | 355 | 0 | 13 | 65 |
| | 413 | 0 | 16 | 25 |

[No. O-12016/38/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2326.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन), अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 947 तारीख 30-3-97 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन के क्यू से जी जी एस III तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : पागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
| गंधार | 439 | 0 | 13 | 78 |
| | 440 | 0 | 01 | 30 |
| | 437 | 0 | 16 | 90 |
| | 436 | 0 | 07 | 80 |
| | 447 | 0 | 01 | 30 |
| | 435 | 0 | 03 | 64 |
| | 434 | 0 | 09 | 36 |
| | 433 | 0 | 07 | 02 |
| | 432 | 0 | 06 | 76 |
| | 426 | 0 | 05 | 85 |
| | 425 | 0 | 09 | 10 |
| | 424 | 0 | 09 | 88 |
| | 422 | 0 | 05 | 07 |

[सं. ओ-12016/37/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2326.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S.O. No. 947 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE GNKQ TO GGS III

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| GANDHAR | 439 | 0 | 13 | 78 |
| | 440 | 0 | 01 | 30 |
| | 437 | 0 | 16 | 90 |
| | 436 | 0 | 07 | 80 |
| | 447 | 0 | 01 | 30 |
| | 435 | 0 | 03 | 64 |
| | 434 | 0 | 09 | 36 |
| | 433 | 0 | 07 | 02 |
| | 432 | 0 | 06 | 76 |
| | 426 | 0 | 05 | 85 |
| | 425 | 0 | 09 | 10 |
| | 424 | 0 | 09 | 88 |
| | 422 | 0 | 05 | 07 |

[No. O-12016/37/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2327.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 948 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन एक्स क्यू से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : पागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
| नरणावी | 186 | 0 | 03 | 38 |
| | 221/B | 0 | 19 | 50 |
| | 219 | 0 | 21 | 84 |
| | 222 | 0 | 11 | 83 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---------|---|----|----|
| | 217/A | 0 | 26 | 26 |
| | 213/A/B | 0 | 05 | 85 |
| | 216 | 0 | 10 | 53 |
| | 208 | 0 | 20 | 80 |
| | 238 | 0 | 18 | 98 |
| | 236/B | 0 | 42 | 51 |
| | 5 | 0 | 29 | 90 |
| | 9/P | 0 | 22 | 10 |
| | 10 | 0 | 21 | 84 |
| | 11 | 0 | 15 | 47 |

[सं. ओ-12016/36/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O.2327.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 948 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNXQ TO GGSX IV**

STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| NARNAVI | 186 | 0 | 03 | 38 |
| | 221/B | 0 | 19 | 50 |
| | 219 | 0 | 21 | 84 |
| | 222 | 0 | 11 | 83 |
| | 217/A | 0 | 26 | 26 |
| | 213/A/B | 0 | 05 | 85 |
| | 216 | 0 | 10 | 53 |
| | 208 | 0 | 20 | 80 |
| | 238 | 0 | 18 | 98 |
| | 236/B | 0 | 42 | 51 |
| | 5 | 0 | 29 | 90 |
| | 9/P | 0 | 22 | 10 |
| | 10 | 0 | 21 | 84 |
| | 11 | 0 | 15 | 47 |

[No. O-12016/36/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2328.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 949 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन एल जीड से जी एन एल पी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | | जिला : भरुच | | तालुका : वागरा |
|----------------|-----------|-------------|----|----------------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
| पालडी | 258 | 0 | 01 | 95 |

[सं. ओ-12016/35/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O.2328.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 949 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GN LZ TO GNLP.

| STATE : GUJARAT | | DISTRICT : BHARUCH | | TALUKA : VAGRA |
|-----------------|------------|--------------------|-----|----------------|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
| PALDI | 258 | 0 | 01 | 95 |

[No. O-12016/35/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2329.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 950 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जी एन जे बी से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तालुका : पागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|-----|----------|
| नरणावी | 183 | 0 | 21 | 71 |
| | 181 | 0 | 09 | 75 |
| | 190 | 0 | 14 | 04 |
| | 191 | 0 | 16 | 25 |
| | 195/P | 0 | 12 | 35 |
| | 195/P | 0 | 12 | 35 |
| | 196 | 0 | 05 | 46 |
| | 192 | 0 | 01 | 94 |
| | 199 | 0 | 13 | 12 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 65 |
| 201/P | | 0 | 10 | 40 |
| 205/AB | | 0 | 07 | 80 |
| 204 | | 0 | 08 | 32 |
| 243 | | 0 | 09 | 10 |
| 244 | | 0 | 14 | 30 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 50 |
| 245 | | 0 | 20 | 23 |
| 5 | | 0 | 14 | 56 |
| 4/A | | 0 | 17 | 82 |
| 9 | | 0 | 02 | 60 |
| 10 | | 0 | 13 | 04 |
| 11 | | 0 | 23 | 53 |

[सं. ओ-12016/34/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2329.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 950 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNJV TO GGS IV.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Acre | Centiare |
|---------|------------|---------|------|----------|
| NARNAVI | 183 | 0 | 21 | 71 |
| | 181 | 0 | 09 | 75 |
| | 190 | 0 | 14 | 04 |
| | 191 | 0 | 16 | 25 |
| | 195/P | 0 | 12 | 35 |
| | 195/P | 0 | 12 | 35 |
| | 196 | 0 | 05 | 46 |
| | 192 | 0 | 01 | 94 |
| | 199 | 0 | 13 | 12 |
| | Cart track | 0 | 00 | 65 |
| | 201/P | 0 | 10 | 40 |
| | 205/AB | 0 | 07 | 80 |
| | 204 | 0 | 08 | 32 |
| | 243 | 0 | 09 | 10 |
| | 244 | 0 | 14 | 30 |
| | Cart track | 0 | 00 | 50 |
| | 245 | 0 | 20 | 23 |
| | 5 | 0 | 14 | 56 |
| | 4/A | 0 | 17 | 82 |
| | 9 | 0 | 02 | 60 |
| | 10 | 0 | 13 | 04 |
| | 11 | 0 | 23 | 53 |

[No. O-12016/34/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2320.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 951 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन एल जैड से जी एन एच पी तक पाईपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : वागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------|
| गाँव | ब्लॉक नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
| मुलेर | 143 | 0 | 04 | 16 |
| | 147/AB | 0 | 10 | 40 |
| | 148 | 0 | 01 | 56 |
| | 149 | 0 | 09 | 23 |
| | 150 | 0 | 11 | 70 |
| | 160 | 0 | 23 | 40 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 19 | 95 |
| | 177 | 0 | 14 | 69 |
| | 176 | 0 | 29 | 90 |
| | 255 | 0 | 08 | 19 |
| | 252 | 0 | 10 | 66 |
| | 253 | 0 | 06 | 76 |
| | 279/AB | 0 | 07 | 15 |

[सं. ओ-12016/33/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2330.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 951 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GN LZ TO GNHP.

| STATE : GUJARAT | DISTRICT : BHARUCH | TALUKA : VAGRA | | |
|-----------------|--------------------|----------------|-----|----------|
| Village | Block No. | Hectare | Are | Centiare |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| MULLER | 143 | 0 | 04 | 16 |
| | 147/AB | 0 | 10 | 40 |
| | 148 | 0 | 01 | 56 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 149 | 0 | 09 | 23 |
| | 150 | 0 | 11 | 70 |
| | 160 | 0 | 23 | 40 |
| | Cart track | 0 | 19 | 95 |
| | 177 | 0 | 14 | 69 |
| | 176 | 0 | 29 | 90 |
| | 255 | 0 | 08 | 19 |
| | 252 | 0 | 10 | 66 |
| | 253 | 0 | 06 | 76 |
| | 279/AB | 0 | 07 | 15 |

[No. O-12016/33/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2331.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 952 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

पी डी ए एम-18 से पादरा इ पी एस तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : पादरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|-------|-------------|----------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| पादरा | 244/1 | 0 | 09 | 23 |
| | 353 | 0 | 23 | 79 |
| | 354 | 0 | 11 | 05 |
| | 356/1 | 0 | 10 | 66 |
| | 368, 368/2 | 0 | 15 | 19 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 91 |
| | 372, 372/1A | 0 | 00 | 41 |
| | 371 | 0 | 01 | 20 |
| | 419/1 | 0 | | |
| | 419/1-1 | | 10 | 34 |
| | 491/1 | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|--------------|---|----|----|
| | 419/1 | | | |
| | 419/1-1 | 0 | 10 | 34 |
| | 419/1 | | | |
| | 418/1 | 0 | 00 | 05 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 56 |
| | 421/1, 421/2 | 0 | 13 | 39 |
| | 422 | 0 | 00 | 18 |
| | 425/1/1 | | | |
| | 425/1/2 | 0 | 31 | 20 |
| | 425/2 | | | |
| | 438/1/P | | | |
| | 438/1/P | 0 | 27 | 17 |
| | 438/2 | | | |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 78 |
| | 527/1, 527/2 | | | |
| | 527/3 | 0 | 04 | 94 |
| | 528 | 0 | 28 | 34 |
| | 648/1, 648/2 | 0 | 07 | 11 |
| | 647 | 0 | 08 | 06 |
| | 632, 632/1 | 0 | 10 | 76 |
| | 639 | 0 | 15 | 08 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 30 |
| | 764 | 0 | 12 | 48 |
| | 762 | 0 | 31 | 07 |
| | 755 | 0 | 14 | 17 |
| | 827 | 0 | 20 | 80 |
| | 829/1, 829/2 | 0 | 09 | 75 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 56 |
| | 832/1, 832/2 | 0 | 07 | 60 |
| | 832/3 | | | |
| | 831 | 0 | 06 | 95 |
| | 933 | 0 | 11 | 34 |
| | 931/1, 931/2 | 0 | 09 | 52 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 56 |
| | 953/1, 953/2 | 0 | 14 | 95 |

[सं. ओ-12016/32/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O.2331.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 952 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM PDAM-18 TO EPS PADRA

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : PADRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|--------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| PADRA | 244/1 | 0 | 09 | 23 |
| | 353 | 0 | 23 | 79 |
| | 354 | 0 | 11 | 05 |
| | 356/1 | 0 | 10 | 66 |
| | 368, 368/2 | 0 | 15 | 19 |
| | Cart track | 0 | 00 | 91 |
| | 372, 372/1A | 0 | 00 | 41 |
| | 371 | 0 | 01 | 20 |
| | 419/1 | 0 | 10 | 34 |
| | 419/1-1 | 0 | 00 | 05 |
| | 419/1 | 0 | 01 | 56 |
| | 418/1 | 0 | 13 | 39 |
| | Cart track | 0 | 00 | 18 |
| | 421/1, 421/2 | 0 | 31 | 20 |
| | 422 | 0 | 27 | 17 |
| | 425/1/1 | 0 | 00 | 78 |
| | 425/1/2 | 0 | 04 | 94 |
| | 425/2 | 0 | 28 | 34 |
| | 438/1/P | 0 | 07 | 11 |
| | 438/1/P | 0 | 08 | 06 |
| | 438/2 | 0 | 10 | 76 |
| | Cart track | 0 | 15 | 08 |
| | 527/1, 527/2 | 0 | 01 | 30 |
| | 527/3 | 0 | 12 | 48 |
| | 528 | 0 | 31 | 07 |
| | 648/1, 648/2 | 0 | 14 | 17 |
| | 647 | 0 | 20 | 80 |
| | 632, 632/1 | 0 | 09 | 75 |
| | 639 | 0 | 01 | 56 |
| | Cart track | 0 | 07 | 60 |
| | 764 | 0 | | |
| | 762 | 0 | | |
| | 755 | 0 | | |
| | 827 | 0 | | |
| | 829/1, 829/2 | 0 | | |
| | Cart track | 0 | | |
| | 832/1, 832/2 | 0 | | |
| | 832/3 | 0 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------|--------------|---|----|----|
| PADRA—Contd. | 831 | 0 | 06 | 95 |
| | 933 | 0 | 11 | 34 |
| | 931/1, 931/2 | 0 | 09 | 52 |
| | Cart track | 0 | 01 | 56 |
| | 953/1, 953/2 | 0 | 14 | 95 |

[No. O-12016/32/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2332.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 953 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन बी ओ से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गॉथ | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| पादारेया | 73 | 0 | 18 | 55 |
| | 65 | 0 | 21 | 32 |
| | 64 | 0 | 00 | 26 |
| | 61 | 0 | 22 | 36 |
| | 56/P | 0 | 27 | 04 |
| | 55/P | 0 | 07 | 67 |
| | 55/P | 0 | 14 | 43 |
| | 55/P | 0 | 03 | 90 |
| | 40 | 0 | 26 | 00 |
| | 38 | 0 | 10 | 85 |
| | 36 | 0 | 17 | 68 |
| | B2(32) | 0 | 16 | 90 |
| | 35 | 0 | 15 | 60 |
| | 136/P | 0 | 12 | 74 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 91 |
| | 5 | 0 | 00 | 65 |
| | 144 | 0 | 07 | 54 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|
| | 145 | 0 | 10 | 40 |
| | 4/P | 0 | 04 | 16 |
| | 146/P | 0 | 10 | 15 |
| | 146/P | 0 | 05 | 98 |
| | 3/P | 0 | 09 | 36 |
| | 3/P | 0 | 23 | 66 |
| | 147 | 0 | 20 | 80 |

[सं. ओ-12016/31/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2332.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 953 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNBO TO GGS IV.****STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA**

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|------------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| PADARIYA | 73 | 0 | 18 | 55 |
| | 65 | 0 | 21 | 32 |
| | 64 | 0 | 00 | 26 |
| | 61 | 0 | 22 | 36 |
| | 56/P | 0 | 27 | 04 |
| | 55/P | 0 | 07 | 67 |
| | 55/P | 0 | 14 | 43 |
| | 55/P | 0 | 03 | 90 |
| | 40 | 0 | 26 | 00 |
| | 38 | 0 | 10 | 85 |
| | 36 | 0 | 17 | 68 |
| | B2(32) | 0 | 16 | 90 |
| | 35 | 0 | 15 | 60 |
| | 136/P | 0 | 12 | 74 |
| Cart track | | 0 | 00 | 91 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------|-------|---|----|----|
| Padariya—Contd. | 5 | 0 | 00 | 65 |
| | 144 | 0 | 07 | 54 |
| | 145 | 0 | 10 | 40 |
| | 4/P | 0 | 04 | 16 |
| | 146/P | 0 | 10 | 15 |
| | 146/P | 0 | 05 | 98 |
| | 3/P | 0 | 09 | 36 |
| | 3/P | 0 | 23 | 66 |
| | 147 | 0 | 20 | 80 |

[No. O-12016/31/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2333.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 954 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन बी ओ से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|-----|----------|
| कडोदरा | 258 | 0 | 10 | 40 |
| | 262 | 0 | 04 | 55 |
| | 259 | 0 | 14 | 95 |
| | 256 | 0 | 15 | 60 |
| | 255 | 0 | 17 | 68 |
| | 254 | 0 | 20 | 80 |
| | 359 | 0 | 14 | 30 |
| | 360 | 0 | 09 | 36 |
| | 356 | 0 | 14 | 30 |
| कार्ट ट्रैक | | 0 | 00 | 71 |
| | 362 | 0 | 03 | 12 |
| | 363 | 0 | 05 | 85 |
| | 365 | 0 | 17 | 68 |

[सं. ओ-12016/30/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2333.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 954 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNBO TO GGS IV.****STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA**

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| KADODRA | 258 | 0 | 10 | 40 |
| | 262 | 0 | 04 | 55 |
| | 259 | 0 | 14 | 95 |
| | 256 | 0 | 15 | 60 |
| | 255 | 0 | 17 | 68 |
| | 254 | 0 | 20 | 80 |
| | 359 | 0 | 14 | 30 |
| | 360 | 0 | 09 | 36 |
| | 356 | 0 | 14 | 30 |
| | Cart track | 0 | 00 | 71 |
| | 362 | 0 | 03 | 12 |
| | 363 | 0 | 05 | 85 |
| | 365 | 0 | 17 | 68 |

[No. O-12016/30/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2334.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 955 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन जे जौड से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|--------|-----------|----------|-----|----------|
| नरणावी | 227 | 0 | 18 | 37 |
| | 228 | 0 | 08 | 84 |
| | 237 | 0 | 11 | 70 |
| | 236/A | 0 | 23 | 40 |
| | 235 | 0 | 13 | 13 |
| | 234 | 0 | 06 | 11 |
| | 232 | 0 | 06 | 11 |
| | 6 | 0 | 22 | 10 |
| | 8 | 0 | 21 | 84 |
| | 10 | 0 | 21 | 71 |
| | 11 | 0 | 11 | 05 |

[सं. ओ-12016/29/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2334.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 955 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNJZ TO GGS IV.

STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| NARNAVI | 227 | 0 | 18 | 37 |
| | 228 | 0 | 08 | 84 |
| | 237 | 0 | 11 | 70 |
| | 236/A | 0 | 23 | 40 |
| | 235 | 0 | 13 | 13 |
| | 234 | 0 | 06 | 11 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----|---|----|----|
| | 232 | 0 | 06 | 11 |
| | 6 | 0 | 22 | 10 |
| | 8 | 0 | 21 | 84 |
| | 10 | 0 | 21 | 71 |
| | 11 | 0 | 11 | 05 |

[No. O-12016/29/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2335.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 956 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन जे क्यू से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : खागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|------|----------|
| नरणावी | 163/P | 0 | 07 | 15 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 91 |
| 164 | | 0 | 11 | 70 |
| 165 | | 0 | 09 | 10 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 78 |
| 200/A | | 0 | 19 | 24 |
| 201/P | | 0 | 11 | 44 |
| 201/P | | 0 | 06 | 76 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 65 |
| 247 | | 0 | 12 | 35 |
| 248 | | 0 | 19 | 50 |
| 3 | | 9 | 05 | 59 |
| 4/A | | 0 | 12 | 48 |
| 4/B | | 0 | 11 | 96 |
| 10 | | 0 | 03 | 64 |
| 11 | | 0 | 19 | 11 |

[सं. ओ-12016/28/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2335.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 956 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE
PIPELINE FROM GNJQ TO GGS IV.

STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| NARNAVI | 163/P | 0 | 07 | 15 |
| | Cart track | 0 | 00 | 91 |
| | 164 | 0 | 11 | 70 |
| | 165 | 0 | 09 | 10 |
| | Cart track | 0 | 00 | 78 |
| | 200/A | 0 | 19 | 24 |
| | 201/P | 0 | 11 | 44 |
| | 201/P | 0 | 06 | 76 |
| | Cart track | 0 | 00 | 65 |
| | 247 | 0 | 12 | 35 |
| | 248 | 0 | 19 | 50 |
| | 3 | 9 | 05 | 59 |
| | 4/A | 0 | 12 | 48 |
| | 4/B | 0 | 11 | 96 |
| | 10 | 0 | 03 | 64 |
| | 11 | 0 | 19 | 11 |

[No. O-12016/28/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2336.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 957 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में वापस के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन जे जेड से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | अरे. | सेन्टीयर |
|---------|-------------|----------|------|----------|
| पादरिया | 167/B/P | 0 | 07 | 80 |
| | 167/B/P | 0 | 33 | 80 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 78 |
| | 166/A | 0 | 29 | 90 |

[सं. ओ-12016/27/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2336.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 957 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNJZ TO GGS IV.

STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|----------|------------|---------|-----|----------|
| PADARIYA | 167/B/P | 0 | 07 | 80 |
| | 167/B/P | 0 | 33 | 80 |
| | Cart track | 0 | 00 | 78 |
| | 166/A | 0 | 29 | 90 |

[No. O-12016/27/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2337.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 958 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन जे जोड़ से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : भागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|---------|-----------|----------|------|----------|
| कड़ोदरा | 547 | 0 | 10 | 40 |
| | 546 | 0 | 02 | 60 |
| | 545 | 0 | 03 | 90 |
| | 549 | 0 | 20 | 93 |
| | 763 | 0 | 06 | 50 |
| | 762 | 0 | 16 | 25 |
| | 766 | 0 | 03 | 90 |
| | 761 | 0 | 18 | 20 |
| | 760 | | | |
| | 817 | 0 | 24 | 70 |
| | 816 | 0 | 05 | 20 |
| | 823 | 0 | 10 | 40 |
| | 824 | 0 | 09 | 10 |
| | 825 | 0 | 11 | 05 |
| | 826 | 0 | 07 | 15 |
| | 830 | 0 | 19 | 50 |
| | 829 | 0 | 03 | 90 |
| | 835 | 0 | 20 | 80 |
| | 838 | 0 | 05 | 20 |
| | 837 | 0 | 10 | 40 |
| | 840 | 0 | 10 | 40 |
| | 852 | 0 | 07 | 80 |
| | 853 | 0 | 20 | 80 |

[सं. ओ-12016/26/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2337.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 958 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNBO TO GGS IV.

STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| KADODRA | 547 | 0 | 10 | 40 |
| | 546 | 0 | 02 | 60 |
| | 545 | 0 | 03 | 90 |
| | 549 | 0 | 20 | 93 |
| | 763 | 0 | 06 | 50 |
| | 762 | 0 | 16 | 25 |
| | 766 | 0 | 03 | 90 |
| | 761 | 0 | 18 | 20 |
| | 760 | | | |
| | 817 | 0 | 24 | 70 |
| | 816 | 0 | 05 | 20 |
| | 823 | 0 | 10 | 40 |
| | 824 | 0 | 09 | 10 |
| | 825 | 0 | 11 | 05 |
| | 826 | 0 | 07 | 15 |
| | 830 | 0 | 19 | 50 |
| | 829 | 0 | 03 | 90 |
| | 835 | 0 | 20 | 80 |
| | 838 | 0 | 05 | 20 |
| | 837 | 0 | 10 | 40 |
| | 840 | 0 | 10 | 40 |
| | 852 | 0 | 07 | 80 |
| | 853 | 0 | 20 | 80 |

[No. O-12016/26/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2338.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 959 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में बोधना के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जी एन जे आर से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|--------|-----------|----------|-----|----------|
| नरणावी | 210 | 0 | 06 | 76 |
| | 208 | 0 | 07 | 54 |
| | 207 | 0 | 10 | 66 |
| | 206 | 0 | 01 | 95 |
| | 239 | 0 | 06 | 50 |
| | 240 | 0 | 12 | 22 |
| | 236/B | 0 | 21 | 45 |
| | 5 | 0 | 26 | 00 |
| | 9/P | 0 | 13 | 00 |
| | 9/P | 0 | 09 | 10 |
| | 10 | 0 | 20 | 80 |
| | 11 | 0 | 16 | 25 |

[सं. ओ-12016/25/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2338.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 959 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNJR TO GGS IV.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| NARNAVI | 210 | 0 | 06 | 76 |
| | 208 | 0 | 07 | 54 |
| | 207 | 0 | 10 | 66 |
| | 206 | 0 | 01 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|-------|---|----|----|
| Narnavi—Contd. | 239 | 0 | 06 | 50 |
| | 240 | 0 | 12 | 22 |
| | 236/B | 0 | 21 | 45 |
| | 5 | 0 | 26 | 00 |
| | 9/P | 0 | 13 | 00 |
| | 9/P | 0 | 09 | 10 |
| | 10 | 0 | 20 | 80 |
| | 11 | 0 | 16 | 25 |

[No. O-12016/25/96-ONG.D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2339.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 960 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी जी एस III से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|----------|-----------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| पणीयादरा | 709 | 0 | 19 | 60 |
| | 711 | 0 | 17 | 60 |
| | 718/P | 0 | 27 | 60 |
| | 718/P | 0 | 06 | 40 |
| | 718/P | 0 | 12 | 00 |
| | 718/P | 0 | 01 | 60 |
| | 712 | 0 | 38 | 80 |
| | 713 | 0 | 19 | 80 |
| | 717 | 0 | 04 | 20 |
| | 714 | 0 | 19 | 20 |
| | 715 | 0 | 24 | 50 |
| | 176 | 0 | 17 | 40 |
| | 175 | 0 | 49 | 50 |
| | 173 | 0 | 26 | 60 |
| | 172 | 0 | 38 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|
| | 171 | 0 | 32 | 00 |
| | 200 | 0 | 15 | 20 |
| | 201 | 0 | 04 | 80 |
| | 202 | 0 | 07 | 80 |
| | 203 | 0 | 02 | 80 |
| | 204 | 0 | 06 | 00 |
| | 218 | 0 | 06 | 40 |
| | 217 | 0 | 01 | 65 |
| | 215 | 0 | 00 | 95 |
| | 216 | 0 | 01 | 80 |
| | 220 | 0 | 08 | 95 |
| | 221 | 0 | 03 | 80 |
| | 214 | 0 | 01 | 70 |
| | 222 | 0 | 03 | 95 |
| | 213 | 0 | 00 | 85 |
| | 223 | 0 | 10 | 00 |
| | 212 | 0 | 08 | 00 |
| | 211 | 0 | 03 | 50 |
| | | 0 | 06 | 90 |
| | 236 | 0 | 22 | 60 |
| | 275 | 0 | 23 | 60 |
| | 274 | 0 | 19 | 00 |
| | 259 | 0 | 00 | 45 |
| | 273 | 0 | 13 | 95 |
| | 290 | 0 | 04 | 20 |
| | 265 | 0 | 03 | 60 |
| | 272/A | 0 | 19 | 22 |
| | 271 | 0 | 02 | 00 |
| | 270 | 0 | 02 | 00 |
| | 269 | 0 | 02 | 20 |
| | 268 | 0 | 09 | 60 |
| | 267 | 0 | 04 | 40 |
| | 347 | 0 | 09 | 40 |
| | 346 | 0 | 06 | 80 |
| | 345 | 0 | 09 | 80 |
| | 350 | 0 | 12 | 80 |
| | 348 | 0 | 04 | 80 |
| | 349 | 0 | 04 | 80 |

[सं. ओ-12016/24/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2339.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 960 dated 30-3-96 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNBO TO GGS IV.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|-----------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| PANIYADRA | 709 | 0 | 19 | 60 |
| | 711 | 0 | 17 | 60 |
| | 718 | 0 | 27 | 60 |
| | 718/P | 0 | 06 | 40 |
| | 718/P | 0 | 12 | 00 |
| | 718/P | 0 | 01 | 60 |
| | 712 | 0 | 38 | 80 |
| | 713 | 0 | 19 | 80 |
| | 717 | 0 | 04 | 20 |
| | 714 | 0 | 19 | 20 |
| | 715 | 0 | 24 | 50 |
| | 176 | 0 | 17 | 40 |
| | 175 | 0 | 49 | 50 |
| | 173 | 0 | 26 | 60 |
| | 172 | 0 | 38 | 40 |
| | 171 | 0 | 32 | 00 |
| | 200 | 0 | 15 | 20 |
| | 201 | 0 | 04 | 80 |
| | 202 | 0 | 07 | 80 |
| | 203 | 0 | 02 | 80 |
| | 204 | 0 | 06 | 00 |
| | 218 | 0 | 06 | 40 |
| | 217 | 0 | 01 | 65 |
| | 215 | 0 | 00 | 95 |
| | 216 | 0 | 01 | 80 |
| | 220 | 0 | 08 | 95 |
| | 221 | 0 | 03 | 80 |
| | 214 | 0 | 01 | 70 |
| | 222 | 0 | 03 | 95 |
| | 213 | 0 | 00 | 85 |
| | 223 | 0 | 10 | 00 |
| | 212 | 0 | 08 | 00 |
| | 211 | 0 | 03 | 50 |
| | | 0 | 06 | 90 |
| | 236 | 0 | 22 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|
| | 275 | 0 | 23 | 60 |
| | 274 | 0 | 19 | 00 |
| | 259 | 0 | 00 | 45 |
| | 273 | 0 | 13 | 95 |
| | 290 | 0 | 04 | 20 |
| | 265 | 0 | 03 | 60 |
| | 272/A | 0 | 19 | 22 |
| | 271 | 0 | 02 | 00 |
| | 270 | 0 | 02 | 00 |
| | 269 | 0 | 02 | 20 |
| | 268 | 0 | 09 | 60 |
| | 267 | 0 | 04 | 40 |
| | 347 | 0 | 09 | 40 |
| | 346 | 0 | 06 | 80 |
| | 345 | 0 | 09 | 80 |
| | 350 | 0 | 12 | 80 |
| | 348 | 0 | 04 | 80 |
| | 349 | 0 | 04 | 80 |

[No. O-12016/24/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2340.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 961 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जी एन बी ओ से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|--------|------------|----------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| नरणावी | काटं ट्रेक | 0 | 02 | 86 |
| | 6 | 0 | 09 | 36 |
| | 7 | 0 | 14 | 04 |
| | 8 | 0 | 20 | 80 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|----|---|----|----|
| | 13 | 0 | 00 | 48 |
| | 10 | 0 | 22 | 10 |
| | 11 | 0 | 14 | 56 |

[सं. ओ-12016/23/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2340.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 961 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further, whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the Schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-Section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNBO TO GGS IV.**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| NARNAVI | Cart track | 0 | 02 | 86 |
| | 6 | 0 | 09 | 36 |
| | 7 | 0 | 14 | 04 |
| | 8 | 0 | 20 | 80 |
| | 13 | 0 | 00 | 48 |
| | 10 | 0 | 22 | 10 |
| | 11 | 0 | 14 | 56 |

[No. O-12016/23/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2341.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 962 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन के बी से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | जिला : भरुच | तालुका : वागरा | | |
|----------------|-------------|----------------|-----|----------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे | सेन्टीयर |
| नरणावी | 228 | 0 | 08 | 06 |
| | 229 | 0 | 13 | 78 |
| | 237 | 0 | 10 | 92 |
| | 236/A | 0 | 35 | 15 |
| | 235 | 0 | 14 | 30 |
| | 233 | 0 | 10 | 14 |
| | 232 | 0 | 06 | 11 |
| | 6 | 0 | 26 | 78 |
| | 8 | 0 | 23 | 40 |
| | 10 | 0 | 22 | 10 |
| | 11 | 0 | 11 | 70 |

[सं. ओ-12016/22/96-ओ एन जी-डी-IV]
एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2341.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 962 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNKB TO GGS IV

| STATE : GUJARAT | DISTRICT : BHARUCH | TALUKA : VAGRA | | |
|-----------------|--------------------|----------------|-----|----------|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| NARNAVI | 228 | 0 | 08 | 06 |
| | 229 | 0 | 13 | 78 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------|---|----|----|
| | 237 | 0 | 10 | 92 |
| | 236/A | 0 | 35 | 15 |
| | 235 | 0 | 14 | 30 |
| | 233 | 0 | 10 | 14 |
| | 232 | 0 | 06 | 11 |
| | 6 | 0 | 26 | 78 |
| | 8 | 0 | 23 | 40 |
| | 10 | 0 | 22 | 10 |
| | 11 | 0 | 11 | 70 |

[No. O-12016/22/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2342.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 963 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन के बी से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| राज्य : गुजरात | | जिला : भरुच | | तालुका : वागरा |
|----------------|-------------|-------------|------|----------------|
| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| कडोदरा | 142 | 0 | 18 | 30 |
| | 144 | 0 | 01 | 20 |
| | 139 | 0 | 20 | 15 |
| | 138/A/B | 0 | 09 | 75 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 90 |
| | 539 | 0 | 10 | 40 |
| | 538 | 0 | 03 | 90 |
| | 541 | 0 | 00 | 60 |
| | 536/A/B | 0 | 13 | 65 |
| | 535 | 0 | 01 | 56 |
| | 534 | 0 | 04 | 16 |
| | 533 | 0 | 12 | 48 |
| | 529 | 0 | 12 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | 530 | 0 | 02 | 65 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 78 |
| | 549 | 0 | 01 | 95 |
| | 550 | 0 | 07 | 80 |
| | 552 | 0 | 06 | 24 |
| | 533 | 0 | 09 | 20 |
| | 561 | 0 | 05 | 30 |
| | 739 | 0 | 06 | 50 |
| | 738/A/B | 0 | 15 | 34 |
| | 734 | 0 | 05 | 20 |
| | 743 | 0 | 05 | 25 |
| | 744 | 0 | 05 | 72 |
| | 732 | 0 | 10 | 14 |
| | 726/A/B | 0 | 05 | 72 |
| | 725 | 0 | 13 | 20 |
| | 775 | 0 | 02 | 60 |
| | 776 | 0 | 09 | 75 |
| | 777 | 0 | 00 | 40 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 02 | 60 |
| | 810 | 0 | 19 | 50 |
| | 809 | 0 | 07 | 80 |
| | 808 | 0 | 00 | 40 |
| | 804 | 0 | 05 | 98 |
| | 805 | 0 | 05 | 35 |
| | 799 | 0 | 09 | 62 |
| | 798 | 0 | 09 | 68 |
| | 797 | 0 | 01 | 56 |
| | 833 | 0 | 01 | 02 |
| | 842 | 0 | 02 | 65 |
| | 843 | 0 | 10 | 40 |
| | 844 | 0 | 10 | 45 |
| | 847 | 0 | 06 | 50 |
| | 846 | 0 | 14 | 56 |
| | 848 | 0 | 01 | 05 |

[सं. ओ-12016/21/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2342.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 963 dated 30-3-96 under Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNKE TO GGS IV

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| KADODRA | 142 | 0 | 18 | 30 |
| | 144 | 0 | 01 | 20 |
| | 139 | 0 | 20 | 15 |
| | 138/A/B | 0 | 09 | 75 |
| | Cart tract | 0 | 00 | 90 |
| | 539 | 0 | 10 | 40 |
| | 538 | 0 | 03 | 90 |
| | 541 | 0 | 00 | 60 |
| | 536/A/B | 0 | 13 | 65 |
| | 535 | 0 | 01 | 56 |
| | 534 | 0 | 04 | 16 |
| | 533 | 0 | 12 | 48 |
| | 529 | 0 | 12 | 95 |
| | 530 | 0 | 02 | 65 |
| | Cart tract | 0 | 00 | 78 |
| | 549 | 0 | 01 | 95 |
| | 550 | 0 | 07 | 80 |
| | 552 | 0 | 06 | 24 |
| | 553 | 0 | 09 | 20 |
| | 561 | 0 | 05 | 30 |
| | 739 | 0 | 06 | 50 |
| | 738/A/B | 0 | 15 | 34 |
| | 734 | 0 | 05 | 20 |
| | 743 | 0 | 05 | 25 |
| | 744 | 0 | 05 | 72 |
| | 732 | 0 | 10 | 14 |
| | 726/A/B | 0 | 05 | 72 |
| | 725 | 0 | 13 | 20 |
| | 775 | 0 | 02 | 60 |
| | 776 | 0 | 09 | 75 |
| | 777 | 0 | 00 | 40 |
| | Cart tract | 0 | 02 | 60 |
| | 810 | 0 | 19 | 50 |
| | 809 | 0 | 07 | 80 |
| | 808 | 0 | 00 | 40 |
| | 804 | 0 | 05 | 98 |
| | 805 | 0 | 05 | 35 |
| | 799 | 0 | 09 | 62 |
| | 798 | 0 | 09 | 68 |
| | 797 | 0 | 01 | 56 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----|---|----|----|
| | 833 | 0 | 01 | 02 |
| | 842 | 0 | 02 | 65 |
| | 843 | 0 | 10 | 40 |
| | 844 | 0 | 10 | 45 |
| | 847 | 0 | 06 | 50 |
| | 846 | 0 | 14 | 56 |
| | 848 | 0 | 01 | 05 |

[No. O-12016/21/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2343.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 964 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी एन एक्स क्यू से जी जी एस IV तक पाईपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| कडोदरा | 907 | 0 | 25 | 48 |
| | 917 | 0 | 10 | 12 |
| | 918 | 0 | 18 | 20 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 91 |
| 905/P | | 0 | 07 | 28 |
| 905//P | | 0 | 07 | 28 |
| 904 | | 0 | 13 | 39 |
| 903 | | 0 | 09 | 75 |
| 901 | | 0 | 16 | 25 |
| 900/P | | 0 | 04 | 68 |
| 900/P | | 0 | 05 | 07 |
| 900/P | | 0 | 13 | 78 |
| 900/P | | 0 | 04 | 48 |
| 894/P | | 0 | 08 | 71 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | 894/P | 0 | 09 | 62 |
| | 895 | 0 | 22 | 23 |
| | 896 | 0 | 20 | 41 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 06 | 24 |

[सं. ओ-12016/20/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2343.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 964 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNXQ TO GGS IV.**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| KADODRA | 907 | 0 | 25 | 48 |
| | 917 | 0 | 10 | 12 |
| | 918 | 0 | 18 | 20 |
| | Cart track | 0 | 00 | 91 |
| | 905/P | 0 | 07 | 28 |
| | 905//P | 0 | 07 | 28 |
| | 904 | 0 | 13 | 39 |
| | 903 | 0 | 09 | 75 |
| | 901 | 0 | 16 | 25 |
| | 900/P | 0 | 04 | 68 |
| | 900/P | 0 | 05 | 07 |
| | 900/P | 0 | 13 | 78 |
| | 900/P | 0 | 04 | 48 |
| | 894/P | 0 | 08 | 71 |
| | 894/P | 0 | 09 | 62 |
| | 895 | 0 | 22 | 23 |
| | 896 | 0 | 20 | 41 |
| | Cart track | 0 | 06 | 24 |

[No. O-12016/20/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

... नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2344.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा 1 के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 965 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जी एन एक्स क्यू से जी जी एस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : भरुच

तासुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|-----|----------|
| संभेटी | 56 | 0 | 07 | 28 |
| | 36 | 0 | 07 | 15 |
| | 33 | 0 | 11 | 70 |
| | 32 | 0 | 09 | 75 |
| | 40 | 0 | 22 | 62 |
| | 41 | 0 | 14 | 82 |
| | 42 | 0 | 01 | 82 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 01 | 95 |
| | 167 | 0 | 05 | 46 |
| | 20 | 0 | 08 | 58 |
| | 19 | 0 | 21 | 97 |
| | 16 | 0 | 12 | 48 |

[सं. ओ-12016/19/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2344.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 965 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNXQ TO GGS IV.

| STATE : GUJARAT | | DISTRICT : BHARUCH | | TALUKA : VAGRA |
|-----------------|------------|--------------------|-----|----------------|
| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
| SAMBHETI | 56 | 0 | 07 | 28 |
| | 36 | 0 | 07 | 15 |
| | 33 | 0 | 11 | 70 |
| | 32 | 0 | 09 | 75 |
| | 40 | 0 | 22 | 62 |
| | 41 | 0 | 14 | 82 |
| | 42 | 0 | 01 | 82 |
| | Cart track | 0 | 01 | 95 |
| | 167 | 0 | 05 | 46 |
| | 20 | 0 | 08 | 58 |
| | 19 | 0 | 21 | 97 |
| | 16 | 0 | 12 | 48 |

[No. O-12016/19/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2345.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 966 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जीजीएस III से जीजीएस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|-------|-----------|----------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| मुलेर | 487 | 0 | 12 | 20 |
| | 486 | 0 | 15 | 00 |
| | 445 | 0 | 14 | 30 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----|---|----|----|
| | 444 | 0 | 29 | 60 |
| | 443 | 0 | 22 | 00 |
| | 440 | 0 | 52 | 60 |
| | 439 | 0 | 41 | 60 |
| | 421 | 0 | 44 | 00 |
| | 420 | 0 | 20 | 20 |
| | 346 | 0 | 06 | 00 |

[सं. ओ-12016/18/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2345.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 966 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GGS III TO GGS IV.****STATE : GUJARAT****DISTRICT : BHARUCH****TALUKA : VAGRA**

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| MULLER | 487 | 0 | 12 | 20 |
| | 486 | 0 | 15 | 00 |
| | 445 | 0 | 14 | 30 |
| | 444 | 0 | 28 | 60 |
| | 443 | 0 | 22 | 00 |
| | 440 | 0 | 52 | 60 |
| | 439 | 0 | 41 | 60 |
| | 421 | 0 | 44 | 00 |
| | 420 | 0 | 20 | 20 |
| | 346 | 0 | 06 | 00 |

[No. O-12016/18/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2346.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 967 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जीएनकेबी से जीजीएस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|----|----------|
| पादरिया | 14 | 0 | 05 | 20 |
| | 168 | 0 | 28 | 60 |
| | 169 | 0 | 14 | 95 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 91 |
| | 166/A | 0 | 31 | 20 |
| | 164/B | 0 | 06 | 50 |
| | 164/A | 0 | 12 | 35 |
| | 163 | 0 | 01 | 30 |

[सं. ओ-12016/17/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2346.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 967 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNKB TO GGS IV.

STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|----------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| PADARIYA | 14 | 0 | 05 | 20 |
| | 168 | 0 | 28 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | 169 | 0 | 14 | 95 |
| | Cart track | 0 | 00 | 91 |
| | 166/A | 0 | 31 | 20 |
| | 164/B | 0 | 06 | 50 |
| | 164/A | 0 | 12 | 35 |
| | 163 | 0 | 01 | 30 |

[No. O-12016/17/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2347.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधिन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 968 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जीजीएस III से जीजीएस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
|-------|-----------|----------|----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| अलादर | 192 | 0 | 11 | 60 |
| | 189 | 0 | 74 | 80 |
| | 196 | 0 | 01 | 00 |
| | 188 | 0 | 23 | 40 |
| | 186 | 0 | 01 | 56 |
| | 187 | 0 | 03 | 60 |
| | 178 | 0 | 38 | 40 |
| | 177 | 0 | 08 | 80 |
| | 176 | 0 | 04 | 60 |
| | 163 | 0 | 00 | 95 |
| | 164 | 0 | 44 | 00 |
| | 175 | 0 | 16 | 20 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------|---|----|----|
| | 169 | 0 | 03 | 60 |
| | 168 | 0 | 11 | 60 |
| | 93/A | 0 | 14 | 40 |
| | 95/A | 0 | 26 | 20 |
| | 96 | 0 | 25 | 60 |
| | 77 | 0 | 08 | 40 |
| | 35/P | 0 | 03 | 00 |
| | 35/P | 0 | 77 | 00 |
| | 34 | 0 | 14 | 60 |
| | 33 | 0 | 16 | 40 |
| | 36 | 0 | 16 | 80 |
| | 30 | 0 | 14 | 20 |

[सं. ओ-12016/16/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2347.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 968 dated 30-3-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared it's Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GGS III TO GGS IV.****STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA**

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| ALADAR | 192 | 0 | 11 | 60 |
| | 189 | 0 | 74 | 80 |
| | 196 | 0 | 01 | 00 |
| | 188 | 0 | 23 | 40 |
| | 186 | 0 | 01 | 56 |
| | 187 | 0 | 03 | 60 |
| | 178 | 0 | 38 | 40 |
| | 177 | 0 | 08 | 80 |
| | 176 | 0 | 04 | 60 |
| | 163 | 0 | 00 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------|---|----|----|
| | 164 | 0 | 44 | 00 |
| | 175 | 0 | 16 | 20 |
| | 169 | 0 | 03 | 60 |
| | 168 | 0 | 11 | 60 |
| | 93/A | 0 | 14 | 40 |
| | 95/A | 0 | 26 | 20 |
| | 96 | 0 | 25 | 60 |
| | 77 | 0 | 08 | 40 |
| | 35/P | 0 | 03 | 00 |
| | 35/P | 0 | 77 | 00 |
| | 34 | 0 | 14 | 60 |
| | 33 | 0 | 16 | 40 |
| | 36 | 0 | 16 | 80 |
| | 30 | 0 | 14 | 20 |

[No. O-12016/16/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2348.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 969 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधिन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जीएनकेब्यू से जीजीएस III तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | ब्लाक नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीघर |
|-------|-----------|----------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| मुलैर | 460 | 0 | 18 | 72 |
| | 459 | 0 | 26 | 91 |
| | 458 | 0 | 01 | 30 |
| | 455 | 0 | 27 | 43 |
| | 484 | 0 | 15 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----|---|----|----|
| | 507 | 0 | 18 | 98 |
| | 493 | 0 | 11 | 31 |
| | 509 | 0 | 08 | 71 |
| | 489 | 0 | 05 | 07 |
| | 488 | 0 | 14 | 95 |

[सं. ओ-12016/15/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2348.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 969 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM GNKQ TO GGS III**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : BHARUCH

TALUKA : VAGRA

| Village | Block No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|-----------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| MULLER | 460 | 0 | 18 | 72 |
| | 459 | 0 | 26 | 94 |
| | 458 | 0 | 01 | 30 |
| | 455 | 0 | 27 | 43 |
| | 484 | 0 | 15 | 60 |
| | 507 | 0 | 18 | 98 |
| | 493 | 0 | 11 | 31 |
| | 509 | 0 | 08 | 71 |
| | 489 | 0 | 05 | 07 |
| | 488 | 0 | 14 | 95 |

[No. O-12016/15/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2349.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 970 तारीख 30-3-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अभिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

3

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

जीएनजेवी से जीजीएस IV तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : भरुच तालुका : वागरा

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर | सेन्टीयर |
|----------|-----------|----------|----|----------|
| जणीयादरा | 217 | 0 | 02 | 08 |
| | 218 | 0 | 14 | 56 |
| | 210 | 0 | 20 | 15 |
| | 209 | 0 | 10 | 04 |
| | 208 | 0 | 04 | 55 |
| | 221 | 0 | 03 | 90 |
| | 183 | 0 | 15 | 60 |
| | 182 | 0 | 12 | 35 |
| | 181 | 0 | 07 | 75 |
| | 179 | 0 | 04 | 55 |

[सं. ओ-12016/14/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2349.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 970 dated 30-3-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM GNJV TO GGS IV

STATE : GUJARAT DISTRICT : BHARUCH TALUKA : VAGRA

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|-----------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| JANIYADRA | 217 | 0 | 02 | 08 |
| | 218 | 0 | 14 | 56 |
| | 210 | 0 | 20 | 15 |
| | 209 | 0 | 10 | 04 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-----|---|----|----|
| | 208 | 0 | 04 | 55 |
| | 221 | 0 | 03 | 90 |
| | 183 | 0 | 15 | 60 |
| | 182 | 0 | 12 | 35 |
| | 181 | 0 | 07 | 75 |
| | 179 | 0 | 04 | 55 |

[No. O-12016/14/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2350.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 971 तारीख 29-2-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विमिश्रय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

सानन्द जी जी एस I से ई टी पी झालोरा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कालोल

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|---------|-------------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| हाजीपुर | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 50 |
| | 680 | 0 | 07 | 90 |
| | 679 | 0 | 09 | 85 |
| | 678 | 0 | 16 | 90 |
| | 1116 | 0 | 04 | 12 |
| | 1127 | 0 | 24 | 85 |
| | 1122 | 0 | 00 | 74 |
| | 1121 | 0 | 01 | 89 |
| | 1148 | 0 | 02 | 00 |
| | 1128 | 0 | 19 | 45 |
| | 1129 | 0 | 16 | 30 |
| | 1146 | 0 | 11 | 65 |
| | 1147 | 0 | 05 | 15 |
| | 1167 | 0 | 12 | 90 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 50 |
| | 1168 | 0 | 12 | 80 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------|---|----|----|
| | 1176 | 0 | 14 | 01 |
| | 1177 | 0 | 11 | 00 |
| | 1178 | 0 | 13 | 85 |
| | 1165 | 0 | 04 | 60 |
| | 675 | 0 | 09 | 75 |
| | 674 | 0 | 07 | 85 |

[सं. ओ-12016/13/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2350.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 971 dated 29-2-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM SANAND GGS I TO ETP JHALORA.**

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KALOL

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| HAJIPUR | Cart track | 0 | 00 | 50 |
| | 680 | 0 | 07 | 90 |
| | 679 | 0 | 09 | 85 |
| | 678 | 0 | 16 | 90 |
| | 1116 | 0 | 04 | 12 |
| | 1127 | 0 | 24 | 85 |
| | 1122 | 0 | 00 | 74 |
| | 1121 | 0 | 01 | 89 |
| | 1148 | 0 | 02 | 00 |
| | 1128 | 0 | 19 | 45 |
| | 1129 | 0 | 16 | 30 |
| | 1146 | 0 | 11 | 65 |
| | 1147 | 0 | 05 | 15 |
| | 1167 | 0 | 12 | 90 |
| | Cart track | 0 | 00 | 50 |
| | 1168 | 0 | 12 | 80 |
| | 1176 | 0 | 14 | 01 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------|---|----|----|
| | 1177 | 0 | 11 | 00 |
| | 1178 | 0 | 13 | 85 |
| | 1165 | 0 | 04 | 60 |
| | 675 | 0 | 09 | 75 |
| | 674 | 0 | 07 | 85 |

[No. O-12016/13/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2351.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 972 तारीख 29-2-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

सानन्द जी जी एस 1 से ई टी पी झालोरा तक पाईप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : कालोल

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------|-------------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| जेठलज | कार्ट ट्रेक | 0 | 03 | 05 |
| | 372/4 | 0 | 25 | 40 |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 01 | 60 |
| | 364/2/1 | 0 | 20 | 65 |
| | 361/2 | 0 | 04 | 65 |
| | 362/1/2 | 0 | 06 | 05 |
| | 357/1/2 | 0 | 33 | 60 |
| | 475 | 0 | 12 | 60 |
| | 476 | 0 | 06 | 45 |
| | 477/3/1 | 0 | 14 | 05 |
| | 478/1/B/C | 0 | 25 | 03 |
| | कार्ट ट्रेक | 0 | 03 | 20 |
| | 480 | 0 | 11 | 80 |
| | 487 | 0 | 03 | 60 |
| | 486 | 0 | 17 | 15 |
| | 483 | 0 | 00 | 64 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|--------|---|----|----|
| | 484 | 0 | 16 | 50 |
| | 550/2 | 0 | 12 | 10 |
| | 550/1 | 0 | 16 | 50 |
| | 545 | 0 | 02 | 35 |
| | 1 | 0 | 18 | 55 |
| | 7 | 0 | 06 | 85 |
| | 9/1 | 0 | 05 | 60 |
| | 8/2 | 0 | 02 | 49 |
| | 10 | 0 | 02 | 47 |
| | 11 | 0 | 04 | 59 |
| | 24/1 | 0 | 20 | 81 |
| | 28 | 0 | 01 | 19 |
| | 29/1/2 | 0 | 02 | 64 |
| | 30/1 | 0 | 05 | 60 |
| | 25 | 0 | 01 | 12 |
| | 31 | 0 | 33 | 20 |
| | 32/1/2 | 0 | 39 | 40 |
| | 162/2 | 0 | 16 | 15 |
| | 148 | 0 | 14 | 55 |
| | 149 | 0 | 12 | 08 |
| | 146 | 0 | 06 | 14 |
| | 98/1/2 | 0 | 26 | 15 |
| | 99/1/2 | 0 | 05 | 70 |
| | 91/1 | 0 | 56 | 40 |
| | 92/1/2 | 0 | 20 | 15 |
| | 61 | 0 | 09 | 10 |
| | 60 | 0 | 09 | 55 |
| | 58 | 0 | 07 | 35 |
| | 56 | 0 | 17 | 45 |
| | 57 | 0 | 12 | 53 |

[सं. ओ-12016/12/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2351.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 972 dated 29-2-96 under Sub Section (1) of Section 3 of the Petroleum and minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its Intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the sections 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SANAND GGS I TO ETP JHALORA

STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA TALUKA : KALOL

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|----------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| JETHALAJ | Cart track | 0 | 03 | 05 |
| | 372/4 | 0 | 25 | 40 |
| | Cart track | 0 | 01 | 60 |
| | 364/2/1 | 0 | 20 | 65 |
| | 361/2 | 0 | 04 | 65 |
| | 362/1/2 | 0 | 06 | 05 |
| | 357/1/2 | 0 | 33 | 60 |
| | 475 | 0 | 12 | 60 |
| | 476 | 0 | 06 | 45 |
| | 477/3/1 | 0 | 14 | 05 |
| | 478/1/B/C | 0 | 25 | 03 |
| | Cart track | 0 | 03 | 20 |
| | 480 | 0 | 11 | 80 |
| | 487 | 0 | 03 | 60 |
| | 486 | 0 | 17 | 15 |
| | 483 | 0 | 00 | 64 |
| | 484 | 0 | 16 | 50 |
| | 550/2 | 0 | 12 | 10 |
| | 550/1 | 0 | 16 | 50 |
| | 545 | 0 | 02 | 35 |
| | 1 | 0 | 18 | 55 |
| | 7 | 0 | 06 | 85 |
| | 9/1 | 0 | 05 | 60 |
| | 8/2 | 0 | 02 | 49 |
| | 10 | 0 | 02 | 47 |
| | 11 | 0 | 04 | 59 |
| | 24/1 | 0 | 20 | 81 |
| | 28 | 0 | 01 | 19 |
| | 29/1/2 | 0 | 02 | 64 |
| | 30/1 | 0 | 05 | 60 |
| | 25 | 0 | 01 | 12 |
| | 31 | 0 | 33 | 20 |
| | 32/1/2 | 0 | 39 | 40 |
| | 162/2 | 0 | 16 | 15 |
| | 148 | 0 | 14 | 55 |
| | 149 | 0 | 12 | 08 |
| | 146 | 0 | 06 | 14 |
| | 98/1/2 | 0 | 26 | 15 |
| | 99/1/2 | 0 | 05 | 70 |
| | 91/1 | 0 | 56 | 40 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|--------|---|----|----|
| | 92/1/2 | 0 | 20 | 15 |
| | 61 | 0 | 09 | 10 |
| | 60 | 0 | 09 | 55 |
| | 58 | 0 | 07 | 35 |
| | 56 | 0 | 17 | 45 |
| | 57 | 0 | 12 | 53 |

[No. O-12016/12/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2352.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 973 तारीख 29-2-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

सानन्द जी जी एस I से ई टी पी झालोरा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कड़ी

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|------|----------|
| वडावी | 653 | 0 | 03 | 95 |
| | 652 | 0 | 06 | 50 |
| | 651 | 0 | 10 | 00 |
| | 657 | 0 | 03 | 20 |
| | 650 | 0 | 15 | 80 |
| | 648/1 | 0 | 23 | 80 |
| | 669 | 0 | 17 | 30 |
| | 669/1A | 0 | 14 | 20 |
| कार्ट ट्रेक | | 0 | 00 | 50 |

[सं. ओ-12016/11/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2352.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 973 dated 29-2-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering said report decided to acquire the right of user in the lands in the Schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

PIPELINE FROM SANAND GGS I TO ETP JHALORA.

STATE : GUJARAT

DISTRICT : MEHSANA

TALUKA : KADI

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| VADAVI | 653 | 0 | 03 | 95 |
| | 652 | 0 | 06 | 50 |
| | 651 | 0 | 10 | 00 |
| | 657 | 0 | 03 | 20 |
| | 650 | 0 | 15 | 80 |
| | 648/1 | 0 | 23 | 80 |
| | 669 | 0 | 17 | 30 |
| | 669/1A | 0 | 14 | 20 |
| | Cart track | 0 | 00 | 50 |

[No. O-12016/11/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2353.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 974 तारीख 29-2-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाईपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था ।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुसूची

सानन्द जी जी एस I से ई टी पी झालोरा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाना तालुका : कोलोल

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|-------------|-----------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| भीमासन | 12 | 0 | 04 | 10 |
| कार्ट ट्रैक | | 0 | 00 | 95 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|-------------|---|----|----|
| | 11 | 0 | 19 | 35 |
| | 10 | 0 | 05 | 95 |
| | 9 | 0 | 09 | 60 |
| | 43 | 0 | 17 | 48 |
| | 1 | 0 | 01 | 15 |
| | 59 | 0 | 06 | 10 |
| | 61 | 0 | 06 | 80 |
| | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 80 |
| | 124 | 0 | 06 | 90 |
| | 116 | 0 | 02 | 45 |
| | 118 | 0 | 19 | 11 |
| | 117 | 0 | 00 | 33 |
| | 111 | 0 | 13 | 04 |
| | 109 | 0 | 04 | 86 |
| | 110 | 0 | 11 | 92 |

[सं. ओ-12016/10/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2353.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 974 dated 29-2-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM SANAND GGS I TO ETP JHALORA****STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA TALUKA : KALOL**

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|----------|------------|---------|-----|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| BHIMASAN | 12 | 0 | 04 | 10 |
| | Cart track | 0 | 00 | 95 |
| | 11 | 0 | 19 | 35 |
| | 10 | 0 | 05 | 95 |
| | 9 | 0 | 09 | 60 |
| | 43 | 0 | 17 | 48 |
| | 1 | 0 | 01 | 15 |
| | 59 | 0 | 06 | 10 |
| | 61 | 0 | 06 | 80 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|------------|---|----|----|
| | Cart track | 0 | 00 | 80 |
| | 124 | 0 | 06 | 90 |
| | 116 | 0 | 02 | 45 |
| | 118 | 0 | 19 | 11 |
| | 117 | 0 | 00 | 33 |
| | 111 | 0 | 13 | 04 |
| | 109 | 0 | 04 | 86 |
| | 110 | 0 | 11 | 92 |

[No. O-12016/10/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1997

का. आ. 2354.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. सं. 975 तारीख 29-2-96 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उप-धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

सानन्द जी जी एस I से ई टी पी झालोरा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात जिला : मेहसाणा तालुका : कड़ी

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे. | सेन्टीयर |
|------|-----------|----------|------|----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| धोल | 1423/1 | 0 | 03 | 77 |
| | 1423/2 | 0 | 02 | 03 |
| | 1423/3 | 0 | 10 | 05 |
| | 1423/4 | 0 | 04 | 35 |
| | 1423/5 | 0 | 01 | 60 |
| | 1423/6 | 0 | 08 | 90 |
| | 1423/7 | 0 | 06 | 03 |
| | 1423/9 | 0 | 06 | 10 |
| | 1423/11 | 0 | 02 | 80 |
| | 1423/12 | 0 | 13 | 60 |
| | 1423/14 | 0 | 14 | 25 |
| | 1423/16 | 0 | 05 | 10 |
| | 1423/17 | 0 | 00 | 90 |
| | 1423/18 | 0 | 04 | 55 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---------|---|----|----|
| | 1423/19 | 0 | 04 | 05 |
| | 1423/21 | 0 | 07 | 05 |
| | 1423/22 | 0 | 00 | 54 |
| | 1423/23 | 0 | 01 | 95 |
| | 1423/24 | 0 | 05 | 70 |

[सं. ओ-12016/9/96-ओ एन जी-डी-IV]

एम. मार्टिन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th August, 1997

S. O. 2354.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum & Natural Gas S. O. No. 975 dated 29-2-96 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Corporation Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE**PIPELINE FROM SANAND GGS I TO ETP JHALORA.****STATE : GUJARAT DISTRICT : MEHSANA TALUKA : KADI**

| Village | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| THOL. | 1423/1 | 0 | 03 | 77 |
| | 1423/2 | 0 | 02 | 03 |
| | 1423/3 | 0 | 10 | 05 |
| | 1423/4 | 0 | 04 | 35 |
| | 1423/5 | 0 | 01 | 60 |
| | 1423/6 | 0 | 08 | 90 |
| | 1423/7 | 0 | 06 | 03 |
| | 1423/9 | 0 | 06 | 10 |
| | 1423/11 | 0 | 02 | 80 |
| | 1423/12 | 0 | 13 | 60 |
| | 1423/14 | 0 | 14 | 25 |
| | 1423/16 | 0 | 05 | 10 |
| | 1423/17 | 0 | 00 | 90 |
| | 1423/18 | 0 | 04 | 55 |
| | 1423/19 | 0 | 04 | 05 |
| | 1423/21 | 0 | 07 | 05 |
| | 1423/22 | 0 | 00 | 54 |
| | 1423/23 | 0 | 01 | 95 |
| | 1423/24 | 0 | 05 | 70 |

[No. O-12016/9/96-ONG-D-IV]

M. MARTIN, Desk Officer

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1997

का. आ. 2355 .- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में वाडीनार से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए;

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाई जानेके प्रयोजन के लिए भूमि में, जो इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदा. शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीखसे, जिसको भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, श्री के. एन. दुये, मध्य भारत परिष्करीय परियोजना, भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड, ए-1/3, "प्रशांति", वेदनगर, साँचेर रोड, उज्जैन, मध्य प्रदेश पिन कोड सं - 456 001 को कर सकता है।

अनुसूची

| तहसील : ताराना | जिला : उज्जैन | राज्य : मध्य प्रदेश |
|----------------|---------------|------------------------|
| ग्राम का नाम | सर्वे क्रमांक | क्षेत्र
हेक्टर/ आरे |
| (1) | (2) | (3) |
| सामानेरा | 468 | 0.030 |
| | 472 | 0.060 |
| | 473 | 0.080 |
| | 481 | 0.130 |
| | 482 | 0.160 |
| | 483 | 0.080 |
| | 484 | 0.050 |
| | 486 | 0.070 |
| | 487 | 0.010 |
| | 488 | 0.110 |
| | 489 | 0.040 |
| | 490 | 0.140 |

| (1) | (2) | (3) |
|----------|----------|-------|
| | 491 | 0.010 |
| | 496/5123 | 0.010 |
| | 500 | 0.110 |
| | 542 | 0.280 |
| | 543 | 0.100 |
| | 544 | 0.150 |
| | 560 | 0.190 |
| | 561 | 0.410 |
| | 563 | 0.010 |
| | 573 | 0.340 |
| | 574 | 0.290 |
| | 575 | 0.010 |
| | 621 | 0.160 |
| | 622 | 0.360 |
| | 631 | 0.020 |
| | 632 | 0.250 |
| | 633 | 0.180 |
| | 634 | 0.050 |
| | 645 | 0.240 |
| | 646 | 0.380 |
| | 647 | 0.010 |
| | 648 | 0.280 |
| | 649 | 0.140 |
| | 653 | 0.280 |
| | 655 | 0.050 |
| | 656 | 0.020 |
| | 657 | 0.010 |
| | 663 | 0.070 |
| | 664 | 0.170 |
| | 665 | 0.130 |
| | 675 | 0.060 |
| चुनाखेडी | 8 | 0.310 |
| | 9 | 0.210 |
| | 10 | 0.190 |
| | 11 | 0.010 |
| | 12 | 0.310 |
| | 13 | 0.010 |
| | 14 | 0.350 |
| | 15 | 0.020 |
| लालाखेडी | 299 | 0.010 |
| | 300 | 0.010 |
| | 301 | 0.050 |
| | 302 | 0.060 |
| | 304 | 0.070 |
| | 305/1 | 0.140 |
| | 305/2 | |
| | 306 | 0.140 |
| | 307 | 0.170 |
| | 308 | 0.060 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|----------|-----|-------|------|-------|-------|
| | 309 | 0.070 | | 420/1 | 0.170 |
| | 336 | 0.290 | | 420/2 | |
| | 337 | 0.190 | | 421 | 0.010 |
| | 338 | 0.030 | | 423 | 0.020 |
| | 339 | 0.250 | | 425 | 0.160 |
| | 340 | 0.150 | | 426/1 | 0.230 |
| | 375 | 0.110 | | 426/2 | |
| | 376 | 0.160 | | 430 | 0.020 |
| | 377 | 0.070 | | 434 | 0.010 |
| | 378 | 0.070 | | 435 | 0.130 |
| | 383 | 0.020 | | 436 | 0.120 |
| | 384 | 0.010 | | 574 | 0.010 |
| | 391 | 0.330 | | 575 | 0.060 |
| | 393 | 0.070 | | 576 | 0.070 |
| | 395 | 0.300 | | 577 | 0.280 |
| | 396 | 0.340 | | 578 | 0.250 |
| | 397 | 0.010 | | 585 | 0.030 |
| | 399 | 0.220 | | 586 | 0.360 |
| | 401 | 0.070 | | 593 | 0.470 |
| | 402 | 0.060 | | 594 | 0.030 |
| | 403 | 0.140 | | 595 | 0.010 |
| | 404 | 0.010 | | 596 | 0.150 |
| | 406 | 0.100 | | 597 | 0.030 |
| | 411 | 0.110 | | 598 | 0.060 |
| रुपाखेडी | 254 | 0.230 | | 599 | 0.015 |
| | 255 | 0.250 | कदाई | 202/1 | 0.220 |
| | 256 | 0.270 | | 202/2 | |
| | 259 | 0.010 | | 203 | 0.410 |
| | 260 | 0.440 | | 204 | 0.120 |
| | 261 | 0.040 | | 205 | 0.180 |
| | 262 | 0.010 | | 206 | 0.160 |
| | 341 | 0.030 | | 207 | 0.060 |
| | 342 | 0.110 | | 210 | 0.060 |
| | 343 | 0.090 | | 238 | 0.420 |
| | 348 | 0.130 | | 239 | 0.150 |
| | 349 | 0.010 | | 240 | 0.185 |
| | 351 | 0.160 | | 242 | 0.150 |
| | 352 | 0.020 | | 243 | 0.320 |
| | 357 | 0.190 | | 274 | 0.010 |
| | 358 | 0.140 | | 275 | 0.030 |
| | 363 | 0.030 | | 276 | 0.090 |
| | 380 | 0.060 | | 277 | 0.220 |
| | 408 | 0.020 | | 278 | 0.010 |
| | 410 | 0.090 | | 279 | 0.220 |
| | 411 | 0.230 | | 280 | 0.170 |
| | 417 | 0.050 | | 286 | 0.020 |
| | 418 | 0.030 | | 287 | 0.080 |
| | 419 | 0.220 | | | |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-----|-------|-------|-----|-----|-------|
| | 288 | 0.150 | | 176 | 0.060 |
| | 289 | 0.130 | | 179 | 0.040 |
| | 291 | 0.140 | | 180 | 0.200 |
| | 292/1 | 0.010 | | 181 | 0.060 |
| | 292/2 | | | 182 | 0.010 |
| | 292/3 | | | 183 | 0.160 |
| | 293 | 0.010 | | 184 | 0.150 |
| | 325 | 0.010 | | 186 | 0.276 |
| | 326 | 0.020 | | 188 | 0.170 |
| | 327 | 0.250 | | 199 | 0.010 |
| | 328 | 0.030 | | 200 | 0.010 |
| | 329 | 0.010 | | 201 | 0.260 |
| | 465 | 0.380 | | 202 | 0.226 |
| | 467 | 0.030 | | 203 | 0.440 |
| | 473 | 0.010 | | 206 | 0.330 |
| | 474 | 0.130 | | 208 | 0.070 |
| | 475 | 0.010 | | 209 | 0.070 |
| | 478 | 0.230 | | 433 | 0.030 |
| | 479 | 0.050 | | 434 | 0.300 |
| | 480 | 0.150 | | 457 | 0.420 |
| | 481 | 0.080 | | 461 | 0.030 |
| | 483 | 0.350 | | 463 | 0.215 |
| | 484 | 0.030 | | 464 | 0.240 |
| | 518 | 0.200 | | 466 | 0.310 |
| | 519 | 0.130 | | 467 | 0.466 |
| | 520 | 0.130 | | 473 | 0.020 |
| | 521 | 0.170 | | 474 | 0.180 |
| | 522 | 0.280 | | 475 | 0.138 |
| | 525 | 0.010 | | 478 | 0.010 |
| | 526 | 0.210 | | 479 | 0.250 |
| | 527 | 0.090 | | 480 | 0.260 |
| | 536 | 0.140 | | 516 | 0.060 |
| | 537 | 0.100 | | 518 | 0.030 |
| | 538 | 0.680 | | 519 | 0.147 |
| | 549 | 0.010 | | 520 | 0.040 |
| | 550 | 0.470 | | 526 | 0.040 |
| | 603 | 0.050 | | 527 | 0.010 |
| | 604 | 0.120 | | 534 | 0.010 |
| | 605 | 0.080 | | 535 | 0.114 |
| | 609 | 0.010 | | 550 | 0.120 |
| | 610 | 0.030 | | 551 | 0.177 |
| | 611 | 0.150 | | 552 | 0.020 |
| | 612 | 0.080 | | 554 | 0.220 |
| | 613 | 0.010 | | 555 | 0.470 |
| | 738 | 0.280 | | 556 | 0.015 |
| | 169 | 0.290 | | 558 | 0.010 |
| | 171 | 0.441 | | 560 | 0.110 |
| | 174 | 0.010 | | 562 | 0.320 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|----------|-----|-------|---------|--------|-------|
| | 563 | 0.278 | | 155 | 0.050 |
| | 564 | 0.300 | | 236 | 0.450 |
| भोड़ल्या | 376 | 0.030 | माकडीन | 5 | 0.040 |
| | 377 | 0.480 | | 5/1493 | 0.010 |
| | 380 | 0.200 | | 11 | 0.260 |
| | 381 | 0.520 | | 12 | 0.260 |
| | 382 | 0.110 | | 13 | 0.040 |
| | 588 | 0.380 | | 15 | 0.240 |
| | 589 | 0.010 | | 19 | 0.610 |
| | 590 | 0.425 | | 20 | 0.010 |
| | 591 | 0.190 | | 21 | 0.070 |
| | 637 | 0.060 | | 27 | 0.500 |
| | 639 | 0.140 | | 28 | 0.030 |
| | 640 | 0.270 | | 30 | 0.090 |
| | 641 | 0.170 | | 219 | 0.100 |
| | 642 | 0.020 | | 220 | 0.110 |
| | 646 | 0.260 | | 221 | 0.090 |
| नरोठिया | 3 | 0.290 | | 225 | 0.360 |
| | 4 | 0.477 | | 226 | 0.270 |
| | 6 | 0.050 | | 230 | 0.380 |
| | 76 | 0.010 | | 231 | 0.010 |
| | 387 | 0.100 | | 235 | 0.150 |
| | 388 | 0.210 | | 236 | 0.220 |
| | 389 | 0.220 | | 244 | 0.370 |
| | 390 | 0.220 | | 251 | 0.070 |
| | 391 | 0.220 | | 252 | 0.170 |
| | 392 | 0.069 | भगवतपुर | 186 | 0.010 |
| सुबार्द | 103 | 0.080 | | 192 | 0.550 |
| | 108 | 0.010 | | 193 | 0.190 |
| | 109 | 0.090 | | 194 | 0.180 |
| | 110 | 0.420 | | 195 | 0.330 |
| | 111 | 0.010 | | 196 | 0.020 |
| | 121 | 0.130 | | 200/1 | 0.060 |
| | 122 | 0.300 | | 200/2 | 0.210 |
| | 123 | 0.200 | | 200/3 | 0.190 |
| | 124 | 0.390 | | 201 | 0.080 |
| | 125 | 0.030 | | 202 | 0.160 |
| | 130 | 0.180 | | 203 | 0.160 |
| | 131 | 0.030 | | 204 | 0.293 |
| | 132 | 0.100 | | 205 | 0.080 |
| | 133 | 0.100 | | 214 | 0.010 |
| | 135 | 0.230 | | 215 | 0.040 |
| | 136 | 0.180 | | 216 | 0.030 |
| | 139 | 0.160 | | 217 | 0.400 |
| | 142 | 0.165 | | 219 | 0.023 |
| | 143 | 0.100 | | 220 | 0.248 |
| | 152 | 0.247 | | 221 | 0.010 |
| | 153 | 0.010 | | 222 | 0.150 |
| | 154 | 0.390 | | 439 | 0.230 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|---------|-----|-------|----------|------|-------|
| | 440 | 0.210 | | 461 | 0.290 |
| | 455 | 0.300 | | 462 | 0.010 |
| | 457 | 0.282 | | 463 | 0.440 |
| | 474 | 0.020 | | 464 | 0.106 |
| | 476 | 0.310 | | 470 | 0.050 |
| | 477 | 0.430 | | 475 | 0.230 |
| | 478 | 0.202 | | 476 | 0.220 |
| | 479 | 0.050 | | 477 | 0.460 |
| | 480 | 0.200 | | 478 | 0.012 |
| | 483 | 0.100 | | 479 | 0.040 |
| | 484 | 0.245 | | 1642 | 0.300 |
| | 501 | 0.080 | | 1653 | 0.040 |
| | 502 | 0.010 | | 1654 | 0.010 |
| | 503 | 0.106 | | 1655 | 0.080 |
| | 504 | 0.060 | | 1660 | 0.090 |
| | 506 | 0.060 | | 1661 | 0.330 |
| | 507 | 0.100 | | 1667 | 0.060 |
| | 508 | 0.020 | | 1668 | 0.030 |
| कहोदिया | 139 | 0.593 | | 1669 | 0.870 |
| | 140 | 0.530 | | 1670 | 0.400 |
| | 141 | 0.250 | | 1672 | 0.010 |
| | 142 | 0.095 | | 1674 | 0.770 |
| | 143 | 0.010 | | 1675 | 0.010 |
| | 146 | 0.050 | बगसाड़ा | 421 | 0.010 |
| | 149 | 0.050 | | 432 | 0.150 |
| | 201 | 0.190 | | 433 | 0.100 |
| | 214 | 0.075 | | 434 | 0.120 |
| | 215 | 0.660 | | 435 | 0.190 |
| | 217 | 0.160 | हारखेड़ी | 436 | 0.110 |
| | 219 | 0.258 | | 3 | 0.010 |
| | 220 | 0.250 | | 5 | 0.230 |
| | 250 | 0.550 | | 6 | 0.125 |
| | 251 | 0.360 | | 15 | 0.390 |
| | 337 | 0.180 | | 16 | 0.210 |
| | 338 | 0.030 | | 17 | 0.170 |
| | 354 | 0.010 | | 18 | 0.010 |
| | 355 | 0.250 | | 23 | 0.010 |
| | 360 | 0.090 | | 24 | 0.110 |
| | 362 | 0.690 | | 25 | 0.057 |
| | 363 | 0.240 | | 26 | 0.260 |
| | 368 | 0.050 | | 27 | 0.150 |
| | 369 | 0.040 | | 31 | 0.289 |
| | 370 | 0.010 | | 32 | 0.310 |
| | 374 | 0.030 | | 33 | 0.130 |
| | 441 | 0.120 | | 34 | 0.070 |
| | 442 | 0.270 | | 35 | 0.150 |
| | 456 | 0.120 | | 89 | 0.030 |
| | 458 | 0.120 | | 90 | 0.250 |
| | 459 | 0.080 | | | |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-----------|---------|-------|--------|-----|-------|
| | 91 | 0.030 | | 249 | 0.010 |
| | 94 | 0.050 | | 250 | 0.130 |
| | 95 | 0.210 | | 258 | 0.050 |
| | 96 | 0.100 | | 259 | 0.150 |
| | 97 | 0.020 | | 261 | 0.060 |
| | 98 | 0.260 | | 262 | 0.030 |
| जुलारी | 60 | 0.010 | | 263 | 0.061 |
| | 63 | 0.100 | | 264 | 0.030 |
| | 66 | 0.060 | | 373 | 0.060 |
| | 69 | 0.116 | | 374 | 0.270 |
| | 71 | 0.260 | | 408 | 0.010 |
| | 76 | 0.270 | | 410 | 0.060 |
| | 77 | 0.160 | | 411 | 0.150 |
| | 78 | 0.140 | | 412 | 0.060 |
| | 79 | 0.114 | | 420 | 0.040 |
| | 81 | 0.264 | | 424 | 0.090 |
| | 82 | 0.080 | | 425 | 0.180 |
| | 142 | 0.010 | | 426 | 0.180 |
| | 143 | 0.050 | | 428 | 0.102 |
| | 148 | 0.189 | | 429 | 0.120 |
| सालनासेडी | 149 | 0.180 | | 430 | 0.060 |
| | 145 | 0.284 | रेवारी | 168 | 0.010 |
| | 146 | 0.060 | | 174 | 0.100 |
| | 147 | 0.070 | | 175 | 0.080 |
| | 148 | 0.100 | | 176 | 0.070 |
| | 149 | 0.010 | | 177 | 0.010 |
| | 152 | 0.010 | | 178 | 0.090 |
| | 197/461 | 0.230 | | 179 | 0.080 |
| | 198 | 0.010 | | 180 | 0.072 |
| | 199 | 0.060 | | 181 | 0.160 |
| | 201 | 0.090 | | 186 | 0.010 |
| | 203 | 0.150 | | 187 | 0.290 |
| | 204 | 0.190 | | 188 | 0.010 |
| | 206 | 0.140 | | 189 | 0.483 |
| | 207 | 0.170 | | 196 | 0.089 |
| | 208 | 0.010 | | 322 | 0.120 |
| | 209 | 0.200 | | 323 | 0.060 |
| | 210 | 0.040 | | 325 | 0.230 |
| | 218 | 0.100 | | | |
| | 219 | 0.070 | | | |
| | 220 | 0.030 | | | |
| | 221 | 0.030 | | | |
| | 222 | 0.030 | | | |
| | 223 | 0.020 | | | |
| | 224 | 0.010 | | | |

[सं. आर 31015/23/97 - ओआर. II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

Ministry of Petroleum and Natural Gas

New Delhi, the 15th September, 1997

S. O. 2355 - Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh, pipelines should be laid by the Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of users in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipelines under the land to Shri K. N. Dubey, the competent authority of Central India Refinery Project of Bharat Oman Refineries Limited, A-1/3, 'Prashanti', Vednagar, Sanwer Road, Ujjain, Madhya Pradesh Pin code No. - 456 001.

Schedule

Tehsil: Tarana Dist.: Ujjain State: Madhya Pradesh

| Name of village | Survey no. | Area
Hectare/Are |
|-----------------|------------|---------------------|
| (1) | (2) | (3) |
| Samanera | 468 | 0.030 |

| (1) | (2) | (3) |
|------------|----------|-------|
| | 472 | 0.060 |
| | 473 | 0.080 |
| | 481 | 0.130 |
| | 482 | 0.160 |
| | 483 | 0.080 |
| | 484 | 0.050 |
| | 486 | 0.070 |
| | 487 | 0.010 |
| | 488 | 0.110 |
| | 489 | 0.040 |
| | 490 | 0.140 |
| | 491 | 0.010 |
| | 496/5123 | 0.010 |
| | 500 | 0.110 |
| | 542 | 0.280 |
| | 543 | 0.100 |
| | 544 | 0.150 |
| | 560 | 0.190 |
| | 561 | 0.410 |
| | 563 | 0.010 |
| | 573 | 0.340 |
| | 574 | 0.290 |
| | 575 | 0.010 |
| | 621 | 0.160 |
| | 622 | 0.360 |
| | 631 | 0.020 |
| | 632 | 0.250 |
| | 633 | 0.180 |
| | 634 | 0.050 |
| | 645 | 0.240 |
| | 646 | 0.380 |
| | 647 | 0.010 |
| | 648 | 0.280 |
| | 649 | 0.140 |
| | 653 | 0.280 |
| | 655 | 0.050 |
| | 656 | 0.020 |
| | 657 | 0.010 |
| | 663 | 0.070 |
| | 664 | 0.170 |
| | 665 | 0.130 |
| | 675 | 0.060 |
| Chunakhedi | 8 | 0.310 |
| | 9 | 0.210 |
| | 10 | 0.190 |
| | 11 | 0.010 |
| | 12 | 0.310 |
| | 13 | 0.010 |
| | 14 | 0.350 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|------------|-------|-------|-------|-------|-------|
| Lalakkhedī | 15 | 0.020 | | 352 | 0.020 |
| | 299 | 0.010 | | 357 | 0.190 |
| | 300 | 0.010 | | 358 | 0.140 |
| | 301 | 0.050 | | 363 | 0.030 |
| | 302 | 0.060 | | 380 | 0.060 |
| | 304 | 0.070 | | 408 | 0.020 |
| | 305/1 | } | | 410 | 0.090 |
| | 305/2 | | | 411 | 0.230 |
| | 306 | 0.140 | | 417 | 0.050 |
| | 307 | 0.170 | | 418 | 0.030 |
| | 308 | 0.060 | | 419 | 0.220 |
| | 309 | 0.070 | | 420/1 | } |
| | 336 | 0.290 | | 420/2 | |
| | 337 | 0.190 | | 421 | 0.010 |
| | 338 | 0.030 | | 423 | 0.020 |
| | 339 | 0.250 | | 425 | 0.160 |
| | 340 | 0.150 | | 426/1 | } |
| | 375 | 0.110 | | 426/2 | |
| | 376 | 0.160 | | 430 | 0.020 |
| | 377 | 0.070 | | 434 | 0.010 |
| | 378 | 0.070 | | 435 | 0.130 |
| | 383 | 0.020 | | 436 | 0.120 |
| | 384 | 0.010 | | 574 | 0.010 |
| | 391 | 0.330 | | 575 | 0.060 |
| | 393 | 0.070 | | 576 | 0.070 |
| | 395 | 0.300 | | 577 | 0.280 |
| | 396 | 0.340 | | 578 | 0.250 |
| | 397 | 0.010 | | 585 | 0.030 |
| | 399 | 0.220 | | 586 | 0.360 |
| | 401 | 0.070 | | 593 | 0.470 |
| | 402 | 0.060 | | 594 | 0.030 |
| | 403 | 0.140 | | 595 | 0.010 |
| | 404 | 0.010 | | 596 | 0.150 |
| | 406 | 0.100 | | 597 | 0.030 |
| | 411 | 0.110 | | 598 | 0.060 |
| Rupakhedi | 254 | 0.230 | | 599 | 0.015 |
| | 255 | 0.250 | Kadai | 202/1 | } |
| | 256 | 0.270 | | 202/2 | |
| | 259 | 0.010 | | 203 | 0.410 |
| | 260 | 0.440 | | 204 | 0.120 |
| | 261 | 0.040 | | 205 | 0.180 |
| | 262 | 0.010 | | 206 | 0.160 |
| | 341 | 0.030 | | 207 | 0.060 |
| | 342 | 0.110 | | 210 | 0.060 |
| | 343 | 0.090 | | 238 | 0.420 |
| | 348 | 0.130 | | 239 | 0.150 |
| | 349 | 0.010 | | 240 | 0.185 |
| | 351 | 0.160 | | | |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-----|------------------|------------------|---------|----------------|-------|
| | 242 | 0.150 | | 604 | 0.120 |
| | 243 | 0.320 | | 605 | 0.080 |
| | 274 | 0.010 | | 609 | 0.010 |
| | 275 | 0.030 | | 610 | 0.030 |
| | 276 | 0.090 | | 611 | 0.150 |
| | 277 | 0.220 | | 612 | 0.080 |
| | 278 | 0.010 | | 613 | 0.010 |
| | 279 | 0.220 | | 738 | 0.280 |
| | 280 | 0.170 | Chikali | 169 | 0.290 |
| | 286 | 0.020 | | 171 | 0.441 |
| | 287 | 0.080 | | 174 | 0.010 |
| | 288 | 0.150 | | 176 | 0.060 |
| | 289 | 0.130 | | 179 | 0.040 |
| | 291 | 0.140 | | 180 | 0.200 |
| | 292/1 | 0.010 | | 181 | 0.060 |
| | 292/2 | | | 182 | 0.010 |
| | 292/3 | | | 183 | 0.160 |
| | 293 | 0.010 | | 184 | 0.150 |
| | 325 | 0.010 | | 186 | 0.276 |
| | 326 | 0.020 | | 188 | 0.170 |
| | 327 | 0.250 | | 199 | 0.010 |
| | 328 | 0.030 | | 200 | 0.010 |
| | 329 | 0.010 | | 201 | 0.260 |
| | 465 | 0.380 | | 202 | 0.226 |
| | 467 | 0.030 | | 203 | 0.440 |
| | 473 | 0.010 | | 206 | 0.330 |
| | 474 | 0.130 | | 208 | 0.070 |
| | 475 | 0.010 | | 209 | 0.070 |
| | 478 | 0.230 | | 433 | 0.030 |
| | 479 | 0.050 | | 434 | 0.300 |
| | 480 | 0.150 | | 457 | 0.420 |
| | 481 | 0.080 | | 461 | 0.030 |
| | 483 | 0.350 | | 463 | 0.215 |
| | 484 | 0.030 | | 464 | 0.240 |
| | 518 | 0.200 | | 466 | 0.310 |
| | 519 | 0.130 | | 467 | 0.466 |
| | 520 | 0.130 | | 473 | 0.020 |
| | 521 | 0.170 | | 474 | 0.180 |
| | 522 | 0.280 | | 475 | 0.138 |
| | 525 | 0.010 | | 478 | 0.010 |
| | 526 | 0.210 | | 479 | 0.250 |
| | 527 | 0.090 | | 480 | 0.260 |
| | 536 | 0.140 | | 516 | 0.060 |
| | 537 | 0.100 | | 518 | 0.030 |
| | 538 | 0.680 | | 519 | 0.147 |
| | 549 | 0.010 | | 520 | 0.040 |
| | 550 | 0.470 | | 526 | 0.040 |
| | 603 | 0.050 | | 527 | 0.010 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-----------|-----|-------|------------|-------------------|-------|
| | 534 | 0.010 | | 131 | 0.030 |
| | 535 | 0.114 | | 132 | 0.100 |
| | 550 | 0.120 | | 133 | 0.100 |
| | 551 | 0.177 | | 135 | 0.230 |
| | 552 | 0.020 | | 136 | 0.180 |
| | 554 | 0.220 | | 139 | 0.160 |
| | 555 | 0.470 | | 142 | 0.165 |
| | 556 | 0.015 | | 143 | 0.100 |
| | 558 | 0.010 | | 152 | 0.247 |
| | 560 | 0.110 | | 153 | 0.010 |
| | 562 | 0.320 | | 154 | 0.390 |
| | 563 | 0.278 | | 155 | 0.050 |
| | 564 | 0.300 | | 236 | 0.450 |
| Bhodaly | 376 | 0.030 | Makdon | 5/1493 | 0.040 |
| | 377 | 0.480 | | 5/1493 | 0.010 |
| | 380 | 0.200 | | 11 | 0.260 |
| | 381 | 0.520 | | 12 | 0.260 |
| | 382 | 0.110 | | 13 | 0.040 |
| | 588 | 0.380 | | 15 | 0.240 |
| | 589 | 0.010 | | 19 | 0.610 |
| | 590 | 0.425 | | 20 | 0.010 |
| | 591 | 0.190 | | 21 | 0.070 |
| | 637 | 0.060 | | 27 | 0.500 |
| | 639 | 0.140 | | 28 | 0.030 |
| | 640 | 0.270 | | 30 | 0.090 |
| | 641 | 0.170 | | 219 | 0.100 |
| | 642 | 0.020 | | 220 | 0.110 |
| | 646 | 0.260 | | 221 | 0.090 |
| Barothiya | 3 | 0.290 | | 225 | 0.360 |
| | 4 | 0.477 | | 226 | 0.270 |
| | 6 | 0.050 | | 230 | 0.380 |
| | 76 | 0.010 | | 231 | 0.010 |
| | 387 | 0.100 | | 235 | 0.150 |
| | 388 | 0.210 | | 236 | 0.220 |
| | 389 | 0.220 | | 244 | 0.370 |
| | 390 | 0.220 | | 251 | 0.070 |
| | 391 | 0.220 | | 252 | 0.170 |
| | 392 | 0.069 | Bhagwatpur | 186 | 0.010 |
| Suchai | 103 | 0.080 | | 192 | 0.550 |
| | 108 | 0.010 | | 193 | 0.190 |
| | 109 | 0.090 | | 194 | 0.180 |
| | 110 | 0.420 | | 195 | 0.330 |
| | 111 | 0.010 | | 196 | 0.020 |
| | 121 | 0.130 | | 200/1 | 0.060 |
| | 122 | 0.300 | | 200/2 | 0.210 |
| | 123 | 0.200 | | 200/3 | 0.190 |
| | 124 | 0.390 | | 201 | 0.080 |
| | 125 | 0.030 | | 202 | 0.160 |
| | 130 | 0.180 | | 203 | 0.160 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|----------|-----|--------|-----------|------|-------|
| | 204 | 0.293 | | 362 | 0.690 |
| | 205 | 0.080 | | 363 | 0.240 |
| | 214 | 0.010 | | 368 | 0.050 |
| | 215 | 0.040 | | 369 | 0.040 |
| | 216 | 0.030 | | 370 | 0.010 |
| | 217 | 0.400 | | 374 | 0.030 |
| | 219 | 0.023 | | 441 | 0.120 |
| | 220 | -0.248 | | 442 | 0.270 |
| | 221 | 0.010 | | 456 | 0.120 |
| | 222 | 0.150 | | 458 | 0.120 |
| | 439 | 0.230 | | 459 | 0.080 |
| | 440 | 0.210 | | 461 | 0.290 |
| | 455 | 0.300 | | 462 | 0.010 |
| | 457 | 0.282 | | 463 | 0.440 |
| | 474 | 0.020 | | 464 | 0.106 |
| | 476 | 0.310 | | 470 | 0.050 |
| | 477 | 0.430 | | 475 | 0.230 |
| | 478 | 0.202 | | 476 | 0.220 |
| | 479 | 0.050 | | 477 | 0.460 |
| | 480 | 0.200 | | 478 | 0.012 |
| | 483 | 0.100 | | 479 | 0.040 |
| | 484 | 0.245 | | 1642 | 0.300 |
| | 501 | 0.080 | | 1653 | 0.040 |
| | 502 | 0.010 | | 1654 | 0.010 |
| | 503 | 0.106 | | 1655 | 0.080 |
| | 504 | 0.060 | | 1660 | 0.090 |
| | 506 | 0.060 | | 1661 | 0.330 |
| | 507 | 0.100 | | 1667 | 0.060 |
| | 508 | 0.020 | | 1668 | 0.030 |
| Kadodiya | 139 | 0.593 | | 1669 | 0.870 |
| | 140 | 0.530 | | 1670 | 0.400 |
| | 141 | 0.250 | | 1672 | 0.010 |
| | 142 | 0.095 | | 1674 | 0.770 |
| | 143 | 0.010 | | 1675 | 0.010 |
| | 146 | 0.050 | Bagwada | 421 | 0.010 |
| | 149 | 0.050 | | 432 | 0.150 |
| | 201 | 0.190 | | 433 | 0.100 |
| | 214 | 0.075 | | 434 | 0.120 |
| | 215 | 0.660 | | 435 | 0.190 |
| | 217 | 0.160 | | 436 | 0.110 |
| | 219 | 0.258 | Harukhedi | 3 | 0.010 |
| | 220 | 0.250 | | 5 | 0.230 |
| | 250 | 0.550 | | 6 | 0.125 |
| | 251 | 0.360 | | 15 | 0.390 |
| | 337 | 0.180 | | 16 | 0.210 |
| | 338 | 0.030 | | 17 | 0.170 |
| | 354 | 0.010 | | 18 | 0.010 |
| | 355 | 0.250 | | 23 | 0.010 |
| | 360 | 0.090 | | 24 | 0.110 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-------------|---------|-------|---------|-----|-------|
| | 25 | 0.057 | | 218 | 0.100 |
| | 26 | 0.260 | | 219 | 0.070 |
| | 27 | 0.150 | | 220 | 0.030 |
| | 31 | 0.289 | | 221 | 0.030 |
| | 32 | 0.310 | | 222 | 0.030 |
| | 33 | 0.130 | | 223 | 0.020 |
| | 34 | 0.070 | | 224 | 0.010 |
| | 35 | 0.150 | | 249 | 0.010 |
| | 89 | 0.030 | | 250 | 0.130 |
| | 90 | 0.250 | | 258 | 0.050 |
| | 91 | 0.030 | | 259 | 0.150 |
| | 94 | 0.050 | | 261 | 0.060 |
| | 95 | 0.210 | | 262 | 0.030 |
| | 96 | 0.100 | | 263 | 0.061 |
| | 97 | 0.020 | | 264 | 0.030 |
| | 98 | 0.260 | | 373 | 0.060 |
| Bukhari | 60 | 0.010 | | 374 | 0.270 |
| | 63 | 0.100 | | 408 | 0.010 |
| | 66 | 0.060 | | 410 | 0.060 |
| | 69 | 0.116 | | 411 | 0.150 |
| | 71 | 0.260 | | 412 | 0.060 |
| | 76 | 0.270 | | 420 | 0.040 |
| | 77 | 0.160 | | 424 | 0.090 |
| | 78 | 0.140 | | 425 | 0.180 |
| | 79 | 0.114 | | 426 | 0.180 |
| | 81 | 0.264 | | 428 | 0.102 |
| | 82 | 0.080 | | 429 | 0.120 |
| | 142 | 0.010 | | 430 | 0.060 |
| | 143 | 0.050 | Rehwari | 168 | 0.010 |
| | 148 | 0.189 | | 174 | 0.100 |
| | 149 | 0.180 | | 175 | 0.080 |
| Salanakhedi | 145 | 0.284 | | 176 | 0.070 |
| | 146 | 0.060 | | 177 | 0.010 |
| | 147 | 0.070 | | 178 | 0.090 |
| | 148 | 0.100 | | 179 | 0.080 |
| | 149 | 0.010 | | 180 | 0.072 |
| | 152 | 0.010 | | 181 | 0.160 |
| | 197/461 | 0.230 | | 186 | 0.010 |
| | 198 | 0.010 | | 187 | 0.290 |
| | 199 | 0.060 | | 188 | 0.010 |
| | 201 | 0.090 | | 189 | 0.483 |
| | 203 | 0.150 | | 196 | 0.089 |
| | 204 | 0.190 | | 322 | 0.120 |
| | 206 | 0.140 | | 323 | 0.060 |
| | 207 | 0.170 | | 325 | 0.230 |
| | 208 | 0.010 | | | |
| | 209 | 0.200 | | | |
| | 210 | 0.040 | | | |

[No. R 31015/23/97 - OR. II]

K. C. Katoch, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1997

का. आ. 2356 .- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में वाडीनार से मध्य प्रदेश राज्य में बीना तक पेट्रोलियम उत्पादों के परिवहन के लिए भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाई जानी चाहिए ;

और केन्द्रीय सरकार को यह भी प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाई जानेके प्रयोजन के लिए उक्त भूमि में, जो इस अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में वर्णित है, उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उसमें के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है ;

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस तारीखसे, जिसको भारत के राजपत्र में यथाप्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियाँ साधारण जनता को उपलब्ध करा दी जाती है, इक्कीस दिन के भीतर, भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के संबंध में या उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने संबंधी लिखित में आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी, श्री के. एन. दुबे, मध्य भारत परिष्करण परिियोजना, भारत ओमन रिफाइनरीज लिमिटेड, ए-1/3, "प्रशांति", वेदनगर, साँवर रोड , उज्जैन, मध्य प्रदेश पिन कोड सं-456 001 को कर सकता है।

अनुसूची

तहसील : शाज़ापुर जिला : शाज़ापुर राज्य : मध्य प्रदेश

| ग्राम का नाम | सर्वे क्रमांक | क्षेत्र
हेक्टर /आरे |
|--------------|---------------|------------------------|
| (1) | (2) | (3) |
| डोकरगोंध | 321 | 0.250 |
| | 322 | 0.230 |
| | 323 | 0.020 |
| | 324 | 0.040 |
| | 325 | 0.050 |
| | 344 | 0.020 |
| | 345 | 0.020 |
| | 346 | 0.230 |
| | 347 | 0.010 |
| | 361 | 0.030 |
| | 363 | 0.050 |
| | 365 | 0.340 |

| (1) | (2) | (3) |
|---------|---------|-------|
| | 366 | 0.035 |
| | 367 | 0.035 |
| | 406 | 0.270 |
| | 413 | 0.010 |
| | 414 | 0.520 |
| | 433 | 0.070 |
| | 434 | 0.030 |
| | 528 | 0.440 |
| | 540 | 0.150 |
| | 541 | 0.180 |
| | 542 | 0.015 |
| | 543 | 0.020 |
| | 543/651 | 0.020 |
| | 545 | 0.010 |
| | 564 | 0.550 |
| | 565 | 0.100 |
| | 576 | 0.440 |
| | 577 | 0.060 |
| अरोलिया | 2/1/2 | 0.030 |
| | 2/1/2 | |
| | 2/3 | 0.320 |
| | 3 | 0.730 |
| | 7 | 0.230 |
| | 8 | 0.020 |
| | 9 | 0.170 |
| | 30 | 0.170 |
| | 33 | 0.010 |
| | 34 | 0.080 |
| | 35 | 0.070 |
| मडेड़ी | 263 | 0.040 |
| | 264 | 0.110 |
| | 265 | 0.030 |
| | 266/2 | 0.090 |
| | 289 | 0.320 |
| | 297 | 0.020 |
| | 298 | 0.090 |
| | 299 | 0.375 |
| | 300 | 0.010 |
| | 301 | 0.120 |
| | 327 | 0.030 |
| | 329 | 0.010 |
| | 330 | 0.700 |
| | 331 | 0.090 |
| | 346 | 0.010 |
| | 347 | 0.120 |
| | 348 | 0.150 |
| | 353 | 0.370 |
| | 355 | 0.060 |
| | 357 | 0.925 |
| | 358 | 0.120 |
| | 524 | 0.150 |
| | 525 | 0.140 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|----------|--------|-------|-------|---------|-------|
| | 526 | 0.010 | | 29/1 | 0.050 |
| | 528 | 0.210 | | 29/2 | 0.150 |
| | 529 | 0.090 | | 30 | 0.085 |
| | 531 | 0.440 | | 33 | 0.030 |
| | 534 | 0.010 | | 34 | 0.060 |
| सागड़िया | 40 | 0.180 | | 35 | 0.010 |
| | 42 | 0.010 | | 108 | 0.010 |
| | 43 | 0.385 | | 113 | 0.300 |
| | 44 | 0.455 | | 308/1 | 0.410 |
| | 46 | 0.070 | | 309 | 0.010 |
| | 48 | 0.210 | | 354 | 0.040 |
| | 68 | 0.330 | | 355 | 0.480 |
| | 101 | 0.310 | | 357 | 0.080 |
| | 102 | 0.575 | | 360/2 | 0.080 |
| | 123 | 0.070 | | 362 | 0.700 |
| | 124 | 0.180 | | 363 | 0.010 |
| | 129 | 0.060 | | 365 | 0.090 |
| | 130/1 | } | | 366 | 0.160 |
| | 130/2 | | | 367/2/2 | 0.080 |
| | 134 | 0.195 | | 375 | 0.030 |
| | 135 | 0.485 | | 376/1 | 0.470 |
| | 136 | 0.110 | | 376/2 | 0.230 |
| | 137/1 | 0.030 | | 418 | 0.310 |
| | 165 | 0.290 | | 421 | 0.010 |
| | 168 | 0.205 | | 422 | 0.010 |
| | 253 | 0.010 | | 423 | 0.260 |
| | 258 | 0.045 | | 424 | 0.140 |
| | 259 | 0.285 | | 425 | 0.070 |
| | 260 | 0.325 | बलाचद | 56 | 0.130 |
| | 261 | 0.175 | | 57 | 0.160 |
| | 266 | 0.405 | | 58 | 0.075 |
| | 268 | 0.430 | | 59 | 0.010 |
| जायदी | 196 | 0.065 | | 81 | 0.290 |
| | 197 | 0.450 | | 92 | 0.055 |
| | 198 | 0.300 | | 93 | 0.165 |
| | 201 | 0.010 | | 94 | 0.190 |
| | 203 | 0.415 | | 95 | 0.220 |
| | 207 | 0.570 | | 96 | 0.090 |
| | 209 | 0.010 | | 97 | 0.250 |
| | 210 | 0.100 | | 98 | 0.240 |
| | 211 | 0.110 | | 99 | 0.030 |
| | 212 | 0.110 | | 100 | 0.190 |
| | 213 | 0.170 | | 101 | 0.040 |
| | 214 | 0.120 | | 102 | 0.050 |
| | 215 | 0.370 | | 103 | 0.040 |
| | 216 | 0.050 | | 119 | 0.280 |
| | 217 | 0.140 | | 120 | 0.200 |
| भलराबदा | - | - | | 121 | 0.325 |
| गोबिदा | 25 | 1.510 | | 122 | 0.090 |
| | 25/1 | 0.050 | | 173 | 0.105 |
| | 25/536 | 0.030 | | 175 | 0.270 |
| | 28 | 0.570 | | 176 | 0.080 |
| | 28/538 | 0.180 | | 306 | 0.020 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-------|---------|-------|--------|----------|-------|
| | 311 | 0.250 | | 544 | 0.190 |
| | 312 | 0.070 | | 546 | 0.010 |
| | 316 | 0.060 | | 567 | 0.220 |
| | 322 | 0.170 | कद्वला | 1475 | 0.170 |
| | 323 | 0.150 | | 1476 | 0.010 |
| | 325 | 0.150 | | 1504 | 0.020 |
| | 326 | 0.200 | | 1505 | 0.120 |
| | 327 | 0.250 | | 1506 | 0.010 |
| | 328 | 0.065 | | 1510 | 0.490 |
| | 346 | 0.100 | | 1511 | 0.100 |
| | 347 | 0.065 | | 1513 | 0.335 |
| | 351 | 0.020 | | 1514 | 0.220 |
| | 353 | 0.190 | | 1515 | 0.010 |
| | 354 | 0.135 | | 1524 | 0.080 |
| | 355 | 0.010 | | 1525 | 0.090 |
| | 356 | 0.030 | | 1526 | 0.120 |
| | 357 | 0.010 | | 1528 | 0.330 |
| | 358 | 0.190 | | 1529 | 0.350 |
| | 359 | 0.055 | | 1533 | 0.210 |
| | 360 | 0.210 | | 1623 | 0.010 |
| | 363 | 0.160 | | 1624 | 0.470 |
| नहोदी | 244 | 0.090 | | 1626 | 0.055 |
| | 253 | 0.050 | मोहना | 1436 | 0.170 |
| | 254 | 0.240 | | 1437 | 0.020 |
| | 256 | 0.100 | | 1439 | 0.200 |
| | 257 | 0.150 | | 1441 | 0.050 |
| | 258 | 0.065 | | 1442/1 | 0.130 |
| | 259 | 0.010 | | 1443 | 0.300 |
| | 262 | 0.150 | | 1444 | 0.300 |
| | 486 | 0.200 | | 1445 | 0.050 |
| | 488 | 0.110 | | 1446 | 0.090 |
| | 489 | 0.120 | | 1560/2 | 0.160 |
| | 490/3 | 0.250 | | 1561 | 0.210 |
| | 494/1 } | 0.120 | | 1562 | 0.140 |
| | 494/3 } | | | 1565 | 0.270 |
| | 496 | 0.060 | | 1568 | 0.030 |
| | 500/1 | 0.060 | | 1569/1 } | 0.430 |
| | 500/2 | 0.260 | | 1569/2 } | |
| | 502/1 } | 0.080 | | 1570 | 0.020 |
| | 502/2 } | | | 1573 | 0.170 |
| | 503 | 0.010 | | 1576 | 0.030 |
| | 504 | 0.400 | | 1578 | 0.100 |
| | 505 | 0.050 | | 1579 | 0.250 |
| | 507 | 0.020 | | 1584 | 0.440 |
| | 516/1 } | 0.060 | | 1585 | 0.060 |
| | 516/2 } | | | 1587 | 0.160 |
| | 526 | 0.100 | | | |
| | 527 | 0.020 | | 1589/2 | 0.230 |
| | 528 | 0.880 | | 1591 | 0.210 |
| | 536 | 0.010 | | | |
| | 537 | 0.010 | | 1603 | 0.100 |
| | 539 | 0.370 | | 1619 | 0.110 |
| | 541 | 0.010 | | | |
| | 542 | 0.020 | | | |
| | 543 | 0.010 | | | |

[सं. आर- 31015/22/96-ओआर. II]
के. सी. कटोच, अवर सचिव

Ministry of Petroleum and Natural Gas

New Delhi, the 15th September, 1997

S. O. 2356 - Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Vadinar in the State of Gujarat to Bina in the State of Madhya Pradesh, pipelines should be laid by the Bharat Oman Refineries Limited;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of users in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Any person interested in the land described in the said Schedule may within twenty-one days from the date on which the copies of this notification, as published in the gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipelines under the land to Shri K. N. Dubey, the competent authority of Central India Refinery Project of Bharat Oman Refineries Limited, A-1/3, 'Prashnti' , Vednagar, Sanwer Road, Ujjain, Madhya Pradesh Pin code No. - 456 001.

Schedule

Tehsil : Shajapur Dist. Shajapur State : Madhya Pradesh

| Name of village | Survey no. | Area
Hectare/are |
|-----------------|------------|---------------------|
|-----------------|------------|---------------------|

| (1) | (2) | (3) |
|-----------|-----|-------|
| Dokargaon | 321 | 0.250 |
| | 322 | 0.230 |
| | 323 | 0.020 |
| | 324 | 0.040 |
| | 325 | 0.050 |

| (1) | (2) | (3) |
|---------|---------|-------|
| | 344 | 0.020 |
| | 345 | 0.020 |
| | 346 | 0.230 |
| | 347 | 0.010 |
| | 361 | 0.030 |
| | 363 | 0.050 |
| | 365 | 0.340 |
| | 366 | 0.035 |
| | 367 | 0.035 |
| | 406 | 0.270 |
| | 413 | 0.010 |
| | 414 | 0.520 |
| | 433 | 0.070 |
| | 434 | 0.030 |
| | 528 | 0.440 |
| | 540 | 0.150 |
| | 541 | 0.180 |
| | 542 | 0.015 |
| | 543 | 0.020 |
| | 543/651 | 0.020 |
| | 545 | 0.010 |
| | 564 | 0.550 |
| | 565 | 0.100 |
| | 576 | 0.440 |
| | 577 | 0.060 |
| Aroliya | 2/1/2 | 0.030 |
| | 2/1/2 | |
| | 2/3 | 0.320 |
| | 3 | 0.730 |
| | 7 | 0.230 |
| | 8 | 0.020 |
| | 9 | 0.170 |
| | 30 | 0.170 |
| | 33 | 0.010 |
| | 34 | 0.080 |
| | 35 | 0.070 |
| Bhadodi | 263 | 0.040 |
| | 264 | 0.110 |
| | 265 | 0.030 |
| | 266/2 | 0.090 |
| | 289 | 0.320 |
| | 297 | 0.020 |
| | 298 | 0.090 |
| | 299 | 0.375 |
| | 300 | 0.010 |
| | 301 | 0.120 |
| | 327 | 0.030 |
| | 329 | 0.010 |
| | 330 | 0.700 |
| | 331 | 0.090 |
| | 346 | 0.010 |
| | 347 | 0.120 |
| | 348 | 0.150 |
| | 353 | 0.370 |
| | 355 | 0.060 |
| | 357 | 0.925 |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-----------|--------|-------|----------|---------|-------|
| | 358 | 0.120 | | 29/2 | 0.150 |
| | 524 | 0.150 | | 30 | 0.085 |
| | 525 | 0.140 | | 33 | 0.030 |
| | 526 | 0.010 | | 34 | 0.060 |
| | 528 | 0.210 | | 35 | 0.010 |
| | 529 | 0.090 | | 108 | 0.010 |
| | 531 | 0.440 | | 113 | 0.300 |
| | 534 | 0.010 | | 308/1 | 0.410 |
| Sagadiya | 40 | 0.180 | | 309 | 0.010 |
| | 42 | 0.010 | | 354 | 0.040 |
| | 43 | 0.385 | | 355 | 0.480 |
| | 44 | 0.455 | | 357 | 0.080 |
| | 46 | 0.070 | | 360/2 | 0.080 |
| | 48 | 0.210 | | 362 | 0.700 |
| | 68 | 0.330 | | 363 | 0.010 |
| | 101 | 0.310 | | 365 | 0.090 |
| | 102 | 0.575 | | 366 | 0.160 |
| | 123 | 0.070 | | 367/2/2 | 0.080 |
| | 124 | 0.180 | | 375 | 0.030 |
| | 129 | 0.060 | | 376/1 | 0.470 |
| | 130/1 | } | | 376/2 | 0.230 |
| | 130/2 | | | 418 | 0.310 |
| | 134 | 0.195 | | 421 | 0.010 |
| | 135 | 0.485 | | 422 | 0.010 |
| | 136 | 0.110 | | 423 | 0.260 |
| | 137/1 | 0.030 | | 424 | 0.140 |
| | 165 | 0.290 | | 425 | 0.070 |
| | 168 | 0.205 | Barnawad | 56 | 0.130 |
| | 253 | 0.010 | | 57 | 0.160 |
| | 258 | 0.045 | | 58 | 0.075 |
| | 259 | 0.285 | | 59 | 0.010 |
| | 260 | 0.325 | | 81 | 0.290 |
| | 261 | 0.175 | | 92 | 0.055 |
| | 266 | 0.405 | | 93 | 0.165 |
| | 268 | 0.430 | | 94 | 0.190 |
| Javadi | 196 | 0.065 | | 95 | 0.220 |
| | 197 | 0.450 | | 96 | 0.090 |
| | 198 | 0.300 | | 97 | 0.250 |
| | 201 | 0.010 | | 98 | 0.240 |
| | 203 | 0.415 | | 99 | 0.030 |
| | 207 | 0.570 | | 100 | 0.190 |
| | 209 | 0.010 | | 101 | 0.040 |
| | 210 | 0.100 | | 102 | 0.050 |
| | 211 | 0.110 | | 103 | 0.040 |
| | 212 | 0.110 | | 119 | 0.280 |
| | 213 | 0.170 | | 120 | 0.200 |
| | 214 | 0.120 | | 121 | 0.325 |
| | 215 | 0.370 | | 122 | 0.090 |
| | 216 | 0.050 | | 173 | 0.105 |
| | 217 | 0.140 | | 175 | 0.270 |
| Dhatrawad | - | - | | 176 | 0.080 |
| Govinda | 25 | 1.510 | | 306 | 0.020 |
| | 25/1 | 0.050 | | 311 | 0.250 |
| | 25/536 | 0.030 | | 312 | 0.070 |
| | 28 | 0.570 | | 316 | 0.060 |
| | 28/538 | 0.180 | | | |
| | 29/1 | 0.050 | | | |

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|--------|---------|-------|--------|----------|-------|
| | 322 | 0.170 | | 567 | 0.220 |
| | 323 | 0.150 | Kadula | 1475 | 0.170 |
| | 325 | 0.150 | | 1476 | 0.010 |
| | 326 | 0.200 | | 1504 | 0.020 |
| | 327 | 0.250 | | 1505 | 0.120 |
| | 328 | 0.065 | | 1506 | 0.010 |
| | 346 | 0.100 | | 1510 | 0.490 |
| | 347 | 0.065 | | 1511 | 0.100 |
| | 351 | 0.020 | | 1513 | 0.335 |
| | 353 | 0.190 | | 1514 | 0.220 |
| | 354 | 0.135 | | 1515 | 0.010 |
| | 355 | 0.010 | | 1524 | 0.080 |
| | 356 | 0.030 | | 1525 | 0.090 |
| | 357 | 0.010 | | 1526 | 0.120 |
| | 358 | 0.190 | | 1528 | 0.330 |
| | 359 | 0.055 | | 1529 | 0.350 |
| | 360 | 0.210 | | 1533 | 0.210 |
| | 363 | 0.160 | | 1623 | 0.010 |
| Badodi | 244 | 0.090 | | 1624 | 0.470 |
| | 253 | 0.050 | | 1626 | 0.055 |
| | 254 | 0.240 | Mohana | 1436 | 0.170 |
| | 256 | 0.100 | | 1437 | 0.020 |
| | 257 | 0.150 | | 1439 | 0.200 |
| | 258 | 0.065 | | 1441 | 0.050 |
| | 259 | 0.010 | | 1442/1 | 0.130 |
| | 262 | 0.150 | | 1443 | 0.300 |
| | 486 | 0.200 | | 1444 | 0.300 |
| | 488 | 0.110 | | 1445 | 0.050 |
| | 489 | 0.120 | | 1446 | 0.090 |
| | 490/3 | 0.250 | | 1560/2 | 0.160 |
| | 494/1 } | 0.120 | | 1561 | 0.210 |
| | 494/3 } | | | 1562 | 0.140 |
| | 496 | 0.060 | | 1565 | 0.270 |
| | 500/1 | 0.060 | | 1568 | 0.030 |
| | 500/2 | 0.260 | | 1569/1 } | 0.430 |
| | 502/1 } | 0.080 | | 1569/2 } | |
| | 502/2 } | | | 1570 | 0.020 |
| | 503 | 0.010 | | 1573 | 0.170 |
| | 504 | 0.400 | | 1576 | 0.030 |
| | 505 | 0.050 | | 1578 | 0.100 |
| | 507 | 0.020 | | 1579 | 0.250 |
| | 516/1 } | 0.060 | | 1584 | 0.440 |
| | 516/2 } | | | 1585 | 0.060 |
| | 526 | 0.100 | | 1587 | 0.160 |
| | 527 | 0.020 | | | |
| | 528 | 0.880 | | 1589/2 | 0.230 |
| | 536 | 0.010 | | 1591 | 0.210 |
| | 537 | 0.010 | | | |
| | 539 | 0.370 | | 1603 | 0.100 |
| | 541 | 0.010 | | 1619 | 0.110 |
| | 542 | 0.020 | | | |
| | 543 | 0.010 | | | |
| | 544 | 0.190 | | | |
| | 546 | 0.010 | | | |

[No. R 31015/22/96-OR. II]

K. C. Katoch, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2357.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में एयर इंडिया के प्रबंधन के संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-11011/12/90-आईआर (मिस.) /
आईआर (सी-I) /
एल-11011/16/86 डी. II बी/आईआर
(सी-I)]

ब्रज मोहन, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O.2357.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Air India and their workman, which was received by the Central Government on the 21-8-97.

[No. L-11011/12/90-IR (Misc.)/IR(C-I)/
L-11011/16/86-D.IIB/IR(C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMILNADU MADRAS

Thursday, the 15th day of May 1997

Present :

THIRUS. THANGARAJ, B.Sc., L.L.B.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL

INDUSTRIAL DISPUTE NOS. 22/91 & 39/1991

(In the matter of the dispute for adjudication 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Air India, Madras).

BETWEEN

In I.D. 22/91
Shri I. Anthony Lawrence,
32, Venkatachalm Street,
Washermenpet, Madras-600 021.

AND

The Manager,
Air India (Southern Region)
19, Marshalls Road, Madras-600 003.

2246 GI/97-21

REFERENCE : Order No. L-11011/12/90-IR (Misc),
Ministry of Labour, dated 27-3-91,
Govt. of India, New Delhi.

In I.D. 39/91

The Regional Secretary,
Air Corporation Employees Union,
Air India Region, Madras

AND

1. The Managing Director,
Air India, Air India Building,
Nariman Point, Bombay 400 021.
2. The Manager, Southern Region,
Air India, 19, Marshalls Road,
Egmore, Madras-600 008.

REFERENCE : Order No. L-11011/16/86-D.II(B)/IR
(Misc), Ministry of Labour, dated
17-6-91, Govt. of India.

These disputes coming on for final hearing on Tuesday, the 22nd day of April 1997, upon perusing the Claim, Counter statements and all other material papers on record, and upon hearing the arguments of Tvl. V. Prakash & Sheela Devadoss, Advocates appearing for the petitioner-unions B. Krishnaveni, & B. Jeyakantham, Advocates appearing for the respondent-management, and these disputes having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

I.D. 22/91

Government of India, vide their Order No. L-11011/12/90-IR (Misc), Ministry of Labour, dated 27-3-91, have referred under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal for adjudication of the following issue ;

“Whether the action of the management of Air India, Southern Region, Madras in not regularising and terminating the services of 39 workmen (as per list attached) is justified ? If not, to what relief the workmen concerned are entitled to?”

I.D. 39/91

Government of India, vide their Order No. L-11011/16/86-D. II(B), IR (Misc), Ministry of Labour, dated 17-6-91, have referred under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal for adjudication of the following issue ;

“Whether the management of Air India in Southern Region Madras is justified in denying continuous employment to 114 casual workmen detailed in annexure enclosed and employing

casual workmen only for 110 days in a calendar year? If not, to what relief the concerned workers are entitled to?"

2. On service of notices, both parties appeared before this Tribunal and filed their claim and counter statement respectively.

3. The main averment found in the claim statement filed in both the disputes are as follows :

The 153 workmen concerned in these disputes are casuals employed in the flight handling unit at the Madras Air Port. They used to collect the baggage from the passengers at the check-in counter, weight the same, put the necessary destination tags send them on the conveyor belt and to load them in the containers/Pallets destination-wise. Apart from that they also work in the Cargo section from where cargo is booked to various destinations. The nature of work done by the petitioners is permanent and perennial. Originally the respondent engaged 107 casuals and when the Air India Casual Labour Union raised a dispute, during conciliation proceeding 83 workmen were regularised and made permanent. In respect of 21 workmen I.D. 15/84 has been raised and excepting 5 in Sl. Nos. 1, 6, 20, 21 and 22 who were terminated from service for various misconducts, others were made permanent w.e.f. 1-7-91. These petitioners were recruited in the year 1984 and were terminated in the year 1986, except the first respondent who was terminated in the year 1987. After terminating these petitioners the respondent engaged 60 casual workers in their place. Everyone of these petitioners have worked 110 days and on the expiry of 110 days they were sent out by engaging another batch for only for 110 days. Artificial break is a deliberate device adopted by the respondent to evade the protection offered by the Industrial Disputes Act, and Tamilnadu Industrial Establishment (Conferment of Permanent Status to Workmen) Act with a view to send out the petitioners before the completion of 240 days within a period 2 years so that they will not claim protection u/s. 25N and 25F of the I.D. Act. The management has adopted this device of engaging casuals for 110 days and thereafter terminating their service. Such artificial device and erosion is an unfair labour practice. Such termination is retrenchment within the meaning of Sec. 2(100) of the I. D. Act. The impugned termination is void ab-initio. When similarly situated other temporary workmen 83 in number have been made permanent, in all fairness these workmen should have been made permanent. The termination is an unfair labour practice and it is prohibited under Sec. 25T of the I. D. Act. Permanent workmen doing the same work were getting salary of Rs. 2,353 per month. Apart from that they were getting

overtime at the rate of 1.65 times more than normal wages, uniform, Provident Fund, Gratuity, Transportation, Group Insurance, Medical benefits, Night off, holiday overtime free passage etc. whereas these workmen were paid only Rs. 42 per day. 9 among these workmen are sons of the deceased employees of the respondent. They are eligible for employment on compassionate grounds also. Award may be passed for reinstatement, continuity of service, backwages and all other attendant benefits.

4. The main averments found in the counter filed by the in both the disputes are as follows :

The casual workmen can be absorbed in a phased manner according to the exigencies. The requirement of number of hands to carry out a particular job as per needs including the fluctuating nature of job is essentially a managerial function which is beyond the scope and purview of the I.D. Act. These workmen are casual employees engaged on day to day basis, depending upon the exigencies of work and requirements of various section of the Corporation. So, the prayer for reinstatement and give them permanent status is not tenable in law. They have been engaged on intermittent basis and none of them have worked continuously for a period of 240 days within consecutive period of 12 months. As the casual labourers are engaged to supplement the permanent workmen depending upon the exigencies which in the very nature, are variable, there is no justification to employ these casual labourers on long term basis. As Air India is a statutory corporation formed under the Air India Corporation Act, 1953 and appropriate authority is the Central Government, the Tamil Nadu, Industrial Establishment (Conferment of Permanent Status to Workmen) Act is not applicable to the respondent. As none of them have worked continuously for a period of 240 days the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 are not applicable to them. Against the award passed in I.D. 15/84 the respondent has filed a Writ Petition No. 10180/89 which is pending consideration. So, the award passed in I.D. 15/84 cannot be taken up as a basis for the reinstatement of these casuals. In the representation dated 3-2-87 petitioner numbers 1, 2, 4, 5, 7, 9, 12, 13, 24, 30, 34, 35, 35, 38, 36 and 39 were not parties. Hence adding the names of the persons whose names did not figure in the earlier conciliation proceedings will render the claim petition benefit of merits. The other 24 casuals who were parties to the earlier conciliation proceedings were not engaged after a particular date in 1987. The reference has been passed on 27-3-91 after a considerable lapse of time. The allegation that the management did not engage persons for work for more than 110 days at one spell is without substance. The alleged disparity in pay-

ment of wages of casuals is denied. Some of the casuals who are wards on near relatives of employees of Air India will not cloth them any right for regularisation. There are no merits in the claim petition and the same may be dismissed.

5. The additional averments found in the counter filed in I. D. 39/91 are as follows :

This reference has been made after the reference in I.D. 22/91 dated 27-3-91 involving 39 casuals. The service of the persons whose names are shown in Sl. Nos. 1, 2, 3, 5, 6, 9, to 14, 16, 19, 20, 95 to 105 have been regularised w.e.f. 1-7-91. The persons whose names are shown in Sl. Nos. 7, 8, 15 and 17 who were also petitioners in I.D. 15/84 against whom criminal cases are pending should not be included in the schedule to this reference. The persons whose names are shown in Sl. Nos. 4, 21, 79 and 94 were appointed w.e.f. 1-7-91, alongwith 16 petitioners concerned in I.D. 15/84. The names shown in Sl. Nos. 24, 27, 28, 36, 37, 42, 74 and 110 are already covered by the reference in I.D. 22/91. So the names of these persons should be deleted in the present reference. The actual number of casuals will be directly concerned under the terms of reference are Sl. Nos. 18, 22, 23, 25, 26, 29 to 35, 38, to 41, 43 to 73, 75 to 78, 80 to 93, 96 to 105, 107 to 109, and 111 to 114. In respect of these 82 casuals the particulars as to the number of days actually worked by each one of them during the 12 calendar months period immediately preceding the date of disengagement from service has not been given—None of these 82 casuals have ever worked 240 days continuously within a period of 12 months. The Petitioner-union has no locus standi to raise the dispute of these workmen. Award may be passed dismissing the claim of the petitioners.

6. On 1-10-96 the parties filed joint memo for having joint trial of these two Industrial disputes and the memo was allowed. Exs. W-1 to W-16 were marked on the side of the petitioner-union and WW1 and WW2 were examined on their side. The respondent-management have neither examined witness nor marked any documents on their side.

7. The only point for our consideration is : 1. "Whether the action of the management of Air India (Southern Region) Madras in not regularising and terminating the service of 39 workmen is justified. If not, to what relief the workmen are entitled".

2. "Whether the action of the management of Air India (Southern Region) Madras is justified in denying the continuous employment to 114 casual workmen and implementing them only for 110 days in a calendar year? If not to what relief the concerned workmen are entitled?"

8. The Points 1 & 2 : These two industrial disputes have been adjudicated jointly as requested by both parties as the main issue arising in this two industrial disputes are one and the same. However, there is a subtle difference in the reference made by the Government of India that in I.D. 22/91 the reference is for non-regularisation and terminating the services of 39 workmen whereas in I.D. 39/91, the importance is given to the denial of continuous employment of 114 casual workmen. Except this distinction, all other questions raised in these two disputes are one and the same. The contention of the management in both the industrial disputes are that the services of these casuals were engaged for loading and unloading luggages by the passengers and sent by cargo and as the quantum of work was not same on all the days and as there were fluctuations in the work load casuals were engaged as and when exigencies arose. Further, it was contended on the side of the management that they were not in a position to foresee the work load in any particular day well in advance and as and when required these workmen were engaged by the management. The contention of the management is very general in nature and they have not filed any documents or examined witness regarding the volume of work they had on certain days, so that there could have been some evidence to prove the fact that they engaged casuals as and when required. It is common knowledge that many flights come to Madras Air Port and passengers who board and alight from various destinations bring their own luggages. Apart from that as admitted by the respondent the services of these men were also utilised for loading and clearing cargo. As the nature of work was concerned no day will go without any work. If the respondent can able to show the number of men they have permanently employed and the average volume of work per day this permanent men could turn out and also additional number of hands required approximately on a day, one could appreciate the real problem and thereafter try to give solution to the said problem. The respondent management has not given any such particulars and neither they filed documents nor examined witnesses on their side to substantiate their contention. However, one thing is certain that they required casuals on almost all days in order to clear the luggages and cargo. It is common knowledge that on a particular day more number of casuals may be required as the work load was heavy and on some other day less number of casuals may be engaged when work load was not so heavy and some days when work load was normal the permanent men can themselves do the work. Such facts and figures regarding the handling and disposal of luggages and cargo was within the reach of the management and even then they have not filed any

document to substantiate their contention. WWI has clearly stated that everyday the work is heavy and the management is compelled to engage casuals. Such evidence has not been disproved by the management and therefore the evidence of WWI stands unchallenged. The general condition of the management that they used to engage casuals as and when required cannot be taken as answer for the evidence let in by WWI. When considering the evidence available on record, it is clear that the respondent is engaging casuals everyday for handling the luggages and cargo. When we arrive at such conclusion naturally we have to feel that the management has not recruited sufficient number of workmen to do the job and they only depend on cheap labour. Such an attitude on the part of the management of Air India, a statutory corporation fully owned by the Government of India, cannot be appreciated.

9. Apex Court in a similar case concerning P & T Departments has made some observation which are very apt to quote here. In *DAILY RATED CASUAL LABOUR EMPLOYED UNDER P & T DEPT. Vs. UNION OF INDIA* (Air 1987 SCC 2342) at page 2346, the Apex Court held :

"It is urged that the States cannot deny at least the minimum pay in the pay scales of regularly employed workmen even though the Government may not be compelled to extend all the benefits enjoyed by regularly recruited employees. We are of view that such denial amounts to exploitation of labour. The Government cannot take advantage of its dominant position and compel any worker to work even as a casual labour on starving wages. It may be that the casual labourer has agreed to work on such low wages. That he has done because he has no other choice. It is poverty that has driven him to that state. The Government should be a model employer. We are of the view that on the facts and in the circumstances of this case, the classification of employees into regularly recruited employees and casual employees for the purpose of paying less than the minimum pay payable to employees in the corresponding regular cadres particularly in lowest ranks of the department where the pay scale are the lowest is not tenable."

On the basis of the above decision it can be said that the respondent engaged casuals everyday with a view to avoid number of permanent workmen for whom they should pay higher salary and other benefits.

10. The respondent has submitted rulings of our Supreme Court. In *JACOB M. PUTTUPARAMBIL Vs. KERALA WATER AUTHORITY* Apex Court held at page 2238 and 2239;

"It is unfair and unreasonable to remove people who have been rendering service since some time as such removal has serious consequences. The family of the employee which has settled down and accommodated its need to the emoluments received by the bread winner will face economic ruination if the job is suddenly taken away. Besides the Previous Period of early life devoted in the service of the establishment will be wholly wasted and the incumbent may be rendered age barred for securing a job elsewhere. It is indeed unfair to use him generate hope and a feeling of security attune his family, to live within his earnings, and then suddenly to throw him out of job. Such behaviour would be an affront to the concept of job security and would run counter to the constitutional philosophy, particularly the concept of right to work in Art. 41 of the Constitution."

In *STATE OF HARYANA Vs. PIARA SINGH* (AIR 1992 SC 2130) at page 2139, Apex Court held:

"Ordinarily speaking, the creation and abolition of a post is the prerogative of the executive. It is executive against that lays down the conditions of service subject of course, to a law made by the appropriate legislature. This power to prescribe the conditions of service can be exercised either by making rules under the Provision to Art 309 of Constitution of (in the absence of such rules) by issuing rules/instructions in exercise of the executive power. The Court comes into the picture only to ensure observance of fundamental rights, statutory provisions, rules and other instructions, if any, governing the conditions of service. The main concern of the Court in such matters is to ensure the rule of law and to see that the executive acts fairly and gives a fair deal to its employees consistent with the requirement of Art. 14 and 16. It also means that the State should not exploit its employees nor should it seek to take advantage of the helplessness and misery of either the unemployed persons or the employees, as the case may be. As is often said, the State must be a model employer. It is for this reason, it is held that equal pay must be given for equal work, it is indeed one of the directive principles of the Constitution. It is for this very reason, it is held that a person should not be kept in a temporary or adhoc basis for long. Where a temporary or adhoc appointment is continued for long the Court presumes that there is need and warrant for a regular post and accordingly directs regularisation."

DELHI DEVELOPMENT HORTICULTURE EMPLOYEES' UNION Vs. DELHI ADMINISTRATION (AIR 1992 SC P 789) at page 796, Apex Court held;

"To get an employment under such scheme and to claim on the basis of the said employment the right to regularisation is to frustrate the scheme itself. No court can be a party to such exercise. It is wrong to approach the problems of those employed under such schemes with a view to providing them with full employment and guaranteeing equal pay for equal work. These concepts in the context of such schemes are both unwarranted and misplaced. The Courts can take judicial note of the fact that such employment is sought and given directly for various illegal considerations including money. The employment is given first for temporary periods with technical breaks to circumvent the relevant rules, and is continued for 200 or more days, with a view to give benefit of regularisation knowing the judicial trend that those who have completed 240 or more days are directed to be automatically regularised. A good deal of illegal employment market has developed resulting in a new source of corruption and frustration of those who are waiting at the Employment Exchanges for years. Not all those who gain such back door entries in the employment are in need of the particular jobs."

In AIR 1987 SC P 2342 and also in AIR 1992 SC 2130, the Apex Court held that engaging casuals while there is need for payment workmen and pay them daily wages which is very much less comparing to the payment made to regular employee and also without other benefits, is a exploitation of labour. The respondent which is a statutory corporation should not encourage such practice. Further this is also clear from the observations made by the Apex Court that keeping the employees as casuals for long, makes the Courts or the Tribunals to regularise their service. In AIR 1990 SC 2228, the Apex Court held that removing people those who have served for a reasonable time would lead to serious consequences and such behaviour would be an affront to the concept of job security. All these three ruling though submitted by the respondent-corporation are in favour of the petitioner-workman. In AIR 1992 SC P 789, workmen were employed under Jawaharlal Nehru Rozgar Yojna trying to have permanent employment on the ground that they had worked for 240 or more days. The Supreme Court depreciated such contention that it is not possible to give permanent employment to everyone of the employee those who have put in 240 days of continuous service in a year. Apart from the

fact that Jawahar Rozgar Yojna which had the available resources of Rs. 2600 crores and the same was sufficient to provide 3.10 million people alone and if they work for 273 days in a year on minimum wages. The scheme was meant for providing work for 80-90 days to 9.3 million people. In these circumstances, the Supreme Court held that there was no possibility of providing employment to all those who have worked for 240 days or more days within 12 consecutive months are automatically regularised good deal of illegal employment market will be resulting in a new source of corruption and frustration of those who are waiting in the employment exchange for years together. The facts and circumstances of the instant case and the case wherein such decision was rendered by the Supreme Court are different. In the instant case, though there was ample work in the respondent Air India, only a fixed number of permanent workmen were kept for the job and others were engaged on daily rate basis with a view to deny wages on par with the permanent employees and other benefits. Therefore, the observations made by Apex Court in the case reported in AIR 1992 SC 789 cannot be squarely applied to the instant case. From the other rulings, cited above it is clear that there is every justification for regularising the services of these workmen.

11. The 39 workmen concerned in I.D. 22/92, were engaged since 1984 till their termination in 1986. It is the contention of the management that these workmen have not served 240 days during 12 calendar months. However, these workmen have contended that they worked for 480 days within 24 calendar months. The respondents have denied the same. However, the respondent being the employer should have maintained some document to show the number of days worked by these workmen during the period two years they worked in the respondent corporation. The respondent has not filed any such document. WW1 has clearly stated that they were regularly engaged during these 24 months. One among the workmen Sl. No. 14 I. Antony Lawrence produced Ex. W-1 a letter sent by the Assistant Personnel Officer, to the Cargo Sales Manager on 3-5-85 saying that from 2-4-84 to 6-11-84, he worked 140 days. It is clear from Ex. W-1 that within the period of 7 months he has worked 142 days. If the same ratio is applied for 12 months definitely he would have put in more than 240 days within 12 months. The other persons concerned in the dispute were also employed along with Antony Lawrence. In the absence of contrary evidence on the side of the management it can be safely presumed that what is applicable to Antony Lawrence is equally applicable to the other workmen those who worked along with him. To show the number of days worked by the workmen the management must have some records and when they

have not produced such records, a legal presumption can be drawn u/s. 114G Evidence Act that if the said document is produced it would go against the management. Therefore, it has to be held that all the 39 workmen had worked more than 240 days during the period of 12 calendar months. Their termination will be a retrenchment which will fall under Sec. 2(90) of the I. D. Act. While terminating these workmen the respondent management has not followed the provisions Sec. 25F of the I.D. Act, 1947. WW1 has clearly stated that after retrenching them the management engaged some other casual labourers in their place and executed the work and the management has not offered the work to these workmen. Therefore, the management has not followed Sec. 25H of the I. D. Act, 1947. For all these reasons, termination of service of the 39 workmen which amounts to retrenchment cannot be said to be valid.

12. I. D. 39/91 has been raised to ventilate the grievance of 114 casual workmen employed by the respondent corporation. The main grievance of these workmen was that on completion of 110 days they were not permitted to work further even though the work was available for their continuous engagement. It was further added that with a view to deny the benefits if they work for 240 days, the management want only refused to engage them on completion of 110 days. To prove this act the workman had worked Ex. W-4. The management at the time of marking this document and given consent for marking the same as Ex. W-4. However, at the time of trial and argument it was pointed out that Ex. W-4 is not an authenticated document and the same cannot be relied upon. Ex W-4 is a letter written by Deputy Manager one Mr. P. D. Rodrigues to Air Port Manager and others regarding the employment of casual/temporary staff wherein it has been instructed to terminate the services of the casual or temporary workmen on completion of 110 days of work. Further it was also instructed that in no case any such worker is allowed to work more than 220 days within a period of 12 calendar months. Ex. W-4 and its contents have not been admitted by the management saying that it is not an authenticated document. However, at the time of marking those documents as early as 29-1-86, the management has given consent for marking the said document. If really the said document was not an authenticated document, the management would have objected marking this document on the side of the petitioner. When once content has been given for marking the said document, thereafter the management cannot object the authenticity of the document. If so, they should either examine the persons concerned that no such instruction was issued by the Deputy Manager, Air India, Madras. In such circumstances, the contention of the 'mana-

gement in questioning the authenticity of Ex. W-4 cannot be accepted. It is clear from Ex. W-4 that the authorities concerned have issued instructions to the concerned authorities not to employ any casual or temporary workmen more than 110 days or to employ no such person more than 220 days within a period of 12 calendar months. It is only on the basis of such instructions, the authorities had refused engagement to all these workmen. WW1 had clearly stated that the respondent had continuous work for the engagement of casual labourers and in their place some other persons were engaged. WW2 has clearly stated that he was working as casual cleaner and on the days when he was not engaged the management permitted some other persons in his place. He has further stated that on some artificial grounds continuous engagement was refused to them though there was continuous work. In such circumstances, and also from the reasons stated above, it is clear that the respondent management had continuous work and they did not allow these workmen to do the work continuously, with a view to deprive their rights in accordance with law.

13. It was argued on the side of the petitioner that the failure to engage these workmen continuously after 110 days of work amounts to unfair labour practice. Section 2 (ra) of I. D. Act, 1947 defined unfair labour practice as

“Unfair labour practice means all the practices specified in the V Schedule.”

Schedule V, 10 says;

“To employ workmen as “badlies” casuals or temporaries and to continue them as such for years with the object of depriving them of the status and privileges of permanent workmen.”

A mere reading of the above schedule would go to show that it is not applicable to the workmen whose case is quite different as they were prevented by not engaging them after 110 days of work though there was sufficient continuous work available with the respondent. The petitioners have raised this industrial dispute on a different ground. The refusal to work as alleged by them will not fall under the unfair labour practice as stated in Fifth Schedule 10 of the I. D. Act, 1947.

14. Though the refusal to engage these workmen after 110 days will not fall under unfair labour practice, in all other respects it was want only done by the respondent management depriving the petitioners from continuous engagement which would have paved the way for their regularisation, permanency and other connected benefits. Therefore, the non-engagement of these workmen though there was sufficient work available for engagement is unjustifiable.

15. It was contended by the respondent that Sl. Nos. 1. Andrew, 2. S. R. Argumugam, 3. K. Somy, 5. S. M. Basha, 6. J. Varadarajan, 9. A. Johnson, 10. P. Padmanabhan, 11. R. Jothi Parthasarathy, 12. S. Jayaraman, 13. V. Varadan, 14. R. Chandrasekaran, 16. P. Elangovan, 19. A. Paulraj 20. E. Mohan, 95. P. Maria Joseph, 105. Udayakumar, and 4. M. Santhanam, 21. S. Ravi, 79. S. Hussain and 94. Mohammed Fazallah were made permanent w.e.f. 1-7-91. This was not denied by the petitioner-union. So, all these workmen who were already made permanent cannot have any relief in this industrial dispute as they have already got the relief. Sl. Nos. 7. K. Abdul Wahid, 8. K. K. Venu-gopal, 15. N. Arunachalam, and 17. S. Sarangapani were concerned in I.D. 15/84 and as Criminal cases are pending against they should not be included in this reference. This was also not denied by the petitioner-union. As Criminal cases are pending against these four workmen, they cannot have any relief in this industrial dispute. If necessary, they can work out the remedy later, after the disposal of the criminal cases. When the said contention of the respondent has not been denied by the petitioner these four workmen are not entitled to any relief in this industrial dispute. Sl. Nos. 24. S. Parthiban 27. M. Muthukumar, 28. P. N. Unnikrishnan, 36. V. Soundarajan, 37. R. Kumar, 42. S. Nandakumar, 74. D. Chritopher, and 110. D. Albert are Sl. Nos. 13, 3, 4, 29, 19, 27, 26 and 1 in I.D. 22/91 respectively. These persons cannot have double relief. As they are entitled to get their relief in I.D. 22/91, no relief need be given to these persons in I.D. 39/91. Leaving these workmen, the remaining are Sl. Nos. 18, 22, 23, 25, 26, 29 to 35, 38 to 41, 43 to 73, 75 to 78, 80 to 93, 96 to 105, 107 to 109 and 111 to 114. These 82 workmen are entitled for the relief.

14. The petitioner-union has submitted a ruling in Workmen of M/s. William Magor & Co. Ltd., Vs. William Magor & Co. & ANR (1982 1 LLJ P 33) at page 37, the Supreme Court held:

"In other words although the Tribunal categorically held that the actions of the management were unjustified, it expressed its inability to give any relief to the workmen in the case. We do not think that the Tribunal should be so powerless. The industrial Tribunals intended to adjudicate industrial disputes between the management and workmen, settle them, and pass effective awards in such a way that industrial peace between the employers and employees may be maintained so that there can be more production to

benefit all concerned. For the above purpose the Industrial Tribunals as far as practicable should not be constrained by the formal rules of law and should inability to arrive at an effective award to meet justice in a particular dispute."

From the decision of our Supreme Court it is clear that the Tribunal can mould the relief to meet the ends of justice. In Dharwad Literate Daily Wages Employees Association & Ors. Vs. State of Karnataka (AIR 1990 SC P 883) at page 892, Apex Court held;

"We are alive to the position that the scheme which we have finalised is not the ideal one but as we have already stated, it is the obligation of the Court to individualise justice to suit a given situation in a set of facts that are placed before it."

From this ruling it is clear that the Courts have to mould the relief in such a way to individualise justice to suit the situation.

15. By bearing these principles in mind, we have to mould the relief to these workmen. In I.D. 22/91 the services of 38 workmen were terminated in 1986 and services of one person in the year 1987. The reference has been made in 1991. The services of the workmen concerned in I.D. 39/91 were also terminated almost during the same period and the reference was made on 17-6-91. AIR 1980 SC 883 and other rulings submitted by the management stated supra show that with a view to regularise the services of those workmen certain schemes have been evolved by the Hon'ble Supreme Court. The 39 workmen concerned in I.D. 22/91 and 82 workmen concerned in I.D. 39/91 are waiting for the opportunity to get employment with the respondent for the past many years. In between the respondent would have engaged many persons and regularised the service of some persons. Such particulars are not available and it is not absolutely necessary to have such particulars to decide the present disputes. Considering the engagement of other workmen in between who are not made as parties in these dispute and avoid any hardship to them, it is better to evolve a scheme to fit in these workmen in the list of regularised workmen. It will be justifiable regularise the services of the 39 workmen concerned in I.D. 22/91 and 82 among 114 workmen in I.D. 39/1991 viz.,

18. S. Santhanam,
22. V. Ponnusamy
23. D. Gopalakrishnan
25. G. Munusamy
26. N. Ambhazagan
29. P. Ayyappan
30. C. D. Viswanathan
31. K. Inbarasu

32. E. Ravichandrasekar
 33. G. Chandren
 34. R. Harikrishnan
 35. K. Deivamani
 38. S. Saminathan
 39. G. M. R. Khan
 40. S. V. Rajaram
 41. K. Sekar
 43. D. Felix
 44. G. Anandan
 45. V. Sanjeevikumar
 46. J. Nityanandan
 47. G. Arunachalam
 48. Mayilvahanam
 49. K. J. Nehru
 50. D. Irusan
 51. K. Ravindran Nair
 52. C. James Paul
 53. M. Mark
 54. A. Boeban
 55. M. Pasupathyrajan
 56. R. Viswanathan
 57. R. Munusamy
 58. Shanmugam
 59. D. Sundaram
 60. D. Rajasekaran
 61. M. V. Jamburaj
 62. M. Muthusamy
 63. C. Ravinchandran
 64. S. Pandian
 65. K. Saravanan
 66. G. David
 67. K. Elango
 68. A. Arumainathan
 69. A. Ramamurthy
 70. E. Ravichandran
 71. S. Shivakumar
 72. M. Somu
 73. M. Nagalingam
 75. S. Chandran
 76. P. Kuppusamy
 77. W. Thangaiiah
 78. K. Rajendran
 80. N. Janakiraman
 81. G. Vijayabhaskar
 82. D. Janakiraman
 83. M. Narayanan
 84. K. Amburaj
 85. Lakshminarayan
 86. T. Selvam
 87. R. M. Luthfulla
 88. S. Kethri
 89. V. Murthy
 90. R. Lakshmikantham
 91. K. Bhaskaran
 92. K. Raja
 93. B. Mani
 96. K. Thirajan

97. Salima Bec
 98. G. N. Suseela
 99. G. Rajan
 100. A. Fernandes
 101. P. Sadasivam
 102. S. Venkatesan
 103. S. S. M. Doss
 104. P. G. Fernandes
 105. Udayakumar
 107. Sahaya Mariadoss
 108. G. Vijayabhaskar
 109. B. Janakiraman
 111. V. A. Vincent
 112. Dhanalakshmi Etti
 113. G. Radhakrishnan
 114. R. Ravanan

from the date of this award with continuity of service, wages and benefits applicable to the regularised workmen.

In the result, award is passed holding that the services of the 39 workmen in I.D. 22/91 and 82 workmen stated supra in I.D. 39/91 should be regularised from the date of this award with continuity of service and backwages and other benefits.

No costs.

Dated, this the 15th day of May 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

In I.D. 22/91

For Workmen :

W. W. 1 : Thiru J. Antony Lawrence

W. W. 2 : Thiru T. S. Sadasivam (In I. D. 39/91 & 22/91)

For Management : None

DOCUMENTS MARKED

For Workmen :

Ex. W-1/3-5-85 : Letter from Asst. Personnel Manager to the Cargo Sales Manager (xerox copy)

W-2/1-8-85 : Letter from the Air Port Manager to Mr. Lawrence (xerox copy)

W-3/26-8-85 : Letter from Asst. Personnel Officer to Air Port Manager (xerox copy)

W-4/1-5-86 : Letter from Deputy Manager to Air Port Manager and others (xerox copy)

W-5/3-2-87 : 2-A Petition (xerox copy)

- W-6/17-2-87 : Counter filed by respondent
(xerox copy)
- W-7/29-9-87 : Conciliation Proceedings
(xerox copy)
- W-8/ : Duty roster for the period
from 12-10-87 to 11-12-87
(xerox copy)
- W-9/30-10-87 : Copy to Conciliation Proceedings
(xerox copy)
- W-10/ & W-11/
7-12-88 : Letter from petitioner to
Asst. Labour Commissioner
with copy of order in W. P.
10300/88 (xerox copy)
- W-12/9-2-89 : Letter from respondent to the
Assistant Labour Commissioner
(xerox copy)
- W-13/22-8-89 : Additional counter by the
Management (xerox copy)
- W-14/ 18-2-89 : Rejoinder by the petitioner
(xerox copy)
- W-15/10-5-89 : Copy of Award in I.D. 15/84
(xerox copy)
- W-16/2-2-90 : Letter from the petitioner
to the Assistant Labour
Commissioner (xerox copy)

Annexure ; Casual labourers employed at Madras
Airport and Booking Office

1. S. Andrew
2. S. R. Arumugam
3. K. Somu
4. M. Sandanam
5. S. M. Basha
6. J. Varadarajan
7. K. Abdul Wahid
8. K. K. Venugopal
9. A. Johnson
10. P. Padmanabhan
11. R. Jothi Parthasarathy
12. S. Jayaraman
13. V. Varadhan
14. R. Chandrasekaran
15. N. Arunachalam
16. P. Elangovan
17. S. Sarangapani
18. S. Santanam
19. A. Paulraj
20. E. Mohan
21. D. Gopalakrishnan
22. V. Ponnusamy
23. G. Munuswamy
24. S. Parthiban
25. M. Muthu kumar
26. N. Anbhazhagan
27. P. Ayyappan
28. P. N. Unnikrishnan
29. K. Inbarasu
30. C. D. Viswanathan
31. K. Inbarasu
32. E. Ravichandrasekar
33. G. Chandran
34. R. Harikrishnan
35. K. Deivamani
36. V. Soundarrajan
37. R. Kumar
38. S. Saminathan
39. G. M. R. Khan
40. S. V. Rajaraman
41. K. Sekar
42. S. Nandakumar
43. D. Felix
44. G. Anandan
45. V. Sanjeevikumar
46. J. Nityanandan
47. G. Arunachalam
48. Mayilvahanam
49. K. J. Nehru
50. D. Irysan
51. K. Ravindran Nair
52. C. James Paul
53. M. Mark
54. A. Ruban
55. M. Pasupathy Rajan
56. K. Viswanathan
57. R. Munusamy
58. Shanmugam
59. D. Sundaram
60. V. Rajasekaran
61. M. V. Genburaj
62. M. Muthusamy
63. C. Ravichandran
64. S. Pandian
65. K. S. Saravanan
66. G. David
67. K. Ilango
68. A. Arumainathan
69. A. Ramamoorthy
70. E. Ravinchandran
71. S. Sivakumar
72. M. Somu
73. M. Nagalingam
74. D. Christopher
75. S. Chandran
76. P. Kuppusamy
77. W. Thangaiah
78. K. Rajendran
79. S. Hussain
80. N. Janakiraman
81. G. Vijayabhaskar
82. D. Jankiraman
83. M. Narayanan
84. K. Amburaj

| | |
|-------------------------|--------------------------|
| 85. Lakshminarayan | 100. T. Sadasivam |
| 86. T. Selvam | 102. S. Venkatesan |
| 87. R.M. Luthfulla | 103. S.S.N. Dass |
| 88. S. Ketheri | 104. P.G. Fernandes |
| 89. V. Murthy | 105. Udayakumar |
| 90. R. Lakshmikanthan | 106. K.R. Chandrasekaran |
| 91. K. Bhaskaran | 107. Sagaya Mariadoss |
| 92. B. Raja | 108. G. Vijayabhaskar |
| 93. B. Mari | 109. D. Jayakiraman |
| 94. Mohanmmed Fazullala | 110. D. Albert |
| 95. F. Mariajoseph | 111. V.A. Vincent |
| 96. K. Thirajan | 112. Dhanalakshmi Etti |
| 97. Saleema Bec | 113. G. Radhakrishnan |
| 98. G.N. Suseela | 114. R. Ravanam |
| 99. G. Rajan | |

| S.No. | Name | I Joining | Period of working | I Break | II Joining | Period of working | II Break | III Joining | Period of work |
|-------|--------------------|-----------|-------------------|----------|------------|-------------------|----------|-------------|----------------|
| 1. | D. Albert | 1.4.84 | to 1.4.84 | 11.4.84 | 6.5.85 | to 11.9.86 | 11.9.86 | 15.12.86 | to 30.6. |
| 2. | Thirunavukarasu | 2.3.84 | to 31.12.84 | 31.12.84 | 26.8.85 | to 30.7.86 | 30.7.86 | | |
| 3. | Muthukumar | 3.3.84 | to 4.11.84 | 4.11.84 | 29.8.85 | to 20.8.86 | 20.8.86 | | |
| 4. | Munnikrishnan | 30.3.84 | to 26.4.84 | 26.4.84 | 13.9.85 | to 30.12.86 | 30.12.86 | | |
| 5. | A. Michael | 31.3.84 | to 6.11.84 | 6.11.84 | 4.3.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 6. | P. Chinnapenicalai | 1.4.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 5.6.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 7. | M. Raghunath | 1.4.84 | to 23.11.84 | 23.11.84 | 12.6.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 8. | K. Palani | 3.4.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 9.8.85 | to 28.7.85 | 28.7.86 | | |
| 9. | V. Palaniswamy | 3.4.84 | to 4.7.84 | 4.7.84 | 6.2.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 10. | V. Sundramurthy | 3.4.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 20.8.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 11. | J. Teery Bai | 3.4.84 | to 6.11.84 | 6.11.84 | 10.6.85 | to 1.6.86 | 1.4.86 | | |
| 12. | M. Narasimhalu | 3.4.84 | to 2.11.84 | 2.11.84 | 1.12.85 | to 1.6.86 | 1.6.86 | | |
| 13. | S. Parthiban | 3.4.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 25.5.85 | to 13.12.86 | 13.12.86 | | |
| 14. | I.A. Lawrence | 3.4.84 | to 31.10.84 | 31.10.84 | 6.5.88 | to 2.7.86 | 2.7.86 | | |
| 15. | N. Rajarao | 3.4.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 9.6.85 | to 25.1.86 | 25.1.86 | | |
| 16. | R. Yuvaraj | 3.4.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 9.6.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 17. | R.S. Henry | 3.4.84 | to 14.10.84 | 14.10.84 | 15.5.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 18. | K. Krishnan | 3.4.84 | to 4.7.84 | 4.7.84 | 21.11.84 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 19. | R. Kumar | 3.4.84 | to 5.11.84 | 5.11.84 | 15.9.85 | to 1.10.86 | 1.10.86 | | |
| 20. | N. Samdass | 3.4.84 | to 4.7.84 | 4.7.84 | 2.2.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 21. | D. Edward | 10.4.84 | to 5.7.84 | 5.7.84 | 30.4.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 22. | N. Moses | 25.4.84 | to 5.7.84 | 5.7.84 | 2.2.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 23. | K.K. Rajan | 15.5.84 | to 4.7.84 | 4.7.84 | 5.2.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 24. | S. Prabhakaran | 13.4.84 | to 20.8.84 | 20.8.84 | 4.7.84 | to 1.4.86 | 1.4.86 | | |
| 25. | S. Mohan | 18.6.84 | to 23.11.84 | 23.11.84 | 8.6.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 26. | D. Christopher | 23.6.84 | to 5.11.84 | 5.11.84 | 12.8.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 27. | S. Nandakumar | 23.6.84 | to 12.11.84 | 12.11.84 | 31.12.85 | to 16.12.86 | 15.12.86 | | |
| 28. | T. Mohan | 23.6.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 1.6.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 29. | V. Soundarrajan | 23.6.84 | to 11.11.84 | 11.11.84 | 2.1.85 | to 10.11.86 | 10.11.86 | | |
| 30. | M. Ravaniah | 26.6.84 | to 10.11.84 | 10.11.84 | 4.3.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 31. | Nagipogu Babu | 26.6.84 | to 10.11.84 | 10.11.84 | 4.8.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 32. | Rasim | 28.6.84 | | | | | 22.1.86 | | |
| 33. | P. Penchaliah | 29.6.84 | to 10.11.84 | 10.11.84 | 2.2.85 | to 22.1.86 | 22.1.86 | | |
| 34. | S. Loganathan | 6.7.84 | to 28.6.85 | 28.6.85 | 16.11.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 35. | R. Sundaravadanam | 7.7.84 | to 28.6.85 | 28.6.85 | 9.10.85 | to 28.7.86 | 28.7.86 | | |
| 36. | Balasubramani | 3.4.84 | to | | | | | | |
| 37. | M. Muthu | 3.4.84 | to 12.1.85 | 12.1.85 | 20.4.85 | to 8.1.86 | 8.1.86 | | |
| 38. | B.K. Anandan | 26.6.84 | to | | | | | | |
| 39. | R. Velu | 3.4.84 | to 30.10.84 | 30.10.84 | 7.5.85 | to 2.7.86 | 2.7.86 | | |

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2358.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एयर इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-11012/23/90-आई. आर. (मि.)/
आई. आर. (सी.-I)]
ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2358.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Air India and their workmen, which was received by the Central Government on the 21/8/97.

[No. L-11012/23/90-IR(Misc.)/IR(C-I)]
BRAJ-MOHAN, DESK OFFICER

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL
TAMIL NADU

MADRAS

Thursday, the 25th day of May, 1997

Present:

THIRU S. THANGARAJ, B.Sc., L.L.B.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 20 of 1991

[In the matter of the dispute for adjudication under Section 10 (1) (d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Air India, Madras].

Between

Mrs. E. M. E. Edwards,
C/o Mr. M. Fernandes,
24/1, Jayalakshimpuram,
Nungambakkam,
Madras-34.

AND

The Manager (Southern India)
Air India, 19 Marshalls Road,
Madras-600 008.

REFERENCE : Order No. L-11012/23/90-IR
(Misc.), Ministry of Labour
dated 27-3-91, Govt. of India,
New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday, the 22nd day of April 1997 upon perusing the Claim, counter and all other material papers on record, upon hearing the arguments of Tvl. K. Chandru and D. Bharathy, Advocates appearing for the petitioner and of Thiru S. Balathandapani, Advocate appearing for the respondent-management, and this dispute having stood over till this day, this Tribunal made the following :

AWARD

Government of India, vide their Order No. L-11012/23/90-IR (Misc.) Ministry of Labour dated 27-3-91, have referred under sec. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of Air India, Southern Region, in terminating the services of Ms. E.M.E. Edwards, Typist-cum-Clerk w.e.f. 19-9-86 is justified? If not to what relief(s) the workman is entitled ?

2. On service of notices, both the petitioner and respondent appeared before this Tribunal and filed their claim and counter statement respectively.

3. The main averments found in the claim statement filed by the petitioner are as follows :

The petitioner joined duty in the respondent Air India, Bombay office on 18-5-70 and her services were confirmed w.e.f. 1-12-70. On her request she was transferred to Madras by an order dated 22-3-77 and she joined as Typist-cum-Clerk as the post of Stenographer was not available. The Officials at Madras Office gave pinpricks to the petitioner and she filed a case against the respondent under the Payment of Wages Act. As a counter blast, the officials made adverse entries in her annual confidential roll. As her seniority was not properly fixed by the respondent, she filed a case in the City Civil Court, Madras regarding her promotion and she was forced to withdraw the case. In view of the working conditions at Madras being unbearable the petitioner's health got spoiled and she was forced to take leave including Medical leave. Her leave was sup-

ported by certificates given by registered Medical Practitioner and on production of fitness certificate, she was allowed to join duty. Her leave was sanctioned by the authorities. On 7.8.86 the Finance Controller issued a show cause notice asking her to explain as to why her services should not be terminated. The gravamen of the charge was that she had availed number of days leave on health ground. On 26.8.86, she gave a detailed explanation. The Director (Finance) vide his order dated 19.9.86 terminated the services of the petitioner on the ground that she was continuously having ill health. Alongwith the order one month pay was offered and she had received the same without prejudice to her legal rights. She preferred an appeal to the Chairman, Managing Director, and however no order was passed on the appeal. She had also sent petitions to the concerned authorities. The order of termination purported to have been issued under the service regulation is void-ab. initio. The respondent's establishment is covered by the provisions of the Industrial Establishment (Standing Orders Act) 1946, and in the absence of any certified Standing Order, the Model Standing Order will apply. There is no provision in the Model Standing Order to terminate the services of an employee on the ground of continued ill health. No enquiry was conducted before passing the order of termination. On every occasion she had submitted medical certificates and therefore submitted fitness certificate at the time of joining and she was allowed to report for work. Therefore, it will be impossible to come to any conclusion that the petitioner was having continued ill health. The petitioner was not examined by the Medical Board before passing the order of termination on the ground of continuous ill health. The order of termination is opposed to Sec. 25 F of the I.D. Act, and she was not paid any compensation. When there was no material to prove continuous ill health, the termination will clearly fall under Sec. 2(oo) of the I.D. Act and the mandatory provisions of Sec. 25F have not been followed. The respondent had not followed the regulation 14 of the Air India Employees Service Regulations before termination. There is no positive evidence that on account of continuous ill health, she was permanently precluded from discharging her duties as Clerk-cum-Typist. She had put in more than 16 years of services and her services were terminated abruptly. Award may be passed for reinstatement, continuity of service, backwages and all other attendant benefits.

4. The main averments found in the counter filed by the respondent are as follows :

She was transferred to Madras office at her request on voluntary basis. There was no pin prick from the officials and on the contrary she was given light work because of her bad health. Due to her frequent absence on account of her continuous ill health the said work also suffered. Adverse entries were not made in her Annual confidential roll as alleged by her. She could not be considered for promotion because of her irregular attendance. The case filed by her in City Civil Court, Madras was dismissed. Between 4-4-77 to 7-8-86 her attendance record has been very poor and irregular. Between April 1977 to May 1978 she had attended duty only 52 1/2 days, April 1978 to May 1979 she had attended only 90 days, Between April 1979 to May 1980 she had attended only 74 days. From April 1980 to May 1981 she had attended only 125 days. Between April 1981 to May 1982 she had attended 06 days. Between April 1982 to May 1983 she had attended 15 days. Between April 1983 to May 1984 she had attended 98 days, April 1984 to May 1985 she had attended 107 days. Between April 1985 and 18-9-86, the date of her termination she had not attended duty at all. The petitioner had been shown very great consideration she had been treated with almost sympathy inspite of the fact that the work suffered much in her hands. In her letter dated 26-8-86 she had admitted that she was suffering from prolonged illness and stated that Air India should arrange for her medical treatment. Considering the above facts, that there was no dispute over the petitioner's very poor attendance and the respondent had no other go except to terminate her service on 19-9-86 and the order of termination was served on her accompanied by a cheque for Rs. 2,003.04 in lieu of month's notice. As the termination order was on the ground of continued ill health Sec. 2(oo) of the I.D. Act, 1947 will not apply. The petitioner during the period of service from 11-4-77 to 19-8-86 she had availed maternity leave five times, and for some deliveries more than 90 days due to her bad state of health. The continued absence of the petitioner had caused much inconvenience and disruption of work as every time alternative arrangement had to be made to carry out the work allotted to the petitioner. Regulation 44 and 42 of the Air India Employees Service Regulations are not applicable as the services of the petitioner was not terminated

on the ground of misconduct. The Model standing Orders came into force in 1990 and at the time of termination of the petitioner's service, Air India Employees' Services Regulations were only applicable. As the termination was effected on the ground of continuous ill health, the question of payment of Wages u/s. 25F of the I.D. Act, does not arise and as the termination is not a retrenchment as defined under the said Act, Regulation 24(3) of the Air India Employees' Service Regulations says that it is not merely sufficient when an employee produced medical certificate from any medical practitioner as the question of granting sick leave arise only if such a medical certificate is accepted by Corporation Medical Officer/Competent Authority. There has been no arbitrary action on the part of the management. The petitioner has come forward to raise the Industrial dispute after a lapse of 3 years. The petitioner did not rise the industrial dispute within a reasonable period. Between May, 1978 to September 1986 as her attendance was bad the respondent was not able to entertain any confidence in the petitioner. The action of the respondent is justified and the dispute is totally is misconceived and bereft of merits. Award may be passed dismissing the industrial dispute.

5. One witness was examined on the side of the petitioner and no documents were exhibited. One witness was examined on the side of the respondent/management and Exs. M.1 to M.8/series were marked.

6. The Point for our consideration is : Whether the action of the management of Air India, Southern Region, Madras in terminating the services Mr. E.M.E. Edwards, Typist-cum-Clerk w.e.f. 19-9-86 is justified. If not to what relief(s) the workman is entitled ?

7. The Point : The petitioner Mrs. E.M.E. Edwards joined as a Steno in the Commercial Department of the Bombay office of the respondent Air India on 18-5-70 and her services were confirmed w.e.f. 1-12-70. The petitioner requested for a transfer to Madras and she was transferred to the Madras Office as typist-cum-Clerk as there was no Vacancy of stenographer in her Madras Office as per Order dt. 22-3-87 marked as Ex. M.1. The petitioner tried to say that the officials in the Madras office gave her pin pricks and that her promotion was withheld and that she filed case under the payment of Wages Act and also another case in the City Civil Court Madras. Such allegations are not relevant to decide the subject matter of the dispute. The main contention of the management is that the petitioner has been applying for medical leave in number of occasions and her

attendance was so poor that the management was unable to cope up with the work by making alternative arrangement in her place. The fact remains that during the period between 11-4-77 and 19-8-86 she had availed maternity leave five times. The petitioner explained it by saying that apart from Maternity leave availed by her she had to apply for medical leave. In her evidence as WWI, she had stated that she had Rheumatic arthritis, and asthma and other complaints. According to the petitioner it is only due to her failing health she had to apply for leave frequently. The respondent has contended that due to the frequent absence of the petitioner, work suffered and the administration felt difficulties in making alternative arrangements, in her place and it was only the frequent and long absence of the petitioner, paved the way for her termination. The petitioner has challenged the order of termination as void ab initio, and the said order has been passed in accordance with the Model Standing Orders and also Air India Employees Service Regulations to find out whether the said order was a termination simpliciter or punitive in nature, the respondent has submitted a catena of decisions of our Apex Court in AIR INDIA CORPORATION Vs. A. RIBELLO (AIR 1972 SC P 1343), at page 1349 and 1350 the Supreme Court held :

"The true legal position has been stated by this Court more than once and is now beyond controversy. In one of the most recent decision in the Workmen of Sudder Office Cinnamara Vs. The Management [1971 2 Lab. LJ 620 (SC)] this Court approvingly referred to two of its earlier decisions actually reproducing a passage from one of them. This is what was said in Sudder Office case,

It is needless to point out that it has been held by this Court in the Chartered Bank, Bombay, Vs. Chartered Bank Employees Union [1960 2 Lab. LJ 222 (AIR) 1960 SC 919] that if the termination of service is a colourable exercise of the power vested in the management or as a result of victimisation or unfair labour practice the Industrial Tribunal would have jurisdiction to intervene and set aside such termination. In order to find out whether the order of termination is one of the termination simpliciter under the provisions of the Contract or of Standing Orders, the Tribunal has ample jurisdiction to go into all the circumstances which led to the termination simpliciter. The form of the order of termination is not conclusive of the true nature of the order for it is possible

that the form may be merely camouflage for an order of dismissal for misconduct. It is therefore open to the Tribunal to go behind the form of the ordered look at the substance. If the Tribunal comes to the conclusion that though in form the order amounts to termination simpliciter but in reality cloaks a dismissal for misconduct, it will be open to set aside the order of a colourable exercise of power by the management."

The WORKMEN OF SUDDER OFFICE Vs. MANAGEMENT OF SUDDER OFFICE (1971 11 LLJ P 620) at 627, has been followed in the above decision. In GUJARAT MINERAL DEV. CORPN. Vs. P.A. BRAHMBATT (1974) 3 SCC 601, at page 608, Apex Court held :

"It is true normally an employer may terminate the services under the terms of contract or the Standing Orders duly justified but where an industrial dispute is raised the form of the order is not conclusive and the Tribunal to which the dispute is referred can examine the question whether the discharge was punitive, mala fide, vindictive, or arbitrary. If it comes to any of these conclusions it could direct reinstatement of the employee. But even in such cases, the Tribunal should not direct reinstatement if it comes to the conclusion that the employer has lost his confidence in the employee, where the reposing of such confidence is a necessary concomitant of his services. In other words, the order of discharge simpliciter is not conclusive and when an Industrial dispute is raised, the Tribunal adjudicating such disputes can examine the substance of the matter and determine whether the termination is in fact discharge simpliciter or dismissal, though the order is one of simple termination of service. If it is satisfied that the order is punitive or mala fide or is made to victimise the workmen or amounts to unfair labour practice, it is competent to set it aside. The test is whether the act of the employer is bona fide or not."

In L. MICHAEL Vs. M/s. JOHNSON PUMPS LTD., (AIR 1975 SC P 661) at page 666 Apex Court held :

"The Tribunal has the power and indeed the duty to X-ray the order and discover its true nature if the object and effect if the attendant circumstances and ulterior purpose to be dismiss the employee because he is an evil to be eliminated. But if the management to cover up the inability to establish by an enquiry, illegitimately by

ingeniously passes an innocent looking order of termination simpliciter, such action is bad and is liable to be set aside. Loss of confidence is no new armour for the management, otherwise security of tenure ensured by the new industrial jurisprudence and authenticated by catena of cases of this Court, can be averted by this new formula. Loss of confidence in the law will be consequence of the loss of confidence doctrine.

In the light of what we have indicated, it is clear that loss of confidence is often a subjective feeling or individual reaction to an objective set of facts and motivations. The Court is concerned to the letter and not with the former, although circumstances may exist which justify a genuine exercise power of simple termination. In a reasonable case of confidential or responsible post being misused or sensitive or strategic position being abused it may be a big risk to keep the employee once suspicion has started and a disciplinary enquiry cannot be forced on the Master. There a termination simpliciter may be bona fide not colourable and loss of confidence may be eventidary of good faith of the employer.

From the above decisions of our Apex Court, it is clear that it is open to the Tribunal to go behind the form of the order and look at the substance whether the order amounts to termination simpliciter or cloaks a dismissal for misconduct. The Tribunal can also examine the question whether the discharge was punitive, mala fide, vindictive arbitrary or victimisation. The respondent in his counter has stated that the attendance of the petitioner has been very poor and she had attended only 567 days between 4-4-77 and 7-8-86. They have given the period and the number of days. In Ex.M.5 the petitioner has stated that

| | |
|---|-----|
| April 1977 to March 1978 | 52½ |
| April 1978 to March 1979 | 90 |
| April 1979 to March 1980 | 84 |
| April 1980 to March 1981 | 125 |
| April 1981 to March 1982 | 06 |
| April 1982 to March 1983 | 15 |
| April 1983 to March 1984 | 98 |
| April 1984 to March 1985 | 107 |
| April 1985 to Sept. 1986 | Nil |
| (upto date of termination of her services.) | |

However in order to substantiate the attendance of the petitioner, the management has marked Ex.M.7/series & M.8/series, the xerox copies of the original attendance register signed by the petitioner. The petitioner has not submitted any document to show that she had attended duty between April 1981 to November 1984 as stated by her in Ex.M.5.

In her evidence also the petitioner did not give any explanation regarding the actual days which she had attended duty during the said period. Therefore, the contention of the petitioner regarding her attendance from April 1981 to November 1984 shown in Ex.M.5 cannot be accepted. On the contrary, the management has filed Ex. M-7/series and M.8/series to prove her attendance. As the management has filed xerox copies of the attendance register the same can be accepted.

The petitioner has stated that she fell ill frequently during this period and therefore she applied for leave. To substantiate the same, she has filed a medical report and other connected documents alongwith Ex.M.5 as annexure 'A' & 'B'. The petitioner has not denied her health condition. On the contrary it was her contention that the absence was neither wilful nor wanton but due to health reasons, she had to apply for medical leave frequently. Further during the said period she had applied for maternity leave on five occasions and she had stated particulars regarding the five deliveries in her evidence as WW1. It was the contention of the management that apart from the 90 days medical leave for which she was eligible she had extended leave further on health grounds. The petitioner has not denied the same. The statement of the respondent in the counter that from 4-4-77 to March 1985 she has attended 567 days has been proved. From April 1985 to 19-9-86 the date of dismissal she has not attended duty. It is clear from the period and the number of days attended by her as stated in para 7 of the counter filed by the respondent. In her evidence she has admitted that the first child was born on 9-11-76. Thereafter she had four deliveries during this period. Even if the maternity leave availed by her i.e. $4 \times 90 = 360$ days are deducted her attendance during that period cannot be said to be satisfactory and on the contrary it was poor as alleged by the management. The respondent management has contended that it was only due to the frequent absence of the petitioner they had to terminate her service. Though the petitioner has stated that the officials in Madras had given her in pricks that she had to file a case under payment of Wages Act and another case regarding her promotion, in City Civil Court, Madras. She had not given sufficient particulars in order to substantiate those allegations and to further say that it was due to bias the respondent-management has terminated her services. It is not the pleading of the petitioner in the claim statement that the officials were biased against her and that was the main reason for the termination. Except the allegation that the officials had given her pinpricks she had not stated any substantial reason to infer bias, mala fide or victimisation. It is not her case also. Though she had stated that the order of termination was vindictive

and arbitrary, she has not shown any valid reasons to hold that the order was vindictive or arbitrary. In such circumstances, the order amounts to termination simpliciter and not in reality cloaks a dismissal for misconduct. In fact the management has not taken any disciplinary action against her. From the overall evidence available on record, it can be said that the order was termination simpliciter.

It was contended on the side of the petitioner that when there was no material to prove continuous ill health, the order will fall under Sec. 2(oo) of the I.D. Act, and for not following the provisions of Sec. 25F of illness of the petitioner has been proved. In fact the petitioner herself has admitted the various illness which she suffered during that period. In *New India Assurance Co. Ltd., Vs. Dalbir Singh Khara* (1982 I LLJ P 39) at page 42, Madhya Pradesh High Court held:

"It was contended by the learned counsel for the respondent that the order amounted to retrenchment and as retrenchment was done without following the requirements of Section 25F of the Act, it was invalid and void and could be ignored. Now, the circumstances of this case would show that the respondent's services were not terminated on the ground that he was surplus. The termination was, therefore, a punishment inflicted by way of disciplinary action, although without holding an enquiry, and did not fall within the definition of retrenchment. Apart from that, on the respondent's showing the continued to be unwell and was unable to resume duty from 5th February 1975, till the order of termination was passed. It will also therefore, be a case of termination of the service on the ground of continued ill-health of the workman and will be outside the definition of retrenchment continued in Section, 2(oo) of the I.D. Act."

From that decision since the order of termination has been passed for the frequent absence of the petitioner from duty on account of her illness will not be retrenchment under section 2(oo) of I.D. Act. Therefore, the provisions of Sec. 25F of the I.D. Act, 1947 is not applicable to the instant case.

Before passing the order of termination the management has issued Ex.M.3 dated 7-8-86 intimating the proposed termination of her service w.e.f. 1-9-86, asking her to show cause within 7 days of the receipt of the letter. She had received it on 20-8-86 at 12.00 noon and the endorsement is found in Ex. M.3 itself. From the counter it is clear that she had given the explanation dated 26-8-86 wherein she had admitted that she was suffering from pro-

longed illness and Air India should arrange for her medical treatment. The management has contended that even the explanation given by her would reveal that she had prolonged illness and due to that she had absented from duty frequently. Thereafter the management passed the order Ex.M.4 which says:

"After taking all the factors into consideration it no more remains disputed that you have since 1981 had a very poor attendance record and that since April 1985 till date you have not attended to your office duties at all, due to your prolonged and continuous ill health. Accordingly, your services are being termination with immediate effect."

The reason for the termination was shown as poor attendance record. Though Management has stated prolonged and continuous ill-health in Ex.M.4, the termination was not purely made on the ground of illness, alone, whereas the said order has been passed for poor attendance due to her prolonged and continuous illness. A person having prolonged and continuous illness cannot attend to duties and employer would anticipate the poor attendance of the person in future also by taking into consideration of the past absence. Due to the said obvious reason, the management has passed the order of termination from service which is marked as Ex.M.4. So, it was termination simpliciter and nothing more.

It was argued on the side of the petitioner that every time when the petitioner produced fitness certificate, the management by accepting the same, permitted the petitioner to rejoin duty and once the management has admitted the same, it cannot contend that due to petitioner's ill health they had to terminate her services. The petitioner has also cited a ruling of our High Court in *MANI HIGHER SECONDARY SCHOOL Vs. THE JOINT DIRECTORS (SECONDARY) SCHOOL EDUCATION, MADRAS (1989 1 LLJ P 34)* at page 38 it was held:

"In the instant case, except to take into accounts that the third respondent had suffered illness during long periods for three Academic years, the management had not collected any material to hold that the teacher was unfit to discharge his duties, when the order of termination was passed. Whenever he rejoined, he gave a fitness certificate. Here again a decision in *Motor Industries Co. Ltd. Vs. B.N. Keshava* 58 FJR 20 is relied upon to contend that when medical certificates are filed and leave obtained, that cannot form the grounds to treat that the absence was illegal or that his attendance was irregular warranting termination. In any event, when the decision had been arrived at by petitioner without obtaining a medical opinion about the unfitness of third respondent to continue in service, his absence

during the preceding three years for which leave had been sanctioned tantamount to unfitness on medical grounds, when on every occasion he had reported to duty with a fitness certificate."

On the basis of this decision, it was further argued that on the side on the petitioner that the management has not sent the petitioner for medical examination in order to find out her fitness to continue in duty and so the termination on the ground of ill health is unsustainable. The reason assigned by the petitioner that when the management has accepted the fitness certificates, and permitted the petitioner to rejoin duty cannot validly terminate the services of the petitioner on health ground cannot be said to be valid reasons. Every time when the petitioner has applied for medical leave and rejoined duty with fitness certificate, the management has accepted certificate for the period for which she was absent. The permission granted to the petitioner to rejoin duty is not on the ground that she will not enter into medical leave once again. When the management had seen her prolonged illness for over a period 9 years finally they came to the conclusion that there was no use in extending her service any further and this opinion was formed by the management due to her past frequent absence. Therefore, the permission granted by the management to rejoin duty on production of fitness certificate cannot be taken as a valid that the management has ratified the entire absence and therefore should not proceed against the petitioner on the ground of her illness. We have already seen the various decisions of the Supreme Court that if it is a well reasoned order for termination simpliciter and not in reality cloaks dismissal for misconduct, the same can be accepted. We have seen the facts of the case and have come to the conclusion that the order passed by the management is one of termination simpliciter. In such circumstances it has to be held that the decision cited above is not applicable to the instant case. Further frequent long absence and ill health of the petitioner have to be taken conjunctively and not disjunctively, in the instant case. It is only because of the long absence due to ill health for nine long Number of years the management had no other go except to terminate the services of the petitioner that if permitted to continue further, she would continue her frequent absence. While looking at the interest of the individual worker, the Tribunal should also consider the poor plight of the management in getting such employee who will be absenting/himself/herself frequently thereby causing inconvenience to run the administration. The petitioner herein was a technically qualified person as a typist and her work cannot be done easily by others. In such circumstances, the management by considering her past conduct had come to

a decision that they cannot cope up with the work by allowing the petitioner to continue in any post. Such a decision of the management cannot be termed as arbitrary. Therefore, sending the petitioner for medical examination again was not necessary in the instant case as her past attendance stood as a proof for her future attendance also. The above decision has been rendered on different set of facts the same is not applicable to the instant case.

The petitioner has drawn my attention to a decision of our High Court in *Anglo French Mills, Pondicherry Vs. Goulam Cader* (1966 II LLJ p 700) wherein it was held that by not issuing a notice as contemplated under Art. 47(c) of the Labour Code, the management has denied the protection given therein and therefore the order was vitiated. Before terminating her service, the management has issued notice Ex.M.3 which was received by the petitioner on 20-8-86 and thereafter she had given a reply. After considering the reply, the management has passed termination order Ex.M.4. So, in the instant case, the management has taken sufficient care to issue notice to the petitioner informing her of the management's decision to terminate her services before passing the said order. Further, the decision was based on a particular Act under French Labour Code applicable to the then administration in the State of Pondicherry and the same is not applicable to the instant case.

The petitioner has drawn my attention to a ruling of our Apex Court in *Air India Vs. Union of India* (1996 II LLJ p 399) wherein the Apex Court held that Air Corporation (Transfer on Undertaking and Repeal) Act, 1994 came into force on 29-1-94 and by reason of Sec. 11, these of the Air Corporation Act, 1953 stands repealed from that day. It was further argued on the side of the petitioner that as the Air Corporation (Transfer of Undertaking and Repeal) Act, 1994 was valid and as such the order passed by the Management under the previous Act which was repealed is not a valid. However, when action was taken against the petitioner Air India Employees Service Regulations 1963 was in vogue. So, as the provisions of the said regulations, regulations, action has been initiated against the petitioner. It is not stated that the Air Corporation Transfer of Undertaking and Repeal) Act, 1994 retrospective effect. Therefore though the previous Act was repealed, the new Act, has no retrospective application, the argument of the petitioner cannot be accepted.

It was argued on the side of the petitioner that there is no pleading for loss of confidence by the respondent and so the argument of the respondent that due to loss

of confidence they had to terminate the services of the petitioner cannot be accepted. However, in para 20 of the counter statement it is clearly stated,

"It is submitted that there had been no arbitrary action on the part of the respondent since a considerable period from March 1978 to September 1986 had been given to the petitioner which showed no change of encouraging attendance on the part of the petitioner. Under such a condition the respondent was not able to entertain any confidence in the petitioner"

We have already cited the decision of our Supreme Court reported in AIR 1975 SC 661 at page 666. It is the past absenteeism of the petitioner stood as the reason for the termination in the instant case. By looking at the past absenteeism the management had lost confidence in the petitioner and thereafter they had passed the order of termination. So, the reason of loss of confidence assigned by the management in the counter is well substantiated.

The order of termination was passed on 19.9.86. The reference has been made by Government of India on 27.3.91. However, in the counter the management has stated that after the order of dismissal on 19.9.86 she has raised the I.D. in June 1989. Such a long delay on the part of the petitioner in raising the I.D. will go against her case. In *CENTRAL BANK OF INDIA VS. SATYAM* (1996 II LLJ P. 820), Apex Court held that long lapse of long period of several years prior to the filing of the petition is sufficient to decline any relief to the workman. In the instant case, the petitioner has come forward with the industrial dispute after the lapse of nearly 3 years and the delay is also material.

The petitioner has drawn my attention to *D.K. YADAV Vs. JMA INDUSTRIES LTD.*, (1993 II LLJ p 696) at page & 702, Apex Court held ;

"It is well settled that the right to life enshrined in Art. 21 of the Constitution would include the right to livelihood. The order of termination visits with civil consequence of jeopardising not only the worker's livelihood but also the career and livelihood of the dependants. Therefore before taking any action of put-

ting an end to the tenure of an employee fairplay requires that a reasonable opportunity to put forth his case is given and domestic enquiry conducted complying with the principles of natural justice.”

In the instant case no charge was framed against the workman and there was no domestic enquiry also. So, the question of giving reasonable opportunity to put forth the case of the petitioner complying with the principles of natural justice in the domestic enquiry does not arise. It is a case of termination simpliciter.

From the foregoing reasons, it has to be held that the action of the management of Air India Southern Region, Madras in terminating the services of Ms.E.T.E. Edwards w.e.f. 1986 is justified and she is not entitled to any relief.

In the result award passed dismissing the claim of the petitioner. No costs.

Dated, this the 21st day of May 1997.

S. THANGRAJ,
INDUSTRIAL TRIBUNAL

WITNESSES EXAMINED

For Petitioner/Workman :

W.W. 1 : Mrs. E.M.E. Edwards.

For Management : MW 1 : Th. R. Parthasarthy.
DOCUMENTS MARKED

For Workmen Nil

FOR Management :

Ex.M.1/22.3.77 : Copy of letter from Finance & Accounts Dept., Santa Cruz

M-2/4.4.77 : Letter for, Management to the petitioner (xerox copy)

M-3/7.8.84 : Letter from Finance & Accounts Dept. of respondent (xerox copy) Santa Cruz.

M-4/19.9.86 : Letter from Air India to Petitioner (xerox copy)

M-5/28.8.86 : Reply from petitioner with enclosures (xerox copies)

M-6/ Extract of Respondent's service regulations (xerox copy)

M-7/ : Copy of attendance register (xerox copy)

M-8/series : Leave cards (xerox copy)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.अ. 2359—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सौ. ए. सी. सी. एल. के प्रबंधन के संबंध नियोक्तों और उनके कर्मचारों के बीच, अनबंध में, निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2), धनबाद, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-24012/87/86-डी 4बी/आईआर (सी-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2359.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. BCCL and their workman, which was received by the Central on the 21-8-1997.

[No. L-24012/87/86-D. IVB/IR(C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT
DHANBAD

PRESENT :

Shri T. Prasad, Presiding Officer
In the matter of an Industrial Dispute under Section
10(1)(d) of the I.D. Act, 1947
Reference No. 40 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Bhulanbararee Colliery, Bhowra Area No.
XI of M/s. B.C.C. Ltd. and their work-
men.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None.

On behalf of the employers : None.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 8th August, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012/87/86-D. IV(B), dated, the 31st December, 1986.

SCHEDULE

"Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh for employment of Shri Balkaran Gope, dependant son of late Ram Jatan Gope, Mason who died while in service under the provision of Clause 9.4.2 of NCWA-III is justified? If so, to what relief the concerned workman entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 20-1-87 and soon after the receipt of the same notices were served upon the parties. But none of the parties turned up nor took any steps. Thereafter several adjournments were granted and again notices were issued to them. But inspite of the issuance of the notices to them they neither appeared nor took any steps. It therefore leads me to an inference that there is no dispute existing between the parties presently. In the circumstances, I have no other alternative but to pass a 'No dispute' Award in this reference.

T. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2360--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. सी.सी.एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में, निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-24012/93/86/डी-4 (बी)/आईआरसी-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2360.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. C.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 2-8-1997.

[No. L-24012/93/86-D. IV(B)|IR(C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT
DHANBAD

PRESENT :

Shri T. Prasad, Presiding Officer.

In the matter of an Industrial Dispute under Section

10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 54 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Dhori (K) Colliery of M/s. C.C. Ltd. and
their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : None.

On behalf of the employers : None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 8th August, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(93)|86-D. IV(B), dated, the 12th January, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Dhori (K) Colliery of C.C. Ltd., P.O. Dhori, Distt. Giridih in dismissing Shri Raja Ram Sharma is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 31-1-87. Thereafter notices were issued to the parties for filing their W.S. documents etc. But none of the parties appeared nor took any steps. Again notices were issued to them but inspite of the issuance of notices to them they neither turned up nor took any steps. It therefore leads me to an inference that there is no dispute existing between the parties presently and in the circumstances I have no other alternative but to pass a 'No dispute' Award in this reference.

T. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2361--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में. बी.सी.सी. एल. के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में, निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2), धनबाद, के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-24012/117/86-डी 4(बी)/आईआर (सी-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2361.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. B.C.C.L. and their workman, which was received by the Central Government on 21-8-97.

[No. L-24012|117|86-D.IV(B)|IR(C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer
ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, AT
DHANBAD

PRESENT :

Shri T. Prasad, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under
Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947
Reference No. 69 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Bokaro Colliery of M/s. C.C. Ltd. and
Their Workmen

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—None.

On behalf of the employers—Shri R. S.
Murthy, Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 8th August, 1997

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(117)|86-D.IV(B), dated 20-1-1987.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bokaro Colliery of M/s. C.C. Ltd. P.O. Sunday Bazar, Bermo, Distt. Giridih in denying appointment to Shri Sudha Gore son of Shri Nathu Gore under clause 10.4.3 of NCWA-II when his father Shri Nathu Gore, Coal Cutta had been declared medically disabled by the Chief Medical Officer of CCL, Ranchi, is legal and justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?”

2. This order of reference was received on 10-2-87 and notices were issued to the parties for filing their W.S. documents etc., Shri R. S. Murthy, Advocate made his appearance for the management but nobody appeared for the union/workmen. Thereafter several adjournments were granted and notices were again issued to the union/workmen. But in spite of the issuance of the notices the workmen/union did not appear. It therefore leads me to an inference that presently there is no dispute existing between the parties. In the circumstances, I have no other alternative but to pass a ‘No dispute’ Award in the reference.

T. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2362--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सै. सैदुल कोलफील्ड्स लि. के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, प्रबंध में, निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-24012/8/87-डी 4 बी/आईआर (सी-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O.2362.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Central Coalfields Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 26-8-97.

[No. L-24012|8|87-D.IV(B)|IR(C-I)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, DHANBAD
CAMP AT RANCHI

PRESENT :

Shri T. Prasad, Presiding Officer

In the matter of an Industrial Dispute under
Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No. 235 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Bokaro Colliery of M/s. Central Coal-
fields Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—None.

On behalf of the employers—None.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dated, the 14th August, 1997

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(8)/87-D-IV(B), dated the 3rd August, 1997.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Bokaro Colliery of M/s. Central Coalfields Ltd. P.O. Sunday Bazar, Bermo, Distt. Giridih in denying employment to Sri Pradeshi son of Smt. Pilabai, Coal Loader under para 9.4.3 of NGWA-III is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. The order of reference was received in this Tribunal on 31-10-87 and notices were duly served upon the parties for filing W.S. documents etc. But none of the parties appeared nor took any steps. Thereafter several adjournments were granted and notices were issued again. In spite of the issuance of notices to them none of the parties turned up. It leads me to an inference that there is no dispute presently existing between the parties. In the circumstances I have no other alternative but to pass a ‘No dispute’ Award in this reference.

T. PRASAD, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2363--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार में एयर इंडिया लिमिटेड के प्रबंधन के संबंध में निदेशित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) मुंबई, के पंचाद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-20030/15/95-आई आर (सी-1)]

ब्रज गोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2363.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Mumbai as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in rela-

tion to the management of M/s. Air India Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 26-8-97.

BRAJ MOHAN, Desk Officer

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, MUMBAI

PRESENT :

Shri S. B. Panse, Presiding Officer.

REFERENCE NO. CGIT-2/17 of 1996

Employers in relation to the management of Air India Ltd.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employer : Mrs. Abhay Kulkarni & Mrs. Pooja Kulkarni Advocates.

For the Workmen : Ms. Kunda N. Samant Advocate.

Mumbai, dated 7th August, 1997

AWARD—PART-I

The Government of India, Ministry of Labour, by its order No. L-20030(15)/95-IR (Coal-I), dated 28-11-96, had referred to the following Industrial Dispute for adjudication.

“Whether the action of the management of Air India in dismissing Mr. Mahesh G. Lalla, Ex-Assistant Flight Pursuer w.c.f. 30-12-1991 is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. Air India is the employer in this reference, (hereinafter it will be referred to as the management). Mahesh Lalla, Assistant Flight Pursuer is the worker in the matter (herein after he will be referred to as the worker).

3. On 17th December, 1989, the worker alongwith other two colleagues left Delhi for Rome. On 20-12-89 they operated shuttle Rome/FARA Rome. The crew members and other employees of Air India are accommodated in the hotel Holiday Inn at Rome. Most of them are on the first floor.

4. On 21-12-89 in the morning Joaquims Vinod and Ms. Gail and the worker joined for a tea. They went for a shopping at a place called Termini. Their Ms. Gail met Deepika and Babina Sethi. They had some conversation. Thereafter all the four returned back to the Hotel.

5. In the evening Vinod, Gail and the workman came in room No. 210 occupied by Joaquim. When they were having the tea Deepika and Sabina came there. Sabina was introduced to all of them. She is the complainant. They had a talk regarding shopping and their service. Thereafter Sabina asked their plan in the evening. Gail informed her that they were having few drinks and probably go out dancing over which Sabina showed her willingness to join them both.

6. The workman Vaz, Gail, Vinod and Sabina were in the room of Joaquim in the night of 21-12-89. They had Vodka. There was a music in the room. At some time excluding the workmen and Sabina the remaining four were in the gallery. They had some conversation and abruptly they left the room.

7. It is the case of the workman that in the room Sabina was behaving unlike a lady, she had ulterior intentions in her mind which the workman refused to fulfil. She felt aggrieved. She also vomitted in the toilet. The workman helped her. The atmosphere was disgusting for the workman. He asked Sabina to leave the room.

8. The workmen contended that on the next date that is on 22-12-89, Deepika called Gail and informed that Sabina told her that the workman behaved disorderly with her. It was shocking to him. Then all of them tried to contact Sabina, but they could not meet her as she locked herself in a bath room. They could not talk to each other on the tea table due to the atmosphere created by Sabina. The workman had a lunch thereafter and awaited for a call. After receiving the call he got dressed and went down in the lobby where he met other two members. He greeted Limbowalla his flight supervisor and he acknowledged. He went to the Airport took the flight back to Delhi. On the flight he was on upper deck and had full load of passengers. He reached Delhi and after lay over in Delhi took flight back to Bombay.

9. The workman pleaded that he received a memo from the management dated 27-12-89/18-1-90 containing several allegations made by Sabina Sethi against him pertaining to the incident dated 21-12-89. In fact the memo was a skeleton and a copy of the complaint of Sabina was not sent along with it. On 30-1-90 he replied the memo and requested for the supply of a copy of the complaint of Sabina whereby he will be in a position to give a detailed reply. He asserted that in January the authorities made inquiry with him in camera.

10. On 18-4-90 there was a delegation from Mahila Mukti Morcha to Director Human Resource Development, S. R. Gupta who assured that an action will be taken and immediately on the next date 19/24-4-90 he was served with a charge sheet. On 30-4-90 the worker gave a reply to the charge-sheet and denied the charges. He also contended that he should be given a copy of the complaint to give a detailed reply to the charge-sheet and for personal hearing. He requested for the committee and the authorities to allow him to be represented through advocate but his request was turned down.

11. The workman pleaded that the inquiry which was conducted against him was against the Principles of Natural Justice for several reasons which he narrated in paragraph-6 and 7 of the Statement of Claim (Exhibit-3). To avoid repetition I do not discuss it here in detail. Sum and substance of the contention is that he was not allowed to be represented through advocate, copies of the documents were not given to him, the inquiry committee sought clarification from the witness under the pretext of filling up the lacunae in the case of the management, Sabina tampered the evidence, the charge-sheet was converted from Regulations to Standing Orders, that the report of the inquiry committee was not given to him calling his comments on it before the disciplinary authority came to the conclusion of dismissal. On these facts it is tried to plead that the inquiry which was held against him is against the Principles of Natural Justice.

12. The workman also pleaded that the findings of the inquiry officer are perverse and not based on the evidence before him. He therefore prayed that he may be reinstated in service with full back wages and continuity, along with other reliefs.

13. The management resisted the claim by the written statement Exhibit-5. It is averred that the inquiry which was conducted against him the workman was as per the Principles of Natural Justice and the claim which is made out by the workman is unjust. It is submitted that Sabina immediately after the incident complained to the flight supervisor Limbowalla on 22-12-89. It was her oral report. She informed him that the workman molested her and also attempted to rape her. Limbowalla is in flight supervisor of the worker and one Rajput in flight supervisor of Sabina. On 23-12-89 on ferry flight from Frankfurt to back Rome, Rajput also received a brief written complaint regarding the aforesaid incident to put in the flight report. Accordingly the report was included in the supervisors report. It was handed over to Satish Verma, Manager in flight services after reaching to Bombay. Verma had already received the copy of the complaint from Sabina. By a letter dated 26-12-89 addressed to the Dy. Manager I.F.S.D., Air India, Bombay Sabina also filed a detailed complaint with the management.

14. The management pleaded that the permission to appoint an advocate to the worker was rightly rejected and he was allowed to be represented through an employee who is well

versed in domestic inquiry and he was not put in difficulty. It is submitted that the copy of the complaint of Sabina was given before the inquiry was started and if really the workman wanted to give a further explanation he should have given it. It is submitted that Sabina did not tamper the evidence of the inquiry proceedings. The charge sheet was converted under the Model Standing Orders because of the Delhi High Court Judgment. It is averred that no prejudice was caused to the workman due to such alteration. It proceeds to state that the report of the inquiry committee was handed over to the workman at proper time to give his remarks over it. It is denied that a prejudice was caused to him. It is averred that the findings of the inquiry committee are based on the evidence before it. For all these reasons it is submitted that the workman is not entitled to any reliefs as claimed. I have framed issues at Exhibit-12. Issues Nos. 1 and 2 are tried as preliminary issues. The issues and my findings thereon are as follows :

| Issues | Findings |
|---|----------|
| 1. Whether the domestic inquiry which was held against the workman was against the Principles of Natural Justice? | Yes. |
| 2. Whether the findings of the inquiry officer are perverse and not based on the evidence before him? | Yes. |

REASONS

15. The workers received a memo dated 27-12-89/18-1-90, from manager administrative cabin crew (Ex-8/pg. 166). It refers to a complaint from Air Hostess Ms. Sethi that is Sabina. It is further stated that it contains certain incidents that took place during the lay over at Rome, on 21-12-89. The worker was called upon to give his explanation immediately. The worker replied to it by his letter dated 31-1-90 (Ex-8/167). He denied all the allegations and requested for a copy of the complaint alleged to be given by Sabina. The worker (Ex-9) affirmed that Mr. Pratap, Industrial Regulations Manager, held inquiry in camera with him and was fully satisfied with the explanation given by him in respect of the alleged incident. It is pertinent to see that thereafter the matter was kept in Ice box. On 18-4-90 there was a delegation before the Director Human Resource Development Mr. S. R. Gupta. This news came into newspapers also. He assured to those women organisation that some action will be taken in the matter and ultimately a charge-sheet dated 19/24-4-90 (Ex-8/135) was issued to him. After perusal of this charge-sheet it reveals that whatever complaint made by Sabina is reproduced in it. After receipt of the same the worker by his letter dated 30-4-90 (Ex-8/pg. 142) submitted that he be given a copy of the complaint of Sabina, copies of in flight supervisors report and copies of statements of witnesses if any recorded and relied upon by the department. It is not disputed that he was given only copies of the in flight supervisors report and no copy of the complaint of Sethi. He denied all the charges levelled in the said charge-sheet. Ms. Sawant, the Learned Advocate for the workman argued that it has caused prejudice to the worker. Really speaking in the said charge there is a reproduction of the complaint of Sabina, but the management chose not to give its copy to the worker. Ultimately they gave it to him before the inquiry started. Now it is to be seen whether any prejudice was caused to him by not supplying the copy. After perusal of the complaint of Sabina and after reading the charge-sheet I find that no prejudice was caused to worker. But this speaks of attitude of the management. It is always seen that when a charge sheet is issued the workman is provided with all the documents which are against him and on which the management wants to rely.

16. Admittedly there was a delegation before the D.H.R.D. on 18-4-90 and then a charge sheet was issued on the very next date. It is not the case of the management at any time that they were investigating the matter and therefore a charge-sheet was not given till 19-4-90. Therefore it was rightly argued on behalf of the workman that probabilities speaks that due to compulsion the charge-sheet was issued. But, it has to be seen even when the charge-sheet was issued whether

it vitiated the established rules or the order. The answer to it is, no.

17. The worker affirmed that when the inquiry was started on 5-6-90 he filed a letter and requested for permission to allow, Mahesh Jethmalani, advocate to cross-examine Sabina Sethi which was not acceded to under the shield of service regulations even though charges were serious in nature. After perusal of the charge-sheet it reveals that a charge against the workman was:

- (i) Acts subversive of discipline and good behaviour.
- (ii) Disorderly and indecent behaviour with a co-worker.
- (iii) Conduct not conducive to the best interest, credit and prestige of the Corporation.

Later on the said charge-sheet was converted into Model standing order. That charge is dated 5th/9th October, 1990. It reads:

The misconduct with which you are charged falling under Regulations 42(i), 42(xi) and 32 falls within Clause 14(3)(h) of the Model Standing Orders which reads as follows:

- (1) "Disorderly behaviour and act subversive of discipline."

Sabina complained to the Senior Inspector of Police, Sahara Airport on 13-1-90 (Ex-8/pg. 156). On the basis of the complaint Crime No. 83 of 1990 was registered under sections 376 read with 511, 354, 120(b) LPC. The worker alongwith Gajil, D'Souza Vaz and Vinod Purohit are shown to be accused. Sabina complained that on 21-12-1989 in Room No. 210 at Holiday Inn, Rome, at about 9.00 p.m. the worker in conspiracy with the three crew members tried to rape her, molested her. The same charges are levelled against him in a domestic inquiry excluding the other three accused. Looking to those charges it cannot be said that they are not serious. It can be further seen that they are complex in nature. It is because of the different variations. The incident had taken place at Rome. It was in a period of lay over.

18. The management formed a committee of S. M. Thuri Convenor, Mr. N. Prakash (member) and Ms. S. S. Thakur (member). The worker affirmed that Thuri, convenor is a legally trained man and he had conducted many departmental inquiries. Nobody enter in a witness box on behalf of the management to deny this position. As against that the worker was represented by Brian Hitchman, it is not in dispute that Hitchman had appeared for the other employees of the management in a departmental inquiry. That does not mean that he can be equalled with the legally trained person. It is common knowledge that a shrewd employee in a group always represented the other employees in difficulties. He does acquire knowledge in such proceedings. But, calculation of knowledge cannot be equalled with legally trained man like Dhuri. I am not inclined to accept that the legal I.Q. of Thuri and that of Hitchman is one and the same and they on equal footing.

19. The Learned advocate for the management argued that it is well settled law that when the rules do not permit for an appointment of an advocate the permission need not be granted. He further argued that in the case of Municipal Corporation of Greater Bombay Vs. Madan Shankar Pendse 1994 L.A.B. IC 544. Their Lordships observed that case against delinquent not complicated-refusal does not amount to denial of reasonable opportunity. Ms. Samant. The Learned Advocate for the worker submitted that in the case of Board of Trustees of the Port of Bombay Vs. Dilip Kumar Nadkarni AIR 1984 SC 109. Their Lordship observed that wherein the inquiry before the domestic Tribunal the delinquent officer is treated against a legally trained mind if he seeks permission to appear through a legal practitioner the refusal of

granting this request would amount to denial of reasonable request to defend himself and the essential Principles of Natural Justice would be violated. The principle laid down in this authority is aptly applicable to the present set of facts.

20. The Learned Advocate for the management tried to submit that looking to the different questions put to the witness in the cross-examination and different replies on the record clearly suggests that the workman had consulted an advocate. In fact in the cross-examination the workman admit that he consulted an advocate, in the domestic inquiry. It can be seen that the consultation of advocate is a quiet different thing than taking active help of an advocate in the inquiry. There are several moments in an inquiry at the spur of a moment a legally trained mind acts in a particular way which is required to be done but on the other hand the other man who is not such a trained not act accordingly. Here in this case when the committee was putting so many questions to the witnesses there does not appear to be objection on behalf of the workman or his representative which in the normal course the advocate would have taken. Further more looking to the charges levelled against him the need of an advocate in this matter is justifiable.

21. Again in Ghatge Patil Transport Pvt. Ltd. and B. K. Etale & Ors. 1984 II LLJ 121 Their Lordships observed that apart from the provisions of law it is one of the Principles of Natural Justice that the inquiry should be fair and impartial even if there is no provision under the standing order or any law wherein the inquiry before the domestic tribunal the delinquent is pitead against a legally trained mind, if he seeks permission to appear through a legal practitioner the refusal to grant this request would amount to denial of reasonable request to defend himself and the essential Principles of Natural Justice would be violated. The ratio in this authority also helps the worker.

22. In the case of N. Balasubramanian Vs. Can Bank Financial Services Ltd. FIR 1996(74) 2947 Their Lordships observed that when a person is facing a criminal trial and also domestic inquiry on the same charges would likelihood of punishment of dismissal, in circumstances, he is entitled to legal assistance. Here in this case I have already observed above that the workman was faced with practically the same charges in a domestic inquiry and in a criminal trial. The charge against him was attempt to commit rule which is a very serious charge. The same type of charge is repeated in the domestic inquiry. In view of the ratio given in the above said authority he is entitled to be represented through a legal practitioner. I therefore find that the action of the management of refusal of permission to the worker to be represented through an advocate is against the Principles of Natural Justice and because of this action he could not participate in the inquiry properly which caused material injustice to him.

23. The workman asked for personal hearing as was suggested in the charge-sheet. But admitted no personal hearing was given to him. It is tried to

argue on behalf of the management that even though a personal hearing would have been given it would not be sufficient to drop an inquiry against him. Because after going through the reply to the said charge the management thought it fit not to give any personal hearing and to proceed with the domestic inquiry. Looking to the charges which were levelled against the workman I also appreciate the argument which is adduced on behalf of the management because that personal hearing would have been an empty formality. Looking to the charges levelled by Sabina against the workman and the criminal prosecution launched by her against him the management could not have stopped the inquiry. I therefore find that not given a personal hearing to the worker had not at all caused a prejudice to him.

24. The workman affirmed that he was not informed regarding procedure in a domestic inquiry. He also affirmed that the witnesses were first examined, then he was examined in defence. That has caused a prejudice. I do not find any merit in it. It must have been done as per the convenience of the workman and his witnesses. It is argued on behalf of the workman that Sabina was allowed to alter her testimony before the domestic inquiry. Her statement is from page 187 to 192 of Exhibit-8. It can be seen that in her own hand writing in the column she had written and on the top of it, it is signed by the parties to that inquiry. I do not find that this is an insertion after the proceeding was over. No injustice is caused to the workman because of it. Further more the defence witnesses also had done such addition in own writing in her deposition. That has also not created any irregularity in the inquiry.

25. It is tried to argue on behalf of the workman that initially a chargesheet was issued under Regulation 14.2. (1), 14.2. (9) and (32) to the worker. Most of the inquiry was completed and thereafter another charge-sheet substituting the earlier one was issued under Rule 14(3)(b) of the Model Standing order. It can be seen that the wordings in both the charges are practically the same. It is not that that he was not given any opportunity to give his say on it, because his final submissions were made after the substitution of charge under Model Standing order. It is the case of the management that they have to substitute that charge under the Model Standing order in place of regulations because of the Judgment of the Delhi High Court. I do not find that any illegality was committed by the management. What is required is to give an opportunity to the parties who are facing the charges. Here the opportunity was given. It is not that the workers request for calling his witnesses again for further cross examination under the substituted charge was disallowed. The management has to make such a change to meet the existing law. It is not at all caused any injustice to the worker.

26. The statement of management witnesses are at pages 8—80 of Exhibit-8. It is not in dispute that no presenting officer was appointed in the said domestic inquiry. The management witness narrated the case. Then there is a cross examination by

the workman or his representative. Then if the committee finds it necessary ask the questions to the witness by way of clarification. After perusal of these statement of witnesses it can be seen that the clarification which is sought by the committee from the management witnesses goes into pages. Normally very few questions are put by way of clarification. It is rightly argued on behalf of workman that the clarification sought from the witness was nothing but to fill up the lacunae in the case of the management. Naturally that effected the enquiry and it is against the Principles of Natural Justice. The workers right was affected by putting such questions by the inquiry committee to the witnesses.

27. On 2nd April, 1991, Deputy Director in-flight services Mr. Sampat send a letter to the workman by which he was informed that the inquiry committee came to the conclusion that the charges which were framed against him under the standing orders were proved. They also send an inquiry report alongwith the said letter. In paragraph-3 of that letter it is mentioned that in view of the gravity of the serious misconduct committed by the workman and taking into consideration the past record and the length of the service it is proposed to dismiss him from the service of the Corporation. He was asked to show cause in writing within seven days why the afore-said punishment of dismissal from service of the Corporation should not be awarded to him. In terms of clause-14(5) of the Model Standing Orders. It is very clearly from this letter that, that authority came to the conclusion that a punishment of dismissal is to be awarded to the worker and he was called upon to give his say in the matter. The authority had not send an inquiry report to the worker calling his comments on it before arriving at a particular conclusion that is against the Principles of law and against the Principles of Natural Justice. In Managing Director F.C.I.L. Hyderabad Vs. D. Kammarkar 1994 LAB IC 762 Their Lordships have observed that when an inquiry officer is not the disciplinary authority the delinquent employee has a right to receive the copy of inquiry officers report before the disciplinary authority arrives at its conclusions with regard to the guilt or innocence of the employee, with regard to the charges levelled against him. The right is a part of the employee right to defend himself against the charges levelled against him. The denial of the inquiry officers report before the disciplinary authority takes its decision on the charges is a denial of a reasonable opportunity to the employees to prove his innocence and is a breach of the Principles of Natural Justice. Relying on the ratio given in the said authority I find that there is a breach of the Principles of Natural Justice and the worker is seriously affected by the same.

28. The Learned Advocate for the management placed reliance on Laxmi Narayan Gupta Vs. Dy. Managing Director S. B. I. 1994 I CLR 630 T. K. Shrivastav Vs. Allahabad Bank 1995 70 FILLR 380 and A. Mohuddin Vs. State Bank of Hyderabad 1994 LAB IC 1480. All these cases relate to giving of inquiry report to the delinquent and its effect. It

is tried to submit on the basis of these authorities that the Tribunal has to see that "Whether non-supply of the report at the proper time will set aside the order passed by the disciplinary authority." Their Lordships in the case of E. C. I. L. has considered all these points. On the basis of the observations which I have referred to above in that case it is to be said that non-supply of the inquiry report and calling his submissions thereon and without considering the same before coming to a particular conclusion it affects the Principles of Natural Justice. The worker here in this case suffers from it.

39. It is tried to argue on behalf of the workman that the appellate authority passed an order of dismissal by which he lost an opportunity. It is rightly argued on behalf of the management that in the corporation there are many more appellate authorities and the worker could have taken advantage of the position and could have appealed from the order of dismissal. I find substance in it.

40. It is not in dispute that the management filed an approval application u/s. 33(2)(b) for getting approval of dismissal as the reference was pending in the CGIT-1. The workman is concerned workman in the said reference. He gave consent for such an approval reserving his rights. It is rightly submitted on behalf of the worker that by giving such a consent it is not caused any prejudice to his rights. It is well settled law that the approval granted in an application under section 33(2)(b) of the Act does not affect to the merits of an Industrial Dispute raised by the concerned workman. It can be further seen that in that application itself while giving consent the rights were reserved. I, therefore, find that there is no merit in the contention of the management that the consent given by the worker in that application affect the merits in this case. For all reasons stated above I find that the domestic inquiry which was held against the workman was against the Principles of Natural Justice. After coming to this conclusion the management has to be given an opportunity to substantiate its action. They also prayed to that effect. I am allowing that prayer.

41. Now it is to be seen whether the findings of the inquiry committee are perverse. It can be seen that I have come to the conclusion that the workman was not properly represented and there was no proper cross-examination. Under such circumstances the evidence which is before the authority cannot be said to be a proper evidence.

42. The management and the worker had lead evidence in a domestic inquiry. As an opportunity is to be given to the management and also to the workman to establish their case it is not necessary to discuss the evidence which was lead before the 2246 GI/97—24

inquiry committee. It can be further seen that because of the findings on the first issue and the requirements of giving an opportunity to the management, this issue does not survive. But as stated above the proceeding which took place before the inquiry committee was not as per the Principles of Natural Justice, the evidence which was before it was not proper and under such circumstances the findings are perverse. Under such circumstances I record my findings on the issues accordingly and pass the following order :

ORDER

The domestic inquiry which was held against the workman was against the Principles of Natural Justice.

The findings of the inquiry committee are perverse.

The management has to lead evidence to substantiate its action.

Dated : 7-8-1997.

S. B. PANSE, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2364.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 क 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार कर्नर वासेया बैंक लिमि.; कर्नर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अन्तर्बंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, तमिलनाडु, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12014/2/97-आईआर (बी-1)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2364.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Karur Vasa Bank Ltd., Karur and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-8-97.

[No. L-12014/2/97-IR(B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU MADRAS

Wednesday, the 26th day of March, 1997

Present :

Thiru S Thangaraj, B.Sc., LL.B., Industrial Tribunal.
Complaint No. 6/1991

Thiru S. Balakrishnan,
S/o. Sellappa Naicker,
Chinnamanaickanur,
Nambagoundanur (P.O.),
Aravakurichi-639 201,
Karur.

.. Complainant.

Vs.

The Management of
Karur Vysya Bank Limited,
represented by its Chairman,
Karur-639002.

.. Respondent.

In the matter of reference in the Industrial Dispute No.
I.D. 58/89.

Complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes
Act, 1947.

This complaint coming on for final hearing on Wednesday, the 12th day of February, 1997, upon perusing the complaint, counter and other material papers on record and upon hearing the arguments of Jv. K. Chandru & D. Bharathy, Advocate appearing for the complainant and of Tvl. T. S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla, Advocate appearing for the opposite party and this complaint having stood over till this day for consideration this Tribunal made the following :

AWARD

The complainant-workman has filed this complaint under Section 33 A of I.D. Act, 1947 for setting aside the order of dismissal.

2 The main averments found in the complaint are as follows : The complainant was appointed in the year 1979 and lastly he served at Pandamangalam branch of the respondent Karur Cysya Bank. On 31-8-88 a memo was served on the complainant stating that he utilised his position as cashier taken out the money from the cash chest of the bank, and used the same through his Brother-in-law who pledged jewels in some other bank, redeemed the same and re-pledged the same jewels in the respondent bank. Further it was alleged that he forced the Manager to issue loan so as to replace the cash utilised. It was also alleged that he shouted at the Manager in the presence of two witnesses and did not allow him to check the cash register before the loan was issued. The complainant submitted his explanation and the management ordered enquiry. Three witnesses were examined on the side of the management and three witnesses were examined on the side of the complainant. One Mrs. Sakunthala who was originally a witness for the occurrence refused to depose before the Enquiry Officer. On the basis of the findings given by the Enquiry Officer a second show cause notice was served on the complainant. On 18-12-89 he appeared for a personal hearing and on the same day, he gave his reply to the second show cause notice. On 6-1-86 the respondent dismissed the complainant without notice. The complainant filed an appeal before the General Manager who without considering the material grounds dismissed the same. I.D. 58/59 raised for bonus was pending before this Tribunal at that time. The respondent has not complied with the mandatory provision of Section 33(2)(b) of getting approval from the Tribunal before passing order of dismissal. In the enquiry, the principles of natural justice have not been followed. Statements obtained from witnesses behind the back of the complainant were used in the enquiry. The findings of the Enquiry Officer is one sided and contrary to the materials on record. The jewel loan was sanctioned on the very same afternoon and the Branch Manager was the competent authority to sanction the loan. The evidence available on record would not prove the charges framed against the workman. The complainant had put in 11 years of service. He was appointed by the Chairman of the bank and he could not be dismissed by the Personnel Officer. In such circumstances, order of dismissal may be set aside and the complainant be reinstated with all attendant benefits.

3. The main averments found in the counter filed by the respondent are as follows :—The complainant was employed as cashier in the Pandamangalam branch of the respondent bank. On 8-11-86 he had taken the jewel loan of Rs. 9,000 from Canara Bank, Pothanur Puduravalam and a sum of Rs. 11,072.02 was outstanding in the said loan on 16-8-88. On that day, the complainant's brother-in-law, Selvaraj came to the branch in the forenoon session and the complainant gave him Rs. 11,500 from the bank cash and sent him to Canara Bank to redeem the jewels. The complainant made

a note in the Cashier's scroll for taking out Rs. 11,500. The Manager Shri Periasamy had seen Selvaraj sitting inside the Cashier's cabin at 12.30 p.m. on 16-8-88. At about 2.00 p.m. when the Jewel appraiser was winding up his work for the day, the complainant approached the Branch Manager and told him that one of his relative would return from Vellore after redeeming the jewels from Canara Bank and the said jewel has to be pledged in the respondent-bank. The appraiser had booked enough jewel loans and the loan limit allotted to the branch was almost nearing completion. The Manager told the complainant that the loan can be availed on the following day if it was so required. At that time, the complainant revealed the fact that he had given cash from bank to his relative and therefore that day itself the loan had to be booked at the branch. When the Branch Manager took the complainant to task, there was an exchange of words between the Manager and the complainant. Ultimately the Manager obliged to issue jewel loan to the complainant against the deposit of jewels with a view to avoid risk to the bank's funds. Selvaraj returned with the redeemed jewels and the same was pledged in the respondent-bank. It would appear that the complainant has taken out cash of Rs. 11,500/- and Selvaraj utilised Rs. 11,070/- for pledging the jewels and had returned Rs. 430/- to the complainant who made a note of the same on the right hand top of the cashier's scroll for that day. On 17-8-88, the Branch Manager made a report of the incident to the Central Office at Karur. The Industrial Relations Officer Shri Balasubramanian made an investigation and examined Mrs. Sakunthala an employee of the bank and one T. V. Ranganathan Chettiar, the appraiser. The Enquiry Officer collected their written statement. In the domestic enquiry, three witnesses were examined on the side of the management to prove the charges against the complainant. On the findings of the Enquiry Officer second show cause notice was issued to him and on getting his reply the order of dismissal was passed against him. The appeal filed by the complainant was also dismissed. Sakunthala who witnessed the occurrence on 16-8-88 and gave a voluntary statement to the Investigation Officer, as a colleague felt embarrassed to appear in the enquiry and to give evidence against the complainant. So she was not examined in the enquiry. T. V. Ranganathan Chettiar who gave statement was intimidated by the complainant and he also did not appear in the enquiry. The Disciplinary authority had analysed the evidence and on applying his mind has passed order of dismissal. The alleged violation of Sec. 33 of the I.D. Act would not vitiate the order of dismissal. There was no violation of the principles of natural justice and hence the enquiry is not vitiated. The Disciplinary authority can function as Enquiry Officer and also punishing authority as per Ripartite Settlement. There is no invariable rule that the appointing authority alone should be the punishing authority. The respondent bank have notified the officers who should function as Disciplinary authorities and Appellate Authorities. Shri K. G. Vaidyanathan was notified as Disciplinary authority. For all these reasons, the complaint may be dismissed.

4. Ex. M-1 to M-13 have been marked on the side of the management. No document was marked on the side of the complainant. Both parties have not examined any witnesses.

5. The point for our consideration is : Whether the complainant may be allowed setting aside the order of dismissal ?

6. The Point : The complainant was working as Cashier in the respondent's branch at Pandamangalam, Salem District. The respondent has pledged some jewels (two gold chains) weighing nearly 74 grams, in the Canara Bank, Pothanur Puduravalam branch and obtained the loan of Rs. 9,000/-. On 16-8-88, his Brother-in-law Selvaraj came to Pandamangalam branch of the respondent-bank and was found sitting inside the cashier's cabin. After some time Sh. Selvaraj left the place. Around 2.00 p.m. on that day, when the appraiser of the bank Ranganathan Chettiar was about to finish his day's work, the complainant informed the Manager of the bank Shri Periasamy that his relative is coming for pledging some jewels, and therefore the appraiser has to wait for some more time. When the Manager told him that they were about to reach the permitted loan target for that year that there was no possibility of getting further loan, the complainant intimated that the loan should be sanctioned. Once again the Manager told the complainant that in such case, the loan can be sanctioned on the next day. At that time, the respondent informed the Manager that he had taken out cash from the cash chest of the bank and handed over the same to his relative Selvaraj for redeeming the jewels pledged in Canara Bank

and to repledge the same jewels in the branch of the respondent-bank. The Manager did not agree with the complainant the way in which he had taken out the cash from the bank in order to redeem the jewels. The complainant behaved in a disorderly manner with the Manager while he was on duty in the premises of the Bank. However, the Manager granted the jewel loan in the name of Shri K. Selvaraj the relative of the complainant. On the next day, the Manager sent a report and MW1 Balasubramanian came to the bank for the purpose of investigation, examined witnesses and submitted his report Ex. M-12. On the basis of the report three charges were framed against the workman for misconduct as per Clause 19(j)(c) and 19.2 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66 alleging

"Acting prejudicial to the interest of the bank Disorderly and indecent behaviour in the premises of the Bank."
"Commission of an offence of misappropriation of Bank's fund, which is punishable under Indian Penal Code."

Followed by the charge sheet, the respondent management kept him under suspension under Ex. M-15. Thereafter the Enquiry was held. One Shri K. G. Vaidyanathan was appointed as Enquiry Officer and one Shri Balasubramanian was appointed as Presenting Officer in the enquiry. The workman was defended by the representative. The Enquiry proceedings marked as Ex. M-19 shows that the workman had every opportunity to defend himself in the enquiry. Though there is a general observation in the complainant that workman was not given opportunity to defend himself in the enquiry following the principles of natural justice, actually the complainant had not stated any specific reasons to substantiate the same. A perusal of the enquiry proceedings would go to show that the Enquiry Officer had given all the opportunities to the workman and he had availed all such opportunities. The workman had examined himself and other witnesses on his side in the enquiry. Therefore, the Enquiry proceedings was fair and proper.

7. It was argued on the side of the complainant that the Enquiry Officer without looking into the evidence available on record has come to the conclusion that all the three charges have been proved. However, the Enquiry Officer has assigned reasons for coming to the conclusion. In *Fires One Tyre and Rubber Company Pvt. Limited, Vs. Their workmen* (33 for P. 151) the Agent Court held that the employer was within his right in refusing to believe any evidence and Industrial Tribunal cannot exercise appeal power before coming to a different conclusion. The power of the Industrial Tribunal is very much limited, and it cannot act as Appellate Authority. If the finding is perverse, then the Tribunal can interfere with the findings. If the findings are arrived at by the Enquiry Officer on the evidence available on record, though the Industrial Tribunal can disagree with the evidence, cannot hold that the findings are perverse. It is worthwhile to look into the evidence available on record.

8. On 16-8-88, at about 2.00 p.m. when the complainant Balakrishnan revealed the fact of giving the amount to his relative from the Bank cash on the hope of getting the loan on the same day, the manager got shock. When the Manager shouted at him as to how he parted away with the bank's cash for the purpose of redeeming his jewels, the workman shouted back saying that the cash, could be verified in the evening after the day's transaction, and the Manager was unable to say anything before the closure of cash transaction. One Sakunthala another staff member of the bank and Ranganathan Chettiar Appraiser of the bank were present then. Apart from the Manager Shri Periasamy Sakunthala and Shri Ranganathan were the two witnesses for the said occurrence. These two witnesses were not examined in the domestic enquiry. Sakunthala gave a letter marked as Ex-M-20 saying she was embarrassed, to appear before the Enquiry Officer as witness. Ranganathan Chettiar gave a letter Ex. M-21 that the complainant has threatened Smt. Sakunthala not to depose against him in the enquiry and he also anticipated the same from the complainant. Therefore, he could not appear in the enquiry. The said letter given by Ranganathan Chettiar marked as Ex. M-21. From the letter Ex. M-21, it is clear that the complainant has threatened Sakunthala whereas in her letter Ex. M-20 reason for her embarrassment to depose in the enquiry has not been stated. However, the fact remains that these two important witnesses were not examined in the enquiry. The only witness left

out to speak about as to what happened on that day was the Manager Smt. Periasamy. The complainant has made certain allegation against the Manager saying that there was enmity between him and the Manager and with a view to wreak vengeance the Manager has sent the complainant Ex. M-12 on the next day to the Deputy General Manager, Central Office, Kaur. However, the complainant has stated the reasons for the difference of opinion between him and the Manager only when he deposed as witness on his side. There is nothing on record to substantiate the various reasons assigned by the workman in his deposition, saying that there was enmity between him and the Manager. Therefore, the allegations of the workman that because of enmity between him and the Manager, he has sent a report against him to the higher authorities cannot be accepted. The Manager Smt. Periasamy as MW2 has deposed to what all happened on 16-8-88 in the office. He has sent his report Ex. M. 2 and on the basis of the said report on 18-8-88 MW1, Shri Balasubramanian, Investigating Officer went to Pandamangalam and submitted his report Ex. M. 12. MW1 in his evidence in the enquiry has stated about his investigation into the matter specially examining various witnesses and gathered more materials on the basis of the report Ex. M. 8. MW3 Sundaram an officer of the legal cell had deposed about the action taken by the management in the matter. So MWs 1 and 3 are not eye witnesses for the occurrence on 16-8-88. MW2 Manager Shri Periasamy had witnessed the occurrence. There was no enmity worth the reason between the workman and MW2 Periasamy. If there was any such enmity, MW2 would not have sanctioned the loan or would have verified the cash without sanctioning the loan at the end of the day and found out the amount taken by the workman much against the rules of the bank. So, the evidence of MW2, the Manager should be given sufficient credence.

9. MW1 has stated that when he had raised formal objection in sanctioning the loan, the workman voluntarily admitted that he had already taken out cash which he was entrusted as cashier of the bank to redeem the jewels pledged by him in Canara Bank, with the hope to repledge the same jewels in the respondent's branch at Pandamangalam and to set right the account. The admission alleged to have been given by the petitioner was denied by him in Ex. M. 11 where in he has stated that his brother-in-law brought Rs. 6,000 and he directed him to obtain loan of Rs. 5,000 from Shri Palaniappan (DW 13) and after obtaining the loan from him, Selvaraj went to Canara Bank to redeem the jewels and brought it for pledging the same in respondent branch at Pandamangalam. He has not admitted removing the cash which was entrusted to him as cashier. On the contrary he has examined Selvaraj as DW2 and Palaniappan as DWs on his side. DW2 Selvaraj has stated that he brought Rs. 6,000 and by obtaining loan of Rs. 5,000 from DWs Palaniappan he went to Canara Bank and redeemed the jewels. Palaniappan has corroborated the evidence of DWs 1 and 2 saying that he used to give hand loans to the workman and accordingly on that day in question he gave Selvaraj a sum of Rs. 5,000 and the amount was returned to him in the evening. So, there is evidence to substantiate the version of the workman. However, when MW1 Investigating Officer Shri Balasubramanian went to Pandamangalam on 18-8-88, when expressed the necessity of examining Palaniappan saw that the workman by standing on the verandah of the bank, was making some signs to Palaniappan. Further after attending a phone call from the Head Office and while returning to his place, he saw the workman standing with Palaniappan in front of a shop which was just opposite to the bank. Once again when he was making enquiries Palaniappan voluntarily came to the place where Investigating Officer was sitting and told him that he and the workman are good friends and that the workman used to borrow money from him regularly and on 16-8-88, he gave Rs. 5,000 to him. These acts of Palaniappan brought suspicion about the statement given by the workman. Further, the Investigating Officer has also felt that there was no need for Palaniappan to come and voluntarily give an explanation when he was not at all called for. Naturally these are all strong suspicions regarding the conduct of the workman. Suspicion however grave cannot take the place of truth. To accept the evidence as true the nature of evidence adduced in the enquiry should be plausible and reasonable. The behaviour of Shri Palaniappan on that day brought some suspicion about the truth of the statement given by the workman and however such suspicion cannot take the place of truth.

10. One more reason stated on the side of the management was that the workman had noted down the figures Rs. 11,000 and Rs. 430 in Ex. M.6 in the scroll maintained by him on 16-8-88. This was not found out either by the Manager or by the Investigation Officer earlier. It was only on 12-9-88, the Manager had sent Ex. M-17 letter to the management showing the writings in pencil, as Rs. 11,000 and Rs. 430. The Manager as MW2 had clearly stated that due to his experience in the branch with the handwriting of the workman, he could not be able to find out that those two figures Rs. 11,000 and Rs. 430 were written by the workman. The workman had denied it. The second page of Ex. M. 6 shows the writing of Rs. 11,000 and once again the same has been struck out with pencil, and Rs. 430 has been written on the right side corner. Under Ex. M. 1 the workman had pledged two gold chains in his name in the Canara Bank, Pothanur Puthupalayam branch and under Ex. M. 2, the amount to be paid for redeeming the chains was Rs. 11,072.20. Under Ex. M. 4 a sum of Rs. 1,000 has been paid under Ex. M. 5, a sum of Rs. 10,072.20 has been paid by Shri Selvaraj. These things are not denied. So, the management has contended that the workman has taken out Rs. 11,000 from out of the cash entrusted to him and used the same for redeeming the gold chains. If he had paid Rs. 1,000 under Ex. M. 4, and the balance of Rs. 10,072.20 was paid under Ex. M. 5, the balance which Selvaraj could have paid to the workman would be Rs. 930 (rounded off), but whereas he has mentioned Rs. 430. If we presume on the basis of Rs. 430 then the cash removed from the bank could have been Rs. 10,500 whereas the bank has contended that he has mentioned Rs. 11,000. Such notions are contradictory with each other. Further, Ex. M. 6 was available in the bank, neither the Manager nor the Investigation Officer or other officials of the bank has found out such notions in pencil earlier to 12-9-88 on which date Ex. M. 7 has been written. If really the figures were found in Ex. M. 6, officials would not have missed it to presume in the aforesaid way. Strictly speaking there is no proof that the workman had written the figures Rs. 11,000 and Rs. 430 in Ex. M. 6. As we have already seen those figures also do not tally with the presumptions raised by the management. On the basis of the presumptions and surmises, we cannot come to fair conclusion. When the workman reported to the Manager that he had handed over the required amount to his Brother-in-law Selvaraj from out of the cash entrusted to him, the Manager ought to have verified the cash immediately. He had not done so. However, it was explained that the workman as cashier told him that it is only at the end of the day, he could verify the cash and not earlier. In such circumstances, the Manager could have informed the matter immediately over phone to the Head Office, as from the evidence of MW1, it is clear that there was phone connection between Pandamangalam and Head Office. The manager has not done so. However, it was said that the manager with a view to preserve the interest of the bank has granted jewel loan. The manager cannot be blamed for the entire thing. However, simply by accepting the behaviour of the manager, we cannot come to the conclusion that the workman was at fault. Independent of it there must be some evidence that actually the amount was taken out of the cash entrusted to the workman as the cashier of the bank. When the workman has given a different version altogether and had examined witnesses to substantiate his case the case of the management that the workman had removed required amount for redeeming jewels from out of the bank's cash entrusted to him cannot be accepted. Unless there is some acceptable evidence to show that the workman had removed the cash of the bank against the rules, we cannot find the workman guilty. Merely by depending on the evidence of the manager, we cannot come to a safe conclusion that the workman had told the manager that he had given cash from out of the cash entrusted to him as cashier to redeem the jewels. Therefore, here is no satisfactory evidence to prove charge Nos. 1 and 3, acting prejudicial to the interest of the bank, and commission of offence of misappropriation of bank's funds which is punishable under Indian Penal Code.

11. The second charge deals with disorderly and indecent behaviour in the premises of the bank by the workman. Ex. M. 8 is the first report given by the manager regarding the incident. The said letter shows that the Manager got shock as he heard from the workman that he removed some money for redeeming the jewels. Apart from that he had not stated

anything to show that the workman behaved disorderly or indecently. Sakunthala in her statement Ex. M. 9 has stated that the workman demanded the loan authoritatively. Such demand cannot be termed either indecent or disorderly behaviour. In Ex. M. 10, Ranganathan has not stated anything to show that the workman had behaved disorderly or indecent manner. From the evidence of MW2, the manager also, it cannot be said that the workman has behaved in disorderly or indecent manner. Therefore, there is not sufficient evidence to prove the disorderly or indecent behaviour of the workman. So, it has to be held that the second charge has not been proved.

From the foregoing discussion, it is clear that all the three charges framed against workman have not been proved and the punishment imposed on the workman has to be set aside.

In the result, award is passed setting aside the punishment imposed on the workman for his reinstatement, continuity of service, back wages and other attendant benefits. No costs. Dated, this the 26th day of March, 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides: None.

DOCUMENTS MARKED

For Complainant: Nil.

For Management:

- Ex. M.1/18-11-86: Letter from the petitioner to Canara Bank, Pothanur Branch refusing to sanction the jewel loan for a sum of Rs. 9,000.
- M.2/18-11-86: Copy of the jewel loan ledger of the petitioner with Canara Bank Pothanur Branch.
- M.3/16-8-88: Letter from the petitioner to the Manager, Canara Bank, Pothanur requesting to hand over the jewels pledged for brother-in-law Mr. K. Selvaraj.
- M.4/16-8-88: Cash remittance challan for Rs. 1000 at Canara Bank, Pothanur in the jewel loan account No. 434 (Challan S. No. 15).
- M.5/16-8-88: Cash remittance challan for Rs. 10,072.00 at Canara Bank, Pothanur in the jewel loan A/c No. 434 (Challan No. 52).
- M.6/16-6-88: Cash scroll of Pandamangalam Branch.
- M.7/16-8-88: Leave application of the complainant for the period from 17-8-88 to 19-8-88 applying three days casual leave stating the reason as 'Personal'.
- M.8/17-8-88: Letter from the Manager, Pandamangalam Branch to Dy. General Manager informing about the mal-practice occurred at his branch.
- M.9/18-8-88: Letter from Mrs. Sakunthala, Clerk, Pandamangalam Branch addressed to the Chairman, handed over to the Investigating Officer.
- M.10/18-8-88: Letter from Sri T. V. Ranganathan, Chettiar contract appraisal handed over to the Investigating Officer.
- M.11/20-8-88: Letter from the petitioner addressed to the Dy. General Manager, Personnel Administration Department.
- M.12/20-8-88: Investigation report submitted by S. Balasubramanian, Industrial Relation Officer, Personnel Administration Department.
- M.13/30-8-88: Letter from the Manager, Pandamangalam Branch addressed to the Dy. G. M.
- M.14/31-8-88: Charge sheet Ref. PAD/22/88, dated 31st August, 1988 issued to the complainant.
- M.15/31-8-88: Order of suspension bearing Ref. PAD/23/88 issued to the complainant.
- M.16/5-9-88: Reply from the complainant for the charge sheet and order of suspension.

- M.17/12-9-88 : Letter from the Manager, Pandamangalam Branch addressed to Chief Officer, P.A.D. Central Office.
- M.18/18-10-88 : Departmental enquiry notice issued to the complainant.
- M.19/2-11-88 : Proceeding of the enquiry held on 2-11-88, 22-11-88, 30-11-88, 5-1-89, 6-1-89 and 24-1-89.
- M.20/22-11-88 : Letter from Mrs. Sakunthala, Clerk, Pandamangalam branch to enquiry officer regarding not to participate in the enquiry.
- M.21/20-11-88 : Letter from Sri T. V. Ranganathan Chettiar regarding not to participate in the enquiry.
- M.22/23-11-89 : Findings of the enquiry officer.
- M.23/18-12-89 : Proceedings of the proposed punishment hearing.
- M.24/6-1-90 : Final orders issued to the petitioner.
- M.25/6-1-90 : Order of dismissal issued to the petitioner.
- M.26/22-2-90 : Appeal preferred by the complainant.
- M.27/19-4-90 : Orders passed by the Appellate Authority.
- M.28/19-4-90 : Extract from the first bi-partite settlement dated 19-10-66 on Disciplinary Action and proceeding therefor.
- M.29/28-12-85 : Circular notifying Penal of persons empowered to hold enquiry and take disciplinary action and pass orders.
- M.30/21-12-85 : Notice published in the notice board showing a list of Personnel to hold enquiry and take disciplinary action and pass original orders.

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2365—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार करूर वेसा बैंक लिमि., करूर के प्रबंधन के संबंध निरोधकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, तमिलनाडु, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12014/2/97-आई आर (बी-1)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2365.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Karur Vysya Bank Ltd. Karur and their workman, which was received by the Central Government on the 20th August, 1997.

[No. L-12014/2/97-IR (B.I.)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU, MADRAS

Wednesday, the 9th day of April, 1997

PRESENT :

THIRU S. THANGARAJ, B.Sc., L.L.B.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL

COMPLAINT NO. 7 of 1991

Shri S. Ragavendran,
S/o R. Nagarajan,
Mill Staff Quarters,
Ramjee Nagar, Trichy—620009. . . Complainant

Vs.

The Management of Karur Vysya
Bank Ltd.,
represented by its Chairman,
Karur-639002. . . . Respondent

In the matter of reference in the Industrial Dispute No. 59 of 1989 Complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

This dispute coming on for final hearing on Monday, the 17th day of February 1997, upon perusing the Complaint, Counter statement and all other material papers on record, upon hearing the arguments of Tvl. K. Chandru & D. Bharathy, Advocates appearing for the Complainant, and of Tvl. T. S. Gopalan, P. Ibrahim Kalifulla, Advocates appearing for the respondent, and this complaint having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following

AWARD

This complaint has been filed by the Complainant under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947 for setting aside the order of his dismissal.

2. The main averments found in the complaint are as follows :

The complainant was appointed as a sub-staff in the year 1978 in the Markaiyankottai branch (Madurai Dist.) of the respondent Karur Vysya Bank Ltd., The complainant was charged that he had forged the withdrawal slips in the name of one Seethammal for Rs. 600/-, 500/- and Rs. 200/- on various dates that he had made entries in the ledger book without any authority. The domestic enquiry was commenced on 7-1-88 and was ended on 11-4-89. On 17-3-89, the Enquiry Officer gave a notice for re-opening the case and in spite of the objection raised by the complainant he had examined the handwriting expert on 25-4-89. The Forensic sciences Laboratory is a Government organisation and the expert will generally give evidence in Civil or Criminal case and not in any departmental enquiries. However,

the respondent bank with its influence has brought the expert and examined him as a witness. In the enquiry, the letter written by Seethammal saying that she alone withdrew the amounts was produced on the side of the complainant. On 3-4-90 the second show cause notice was served on the complainant basis the findings of the enquiry officer, as and why he should not be dismissed from service. The workman gave his written submission praying for a lenient punishment. However, the management dismissed him on 9-6-90. I.D. 58/89 raised by the Karur Vyaya Bank Employees Union is pending before this Tribunal and the management without seeking the approval of this Tribunal u/s. 33(2)(b) of the I.D. Act, had dismissed the petitioner and therefore contravened Section 33 of the I.D. Act. The domestic enquiry was opposed to the principles of natural justice. The offence alleged against the complainant was of criminal nature and even then no complaint was given to the Police against the Complainant. The charge regarding the occurrence in September 1986 was not valid. The reopening of evidence after the completion of the oral evidence is wholly unjustified. Deputing a handwriting expert, a Government Officer in the private domestic enquiry is against the rules. The evidence of handwriting expert did not implicate the complainant with the charge. The respondent has failed to take note of the letter written by Seethammal saying that the withdrawals have been made by her. The Enquiry Officer did not chose to give any credence to the witness examined on the side of the complainant and the report of the Enquiry Officer was one sided. The Disciplinary authority without considering the submissions made by the complainant had mechanically passed the order. The punishment of dismissal is shockingly disproportionate to the gravity of offence alleged in the charge. Award may be passed setting aside the order of dismissal and to reinstate the complainant with continuity of service back wages and other attendant benefits.

3. The main averments found in the counter filed by the respondent-bank are as follows :

On 28-7-87 at about 2.15 p.m. after the Clerk Balusamy had left for lunch, the complainant informed the Branch Manager of the cheque presented for withdrawal of money. To the question raised by the Branch Manager to the complainant answered, as the customer Seethammal was unwell, she had authorised him to collect the money. When the Manager asked for the specimen card, the complainant told him that

Seethammal is residing in the same street, and she was known to him. The Branch Manager asked the complainant to sign the withdrawal form and paid Rs. 200. However, the Manager felt suspicion about the transaction and when verified he found variation between the signature found on the instrument and the specimen signature. When he asked the complainant to bring the customer, he told him that she had gone to Ragavendra Mutt. The Manager insisted the complainant to bring the customer. When the Manager enquired the customer the complainant intertered and said that she wanted to redeposit the amount of Rs. 200 into her account, and he did not allow her to talk to the Branch Manager. When the Clerk Balusamy returned after lunch, the Manager brought two other constituents namely Sethu Rao and R. G. Krishnan and they spoke to the lady in Kannada and told the Branch Manager that she did not give any withdrawal form to the complainant on that day and Rs. 1500 was said to have been standing to her credit on that day. When the Branch Manager told her that the balance in her account was only Rs. 223 she was shocked. Clerk Balusamy showed her the previous two withdrawal slips of Rs. 600 and Rs. 500 each and the lady replied that she had not withdrawn any amount. The complainant in the presence of all of them had admitted that the earlier withdrawals were also drawn by him by forging the signature of the constituent. The complainant agreed to make a statement admitting his lapses but subsequently he had not made any such statement. On 2-9-87 a charge sheet was issued and the complainant gave his reply on 22-9-87 denying allegations. After the examination of management witness in the domestic enquiry, it was felt that the opinion of the handwriting expert should be obtained and a reference was made to the Director of Forensic Sciences Department, Government of Tamilnadu, Handwriting expert was examined as MW5. The complainant examined himself, R. G. Krishnan and Sethu Rao on his side. The Enquiry Officer gave his findings saying that the charges covered by charge sheet dated 2-9-87 were established. The charge regarding unauthorised entry made by the complainant in the year 1985 was only incidental. In the personal hearing the complainant gave his representation and the same was recorded. Considering the representation, the Enquiry Officer passed the final order on 9-6-90 dismissing the complainant from the service of the bank. The complainant preferred an appeal and the Appellate Authority passed an order on 22-9-90 confirming the punishment of dismissal. As the representative was carrying on correspondence with Forensic Sciences Department only after obtaining the orders the handwriting expert could be examined. The handwriting expert was examined before the closing of the domestic enquiry and the respondent had opportunity to cross-examine him. There is nothing irregular in

getting the opinion from an expert belonging to the Government of Tamilnadu. There was no obligation on the part of the respondent to lodge a police complaint against the complainant. Enquiry Officer has given a detailed report giving sufficient reasons for the conclusions reached by him. The alleged violation of Section 33 of the I.D. Act, 1947 would not invalidate the order of dismissal. The Enquiry Officer's reference to the incident in 1985 was only incidental as it was mentioned in the charge sheet. On that account, the report of the Enquiry Officer cannot be branded as invalid. The request for the examination of handwriting expert after examination of MW4 was perfectly justified and the letter alleged to have been written by constituent would not in any way advance the case of the petitioner in so far as the forgery of the constituent's signature was concerned. The charges against the complainant were conclusively proved and the punishment of dismissal was fully justified, and therefore the complaint may be dismissed.

4. No witness was examined on both sides. No document was filed on the side of the complainant. The respondent has marked Exs. M. 1 to M. 42.

5. The Point for our consideration is : Whether the order of dismissal may be set aside as prayed for ?

6. The Point : The workman Raghavendran was working as a Sub-staff in the Markaiyankottai branch of the respondent. The Karur Vysya Bank Ltd., Ex. M. 8 charge sheet was given to the workman alleging that on 28-7-87 a withdrawal slip for Rs. 200 on S.B.A/c. No. 1553 was presented for collection by the workman and on suspicion when the Manager called for the account holder, Seethammal, she denied the presence of the workman, having handed over the withdrawal slip to the workman for withdrawal of Rs. 200. When the Manager told Seethammal that after debiting Rs. 200 the balance will be only Rs. 223, Seethammal told the Manager it would be more than Rs. 1500 and she denied the previous withdrawals of Rs. 600 and Rs. 500 and thereupon the workman confessed in the presence of Seethammal, Sethu Rao and Krishnan of Markaiyankottai that he had withdrawn money by forging the signature of Smt. Seethammal on those withdrawal slips. For these charges, enquiry was held against the workman. The Enquiry proceedings are marked as Ex. M. 11 and the findings of the Enquiry Officer is marked as Ex. M. 12. The final order passed dismissing the workman from service is marked as Ex. M. 14. The workman denied the entire charge and filed this complaint challenging the order of dismissal passed against him.

7. The main allegation against the workman was that he forged the signature of Seethammal in Ex. M. 2, M. 3 and M. 4 withdrawal slips respectively for Rs. 600, Rs. 200 and Rs. 500. It is only on

the basis of Ex. M. 3, the fact of forging the withdrawal slips Ex. M. 2 and M. 4 have been brought out; it was the contention of the respondent management that the workman had voluntarily confessed having forged the signature of Seethammal in Exs. M. 2 to M. 4 in the presence of witnesses Sethu Rao and Krishnan who are residents of Markaiyankottai. Regarding Ex. M. 3 withdrawal MW2, Shri Mahendran, the Manager of Markaiyankottai branch had deposed as to what had happened on that day. By believing the words of the workmen, MW2 passed Ex. M. 3 withdrawal slip for Rs. 200 but when he compared the signature of Seethammal found on Ex. M. 3 with Ex. M. 1, the signature found on the application for opening an account and also the specimen signature of Seethammal he noticed the difference. When the Manager asked the workman to bring Seethammal after some excuses he brought her to the bank and Seethammal denied having withdrawn Rs. 200 on that day. However, Seethammal could not be examined in the enquiry as she expired even before the commencement of the enquiry. So, the best witness to prove the said fact was not available for the respondent-management. The other proof was that on the handwriting expert who carefully compared the signatures found in Ex. M. 2 to M. 4 with that of Ex. M. 1. Handwriting expert Thiru Ramkrishnan who was examined as MW5 has clearly stated,

"On the basis of the present material it was not possible for me to offer any opinion whether the person who wrote the writing marked as S-16 (Ex. W-3) wrote the signature Q1 to Q6 (Ex. M. 7G, 7C & 7D) respectively."

DWs2 and 3 did not support the case of management. DWs 2 and 3 either related or belonging to the same street wherein the workman lives are interested in the workman and in order to safeguard his interest they had spoken in favour of the workmen. The evidence of MWs 2 and 3 is cogent and convincing and in these circumstances, it cannot be said that they had deposed falsely in order to implicate the workman with the charge. They had no axe to grind against the workman and their evidence can be accepted. The non-examination of Seethammal due to her death and the report of the hand-writing expert will not go against the case of the management though it was not proved that the signature found on Exhibits M2 to M4 are not that of the workman. Even then the evidence of MW2 and MW3 would go to prove the charge against the workman. Unlike Criminal trial where the charge has to be proved beyond all reasonable doubt, in a domestic enquiry preponderance of probabilities would be enough to prove the charge. In the present case, the cogent and convincing evidence of MWs 2 and 3 would lead us to the unassailable conclusion that the workman has confessed before them that he had withdrawn the

amounts from the account of Seethammal. The workman as DW1 had stated that on 28-7-87 Seethammal came to the bank for the withdrawal of money. However, he has also stated that Seethammal was orthodox and she would not have come to the bank for withdrawal of amount as alleged by the workman. Further, inspite of the excuses given by the workman, the Branch Manager made Seethammal, to appear in the bank and Seethammal herself had admitted before Bank Manager, Bank Clerk (MW2 and MW3) that she had not sent withdrawal slip Ex. M. 3 on that day and also denied having withdrawn Rs. 600 and Rs. 500 respectively, under Exs. M. 2 and M. 4. When the Bank Manager received a call from the Head office and he was about to inform the matter to the Head office immediately the workman confessed before MW2 and MW3 that he had committed the said offence, and he should be pardoned. That piece of evidence MWs 2 and 3 is quite natural and convincing. Therefore, leaving the interested testimony of the workman and the two witnesses examined on his side, there is ample evidence on record to prove the charge against him. The workman participated in the enquiry, that the defence representative appeared on his side and the representative cross-examined the witness in extenso. The workman availed all the opportunities in the domestic enquiry. The findings of the Enquiry Officer also cannot be said to be perverse. While considering all these reasons, it can be said that the domestic enquiry and the report of the Enquiry Officer are fair and proper.

9. When the Enquiry findings can be accepted, we will have to consider the punishment imposed on the workman. Considering the various facts, it is clear that the workman had misappropriated the amounts of the bank. He had acted in such a way of unbecoming of a bank employee and if he will be allowed to continue in the bank, there will not be any security for the various amounts deposited in the bank. By misusing the confidence reposed on him by an old lady Seethammal, he had withdrawn Rs. 600, Rs. 500 and Rs. 200 on three various dates and since MW2 the Manager was vigilant on 28-7-87, the entire facts were also brought into light. It may not be conducive for the respondent bank to keep such an employee in its service. Therefore, the punishment imposed on the workman also cannot be said to be excessive or disproportionate to the act of misconduct committed by him.

For all these reasons, there is no merit in the complaint and the same is liable to be dismissed.

In the result, award is passed dismissing the complaint. No costs.

Dated, this the 9th day of April 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For both sides : None.

DOCUMENTS MARKED

For Complainant : Nil.

For Management :

- Ex. M-1|5-5-84 : Saving Account Opening form of N. Seethammal (xerox copy).
- M-2|6-7-87 : Withdrawal form No. 295214 for Rs. 600 (xerox copy).
- M-3|28-7-87 : Withdrawal form No. 295351 for Rs. 200 (xerox copy).
- M-4|25-5-87 : Savings Account Pay in slip for Rs. 800 (xerox copy).
- M-5|6-12-86 : Saving Account Pay in slip Rs. 800 (xerox copy).
- M-6|25-6-86 : Letter sent by the complainant to Personnel Officer, Central Office (xerox copy).
- M-7|31-7-87 : Order of suspension issued to the complainant (xerox copy).
- M-8|2-9-87 : Charge sheet issued to complainant (xerox copy).
- M-9|24-9-87 : Reply given by the complainant to charge sheet (xerox copy).
- M-10|26-9-87 : Enquiry Notice (xerox copy).
- M-11|28-10-87 : Enquiry proceedings (xerox copy).
- M-12|3-4-90 : Findings and proposed punishment order (xerox copy).
- M-13|30-4-90 : Proposed punishment proceedings (xerox copy).
- M-14|9-6-90 : Final order (xerox copy).
- M-15|11-6-90 : Dismissal order (xerox copy).
- M-16|24-2-90 : Appeal preferred by the complainant (xerox copy).
- M-17|22-9-90 : Appellate Authority's order (xerox copy).
- M-18| : Extract from First Bipartite Settlement on disciplinary action (xerox copy).
- M-19|26-12-84 : Circular notifying panel of persons empowered to hold enquiry and take disciplinary action (xerox copy).
- M-20|28-12-85 : Notice published in the Notice Board showing the list of persons to hold enquiry and take disciplinary action (xerox copy).

- M-21| : Letter from respondent to Forensic Sciences Department (xerox copy).
- M-22|27|6|86 : Report of K. G. Vaidyanathan, Personnel Officer ((xerox copy).
- M-23|22-8-86 : Letter from respondent to complainant (xerox copy).
- M-24|22-9-85 : Reply of the complainant to M. 23 (xerox copy).
- M-25|2-3-87 : Credit Challan in S.B.A/c. No. 1553 of Smt. Seethammal (xerox copy).
- M-26|25-5-87 : Withdrawal form of Smt. Seethammal (xerox copy).
- M-27|5-7-87 : Withdrawal form issued pertaining to S.B.A/s. No. 1553 (xerox copy).
- M-28|28-7-87 : Letter from A. R. Mahendran, the then Manager of Markayankottai branch (xerox copy).
- M-29|28-7-87 : Withdrawal form pertaining to S.B.A/c. No. 1553 (xerox copy).
- M-30|28-7-87 : Telephone call register of Markayankottai Branch (xerox copy).
- M-31|28-7-87 : Cash scroll of Manager, Markayankottai branch (xerox copy).
- M-32|30|7|87 : D.O. letter from then Divisional Manager Madurai, to the Asst. General Manager (xerox copy).
- M-33|9-9-87 : Letter from the Complainant to respondent (xerox copy).
- M-34|17-11-87 : Letter from S. Balusamy, formerly Clerk of Markayankottai Branch of the respondent (xerox copy).
- M-35|29-10-87 : Letter from respondent to S. Balusamy formerly Clerk of Markayankottai Branch (xerox copy).
- M-36|11-11-88 : Letter from respondent to complainant (xerox copy).
- M-37|15-11-88 : Letter from respondent to defence representative (xerox copy).
- M-38|16-11-88 : Letter from complainant to the respondent (xerox copy).
- M-39|6-12-88 : Letter from Defence representative to the complainant (xerox copy).
- M-40|10-12-88 : Letter from Enquiry Officer to the Presenting Officer Mr. K. G. Vaidyanathan (xerox copy).
- M-41|27-12-88 : Letter from K. G. Vaidyanathan to Enquiry Officer (xerox copy).
- M-42|3-1-89 : Letter from the Defence representative to the Enquiry Officer (xerox copy).

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2366--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम्.बी. आई. हैदराबाद के प्रबंधन के संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण-I, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/116/87-आई आर (बी-I)]
पी. जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2366.--In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI, Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on 20-8-1997.

[No. L-12012/116/87-IR (B-I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I HYDERABAD
PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I.

Dated : 20th Day of June, 1997

Industrial Dispute No. 6 of 1997

BETWEEN

C. B. S. P. Raman, State Bank Employees Union,
Vijayawada .. Petitioner

AND

(1) Regional Manager,
Region-IV SBI Bank Street, Hyderabad-500001.

(2) Chief Regional Manager,
SBI Regional Office, RTC Complex, Vishakapatnam
.. Respondent

APPEARANCES :

None—for the Petitioner.

Sri B. G. Ravindra Reddy, Advocate—for the Respondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-12012/116/87-IR (B-I) dated 4-2-97 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication.

"Whether the action of the management of SBI in terminating the services of Sri B. Malli Kerjuna Rao, M. Jayapal and K. Babu Rao is legal and justified? If not to what relief the workmen entitled to?"

2. After receipt of the said reference this Tribunal, has issued a notice to both the parties. Notice was served upon the Respondent. The petitioner did not appear but Sri C. Suryanarayana, Advocate appeared for the petitioner and offered to file Vakalat. The Respondent was absent the matter was posted for his Vakalat and claim statement of the petitioner from 17-4-97 to 20-6-97. No body appeared on behalf of the workmen.

3. In view of the above it is presumed both the parties are not interested to prosecute the matter. There is no option to this Tribunal except to close the matter. Hence this I. D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Court, this the 20th day of June, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2367.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ़ हिडिआ हैदराबाद के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण-I, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/139/97-आई आर (वी-I)]
पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2367.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on 20-8-1997.

[No. L-12012/139/97-IR (B-I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I AT
HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL B., Industrial Tribunal-I.
Dated : 20th Day of June, 1997
Industrial Dispute No. 5 of 1997

BETWEEN

State Bank Employees Union,

Sri C. B. S. P. Raman, Peddibhotlavari Street,
Vijayawada ..Petitioner

AND

Regional Manager,
Region IV State Bank of India, Bank Street,
Hyderabad-500001 ..Respondent

APPEARANCES :

None appeared—for both parties.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour New Delhi by its Order No. L-12012/139/97-IR (B-I) dated 4-2-97 referred the following dispute under Section 10(1)(d) of Industrial Dispute Act, 1947 for adjudication :

"Whether the action of the management of SBI in terminating the services of Sri B. Saraiyah is legal and justified ? If not, to what relief the workmen are entitled to ?"

2. After receipt of the said reference, this Tribunal, had issued a notice to both the parties. Both the parties had received the notice. Subsequently the matter was posted for appearance of both the parties and for filing of their respective statements on 5 occasions. But both the parties did not appear and no representation was even made on their behalf.

3. In view of the above it is presumed that both the parties are not interested to prosecute the matter. There is no ontion to this Tribunal except to close the matter. Hence this I. D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Court, this the 20th Day of June, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

का.आ. 2368.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ़ मदुरा लिमि. मद्रास के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, तमिळनाडु के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/56/92-आई आर (बी-III)]
पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2368.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Tamil Nadu as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Madura Ltd. Madras and their workman, which was received by the Central Government on 20-8-1997.

[No. L-12012/56/92-IR (B-III)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU
MADRAS

Monday, the 16th day of June, 1997

PRESENT :

Thiru S. Thangaraj, B.Sc., L.L.B., Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 41 of 1992

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 between the Workmen and the Management of Bank of Madura Ltd., Madras).

BETWEEN

Shri M. Natesan,

10, Jothidar Street, Vengimedu Post,
Karur-639006.

AND

The General Manager,

Bank of Madura Ltd., Central Office,
P.B. No. 5225, 758, Anna Salai,
Madras-600002.

REFERENCE :

Order No. L-12012/56/92-IR (B-III), Ministry of Labour, dated 27-4-92, Government of India, New Delhi

This dispute coming on for final hearing on Friday, the 30th day of May 1997, upon perusing the claim, counter statement and all other material papers on record, upon hearing the arguments of Sri K. Chandru D. Bharathy and P. Thangarajan, Advocates appearing for the petitioner and of Thiru S. Jayaraman, Advocates appearing for the respondent, and this dispute having stood over till this day consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

Government of India vide their Order No. L-12012/56/92-IR (B-III), Ministry of Labour, dated 7-4-92, have referred this dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 to this Tribunal for adjudication of the following issue :

"Whether Shri M. Natesan, Canvassing-cum-Collecting Agent was workman of the Bank of Madura Ltd., If so, whether the action of the Bank Management in terminating the services of Shri M. Natesan vide Order dated 9-3-91 was justified ? If not, to what relief Shri M. Natesan is entitled to ?"

2. On services of notices both the petitioner and respondent appeared before this Tribunal and filed their claim and counter statement respectively.

3. The main averments found in the claim statement filed by the Petitioner are as follows :

The petitioner was employed as Dhina Somippu Canvassing-cum-collecting agent in the respondent bank. The bank paid 2% of the total amount collected by him daily as his remuneration. The petitioner paid Rs. 500 towards security deposit and he also executed an agreement with the respondent bank. The agreement stipulated that he had to fill up the challans and make entries in the pass books of the depositors and in order to terminate the services of the petitioner one month's notice was required to be given by the respondent bank, and he was governed by the orders and direction issued by the bank from time to time. He was also given an identification card by the bank for collecting amounts for the daily deposit accounts. He had to maintain a register in which initials of the depositor will have to be obtained. The petitioner should not transact any business with the depositors except for the collection of daily deposits. Agreement was signed on 6-12-71 and from that date onwards the petitioner is working with the bank. The Central Government Industrial Tribunal at Hyderabad passed an award stating that deposit collectors are workmen and banks should employ them in commensurate with their status in the bank, if they choose to exercise their option in that regard. On 21-8-89 the petitioner gave his option to be a sub-staff of the respondent bank. However, the said award has been challenged in the High Court of Andhra Pradesh. The respondent bank called upon the petitioner to remit a sum of Rs. 7,195 towards deposit collected and the petitioner remitted the said amount. By a letter dated 13-11-89 the petitioner had to pay a further sum of Rs. 400 towards the interest for the delayed payment. From 2-9-89 the respondent bank refused to give any work to the petitioner. By an order dated 9-7-91 the services of the petitioner were terminated unilaterally on the ground that the petitioner had violated the instructions contained in the agreement. He has neither been given a show cause notice nor an opportunity was extended to him to defend the charge levelled against him. The impugned order of termination is opposed to the principles of natural justice. The petitioner raised an industrial dispute before the Conciliation Officer and the respondent contended that he was not a "workman" within the meaning of I D. Act. No enquiry was conducted with reference to any of the charges that have been levelled against the petitioner. The action of the respondent bank was mala fide with a view to defeat his claim for a regular posting as per the award of the Tribunal. The petitioner had worked 17 years continuously. The order of the termination of the services of the petitioner is unjustified and award may be passed for reinstatement with continuity of service and back wages.

4. The main averments found in the counter filed by the respondent are as follows :

The petitioner is not a workman of the respondent bank and there cannot be an industrial dispute between the petitioner and the respondent. There was no employer employee relationship between the bank

and the petitioner. The petitioner was not paid any monthly wages nor the other facilities extended to the employees of the banks were extended to the petitioner. The Dhina Semi Daily thrift deposit scheme was introduced with an idea of inculcating the practice of saving small amounts by the general public, to enable the small depositors to make their deposits at their door steps. The commission agents were authorised to collect the deposits from the door steps of the customers and to deposit the amount in the bank. The deposit collectors are not expected to report for work in the bank nor they signed the attendance register. The bank had neither administrative nor disciplinary control over them. Consequently there was no employer employee relationship between the bank and the petitioner. The National Industrial Tribunal Hyderabad passed an award in favour of the deposit collectors and the same was challenged in W.P. No. 9783/83 which is pending before the Hon'ble High Court of Andhra Pradesh at Hyderabad. The agreement was entered into between the bank and the petitioner on 6-12-71. As per the terms of the agreement the collecting agent shall collect the deposits from the depositors everyday, shall acknowledge the payment made by the depositors and shall remit to the bank all his daily collections on the next working day of the branch of the bank to which he is attached. In the event of breach by the canvassing-cum-collecting agent, under any of the provisions of the agreement the bank shall have the right to determine his services without previous notice. The agreement clearly shows that there was no employer employee relationship and the petitioner was canvassing-cum-collecting agent and was paid a commission of 2% for the amount he had canvassed. While the petitioner was working as a Collecting Agent at Karur branch had unauthorisedly retained a sum of Rs. 7,595 collected by him from October 1988 to August 1989 without remitting the same then and there to the branch of the bank. This was a clear violation of Clause 4 of the Agreement dated 2-4-89. He was instructed to remit sum of Rs. 7,595 and on 12-9-89 another sum of Rs. 400 which was again collected amount unauthorisedly retained by him. By a letter dated 13-11-89 he was instructed to remit the interest amount for the sum of Rs. 7,595. The fact that he had violated the agreement has been clearly admitted by him. He had remitted the interest amount of Rs. 151.45 on 15-11-89. As he had violated the terms of the agreement, the bank has the right to determine and terminate the services of the petitioner without notice. The agreement is a comprehensive one and the bank has the right to determine the same in case of any violation by Canvassing-cum-Collecting Agent. The allegation of the petitioner that the impugned order was in violation of the principles of natural justice and this brought economic death after faithful service of 18 years are all devoid of substance. Since the petitioner has committed breach of agreement his services were terminated in accordance with the terms of the agreement. The allegation that the termination of his services was mala fide and intended to defeat his claim for a regular posting as per the award of the Central Government Industrial Tribunal is stoutly denied for the reason stated earlier. There is no merit in the dispute and the same may be dismissed.

5. One witness was examined on the side of the petitioner and Exs W-1 to W-12 have been marked. One witness was examined on the side of the respondent and Exhibits M-1 to M-3 have been marked.

6. The only point for our consideration is : Whether Shri M. Natesan Canvassing-cum-Collecting Agent was a workman of the Bank of Madura Limited? If so, whether the action of the Bank Management in terminating the services of Shri M. Natesan vide order dated 9-3-91 was justified ? If not, to what relief Shri M. Natesan is entitled to ?

7. The Point—The petitioner Shri M. Natesan, was appointed as Canvassing-cum-Collecting agent under Dhina Semi Scheme by the respondent management under Ext. W-2

dated 6-12-71. The nature of work he has to do as Canvassing-cum-collecting agent has been stated in the said document. On the same day, the petitioner and the bank entered into an agreement marked as Ex. W-3 wherein the terms and conditions have been stipulated. After signing the said agreement, the petitioner started agreement as a Dhina Semi Collecting Agent from 6-11-71. Under Ex. W-6 dated 9-3-91 his services as collecting agent are terminated. Aggrieved against the said termination of service, the petitioner has raised this industrial dispute.

8. The first and foremost contention on the side of the management is that the petitioner is Canvassing-cum-Collecting Agent was not a workman of Bank of Madura Ltd. The order of management marked as Ex. W-2, taking the petitioner as Canvassing-cum-Collecting Agent of the bank contains certain conditions. Ex. W-3 agreement entered into between the bank and the petitioner Sri Natesan stipulates terms and conditions of the service. These two documents have been admitted by the management. On the basis of these documents Shri Natesan was working as Canvassing-cum-Collecting Agent of the respondent since 6-12-71 till the date of termination of his service on 9-3-91 under Ex. W-6. The petitioner being the collecting agent of the bank is not an independent contractor, so as to enrol the customers of the bank on his own. It is only the officials of the bank who have to enrol the customers as per the directions of the bank. As he was engaged in the deposit mobilisation of the bank, he was undoubtedly engaged in the business of the bank. Though the remuneration of the agent is called as commission, actually it was remuneration. The Apex Court in *State of Assam Vs. Kanakchandra Datta* (1968) 1 LLJ p. 288 held that remuneration can be by way of commission on collections. As collecting agent he had to attend the bank everyday to deposit the previous day's collection. As collecting agent he had to do the clerical work of filling up relevant forms make entries in the pass books etc. Canvassing-cum-Collecting Agent has to enrol new subscribers as per the instructions of the bank and he cannot do on his own accord. The provision enabling the agent to terminate the agency on giving one month's notice to bank is another circumstances which goes to show that it is a contract of service. Considering the various reasons which are emanated in Exs. W-2 and W-3 and also from the evidence of WW-1 and MW-1, it is clear that he is a workman of the respondent bank. Our High Court in *The Management of Indian Bank Vs. Industrial Tribunal (Central), Madras and Anr.* (1990 1 LLJ P. 50) has analysed the various reasons in a similar case of Tiny deposit collecting agent and held that the Tiny Deposit Collecting Agent is a workman as defined u/s. 2(s) of the I. D. Act, 1947. This decision of our High Court was challenged before the Supreme Court of India in Special Leave to appeal (Civil) No. 2921/90 and on 11-4-97 the Supreme Court dismissed the Special Leave Petition filed by the management of Indian Bank. The xerox copy of the said order has been filed by the petitioner before this Tribunal for perusal. Therefore the view expressed by our High Court in 1990 1 LLJ P. 50 has to be taken as confirmed by the Supreme Court as the Special Leave petition was dismissed.

9. The respondent bank has drawn my attention to a decision in *Puri Urban Co-operative Bank Vs. Madhusudan Sahu and Anr.* (1992 11 LLN P. 406) at page 408, Supreme Court held ;

"Therefore, we are of the view that though Sahu claims to be a workman as commonly understood he was not "employed" as such, so as to establish a master and servant relationship, which could warrant a reunion in the event of disruption by the intervention of the labour court."

By placing reliance on this decision of our Apex Court, it was held on the side of the respondent-bank that the petitioner herein Shri Natesan though a workman, he was not employed in the respondent bank as he was only a Canvassing-cum-Collecting agent. The same argument has been advanced before our High Court in *Karur Vysya Bank Ltd. Vs. Industrial Tribunal, Madras* [Vol. 85 (1994) FJR P. 719]. Our High Court after going through the various aspects and also the earlier decisions in *Silver Jubilee Tailoring House Vs. Chief Inspector of Shops and Establishments*, (1974) 45 FJR 54 (SC) and *Hussainbhai Vs. Alath Factory Thorzhilali Union* (1978) 53 FJR 278 (SC), held that in a similar case of Tiny Deposit

collecting agent or Honeybee Deposit Organiser at page 732 ;

"In these circumstances, we are of the view that appellant-banks have sufficient control over the Tiny Deposit Collector, or Honeybee Deposit Organiser, as the case may be, and therefore, the relationship of master and servant exists between the bank and the Tiny Deposit Collector or the Honeybee Deposit Organiser, as the case may be. Therefore, there is no difficulty in holding that the Tiny Deposit Collector or Honeybee Deposit Organiser is a workman as defined in Section 2(s) of the Act and that he is not an independent contractor."

After considering the decision of the Supreme Court in *Puri Urban Cooperative Bank Vs. Madhusudan Sahu* [1992 81 FJR P. 278 (SC)] held in a similar case of Honeybee Deposit Organiser (at page 734 and 735) :

"In the decision referred to above, the Apex Court has held that the prima facie test of relationship of master and servant is the existence of right in the master to supervise and control the work done by the servant not only in the matter of directing what work the servant has to do but also the manner in which he shall do his work In other words, the Apex Court in the above decision proceeded on the basis that the jewel appraiser is an independent contractor in which case alone the employer can direct a person employed by him to do a particular work but cannot direct a person so employed to do the work in any particular manner. That is not the position either in Indian Bank's case, (1990) 1 LLJ 50, decided by the division bench or in the cases before us. The division bench in *Indian Bank Vs. Industrial Tribunal (Central) Madras* (1990) 1 LLJ 50, on a consideration of the terms of appointment order and the evidence available on record held that there is sufficient control over the work of the Tiny Deposit Agent by the bank and that the Tiny Deposit Agent is not independent contractor but part of the organisation."

Therefore, the decision in *Puri Urban Cooperative Bank Vs. Madhusudan Sahu* (1992) 81 FJR 454 is clearly distinguishable on facts and is not helpful to the appellants. We are also unable to accept the contention of learned counsel for the appellants that the decision in *Indian Bank Vs. Industrial Tribunal (Central) Madras* (1990) 1 LLJ 50 is no longer good law."

After a great deal of analysis and going through the various decisions of the Apex Court, our High Court has rendered the above decision. It is clear from the said decision that the case of Appraisers is different from that of the Tiny Deposit Collector or Honeybee Deposit Organiser, Canvassing-cum-Collecting Agent. We have given the various reasons to show that the Canvassing-cum-Collecting Agent, is a workman employed by the bank. Therefore, from the above decision of our High Court the case of appraisers cannot be equated with the Canvassing-cum-Collecting Agent. As such Canvassing-cum-Collecting Agent is a workman. Accordingly the petitioner Natesan is also a workman of the respondent Bank of Madura Ltd.

10. Next question which arises for our consideration is as to whether the termination of the service of Shri M. Natesan vide Order dated 9-3-91 was justified or not. Shri Natesan was taken as Canvassing-cum-Collecting Agent from 6-12-71. His services were terminated on 9-3-91. Between 6-12-71 and 9-3-91 he was working as the Canvassing-cum-Collecting Agent of the respondent Bank of Madura Ltd. The order of termination Ex. W-6 shows that while he was acting as Collecting Agent, he had unauthorisedly withheld a sum of Rs. 7,595 being the Deposit amount collected by him from October 1988 to August 1989 without remitting the same into branch of the respondent on the next day of the collection and the said act is in violation of Clause 4 of the agreement Ex. W-3 executed by him. Clause 4 of Ex. W-3 has been extracted in Ex. W-6 which reads ;

"Authorised canvassing cum-collecting agent shall remit to the bank all his daily collections i.e. the aggregate of the daily collections on the next working day to the Branch of the bank to which he is attached."

Unauthorised withholding of sum of Rs. 7,595 on the part of the petitioner alleged to have been taken place between October 1988 to August 1989, the termination order has been passed on 9-3-91 abruptly without even issuing a notice to the petitioner-workman. When he was a workman employed under the respondent bank, terminating his service for misconduct viz., "unauthorisedly withholding a sum of Rs. 7,595" the respondent ought to have followed the procedure laid down in Section 25-F of the I. D. Act. However even without giving notice, his services were terminated abruptly by the respondent Ex. W-6. Such an action on the part of the respondent on the ground of a misconduct cannot be supported.

11. Respondent has explained the reasons for the termination saying that the Special Industrial Tribunal, Hyderabad passed an award on 22-12-88 that the respondent was also one of the concerned bank in the said award and on the basis of the said award, the respondent has opted for the post of sub-staff in any one of the respondent banks branch as a regular employee of the bank. It was further alleged by the petitioner that the respondent did not like the request made by the petitioner and thereafter passed the impugned order Ex. W-6. In Ex. W-5 the respondent has informed the petitioner that his representation dated 21-8-89 cannot be considered as they have filed a Writ Petition before the High Court of Andhra Pradesh in Hyderabad, against the impugned award dated 22-12-88, and further he was advised to await the outcome of the proceedings. Coming to the question of unauthorised withholding of Rs. 7,595 in para 2 of Ex. W-6, it has been clearly stated that the entire sum of was paid by the petitioner on two occasions and the interest thereon Rs. 151.46 was paid on 15-11-89 as directed by the bank. It was contended on the side of the bank that unauthorised withholding of the amount is an act which violates the terms of the agreement Ex. W-3. However the bank has not taken any action against the workman immediately after the period of unauthorised withholding i.e. from October 1988 to August 1989 and the action has been taken only 9-3-91 that too after the request was made by the workman by way of his representation dated 21-8-89 requesting the bank to post him as sub-staff as per the award passed by the Special Industrial Tribunal, Hyderabad. The alleged unauthorised withholding of money was paid on 2-9-89 and 12-9-89 and the interest thereon was paid on 15-11-89. If the respondent bank thought fit to terminate the services of the petitioner, they could have done so immediately thereafter. Curiously enough, no action has been taken for more than 15 months. If the bank had taken serious note of the alleged unauthorised withholding of the bank's money by the petitioner, immediately on verification of the accounts they could have taken action against the workman. However, it is obvious from the contention of the petitioner that the delayed action has been taken with a view to reject the application of the petitioner from getting the post of sub-staff. Ex. M.1 is the accounts of the bank which shows that a sum of Rs. 7,595 was not deposited immediately after collection. The said report says:

"This is due to non-checking of Dinaseemi Collecting Register by any of the Officers."

From the said observation, the respondent has admitted the default committed by the officials of the bank. In Ex. M.2 dated 16-10-89, the Memorandum placed before the Committee of Executives,

"Till date there is no letter/enquiry from any of the depositors."

It was further stated,

"The said Dinaseemi Agent has already sent a representation to the Central Office requesting to absorb him in the permanent service of the bank in view of the award having been passed in favour of the federation. If the award passed by the Industrial Tribunal is confirmed by the Supreme Court at a later stage then we may have to provide him permanent job. Since he has committed fraud on the bank his contract should be determined on the ground of fraud committed by him with the above evidence."

This observation would further confirm that none of the depositors had ever sent any complaint to the bank regarding the failure on the part of the bank to properly account for the deposits collected from them and it was only on the reason of seeing the job of sub-staff by the petitioner, the order of termination has been passed. The petitioner has explained it by saying that his daughter Akda was kidnapped and murdered by one Vijayakumar and on account of the said incident, he was in a disturbed mental condition failed to account for the money collected by him, and he had deposited the amount with interest without raising any objection immediately when the bank asked him to do so. The petitioner has also submitted the receipt for lodging a complaint in Truchi Fort Police Station, and also the news item which appeared in Dhinamalar, Tamil Daily Erode Publication dated 23-9-92, showing that the accused Vijayakumar who murdered the daughter of the petitioner was awarded with life imprisonment by Sessions Court, Erode. The reason shown by the petitioner for his unintentional failure to deposit the money in time can be accepted. The negligence on the part of the officials of the bank had also contributed to the said failure, and it is due to the non-checking of the Dhinaseemi collection register. The officials of the bank had taken that incident against the petitioner only with a view to deny the post of sub-staff which is clear from the various reasons shown above. Therefore, the alleged unauthorised withholding of Rs. 7595/- need not be given much weight and the same cannot be taken as a valid ground to terminate the services of the petitioner herein.

12. The respondent has relied on a decision of our Supreme Court in Narayan DA Naraya Ramteerthakhar Vs. State of Maharashtra (1997) ISCC P. 209 wherein it was held that the repayment of the amount misappropriated by the delinquent will not resolve him of the liability. In the instant case, there is no valid reason to show that he had failed to deposit the amount in time due to circumstances beyond his control. Therefore, the repayment of the money cannot be taken as a valid ground to show that the petitioner has admitted the guilt and thereafter repaid the amount. From the foregoing reasons it is clear that due to his family worries, the petitioner has failed to deposit the amount unintentionally and he had deposited the same when the bank asked him to do so. When the instant case is distinguishable from the case cited by the respondent management, the said decision cannot be applied to the instant case.

13. From the foregoing reasons, it is clear that Shri M. Natesan Canvassing-cum-Collecting Agent is a workman of the Bank of Madura Ltd., that the order of termination dated 9-3-91 is not justified and the employee is entitled for reinstatement, with continuity of service. The workman was paid only commission, and there can be fluctuations in such collections and therefore, definite amount cannot be arrived at. Taking the average amount earned by him, in one year as commission and thereby deciding the minimum wage for a month also differ from year to year. However, the petitioner as WW1 has stated 1500 customers were there within his jurisdiction and he used to collect deposits from customers within 10 kms. radius Karur. He had worked for 18 years. Considering the number of customers and the amount which he would have got towards commission during long number of years, the monthly income can be fixed at Rs. 500/- p.m. Accordingly, the respondent bank has to pay Rs. 500/- p.m. towards back-wages.

In the result, award is passed holding that Shri M. Natesan, Canvassing-cum-Collecting Agent is a workman of the Bank of Madura Ltd., and he is entitled for reinstatement, with continuity of service and back wages of Rs. 500 p.m. No costs.

Dated, this the 16th day of June, 1997.

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal

WITNESSES EXAMINED

For Petitioner-workman :

Thiru Nates—WW1.

For Management :

M.W.1—Thiru R. Govinda Raju.

DOCUMENTS MARKED

For Petitioner-workman :

- Ex. W-1/1-12-71.—Letter from the management regarding caution deposit (xerox copy).
 W-2/6-12-71.—Appointment order (xerox copy).
 Ex. W-3/6-12-71.—Agreement between the petitioner and the Management (xerox copy).
 W-4/21-8-89.—Representation by the petitioner for absorption as Sub-staff (xerox copy).
 W-5/21-9-89.—Reply from the management to the petitioner (xerox copy).
 W-6/9-3-91.—Termination order issued to the petitioner (xerox copy).
 W-7/7-6-91.—Letter from petitioner to the Conciliation officer (xerox copy).
 W-8/31-7-91.—Reply from management before Conciliation officer (xerox copy).
 W-9/27-11-91.—Reply by the petitioner (xerox copy).
 W-10/18-3-92.—Conciliation Failure report (xerox copy).
 W-11/2-5-89.—Police Report given by petitioner regarding his daughter (xerox copy).
 W-12/23-9-92.—News paper clipping regarding petitioner's daughter.

For Management :

- Ex. M-1/2-9-89.—Statement showing the details of collection and non-remittance by the petitioner (xerox copy).
 M-2/16-10-89.—Memorandum submitted before the Committee of Executive (xerox copy).
 M-3/13-11-89.—Letter to the petitioner asking him to pay arrears of interest (xerox copy).

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1997

का.आ. 2369—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एस.बी.आई. हैदराबाद, के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, -1, हैदराबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12011/81/86-आईआर (बी-1)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd August, 1997

S.O. 2369.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of SBI, Hyderabad and their workman, which was received by the Central Government on 20-8-97.

[No. L-12011/81/86-IR(B.I.)]
 P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I, AT
HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., I.L.B., Industrial Tribunal-I, Hyd.
 Dated, 30th day of July, 1997

Industrial Dispute No. 20/1997

BETWEEN :

General Secretary,

State Bank Employees Union,
 Peddibhotlavari Veedhi, Governopet,
 Vijayawada-520002.

.. Petitioner.

AND

Chief Regional Manager,

State Bank of India, Regional office,
 RTC Complex, Vishakapatnam.

.. Respondent.

APPEARANCES :

None appeared—for both the parties.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi by its Order No. L-12011/81/86-IR(BI) dated 4-2-97 referred the following dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Dispute Act, 1947 for adjudication :—

“Whether the action of the management of SBI, Hyderabad, Circle Vishakapatnam region in terminating the services of Shri K. Kamuraja Rao and 69 others as listed and claimed by the union without observing the provisions of I.D. Act, relating to retrenchment is legal and justified? If not to what relief the workmen are entitled?”

2. After receipt of notice issued by this Tribunal, both the parties did not appear before this Tribunal. On 30-6-97 Respondent was set-exparte. For giving a chance to the petitioner to appear and filed claim statement, the matter was posted to 30-7-97. On that day the petitioner did not avail the said opportunity. He did not appear inspite of receiving notice.

3. In view of the above it is presumed that both parties are not evincing any interest to prosecute the matter. Hence I.D. is closed.

Given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of July, 1997.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2370—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक फ़िरोज़ाबाद के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/5/93-आईआर (बी-1)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2370.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation

to the management of Bhartiya State Bank, Firozabad and their workman, which was received by the Central Government on 26-8-97.

[No. L-12012/5/93-IR(B.I)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 40 of 1993

In the matter of dispute :

BETWEEN

Assistant General Secretary,
U. P. Bank Employees Congress U.P.,
2/363 Namneer Agra.

AND

Branch Manager,

Bhartiya State Bank A.D.B. Branch,
Tundla Shakha District Firozabad.

APPEARANCE :

Sri V. K. Gupta—for the workman & Sri S. N. Sharma—
for the Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. I-12012/5/93-I.R. B-I dated 7-4-93, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the demand of U.P. Bank Employees Congress for payment of full scale wages to Sri Veer Pal Singh, part time sweeper w.e.f. 1-2-91 is legal and justified. If so to what relief the workman is entitled to ?”

2. The case of the concerned workman Veerpal Singh is that he was engaged as part time sweeper at Tundla Branch of the opp. party State Bank of India 1984. His wages were increased to 1/3rd of the full scale of pay w.e.f. 2-5-85. The same was further increased to 1/2 of the full pay w.e.f. 1-8-85. It is further alleged that w.e.f. 1-7-87 the area of the Bank premises was increased two fold. Further the work of messenger was also taken from him in addition to his duty as sweeper. In this way he had to work for full day. Apart from this he was senior to Sudhir Kumar and the opposite party maliciously made Sudhir Kumar a part time sweeper senior to the concerned workman which is bad in law. Hence he is entitled for full time wages from 1-7-87 and also for suitable compensation for making Sudhir Kumar senior to him.

3. The opposite party has filed reply in which it has been alleged that earlier the area of bank premises was 2086 sq. ft. Later on another area of 600 sq. ft. was added to it. With effect from 1-2-91 the area has been further increased. The concerned workman was given 1/2 of the full scale w.e.f. 1-8-85, thereafter no area was increased till 1-2-91. It is further alleged that Sudhir Kumar was senior to the concerned workman the details of which have been given in the written statement. This Sudhir Kumar 3/4th wages on 10-3-93. The concerned workman in any case was never entitled for even 3/4th wages of full pay. It was also denied that the concerned workman had worked for whole day.

4. In the rejoinder nothing new has been alleged.

5. In support of his case the management has filed ext. M-1 to M-19. Besides A. K. Jain M.W.1 an officer of the bank has also been examined. In rebuttal the concerned workman Veer Pal Singh. W.W.1 has examined himself. No documentary evidence has been filed.

6. At the outset it may be mentioned that the claim for compensation because of Sudhir Kumar having made senior to the concerned workman is not maintainable in the present proceedings because it is beyond the scope of reference and certainly because of bar of section 10(4) of I.D. Act, the tribunal cannot travel beyond the reference. Hence this point is not being decided.

7. Now it will be seen of the concerned workman is entitled for whole time wages. Para 20.5 of the first bipartite settlement will be relevant which says that when a part time worker works upto three hours the remuneration is to be paid according to discretion of the bank. If part time worker works between 3 hours and less than six hours per week he will be given Rs. 100 per month. If work of such workman increase from six hours to 13 hours per week it will be one third of full pay. If he has to work between 13 hours upto 19 hours per week he will be entitled to get half of the scale rate with proportionate annual increment. If his working increases from 19 hours upto 29 hours per week wages will be 3/4th of the full wages with proportionate increments. If such part time worker works beyond 29 hours he will be entitled for full wages. The case of the claimant falls under the last head as he has alleged that he had to work for full day. It is well known fact that if an employee works for whole day he performs duty for 8 hours per day for whole week. In this way it will go much beyond 29 hours per week. I may also mention that this increase in wages is not linked with either increase of decrease of the area which is to be swept or question of juniority or seniority. Hence it will not be necessary to determine if the concerned workman was junior to Sudhir Kumar or senior. It will simply be seen if the concerned workman had performed duties for more than 29 hours per week. The authorised representative of the management has drawn my attention to Ext. W-7, copy of application dated 18-7-91, given by the concerned workman whereby he has sought increment in the wages of 3/4th of the full pay. Ext. M-8 is the copy of reply given by the management. It is submitted that when the claim was for 3/4th of the full pay now the claim cannot be raised to full pay by way of present reference as it is after thought. I have gone through this Ext. M-7 and find that the concerned workman had sought increase in wages by 3/4th of the whole pay w.e.f. January 1987. In view of this prior claim in my opinion the present claim of the concerned workman that he is entitled for full pay w.e.f. January 1987 is after thought. Even though it has been supported by his evidence of which there is no rebuttal from the side of management. The concerned workman from his evidence has been able to establish that he had worked daily for whole day and thereby he has performed duty for more than 29 hours per week still in view of claim under Ext. M-7 I come to the conclusion that he is not entitled for full wages w.e.f. January 1987. Instead my award is that he will be entitled for 3/4th of wages from January 1987.

Reference is answered accordingly.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.ग्रा. 2371. —औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक आफ इंडिया, देहरादून के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/34/95-आईआर (बी-2)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2371.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhartiya State Bank of India, Dehradun and their workman, which was received by the Central Government on 26-8-97.

[No. L-12012/34/95-IR(B-2)]

P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING
OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUS-
TRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT
PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 57 of 1996

In the matter of dispute :

BETWEEN

Kuldip Kumar Kshetri
S/o Hira Lal
C/o M. C. Pant Labour Law Adviser
450 Baliwala Manwali, Dehradun.

AND

Dy. General Manager
Bhartiya State Bank of India
Rajpur Road, Dehradun.

APPEARANCES:

S. N. Sharma—for the Management and

S. K. Patni—for the workman.

AWARD

1. Central Govt. Ministry of Labour, New Delhi, vide its notification no. L-12012/34/95 IRB-2 dated 10-6-96 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the action of the management of State Bank of India Dehradun in terminating the services of Kuldeep Kumar Kshetri Security Guard is just and legal? If not, to what relief is the workman entitled to?

2. The case of the concerned workman Kuldeep Kumar Kshetri is that he was engaged as Guard at Cremen Town Dehradun Branch of the opposite party State Bank of India. He worked upto 26-10-92, and thereafter he again worked from 7-2-92 to 22-3-93. On both occasion his employment was of temporary nature. When he was removed from service no notice was given to him, therefore, termination is bad in law.

3. The opposite party has filed written statement in which it is alleged that concerned workman was employed for fixed term in leave vacancy. In such a case question of giving of notice does not arise. Any how it has not been disputed that the concerned workman had worked for the period in two stints as alleged by him.

4. In the rejoinder nothing new has been said.

5. The concerned workman has given his evidence as Kuldeep Kumar Kshetri W.W.1 and has filed Ext. W-1 and W-2, the certificates showing number of days for which he had worked. These documents are not relevant as the management has not disputed the factum of working of the workman on two occasion. In rebuttal the opposite party back has examined D. N. Garg M.W.1. He has stated that concerned workman was engaged on leave vacancies. Further opportunity was given to him for fresh appointment but he was not found suitable. There is copy of letter dated 30-7-92 and 27-8-92 written by Manager of the bank, to District Soldier Board Dehradun for sending the names of retired military personnel. It was further specified that this appointment will be in leave vacancy. Because of these papers coupled with the evidence of D. N. Garg M.W.1, I come to the conclusion that concerned workman was engaged in leave vacancy. I further believe the evidence of M.W.1 that the appointment was given to the workman was for fixed period. In such a case, In my opinion giving of notice was not necessary. Hence, termination is not bad because of failure to give notice.

6. In any case the management was generous enough to afford opportunity to the concerned workman for appearing in test for being taken guards permanently. In this regard the concerned workman in his cross examination has admitted that he was called for interview and was found not suitable. This tribunal cannot sit as a court of appeal over the discretion of management in recruiting any guard in their office. If the concerned workman was to found suitable this tribunal cannot look into its merits. Because of this factor the concerned workman stand non suited.

7. In view of above discussion, it is held that the termination of the concerned workman from service was not bad in law and he is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer
Dated : 13-7-97.

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2372.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इटावा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, इटावा के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/87/93-आई आर (बी-1)]

पी.जे. माईकल, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2372.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur

as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Etawah Kshetriya Gramin Bank, Etawah and their workman, which was received by the Central Government on 26-8-97.

[No. L-12012/87/93-IR(B.I)]
P. J. MICHAEL, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING
OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUS-
TRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT,
PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD
KANPUR

Industrial Dispute No. 51 of 1993

In the matter of dispute between:
Sri Ram Verma C/o Minu Soni
118/78 Kaushalpur Kanpur.

AND

PRESIDENT:

Etawah Kshetriya Gramin Bank
Head Office 123 Shiv Niwas Kuchhehry Road
Civil Lines Etawah.

APPEARANCE:

Minu Soni—for the workman and
V. K. Gupta—for Bank.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour vide its notification no. L-12012/87/93-I.R. B-I dated 21-6-93, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Whether the action of the management of Etawah Kshetriya Gramin Bank in terminating the services of Sri Sriram Verma w.e.f. 13-1-91 is legal and justified? If not to what relief the workman is entitled to ?

2. The case of the concerned workman Sri Sriram Verma is that he was engaged as messenger on 29-11-89 at Maman Himmatpur branch of the opposite party Etawah Kshetriya Gramin Bank at the rate of 13.05 per day as wages. He had to work for whole day. He continued to work upto 13-1-91, 14-1-91 was Sunday and when on 15-1-91 he went to perform the work he was informed that he is no more in service. His termination is in breach of section 25F, G and H of I.D. Act.

3. The opposite party has filed reply in which it has been alleged that concerned workman was engaged to supply water intermittantly for short intervals. He was not engaged to do any work relating to work of bank as he was not connected with the performance relating to bank he was not an employee of the opposite party bank.

4. In the rejoinder it has been denied that the concerned workman was engaged to supply water.

5. In support of his case, the workman examined himself as W.W.1. Besides he filed Ext. W-1 to

W-12. Out of them Ext. W-2 and W-3 are relevant which are certificate issued by the officer of the bank. Rest are in the nature of certificate and several notice. In rebuttal the management Examined its Asstt. Manager Mewa Ram. Besides M-1 to M-17 vouchers have been filed to prove that the concerned workman was a casual worker and he was paid wages as daily rated worker.

6. In this case both the witness have supported their rival allegations. Ext. W-2 and W-3 are the certificates issued by the branch manager dated 16-4-90 and 18-9-90 respectively, in which the number of days of working of the concerned workman have been certified. Further he has been shown as part-time daily rated labour. Had he been engaged as a messenger he would have been described like wise. This paper has been filed by the workman hence he is bound by the contents of this document. These documents go to prove that the concerned workman was never engaged as messenger which is certainly post of regular nature. Instead he was engaged as a daily rated casual worker. When the concerned workman was not working as a messenger at all, question of his termination in that capacity does not arise. Instead he was a casual daily rated worker, work was taken from him from time to time when necessity arose. Such a workman cannot be said to be an employee of the opposite party.

7. Hence question of observance of provisions of Sec. 25F, G & H of I.D. Act in such case does not arise. There is another infirmity in the case. In the reference order dated of termination is 13-1-91, whereas accordingly to concerned workman it is 15-1-91. Thus there is variation in the termination between the order of reference and the case of the workman.

8. In the end my award is that termination of concerned workman by the opposite party bank is not bad in law and he is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

11-8-1997.

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2273.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इलाहाबाद बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचवट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/535/88-आईआर(बी-2)]
सनातन, डैस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2273.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the

industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22-8-1997.

[No. L-12012/535/88-D.II (A)/IR (B-II)]
SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 107 of 1989

In the matter of dispute :

BETWEEN

Phirao Gupta
C/o V. N. Sekhari 26/104,
Birhana Road, Kanpur.

AND

Assistant General Manager
Allahabad Bank Zonal Office
Nadesar Taksal Theatre
Varanasi.

APPEARANCE :

M. K. Verma—for the Management and B. P. Saxena
for the workman.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/535/88-D.II (A) dated 28/4 (year not mentioned) has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of Allahabad Bank, in terminating the services of Shri Phirao Gupta, peon and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under Section 25-H of the I. D. Act is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

2. The case of the concerned workman Phirao Gupta is that he was engaged as a peon at Varanasi Branch of the opposite party Allahabad Bank on 9-7-75 on temporary basis, and he continued to work upto 4-9-82. He was removed from service w.e.f. 5-9-82. During this period in all he had worked for 110 days in one year preceding the date of his termination. At the time of termination juniors were retained. Further fresh hands were recruited but he was not given opportunity. Hence there has been breach of provisions of Section 25-G and H of I. D. Act. In this way this termination is bad in law.

3. The opposite party has filed reply in which it is alleged that the concerned workman was not engaged as temporary peon. Instead he was a daily rated worker. He was engaged as and when exigencies of work of casual nature arose. Such a person cannot be said to be workman hence question of opportunity. Hence there has been breach of provisions not arise. In all he had worked for 155 days.

4. In the rejoinder it has been denied that the concerned workman was engaged to meet the exigencies of work. Instead he was engaged to perform duties of permanent nature.

5. In support of his case the concerned workman has filed his affidavit. No paper has been filed. In rebuttal the management has adduced the evidence of Manager S. K. Srivastava, MW-1. Besides papers relating to offering opportunity by way of publication in news papers have been filed.

6. It is pertinent to mention that in the claim statement the names of junior persons who were retained in service and the name persons who were engaged subsequently have not been given. Still in the affidavit for the first time it has been alleged that Lalta Prasad, Indal, Jai Prakash and Som Shukla were retained in service. Further Sri Krishna Hari Ram Vijay Kumar Shanker and R. D. Rai were engaged as new hands. No opportunity was given. In his cross examination he has stated that he does not know the date of appointment of persons who are alleged to be junior to him. On the other hand Sri Srivastava, MW-1 has stated that Vijai Kumar Desh Ram Kishan Kumar had never worked

at Choubepur branch. He has further stated that there was only one peon at this branch whose name was Udal Kumar Gupta. Whenever he used to go on leave the concerned workman was engaged.

7. From the above evidence, it is clear that the concerned workman was engaged and he was not holding regular post. The concerned workman has not been able to prove that person whom he claims to be junior to him. In its absence breach of Section 25-G is not proved.

8. As regards the breach of Section 25-H the concerned workman has not pleaded the names of persons. In its absence, I am not inclined to believe his version that new hands were recruited after his cessation of work.

9. In view of above I am of view that there has been no breach of Section 25-G and H of I. D. Act, hence termination of the concerned workman is not bad in law and he is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2374—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ बड़ोदा के प्रबंधकों के संवेद नियोक्ताओं और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निरूपित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-8-97 को प्राप्त आया।

[संख्या एल-12012/444/88-डी II (ए)/आईयार बी-II]

मनातन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2374.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workman, which was received by the Central Government on 22-8-1997.

[No. L-12012/444/88-D.II (A)/IR (B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT PANDU NAGAR, DEOKI PALACE
ROAD KANPUR

Industrial Dispute No. 72 of 1989

BETWEEN

Girdhari Lal

C/o General Secretary
Bank of Baroda Employees Union
C/o I. R. Chaudhary Bank of Baroda
89-B Civil Lines Bareilly.

AND

Regional Manager

Bank of Baroda
Bihari Manjil
Hotel Chandragupta
217 Civil Lines Bareilly.

APPEARANCE :

Lalita Prasad—for the Union and

Sri V. K. Gupta—for Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi, vide its Notification No. L-12012/444/88-D.2 (A) dated 9-3-89, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the action of the management of Bank of Baroda in terminating the services of Sri Girdhari Lal and not considering him for further employment while recruiting fresh hands, under Section 25-H of I. D. Act is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

2. The case of the concerned workman Girdhari is that he was appointed as peon by the opposite party by Bank of Baroda in 1981 and he continued to work upto 19-10-86. His services were brought to an end w.e.f. 20-10-86, in breach of provisions of Section 25-F and H of I. D. Act. Besides his services were terminated in perpetration of unfair labour practice. In this way termination of his services is bad in law.

3. Opposite party has filed reply in which it has been alleged that concerned workman was used to be engaged as water boy as and when there was shortage of water in the bank premises. He did not work regularly. It has further been pleaded that concerned workman worked for the last time upto 7-11-86. In one year preceding 7-11-86 he had worked in all for 67 days, the details of which have been given in para (3) of the written statement. In a case of daily rated casual worker question of observance of provisions of Section 25-F of I. D. Act and 25-H of the Act does not arise.

4. In the rejoinder, nothing new has been alleged except reiterating the facts given in the claim statement.

5. In support of his claim the concerned workman has filed his affidavit. He has also been cross examined. Further he has filed Ext. W-1 and W-2. In rebuttal the management has examined Gauri Shanker an officer of the bank as MW-1. Besides it has filed Ext. M-1 to 12-37 copies of vouchers.

6. The first point which needs consideration is as to whether the concerned workman was engaged as peon or was used to be engaged for supplying water as and when necessity arose. Naturally in his affidavit the workman has sworn that he was engaged as a peon. In his cross examination he has admitted that he was a daily rated worker and used to be given wages every week, through voucher. He has further stated that he was removed from service in December 1987 which is contrary to his stand taken earlier. According to which he was removed on 20-10-86. Gauri Shanker Garg MW-1 in rebuttal has stated that concerned workman was a casual worker and was paid wages every day. In his cross examination he has denied that the concerned workman used to perform duties of a peon. He has further stated that a regular peon was already posted at this branch. In my opinion, had the concerned workman been appointed as a peon on regular basis he would have been given wages per month. Further as there was already a peon in the branch question of having another peon does not arise. There is every possibility that concerned workman would have been engaged casually as and when water was needed. Hence, I believe the version of the management and hold that concerned workman was not engaged as a peon. Instead he used to be engaged to supply water as and when necessity arose. I further believe the evidence of MW-1 and find that the concerned workman had worked for 67 days in the year preceding his termination. In this way the concerned workman was not a workman under Section 2(s) of I. D. Act. In view of this finding it is obvious that there was no need for observance of Section 25-F and J of I. D. Act. I am also of the view that the opposite party had not indulged in unfair labour practice in taking work from the concerned workman when there was shortage of water.

7. In the end my award is that the termination of the concerned workman is not bad in law and concerned workman is not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

संख्या 2375—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में, केन्द्रीय सरकार न्यू बैंक ऑफ इंडिया (पंजाब नेशनल बैंक) के प्रबंधन के संबंध निम्नलिखित और उनके कर्मचारी के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एन-12012/171/92-आईएमए बी-2]

सनातन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2375.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of New Bank of India (Punjab National Bank) and their workman, which was received by the Central Government on 26-8-1997.

[No. L-12012/171/92-IR (B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT DEOAI PALACE ROAD, PANDU
NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 96 of 1992

In the matter of dispute

BETWEEN :

Regional Manager

New Bank of India
44 M. G. Marg
Lucknow.
Now

Regional Manager

Punjab National Bank
Regional Office
Varanasi.

AND

Secretary

New Bank of India Employees Union
C/o New Bank of India
Kotwali Chowk
Jaunpur.

Now

Secretary

Punjab National Bank Employees Union
C/o Punjab National Bank
Kotwali Chowk
Jaunpur.

APPEARANCE :

Shri B. P. Saxena—for the workman.

Shri J. P. Barnwal—for the Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, New Delhi vide its Notification No. L-12012/171/92-I.R. (B-II) dated 31-8-92 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of New Bank of India in discontinuing the payment of Agriculture Assistant's Allowance to Shri A. K. Srivastava, Agriculture Clerk w.e.f. 1-1-91 was legal and justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?

2. The case of concerned workman A. K. Srivastava is that he had appear in examination for recruitment of clerk, through Banking Service recruitment Board. After having being selected he was posted as Agriculture Assistant New Bank of India vide order dated 5-9-83 and was posted at Mauranipur Branch. He was given special allowance of Agriculture Assistant as well. He continued to work till August 1989. During this period he was given Special Assistant allowance regularly. By order dated 5-9-89 he was transferred to Jaunpur in place of one P. C. Singh Special Assistant. Accordingly he was paid special Assistant allowance as well. Subsequently one Janardan Singh was transferred to Jaunpur branch by order dated 19-1-90. When he joined he was posted as Agriculture Special Assistant and the concerned workman was designated as Agriculture Clerk. His allowance for special assistant was discontinued. He has challenged this act of withdrawn in two ways. Firstly it is alleged that he was appointed as Special Agriculture Assistant. Hence he was entitled for its allowance as well. It could not be stopped subsequently. In the 2nd place it is alleged that in the appointment order itself Special Allowance was provided to him. Hence he is entitled for the same which could not be discontinued.

3. The opposite party has filed written statement in which it has been denied that the concerned workman was appointed as Agriculture Special Assistant. He was paid the allowance as he had worked on the post of Special Assistant. When he was reverted back as Agriculture Clerk this special allowance was discontinued. Nothing has been said regarding the claim of the concerned workman on the basis that he was allowed special Assistant at the time of service and that it was part of the condition of service.

4. In the rejoinder nothing worth mentioning has been alleged.

5. The first contention of the concerned workman will be considered first. There is Ext. M-1 copy of appointment letter dated 5-9-83 of the concerned workman. In it shows that the concerned workman was appointed as agriculture clerk/Cashier/Godown Keeper. In the face of this appointment letter I am not inclined to believe the evidence of the concerned workman and hold that the concerned workman was not appointed as Agriculture Special Assistant.

6. The 2nd basis for the claim of Special allowance is that it was part of condition of service. Once again reference is to be made Ext. M-1 the copy of appointment letter dated 5-9-83. It shows that concerned workman was entitled to Rs. 365 as his basic pay in the scale given there in. He was also entitled for Dearness Allowance, H.R.A., C.C.A. as well as Rs. 7 as special allowance. It will be evident that he was not appointed as Agriculture Assistant hence it can not be said that this special allowance was given in the capacity of Agriculture Assistant. Further it is not a separate pay slip which usually follows an appointment letter. It is quite clear that this special allowance was given in the appointment letter itself. Hence I have no option but to hold that grant of special allowance was part and parcel of term of condition of service. Hence the opposite party bank could not legally discontinue it. If the bank feels that this special allowance has wrongly been made as part of condition of service of agriculture clerk it will be open to them to do so after affording proper opportunity to the concerned workman, keeping in view the principle of natural justice as well.

7. In view of above discussion my award is that the action of the management of New Bank of India in discontinuing the payment of Agriculture Assistant Allowance to Shri A. K. Srivastava, Agriculture Clerk w.e.f. 1-1-91 is not justified. Hence he will be entitled for Agriculture Special Allowance from the date it was discontinued and will continue to get it in further as well in accordance with Rules.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.भा. 2376.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/271/94-आईआरबी-2]]

सनातन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2376.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Central Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on 22-8-97.

[No. L-12012/271/94-IR(B-II)]

SANATAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUS-
TRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT
PANDU NAGAR, DEOKI PLACE,
KANPUR

Industrial Dispute No. 25 of 1995

In the matter of dispute :

BETWEEN

Sachiv Central Bank Staff Association
87B/IV-A Sarvodaya Nagar
Allahpur.

AND

Regional Manager
Central Bank of India
R. O. Lanka Varanasi.

APPEARANCE:

Sri B. P. Saxena—for the workman and

Sri D. D. Tiwari—for the Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/271/94-IR (B-2) dated

10-2-95, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal —

Whether the action of the management of Central Bank of India Katra Branch Allahabad in terminating the services of Sri Rakesh Kumar Casual workman w.e.f. 1993 and refusing to absorb him on permanent basis in terms of the approach paper circulated by the M/Finance in 1990 is legal and justified. If not to what relief is the workman entitled?

2. The case of the concerned workman Rakesh Kumar is that he was engaged as a peon at Katra Branch of the opposite party Central Bank of India in January 87 and he continued to work in that capacity upto 12-6-93, whereafter his services were illegally terminated in breach of provisions of section 25F of I.D. Act. Further on 16-8-90 Central Government had issued the approach paper according to which concerned workman should have been regularised. Hence he is entitled for reinstatement with back wages as well as he is entitled for regularisation.

3. The opposite party has filed written statement in which it has been alleged that concerned workman was engaged to supply water. He was not engaged as a peon. He was a casual worker. Hence, question of termination of his services does not arise and provisions of section 25F of I.D. Act also do not apply to it.

4. In the rejoinder it has been denied that the work of water supplying was taken from him.

5. In support of his case, the concerned workman has examined himself. Further he had filed the report of a spot inspection done by ALC(C) with regard to this dispute. In rebuttal M. H. Mishra M.W-1 an officer of the bank has been examined. Further Exts. M1 to M2 relating approach papers have been filed.

6. The first point which needs consideration is as to whether the concerned workman was employed as peon. Naturally the concerned workman has stated that he was engaged as a peon and he was performing the duties of peon. Whereas M. H. Mishra M.W-1 has stated that the concerned workman was a casual labour who use to supply water. His work was for 2 or 2-1/2 hours per day. Workman has filed the proceedings held by ALC(C) Allahabad in this matter. He had made inquiry from B. N. Seth branch manager, one Ram Swarup and one R. N. Jain. The branch manager had pointed out that the concerned workman was the only person working as sub-staff at this branch. Further he had told that concerned workman used to remain in office for whole day and used to do the job of peon. His payment was made through vouchers. In my opinion, this statement alone clinches the issue in favour of the concerned workman. Thus as the evidence of the concerned workman finds support from the above statement of branch Manager, I come to the conclusion that the concerned workman was engaged as peon. He was not employed as waterman.

2246 GI/97—27

7. The concerned workman has stated that he has continuously worked from January 1987 to 12-6-93. There is no rebuttal of this fact, hence I accept it and hold that concerned workman had completed more than 240 days in a year. Admittedly no retrenchment compensation and notice pay was given to him. Hence, it is held that termination of the concerned workman being in breach of provisions of section 25F of I.D. Act, is bad in law.

8. I have also gone through the approach paper. It only says that when vacancy arises test will be made and if found fit the candidates should be regularised. Hence these formalities are to be observed. In its absence the concerned workman is not entitled for out right regularisation.

9. Accordingly my award is that termination of the concerned workman is bad in law and he will be entitled for reinstatement with back wages at the rate at which he was drawing wages for the last time. However, he will not be entitled for regularisation at present. It is expected that when post falls vacant the management will regularise his services if found fit.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2377.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक आफ इंडिया के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/303/92-आईआर (बी-2)]
सनातन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2377.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on the 22-8-97.

[No. L-12012/303/92 IR(B-II)]

SANATAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING
OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUST-
RIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
DEOKI PALACE ROAD PANDUNAGAR
KANPUR

Industrial Dispute No. 18 of 1993

In the matter of dispute :

BETWEEN

General Secretary Bank of India Staff
Association,
115-A Samar Bihar Colony
Alam Bagh
Lucknow

AND

Zonal Manager
Bank of India
B-20/44A Bhelapura
Varanasi.

APPEARANCE :

Shri B. P. Saxena for the workman.

Shri V. K. Gupta for the Management.

AWARD

1. Central Government Ministry of Labour New Delhi vide its Notification No. L-12012/303/92 dated 16-2-94 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the claim of Bank of India Staff Association that Mohd. Israr had worked at the Bank of India, Bahraich Branch for more than 240 days during 1986 and continued to work in 1987 and is therefore entitled to be reinstated in the Bank service is justified? If so, what relief the workman is entitled to?

2. The case of the concerned workman Mohd. Israr is that he was engaged as Sepoy in Feb. 1985 at Bahraich branch at opposite party Bank of India. In this bank peons are called as Sepoy. He continuously worked upto 30-6-87 when his services were brought to an end in breach of provision of Section 25F of I.D. Act.

3. The opposite party has filed reply in which it has been alleged that concerned workman was never engaged as Sepoy at Bahraich branch of the opposite party. Hence question of his removal from service does not arise. Consequently question of payment of notice pay and retrenchment compensation does not arise.

4. In the rejoinder it has been reiterated that he had worked as Sepoy with the opposite party as alleged in the claim statement.

5. In support of his claim the concerned workman has filed Ext. W-1 a certificate dated 31-10-85 and Ext. W-2 extract of his ledger. Beside Mohd. Israr WW(1) has examined himself. In rebuttal the opposite party has examined Alok Kumar Mitra MW(1).

The first point which calls for determination is as to whether the concerned workman was engaged as Sepoy and had actually worked in that capacity. Mohd. Israr WW(1) has stated that he had worked as Sepoy from Feb. 1985 and he continuously worked upto June 1987. For this purpose he was issued certificate Ext. W-1 and his money was also deposited in Bank in respect of which W-2 ledger has been filed. In his cross-examination he has stated that Ext. W-1 certificate was issued by Alok Kumar Mitra. In rebuttal Alok Kumar Mishra officer of the Bank MW.1 has stated that the concerned workman had never worked at Bahraich. He has further stated that he had not issued certificate Ext. W-1. It may be noticed that Ext. W-1 certificate bears the signatures of Alok Kumar Mitra in English whereas on the statement given on oath Alok Kumar Mitra has signed in Hindi. It was pointed by the authorised representative of the present workman that Alok Kumar Mitra, had disguised his signatures, in order to avoid getting the signature examined by handwriting expert. Hence specimen signature of bank was not summoned. The opposite party bank did not produce it in Tribunal. However, it was shown to the Presiding Officer. It was found that Alok Kumar Mitra has given his signatures in English because of this I accept the contention of the concerned workman and hold that Alok Kumar Mitra had concealed his signatures which in turn leads inference that Ext. W-1 certificate was issued by him. Hence I accept the evidence of the concerned workman and hold that certificate Ext. W-1 was issued by Alok Kumar Mitra. In turn it establishes the case of the concerned workman that concerned workman was employed as peon with the opposite party at Bahraich branch. Accordingly it is held that the concerned workman was engaged as peon and he worked from February 1985 to June 1987 as alleged by the concerned workman.

6. Admittedly no notice pay or retrenchment compensation was given to the concerned workman by the management when he was removed from service, hence this termination is bad in law being breach of section 25F of I.D. Act.

7. Accordingly my award is that removal from the service of concerned workman Mohd. Israr is bad in law and he is entitled for reinstatement with back wages at the rate at which he was drawn wages for the last time.

11-8-1997.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1997

का.आ. 2378.--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17, के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडिकेट बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-8-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-12012/348/91-आईआर बी-2]
सनातन, बैंक अधिकारी

New Delhi, the 26th August, 1997

S.O. 2378.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Syndicate Bank and their workman, which was received by the Central Government on 22-8-1997.

[No. L-12012/348/91-IR (B-II)]

SANATAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, DEOKI PALACE ROAD, KANPUR.

Industrial Dispute No. 64 of 1992

In the matter of dispute :

BETWEEN

Assistant General Secretary, Syndicate Bank Staff Association, Ram Naresh Bhawan, Tilak Gali, Paharganj, New Delhi.

AND

Assistant General Manager, Syndicate Bank, Zonal Office, 43/28, N. K. Road, Skylark Third Floor, Lucknow.

APPEARANCE :

N. K. Goel for the workmen and Shri V. P. Srivastava for the Management.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/348/91-I.R. (B-2), dated 26-3-1992, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the action of the management of Syndicate Bank in not assigning permanent Spl. Assistant to S/Shri B. L. Agrawal, Gajadhar Singh, P. P. Saraswat, S. C. Jain and R. P. Tantiwala clerks and also not confirming Shri V. P. Sharma, Attendant since the date of his joining, i.e., 5-5-1984 is justified? If not, to what relief are the workmen entitled to?”

2. In this reference there are two disputes, one relates to B. L. Agrawal, Gajadhar Singh, P. P. Saraswat, S. C. Jain, and R. P. Tantiwala who have claimed permanent assignment as Special Assistant which in turn in my opinion amounts to getting promotion. The second dispute relates to Vishnu Prasad Sharma, Attender who has claimed regularisation because of long duration of working.

3. The case of the workmen of first group is that they are working as clerks of Brindaban Branch of the opp. party Syndicate Bank. They were temporarily promoted as Special Assistant and have been performing the duties likewise. In doing so they have completed 240 days, hence they are entitled for permanent promotion as Special Assistant.

4. The case of V. P. Sharma is that he is working as temporary attender w.e.f. 4-5-1984. In all he has completed for more than 1966 days hence he is entitled for regularisation.

5. The opposite party has filed reply in which it has been denied that these five clerks were never promoted as Special Assistant. In fact such promotion is done on the basis of settlement dated 27-5-1987 and 6-10-1990. Accordingly such Special Assistant are promoted through selection procedure wherein seniority-cum-suitability is the sole criteria for which interview is also held. The concerned workman were never promoted in this manner. It is further alleged that in stop gap arrangement work of special asstt. is some time taken from these clerks when a permanent special assistant is on leave for five days or more, or is placed under suspension or is dead and or he retires. The concerned workmen were asked to do work of special assistant on the basis of one of the either above mentioned contingencies and on this basis they cannot claim promotion. As regards the case of V. P. Sharma it is alleged that there is no vacant post hence he cannot be regularised.

6. In the rejoinder nothing new has been alleged.

7. In support of his case workmen filed Ext. W-1 to W-7 and had further examined Gajadhar Singh W.W. 1. It may also be pertinent to be mentioned that B. L. Agrawal, R. P. Tantiwala and P. P. Saraswat had also filed affidavits but were not produced for cross examination hence their evidence is not being read. In rebuttal Narendra Kishore Digran M. W. 1 an officer of the bank was examined. Besides Ext. M. 1 to M. 4 were filed. As regards the case of V. P. Sharma, suffice it to say that subsequently he was given opportunity for regularisation by way of appearing in test. In this regard V. P. Sharam W.W.1 in his cross-examination had stated that there was an advertisement for test and he had applied but no interview letter was issued to him. On the other hand management witness has stated that concerned workman not applied hence his case could not be considered. There is no cross examination in this regard. Hence I accept the unchallenged evidence of management witness M. W. 1 and hold that concerned workman had not appeared in such test. Hence he is not entitled for regularisation. Even if subsequently some one has been promoted or new hand has been appointed it will not confer any right upon the case of V. P. Sharma. Hence, my finding is that concerned workmen is not entitled for regularisation.

8. As regards assignment of permanent Special Assistant job to the five workmen concerned clerks, it is pertinent to that in the claim statement they have not given the date of their respective date of temporary promotion and even in the oral evidence Gajadhar Singh W.W. 1 has not said any thing. Hence the very case of the concerned workman that they were temporarily promoted is not correct. In either case, if the concerned workmen were actually promoted such order must be in writing. That order is also

not filed by the concerned workman. Further management witness has stated that at present there are two posts of special assistant which are already filled. There can be no denying of the fact that promotion can be made in respect of existing vacancy. It appears to me that concerned workmen from time to time were assigned the duties of permanent special assistant due to contingencies having occasioned because of retirement, leave and suspension. It is well settled law that when a junior person is allowed to work on a senior post due to certain contingency, it does not give him right of being absorbed at senior place without under going requisite procedure. Thus because of the above factors I am of the opinion that the concerned workmen are not entitled for assignment of permanent special assistant duties.

9. In the end my award is that the action of the management in not assigning the duty of permanent special assistant to the concerned five clerks and non-regularisation of V. P. Sharma as Attender is justified and the concerned workmen are not entitled for any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer.

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1997

का.आ. 2379.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि शीशा खनन उद्योग में सेवाओं को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 14 के अंतर्गत निदिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ह) के उपखंड (VI) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस.-11017/15/97 (आई)-आर (पी.एल.) (i)]

एच.सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 1st September, 1997

S.O. 2379.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Lead Mining Industry which is covered by item 14 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares, with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/15/97-IR(PL)(i)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1997

का.आ. 2380.—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि जिक खनन उद्योग में सेवाओं को, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 15 के अंतर्गत निदिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवाएं घोषित किया जाना चाहिए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ह) के उपखंड (VI) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः माहों की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/15/97-आई.आर. (पी.एल.) (ii)]

एच.सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 1st September, 1997

S.O. 2380 —Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Zinc Mining Industry which is covered by item 15 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months

[No. S-11017/15/97-IR(PL)(ii)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1997

का.आ. 2381.—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि कोल उद्योग को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची के मद 4 में निदिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ह) के उपखंड (VI) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस.-11017/2/97-आई.आर. (पी.एल.)]

एच.सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 1st September, 1997

S.O. 2381.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the Coal Industry which is covered by Item 4 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/2/97-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1997

का.आ. 2382 :—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (vi) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 908 दिनांक 17 मार्च, 1997 द्वारा बैंकिंग उद्योग को जो उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (ख) में परिभाषित बैंकिंग कम्पनी द्वारा चलाया जाता है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 19 मार्च, 1997 से छः माह की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (vi) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के लिए 19 सितम्बर, 1997 से छह मास की ओर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/5/97-आई.आर. (पालिसी)]
एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 2nd September, 1997

S.O. 2382.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of the clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 908 dated 17th March, 1997 the Banking Industry carried on by a Banking Company as defined in clause (bb) of section 2 of the said Act to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a period of six months from the 19th March, 1997;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility

service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 19th September, 1997.

[No. S-11017/5/97-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1997

का. आ. 2383 :—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है कि सिक्युरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद को जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टि 21 के अंतर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/16/97-आई.आर. (पी.एल.)]
एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 10th September, 1997

S.O. 2383.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the Security Paper Mill, Hoshangabad which is covered by item 21 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/16/97-IR(PL)]
H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1997

का. आ. 2384 :—केन्द्रीय सरकार इससे संतुष्ट है कि लोकहित में यह अपेक्षित है कि उद्योग, भारत सरकार टकसाल, कलकत्ता जो कि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में प्रविष्टि 11 द्वारा शामिल है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (द) के उपखंड (vi) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं. एस-11017/1/97-आई.आर. (पी.एल.)]
एच. सी. गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 10th September, 1997

S.O. 2384.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the services in the India Government Mint, Calcutta which is covered by item 11 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months.

[No. S-11017/1/97-IR(PL)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1997

का. आ. 2385 :—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम प्रवर्तन से नौ महीने की अवधि के लिए छूट प्रदान करती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:

- (1) पूर्वोक्त कारखाने, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान लिखा जायेगा,
- (2) इस छूट के होने हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रशिक्षण प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जायें,
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापस नहीं किए जायेंगे,
- (4) उक्त कारखाने का निरीक्षक, उस अवधि की अवधि के दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि कहा गया है" ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रारूप में और ऐसी विनिर्दिष्टों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की अवधि देनी थी,
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस

निम्नलिखित प्राधिकृत कोई अन्य पद्धतियों :-

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की अवधि दी गई किसी विवरणों की विनिर्दिष्टों को सत्यापन करने के प्रयोजनार्थ,

(ii) यह अभिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं, या

(iii) यह अभिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, निरीक्षक द्वारा दिये गये उन फायदों को, जिसके प्रतिफल स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या

(iv) यह अभिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उक्त अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सज्जत होगा :-

- (क) प्रधान या अध्यक्षित निरीक्षक से अपेक्षा करने कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पद्धतारी आवश्यक समझता है।
- (ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित निरीक्षक आयोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और गजट्टी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पद्धतारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे, जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- (ग) प्रधान या अध्यक्षित निरीक्षक को उनके, अभि-कर्ता या मेवक की, या ऐसे किसी अन्य व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाये, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पद्धतारी के पास यह विश्वास करने का युक्तिवत्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना, या

- (घ) ऐसे कारखाने स्थापन, कारखानों या अन्य परिसरों में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबंदी या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

[संख्या एस०-38014/55/92-एस०एस०-1]

जय प्रकाश शुक्ल, अवर सचिव

(स्पष्टीकरण जापन)

इस मामले में छूट को भूतलक्षी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है क्योंकि छूट के आवेदन पर कार्यवाही करने में समय लगा था। किन्तु यह प्रमाणित किया जाता है कि छूट को भूतलक्षी प्रभाव देने से किसी भी व्यक्ति के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 8th September, 1997

S.O. 2385.—In exercise of the power conferred by section 88 read with section 91-A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby exempts the regular employees of M/s. Cochin-Refineries Ltd., Ambalamugal, Kerala from the operation of the said Act for a period with effect from the 1st October, 1994 up to and inclusive of the 30th September, 1997.

2. The above exemption is subject to the following conditions namely :—

- (1) The aforesaid establishment wherein the employees are employed shall maintain a register showing the name and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory/establishment shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any inspector appointed by the Corporation under Sub-Section (1) of Section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purpose of :—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of Section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory to empowered to :—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such inspector or other official and allow him to examine accounts, books and other documents relating to the employment of personal and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[File No. S-38014/55/92-SS.I.]
J. P. SHUKLA, Under Secy.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as processing of the applications for exemption took time. However, It is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

नई दिल्ली 10 सितम्बर 1997

का०आ० 2386:—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 3, उप-धारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निर्यातित पक्षधारी के चयन और नियुक्ति तक पूर्ण रूप से तदर्थ व्यवस्था के रूप में एतद्वारा 6-5-97 से श्री पी० सुब्रमणियन को उत्प्रवास संरक्षी-II चेन्नई के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एस०-11011/1/96-इमिग]
वी०डी० नागर अवर सचिव

New Delhi, the 10th September, 1997

S.O. 2386.—In exercise of the powers conferred by Section 3, Sub Section (i) of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby appoints Shri P. Balasubramanian as Protector of Emigrants-II Chennai w.c.f. 6-5-97 as a purely stop gap arrangement till regular incumbent is selected and appointed.

[No. S-11011/1/96-Emig.]
V. D. NAGAR, Under Secy.

